॥ श्रीः ॥

स्थापित सन् १८९२

तारग्राम । चौखम्बा सीरीज, वाराणसी टेलीफोन : ६३१४५

Catalogue No. 98

CHOWKHAMBA SANSKRIT SERIES OFFICE

K. 37/99, Gopal Mandir Lane
POST BOX 1008, VARANASI-221001 (U. P.) INDIA

चौखम्बा सीरीज साहित्य

१९८६ ई०



चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस

भा र ती य सां स्कृ ति क–सा हि त्य के प्र का श क-वि त र क
के० ३७/९९, गोपाल मन्दिर लेन
पो० आ० चौखम्बा, पो० बा० १००८, वाराणसी–२२१००१
(भारत)

१९८६] [1986]

आर्डर देते समय इस सूचीपत्र की संख्या ९८ का उल्लेख अवश्य करें ।

विषयानुक्रमणिका

ऋग्वेदसंहिता

'सायणभाष्य' सहित

सम्पादक—प्रो० मैक्समूलर

साइज डिमाई चौपेजी] स्थूलाक्षर, पक्की जिल्द [१-५ खण्ड] मूल्य १०५०-००

जो ग्रन्थ जर्मनी में छपने के कारण भारत में अनुपलब्ध था उसीका यह भारतीय संस्करण है। विशेष माँग के कारण लक्षाधिक व्यय से यह पुनः 'कृष्णदास अकादमी' द्वारा फोटो आफसेट से अविकल आकार प्रकार और मोटे अक्षर में छापा गया है। संपादक महोदय के जीवनव्यापी श्रम एवं शोध का परिणाम इस परिशुद्ध संस्करण के रूप में प्रस्तुत है। इसमें प्रतिसंस्करण तथा प्रतिभाग के विचारपूर्ण आमुख, संकेतसूची आदि उपयोगी विषय भी ग्रन्थारंभ में उपन्यस्त है। अन्तमें सर्वोत्तम विशुद्ध पाण्डुलिपि तथा प्रातिशाख्य के प्रमाणों के आधार पर शुद्धाशुद्धि की विस्तृत सूची भी बड़ी उपयोगी है।

वाचस्पत्यम्

(बृहत् संस्कृताभिधानग्रन्थः)

आकार—डिमाई ४ पेजी, पृष्ठ संख्या ५५००

संपूर्ण ग्रन्थ कपड़े की पक्की ६ जिल्दों में

इच्छुक ग्राहकों के आग्रह पर लक्षाधिक व्यय से पुनः प्रकाशित रू० ६००-००

महाभारतकोश

(महाभारत के नामों और विषयों की अनुक्रमणिका)

डॉ० रामकुमार राय

क्राउन ८ पेजी] भाग १-२ सम्पूर्ण [मूल्य ४००-००

इस कोश में शब्दों की अकारादिक्रम से व्यवस्था की गयी है तथा प्रत्येक शब्द के पर्यायवाची शब्द दिये गये हैं। महाभारत में आये हुए नामों का परिचय इतिवृत्त तथा उनकी विशेषता का भी उल्लेख तत्तत् नामों के साथ ही किया गया है। महाभारत के पारिभाषिक शब्दों का अर्थ करते समय अवान्तर पर्वों के कथोपकथन का भी सविवरण प्रतिपादन कर दिया गया है। महाभारत में प्रत्येक पात्रों का इतिवृत्त बिखरा हुआ है किन्तु इस कोश में प्रत्येक पात्र का समस्त कृतित्व, व्यक्तित्व और जीवनवृत्त एक ही जगह पढ़ने को मिलता है।

दत्तात्रेयपुराणोपनामकं

दत्तपुराणम्

स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वतीकृत-

'वासुदेवी' संस्कृत टीका सहित

पोथी साइज) मोटा अक्षर, पृ० ३५० (मूल्य १५०-००

(मन्त्रगर्भ गणपति स्तोत्र, मन्त्रगर्भ सरस्वती स्तोत्र, आत्मपूजादीपिका, दत्तात्रेय-अष्टोत्तरशतनामावली, भजन-कीर्तनादिसहित शोधपूर्ण नवीन संस्करण)

पुराणेतिहास के सारभूत महर्षि दत्तात्रेयोक्त यह पुराण नवीन काण्डों में विभक्त है—ज्ञानकाण्ड, उपासनाकाण्ड और कर्मकाण्ड। प्रत्येक काण्ड की उपदेशात्मक महर्षि-वाणी अत्यन्त सरल सुबोध और चित्ताकर्षक है। संस्कृत टीका में ग्रन्थ के गूढाशय को पदे-पदे व्यक्त किया गया है। भारतीय संस्कृति और भारतीय परम्परा में श्रद्धा रखने वाले विद्वानों के हित के लिए बड़े परिश्रम पूर्वक इसका संपादन और प्रकाशन हुआ है।

साम्बपुराणम्

संपादक—डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी

यह उपपुराण कूर्मपुराणोक्त चतुर्दश उपपुराणों में से एक है। इसके ८४ अध्यायों में यथाक्रम से महर्षि नारदोक्त सूर्य की उपासना, मूर्तिस्थापना, व्रत-पूजा आदि का फलप्रद माहात्म्य तथा सर्वरोगनिवारक सूर्यपूजा का विधान भिन्न-भिन्न प्रकार से किया गया है। विशेषतः जाम्बवती-नन्दन साम्ब को कुष्ठरोग क्यों और कैसे हुआ तथा सूर्योपासना से कैसे वे रोग-मुक्त हुए? इसका कथोपकथन पूर्वक विशेष वर्णन है। विद्वान् संपादक ने शताधिक पृष्ठों की प्रस्तावना में सम्पूर्ण ग्रन्थ की व्याख्यानात्मक समीचा अति सरल सुबोध संस्कृत भाषा में कर दी है, जिससे लघु रूप में यह ग्रन्थ सर्वबोधगम्य हो गया है। शताधिक सद्यःफलप्रद सूर्यस्तवों से यह ग्रन्थ विभूषित है। ७५-००

ब्रह्माण्डमहापुराणम्

समीक्षात्मक भूमिका, विषयसूची, श्लोकानुक्रमणिकादि सहित

संपादक—डॉ. के. वी. शर्मा

पोथी साइज] मोटा अक्षर, पृ. सं. ५०० [मूल्य १५०-००

इस पुराण में ब्रह्माण्ड का आद्योपान्त वर्णन होने से इसका नाम 'ब्रह्माण्ड महापुराण' पड़ा है। इसमें संपूर्ण विश्व का सांगोपांग वर्णन किया गया है इस संस्करण की सबसे बड़ी विशेषता यह भी है कि इसमें प्रक्रियापाद, अनुषङ्गपाद, उपोद्घातपाद तथा उपसंहारपाद, ये चारों पाद उपलब्ध होते हैं, जो किसी भी अन्य संस्करण में छपे नहीं हैं।

अति शीघ्र प्राप्त होने वाले ग्रन्थ

मध्यसिद्धान्त कौमुदी

'सीता' 'सावित्री' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या नोट्स सहित

व्या०—पं० कालीकान्त झा

इसकी संस्कृत व्याख्या में 'सि० बालमनोरमा' टीका की तरह मूल ग्रन्थ के प्रतिपद की अतिसरल सुबोध शब्दों में व्याख्या की गई है तथा सूत्रार्थ, वार्तिकार्थ और परिभाषाओं के विवेचन उदाहरण-प्रत्युदाहरण दे-दे कर किये गये हैं। साथ में हिन्दी टीका और टीका के साथ विमर्शाख्य हिन्दी नोट्स हो जाने से सर्वसाधारण पाठक के लिए भी यह संस्करण सुलभ बोधगम्य हो गया है। संस्कृत टीका में प्रत्येक प्रयोग की साधनिका प्रश्नोत्तर लेखन प्रकार की तरह की गई है। अब परीक्षार्थियों को इस ग्रन्थ की प्रश्नोत्तरी की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

मध्यसिद्धान्त कौमुदी

'सावित्री' हिन्दी व्याख्या नोट्स सहित

व्या०--पं०.कालीकान्त झा

राष्ट्र भाषा प्रेमी छात्रों की तुष्टि के लिए तथा छात्र सामान्य को अल्प व्यय में यह ग्रन्थ उपलब्ध हो सके इसी उद्देश्य से यह लघु संस्करण प्रकाशित किया गया है। विद्वान् लेखक ने ग्रंथ के गूढार्थों का विमर्शाख्य नोट्स में सोदाहरण विवेचन किया है। यह इस संस्करण की प्रमुख विशेषता है।

सशब्दरत्न—प्रौढमनोरमा

सविमर्श 'भावप्रकाशिका' 'भावबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या

व्या०— डॉ० जयशंकर प्रसाद

'शब्दरत्न' टीका सहित यह ग्रंथ सभी महाविद्यालयों पाठ्य स्वीकृत है। शब्दरत्न टीका आशय की दृष्टि से बहुत ही गंभीर है। अतः विद्वान् लेखक ने टीका के प्रतिपद की प्रतीक-निर्देश पूर्वक व्याख्या की है, जिससे इस ग्रंथ के पठन-पाठन में ग्रन्थाशय समझने-समझाने में विशेष सुविधा होगी। इसकी सविमर्श हिन्दी व्याख्या भाष्य अति विस्तृत होने से शब्दरत्न का एक हिन्दी रूपान्तर ही बन गया है। साइज बड़ी (डिमाई)

मृच्छकटिकम्

सविमर्श 'भावप्रकाशिका' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित

व्या०--जयशंकर प्रसाद

इस नाटक पर जितनी व्याख्याएँ उपलब्ध हैं, वे सामान्य रूप से सभी के लिए सहज बोधगम्य नहीं है। अतः विद्वान् लेखक ने अपने अनुभूत कठिनाइयों से तथा मूल ग्रन्थ के प्राणोन्मादिनी प्रभाव के सविशेष आकर्षण से सविमर्श सं० हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की है। इसके अध्ययन से छात्र ग्रन्थकार के गंभीर भाव तक अनायास पहुँच सकेंगे। शास्त्रार्थ के दुरूह अंशों पर स्पष्ट सारगर्भ विवेचन इसकी विशेषता है। साइज बड़ी (डिमाई)

नवीनतम प्रकाशित उत्कृष्ट ग्रन्थ

१ कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम् । (आलोचनात्मक भूमिका, ऐतिहासिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक अध्ययन तथा हिन्दी अनुवाद) डॉ० रघुनाथसिंह प्रथम भाग १-३ अधिकरण १५०-००
द्वितीय भाग ४-९ अधिकरण

२ पातञ्जलयोगदर्शनम् । व्यासभाष्य सहित-सटिप्पण 'योगभाष्यचन्द्रिका' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार-डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी ५०-००

३ निर्णयसिन्धुः । पाठान्तरसहित-टिप्पणी आदि से विभूषित । सम्पादक-पं० नारायणराम आचार्य १२५-००

४ संस्कारमयूखः । श्रीनीलकंठ भट्ट प्रणीतः (प्रथमो मयूखः) सम्पादकः पं० नरहरिशास्त्री शेंडे ४०-००

५ माधवनिदानम् । सविमर्श 'कुसुम' हिन्दी व्याख्या सहित । वैद्य आशुतोष मालवीय २५-००

६ मुहूर्त्तचिन्तामणिः । सविमर्श 'चन्द्रिका' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार-डॉ० रामचन्द्र पाण्डेय २५-००

७ शार्ङ्गधर संहिता । मिषग्वर आढमल्ल-विरचित "दीपिका" पं० काशीराम वैद्यप्रणीत "गूढार्थदीपिका" टीका सहित । सम्पादक-पं० परशुराम शास्त्री विद्यासागर ८०-००

८ रत्नावलीनाटिका । सटिप्पण 'कमलेश्वरी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार-डॉ० बालगोविन्द झा १२-००

९ लघुसिद्धान्तकौमुदी । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार-पं० गिरीशकुमार ठक्कुर १५-००

१० लिङ्गानुशासनम् । सटिप्पण 'प्रह्लाद' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार स्वामी प्रह्लाद गिरि वेदान्तकेशरी ६-००

११ शीघ्रबोधः । सान्वय 'सुगमा' हिन्दी व्याख्या सहित । व्या० आचार्य रामजन्म मिश्र ८-००

१२ अभिषेकनाटकम् । 'शशिप्रभा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार-डॉ० जमुना पाठक १०-००

१३ अष्टाध्यायीसूत्रपाठः । पूर्वपीठिका सूत्रविवरणात्मक 'प्रह्लाद' टिप्पणी सहित । संस्कर्ता-स्वामी प्रह्लाद गिरि वेदान्तकेशरी १२-००

१४ शिशुपालवधम् । म० म० कोलाचल मल्लिनाथ-सूरिकृतया सर्वंकषा-ख्यया व्याख्यया समुल्लसितम् । संपादक-पं० दुर्गाप्रसाद एवं पं० शिवदत्त ७०-००
१५ आयुर्वेद का मूल सिद्धान्त । गुजरात यूनिवर्सिटी की अभ्यासेतर प्रवृत्तियों की योजना के तत्त्वावधान में दिये व्याख्यान) । डॉ० प्राण जीवन महेता । हिन्दी रूपान्तरकार-कविराज श्री वागीश्वर शुक्ल ६५-००
१६ दत्तात्रेयतन्त्रम् । 'शिवदत्ती' हिन्दी टीका सहित । व्याख्या०-आचार्य पं० शिवदत्त मिश्र शास्त्री ६-००
१७ नैषधीयचरितम् । मल्लिनाथकृत 'जीवातु' संस्कृत टीका सहित सान्वय सटिप्पण 'चन्द्रिका' हिन्दी व्याख्योपेतम् । व्याख्याकार-डॉ० देवर्षि सनाढ्य । (१-११ सर्ग) पूर्वार्ध ५०-००
१८ परमलघुमंजूषा । 'भावप्रकाशिका' 'बालबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेता । व्याख्याकार डॉ० जयशंकरलाल त्रिपाठी २६-००
१९ रामायणमञ्जरी । क्षेमेन्द्र विरचित । सम्पादक मददत्त शास्त्री एवं काशीनाथ पांडुरंग परब ७०-००
२० सुश्रुत-संहिता (सचित्र) । 'छात्र-सुबोधिनी' हिन्दी टीका सहित । व्याख्याकार-वैद्य पं० शम्भूनाथ शास्त्री ९०-००
२१ पौराणिक रहस्यों का समीक्षात्मक अनुशीलन । डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ६५-००
२२ विक्रमोर्वशीयम् । सान्वय 'विनोद' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्या०-पं० विन्ध्येश्वरी प्रसाद मिश्र १६-००
२३ वेणीसंहारनाटकम् । सान्वय 'कमलेश्वरी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्या०-डॉ० बालगोविन्द झा २८-००
२४ ऋग्वेद-मन्त्राणां वर्णानुक्रमसूची । सम्पादक-डॉ० सुधाकर मालवीय ५०-००
२५ अथर्व-चिकित्सा-विज्ञान । डॉ० हीरालाल विश्वकर्मा ८५-००
२६ अविमारकम् । सान्वय 'कमलेश्वरी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, परिशिष्ट सहित । व्या० डॉ० बालगोविन्द झा १८-००
२७ उड्डीशतन्त्रम् । 'शिवदत्ती' हिन्दी व्याख्या सहित । व्या०-पं० शिवदत्त मिश्र ६-००
२८ कालीरहस्यम् । 'शिवदत्ती' हिन्दी टीका सहित । पं० शिवदत्त मिश्र शास्त्री १५-००
२९ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । सटिप्पण 'परिमल' 'कल्पतरु' भामती' व्याख्यात्रयसमलंकृत । सम्पादक-श्री अनन्तकृष्ण शास्त्री १७५-००

३० साम्बपुराणम् । (उपपुराणम्) सम्पादकः समीक्षकश्च—डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ७५—००

३१ तिङन्तार्णवतरणिः । (ण्यन्तप्रक्रियादिसहित—बृहत्तमधातुरूपकोशः) पं० धन्वाडगोपालकृष्णाचार्य सोमयाजी प्रणीतः । सम्पादक— पं० रामचन्द्र झा १२५—००

३२ दत्तपुराणम् (दत्तात्रेयपुराणोपनामकम्) । 'वासुदेवी' संस्कृत टीका सहितम् । टीकाकारः सम्पादकश्च—स्वामी श्रीमद्वासुदेवानन्दसरस्वती १५०—००

३३ महाभारतकोशः । (महाभारत के नाम और विषयों की अनुक्रमणिका) सम्पादक—डॉ० रामकुमार राय । १—५ भाग सम्पूर्ण । एक जिल्द में ४००—००

३४ मानसागरी । 'मनोरमा' हिन्दी व्याख्या तथा विवेचनात्मक परिशिष्ट सहित । व्याख्याकार—डॉ० रामचन्द्र पाण्डेय ३०—००

३५ कारिकावली । सटिप्पण-मुक्तावली, दिनकरी, रामरुद्री व्याख्या सहित । शोधपूर्ण संस्करण । सम्पादक—आत्माराम शर्मा ७०—००

३६ रसयोगसागर । सटिप्पण हिन्दी टीका सहित । वैद्य पं० हरिप्रपन्न शर्मा । १—२ भाग ४००—००

३७ समीक्षाशास्त्र । (संसारभर के साहित्य-रूपों, समीक्षासिद्धान्तों, साहित्यिक प्रवृत्तियों, प्रयोगों एवं वादों का सविस्तर ऐतिहासिक तथा विवेचनात्मक निरूपण, परीक्षण और प्रतिपादन) । अभिनव-भरताचार्य पं० सीताराम चतुर्वेदी १००—००

38 Surgical Ethics in Ayurveda. By Dr. G. D. Singhal and Pt. Damodar Sharma Gaur 50—00

३९ आयुर्वेदोपयोगी पदार्थविज्ञान । आचार्य निरञ्जनदेव आयुर्वेदालंकार ६०—००

४० चित्रमीमांसाखण्डनम् । नागेशकृत 'मर्मप्रकाश' संस्कृत टीका सहित विमर्शमयी 'बालक्रीडा' हिन्दी व्याख्योपेतम् । हिन्दी व्याख्याकार-आचार्य मधुसूदन शास्त्री २०—००

४१ ब्राह्मण-ग्रन्थों में सृष्टिविचार । डॉ० नित्यानन्द शुक्ल १२५—००

४२ मनोरमा-कुचमर्दनम् । (पञ्चसन्ध्यन्तम्) विमर्शमयी 'बालक्रीडा' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—आचार्य मधुसूदन शास्त्री १५—००

५३ स्वप्नवासवदत्तम् । 'कमलेश्वरी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—डॉ० बालगोविन्द झा १०—००

॥ श्रीः ॥

चौखम्बा सीरीज साहित्य

(चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी)

व्याकरण-ग्रन्थाः

क्रम संख्या	मूल्य
१ अच्छी हिन्दी । रामचन्द्र वर्मा	१५-००
२ अनुवाद कला । चारुदेव शास्त्री	३-५०
३ अनुवाद-चन्द्रिका । लोकमणि जोशी	३-००
४ (नवीन) अनुवादचन्द्रिका । डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी । परीक्षोपयोगी संस्कृत निबन्ध पत्र लेखन-प्रकारादि विषयों से परिवर्धित संस्करण	१५-००
५ अनुवादचन्द्रिका (वृहत्) । चक्रधर हंस नौटियाल	५५-००
६ अनुवाद रत्नाकर । डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी	४५-००
७ अभिनव निबन्धावली । श्यामलाकान्त वर्मा	१५ ००
८ अभिनव प्राकृत-व्याकरण । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री	३५-००
९ अर्थप्रकाशिका । राधारमण पाण्डेय	१५-००
१० अर्थ विज्ञान और व्याकरण दर्शन । डॉ० कपिलदेव द्विवेदी	२५-००
11 Ashtadhyayi with Eng. Trans. by S. C. Vasu. 2 Vols.	190-00
१२ अष्टाध्यायी । (भाष्य) ब्रह्मदत्तजिज्ञासुकृत हिन्दी टीका । १ ३ भाग	८५-००
१३ अष्टाध्यायीशब्दानुक्रमणिका । श्रीधर शास्त्री पाठक	८०-००
१४ अष्टाध्यायीसूत्रपाठः । सपूर्वपीठिकासूत्रविवरणात्मक 'प्रह्लाद' टिप्पणी सहित । संस्कर्त्ता—स्वामी प्रह्लाद गिरि वेदान्तकेशरी	१२-००
१५ अष्टाध्यायीसूत्रपाठः । 'आभा' नामक हिन्दी वृत्ति युक्त पाणिनीय शिक्षा, गणपाठ, लिङ्गानुशासन सहित । वृत्तिकार-नारायण मिश्र	२०-००
१६ आचार्य पाणिनि के समय विद्यमान संस्कृत वाङ्मय । युधिष्ठिर मीमांसक	१-००
१७ आचार्य हेमचन्द्र और उनका शब्दानुशासन : एक अध्ययन । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री	५०-००

१८ आदर्शप्रस्तावरत्नमाला । विश्वनाथ शास्त्री २०–००
१९ आधुनिक संस्कृत-साहित्यानुशीलन । डा० रामजी उपाध्याय ७–००
20 Introduction to Prakrit by A. C. Woolner. 30–00
21 Introduction to the Grammar of the Sanskrit Language by H. H. Wilson. 100–00
२२ उणादिकोषः । दयानन्द सरस्वतीकृत व्याख्या सहित १२–००
२३ उत्तरपक्षावली । सपरिष्कृता ५–००
२४ उपसर्गवर्गः । महादेव भट्टाचार्यकृत ५–००
२५ उपसर्गार्थ चन्द्रिका । चारुदेव शास्त्री । १–४ भाग १०–००
२६ ऋजुपाणिनीयम् । म० म० गोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' ४–००
२७ एम० ए० संस्कृत व्याकरण । डॉ० श्रीनिवास शास्त्री १८–५०
२८ कच्चायन व्याकरण (पालि व्याकरण) । हिन्दी टीका सहित ३५–००
२९ कातन्त्रव्याकरणविमर्शः । डॉ० जानकी प्रसाद द्विवेदी ४०–००
३० कारकदर्शनम् । (सि० कौ० कारक) हिन्दी व्याख्याकार—डॉ० कलानाथ झा १२–५०
31 A Comparative Grammar of the Indo-Germanic Language. A concise exposition of the history of Sanskrit, old Iranian (Avestic and old Persian), old Armenian, old Greek, Latin, Umbrian-Samnitic, old Irish, Gothic, old High German, Lithuanian and old Curch Slavonic. By Karl Brugmann. Translated from the German by Joseph Wright. Ph. D. etc. Volumes I–V. 800–00
32 Comprehensive Grammar of the Sanskrit Language by Anandaram Barooah. 75–00
३३ कारकसम्बन्धोद्योतः । रभसनन्दि प्रणीत । सं० डॉ० हरिप्रसाद शास्त्री १–७५
३४ कारकस्वरूपप्रकाशः । हिन्दी टीका सहित २–००
३५ काशकृत्स्नधातुव्याख्यानम् । (चन्नवीर कवि कृत कर्णाटकटीकायाः संस्कृत-रूपान्तरम्) सम्पादक—श्री युधिष्ठिर मीमांसक १५–००
३६ काशकृत्स्न-व्याकरणम् । सं० श्री युधिष्ठिर मीमांसक ६–००
३७ काशिका का समालोचनात्मक अध्ययन । डॉ० रघुवीर वेदालंकार ७०–००
३८ काशिका । १–३ भाग सम्पूर्ण । डॉ० आर्येन्द्र शर्मा सम्पादित ८०–००
३९ काशिकावृत्तिः । काशिका विवरण पञ्जिका, पदमंजरी व्याख्या सहित । १–६ भाग ५००–००

४० काशिकावृत्तिः । सटिप्पणी 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित १–४ अध्याय प्र० भाग ७५–००, ५–८ अध्याय द्वि० भाग ७५–००, १–८ अध्याय सम्पूर्ण १५०–००
४१ कृदन्तरूपमाला । श्री श० राय सुब्रह्मण्यम शास्त्री १–५ भाग १००–००
४२ कोविदानन्दः । आशाधर भट्ट विरचित । स्वोपज्ञ कादम्बिनी व्याख्या १–५०
४३ कोविदानन्दः । आशाधर भट्ट विरचित । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १५–००
४४ गणरत्नमहोदधिः । वर्धमान कृत । सम्पा० जे० एगलिंग १५–००
45 A Grammar of the Sanskrit Language. By F. Kielhorn 70–00
46 Grammar of the Tibetan Language by H. B. Hannah 35–00
४७ गौरिकसूत्राणि । जङ्युप नामक गङ्गारामोन्नति वृत्ति, विवरण समेत १–००
४८ चान्द्र-संस्कृत-व्याकरणम् । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री कृत हिन्दी टीका १६–००
४९ चान्द्रव्याकरणम् । चन्द्रगोमिप्रणीत । सं० वेचरदास जीवराज जोशी ७–००
५० चान्द्रव्याकरणम् । चन्द्रगोमिन विरचित । १–२ भाग २७–००
५१ चान्द्रव्याकरणवृत्तेः समालोचनात्मकमध्ययनम् । हर्षनाथ मिश्र २३–००
५२ चित्र निबन्धावली । रघुनाथ शर्मा १०–००
५३ जैनेन्द्रव्याकरणम् । श्रीदेवनन्दि तथा अभयनन्दि विरचित २५–००
५४ ज्ञापकसंग्रहः । नागेशभट्टकृतः । एन० एस० रामानुजताताचार्यकृत विवृति समेत १७–००
५५ तद्धितान्ताः केचन शब्दाः । डॉ० भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी शास्त्री १०–००
५६ तिङन्तार्णवतरणिः । (ण्यन्तप्रक्रियादिसहित-बृहत्तमधातुरूपकोशः) पं० धन्वाडगोपालकृष्णाचार्य सोमयाजी प्रणीतः । सम्पादक– पं० रामचन्द्र झा १२५–००
५७ देववाणी प्रवेशिका । (बालोपयोगी रंगीन चित्रों से सुसज्जित) कक्षा १–५ तक । लेखक पं० अनसूयाप्रसाद भट्ट । प्रथम भाग रु० १–५०, द्वि० भाग रु० २–००, तृ० भाग रु० १–५०, च० भाग रु० २–५०, पं० भाग रु० ३–५०, १–५ भाग संपूर्ण ११–००
५८ धातुपाठः । 'धात्वर्थप्रकाशिका' टिप्पणी सहित २–००
५९ धातुरूप कौमुदी । डा० भगवान शरण भारद्वाज ४–७५
६० सरल धातुरूपावलिः । ण्यन्त, सनन्तादि धातुरूप सहित २–००
६१ धातुरूपमञ्जरी । टिप्पणी सहित ८–००
६२ धात्वर्थविज्ञानम् । डा० भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी ३१–००
६३ नन्दिकेश्वरकाशिका । उपमन्युकृत टीका सहित २–००
६४ निबन्धकुसुमाञ्जलि । जयमन्त मिश्र ७–००

६५ निबन्धपारिजातः । डा० रजनीकान्त लहरी १५-००

६६ निबन्धप्रकाशः । पं० कृष्णकुमार अवस्थी ७-५०

६७ हिन्दी निबन्ध चन्द्रिका । (परीक्षा में पूछे गए तथा पूछने योग्य ४२ हिन्दी निबन्धों का संग्रह) 'महाकवि कालिदास-प्रश्नोत्तरी' तथा 'कालिदास का सम्प्रदाय' परिशिष्ट सहित । श्री प्रदीप झा 'सुमन' ५-००

६८ निबन्धादर्शः । म० म० श्री गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी ५-००

६९ न्यासकल्पलता (पाणिनिसूत्रन्यासशास्त्रार्थः) । सं० श्री राजनारायण शुक्ल १०-००

७० पतञ्जलिकालीन भारत । डॉ० प्रभुदयाल अग्निहोत्री ३४-५०

७१ पदमञ्जरी-पर्यालोचनम् । डॉ० तीर्थराज त्रिपाठी ७५-००

७२ परमलघुकला । (परमलघुमञ्जूषा-प्रश्नोत्तरी) ५-००

७३ परमलघुमञ्जूषा । नागेशभट्ट विरचित । 'भावप्रकाशिका' 'बालबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार डॉ० जयशङ्कर लाल त्रिपाठी २६-००

७४ परिभाषेन्दुदीपिका । (प्रश्नोत्तरी) हरिशंकर झा । २-५०

७५ परिभाषासंग्रहः । के० वी० अभ्यंकरसंपादित ५०-००

७६ परिभाषेन्दुप्रकाशः । सम्पा०—पं० शिवदत्त मिश्र शास्त्री ५-००

७७ परिभाषेन्दुप्रश्नपञ्जिका । राजनारायण शास्त्री कृत ४-००

७८ परिभाषेन्दुप्रभा । अमृतलाल शास्त्री कृत भावप्रकाशिका व्याख्या सहित ५-००

७९ परिभाषेन्दुशेखरः । हर्षनाथ मिश्र कृत दुर्गा संस्कृत हिन्दी टीका ७५-००

८० परिभाषेन्दुशेखरः । श्रीनारायण मिश्र कृत परिभाषाप्रकाश हिन्दी व्याख्या विस्तृत भूमिकादि विभूषित ३५-००

८१ परिभाषेन्दुशेखरः । भैरवी-तत्त्वप्रकाशिका व्याख्या सहित ४०-००

८२ परिभाषेन्दुशेखरः । पं० योगेश्वरशास्त्रिविरचित हेमवती टीकासहित ४९ ००

८३ परिभाषेन्दुशेखरः । वासुदेव शास्त्री अभ्यंकर कृत तत्त्वादर्श व्याख्या—डॉ० किलहार्न कृत आंग्लानुवाद सहित । १-२ भाग ९०-००

८४ परिभाषेन्दुशेखरः । गदा टीका सहित । २०-००

८५ परिष्कारदर्पणम् । 'शास्त्रार्थकला' टीका सहितम् १००-००

८६ पाणिनिकालीन भारतवर्ष । (पाणिनिकृत अष्टाध्यायी का सांस्कृतिक अध्ययन) डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल १००-००

८७ पाणिनि कात्यायन पतञ्जलि । के० माधव कृष्ण शर्मा १५-००

८८ पाणिनिसूत्रव्याख्या (सोदाहरणश्लोका) वीरराघवाचार्यकृत १-२ भाग ३१-७५

८९ पाणिनीय लिङ्गानुशासनम् । सटिप्पण 'प्रह्लाद' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकारः सम्पादकश्च स्वामी प्रह्लाद गिरि वेदान्तकेशरी शीघ्र

९० पाणिनीय व्याकरण का अनुशीलन । डॉ० रमाशंकर भट्टाचार्य ४५–००

९१ पाणिनीय व्याकरणे प्रमाणसमीक्षा । डॉ० रामप्रसाद त्रिपाठी २६–२५

९२ पाणिनीयव्याकरणे वादरत्नम् । पं० सूर्यनारायणशुक्लकृतं । १-२ भाग २०–००

९३ पाणिनीय शिक्षा । 'प्रदीप' व्याख्या सहित १–५०

94 Panini as Grammarian by Mahavir. 30–00

95 Panini : His place in Sanskrit Literature By. Theodor Goldstucker. 70–00

९६ पालि प्रवेशिका । डॉ० कोमलचन्द जैन १०–००

९७ पालिप्रबोधः । पं० आद्यादत्त ठाकुर ५–००

९८ पालि महाव्याकरण । भिक्षु जगदीश काश्यप ८०–००, ६०–००

९९ पालिव्याकरम् । डॉ० रामअवध पाण्डेय तथा डॉ० रविनाथ मिश्र २०–००, ३०–००

१०० पूर्वपक्षावली । सपरिष्कृता २–००

१०१ प्रक्रियाकौमुदी । रामचन्द्रकृत । प्रसाद टीका सहित सम्पूर्ण १-२ भाग १८५–००

१०२ प्रक्रियाकौमुदी । श्रीकृष्णविरचित प्रकाश व्याख्या, पं० मुरलीधर मिश्र कृत रश्मि टिप्पणी सहित । १–३ भाग २०३–००

१०३ प्रक्रियाकौमुदी-विमर्शः । डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र विरचित ८–००

१०४ प्रक्रियासर्वस्वम् । नारायण भट्ट कृत प्रकाशिका, साम्बशिवशास्त्री कृत सञ्चिका व्याख्या सहित । १–४ भाग २४–५०

१०५ प्रथमा-शब्द-धातुरूपसंग्रहः । ३–००

१०६ प्रबन्धपारिजातः । आचार्य रामचन्द्र मिश्र कृत ५–००

१०७ प्रबन्धरत्नाकरः । डा० रमेशचन्द्र शुक्ल ५५–००

१०८ प्रबन्धामृतम् । (व्याकरणाचार्योपयोगी निबन्ध ग्रंथ) शोध संस्करण २–५०

१०९ प्रयोगशास्त्रार्थकला । वेणीमाधव शुक्ल रचित २–००

११० प्रवचनपारिजातः । चारुदेव शास्त्री ६–००

१११ प्रशस्तिकाशिका । बालकृष्ण त्रिपाठीकृत । के०बी०शर्मा सम्पादित ७–००

११२ प्रस्तावतरङ्गिणी । चारुदेव शास्त्री कृत । वाराणसी की उत्तर-मध्यमा एवं शास्त्री परीक्षा पाठ्य स्वीकृत संस्कृत निबन्धों का सर्वोत्तम मान्य ग्रन्थ ८–००

११३ प्रस्तावरत्नाकरः । डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी १०–००

114 Prakrit Grammarians by Dolchi, English Translation by P. Jha. 25–00

११५ प्राकृत-चन्द्रिका। शेषकृष्ण विरचित। स्वोपज्ञ वृत्ति सहित। सं० डॉ० सुभद्र झा १५–००

११६ प्राकृतप्रकाशः। वररुचिकृत। संजीवनी, सुबोधिनी, मनोरमा, प्राकृत मंजरी टीका चतुष्टय तथा हिन्दी भाषानुवाद सहित। सम्पादक—आचार्य बलदेव उपाध्याय समाप्त

११७ प्राकृतप्रकाशः। संस्कृत-हिन्दी-व्याख्या सहित ३०–००

११८ प्राकृत-प्रबोधः। डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री ५०–००

११९ प्राकृतप्रवेशिका। कोमलचन्द्र जैन १०–००

१२० प्राकृत-प्रवेशिका (Introduction to Prakrit by A. C. Woolner) अनु० बनारसीदास जैन ४५–००

१२१ प्राकृत भाषाओं का व्याकरण। रिचर्ड पिशल। अनुवादक—डॉ० हेमचन्द्र जोशी २०–००

१२२ प्राकृतमार्गोपदेशिका। वेचरदास (हिन्दी) १०–००

१२३ प्राकृतव्याकरणम्। हेमचन्द्राचार्य विरचित ७५–००

१२४ प्राकृतव्याकरणवृत्तिः। (ससूत्रा) त्रिविक्रमदेव निर्मित ७५–००

१२५ प्राकृत व्याकरण। (हिन्दी) मधुसूदन प्रसाद मिश्र २५–००

१२६ प्राकृतव्याकरणम्। हेमचन्द्राचार्य कृत। हिन्दी टीका सहित। प्यारचन्दजी महाराज। १–२ भाग २५–००

१२७ प्राकृतशब्दानुशासनम्। परशुराम शर्मा सम्पादित १५–००

१२८ प्राकृतसर्वस्वम्। मार्कण्डेय विरचित। डॉ० कृष्णचन्द्र आचार्य २०–००

१२९ प्राकृतानन्दः। रघुनाथकवि विरचित ४–२५

१३० प्रारम्भिक पाणिनीय। (परमलघुसिद्धान्तकौमुदी) सं विश्वनाथ शास्त्री ३–००

१३१ प्राकृत रचनानुवादकौमुदी। डॉ० कपिलदेव द्विवेदी ५–२०

132 Practical Grammar of the Sanskrit Language by Monier Williams. Shortly

१३३ प्रौढमनोरमा। शब्दरत्न सहित। पं० द्वारकाप्रसाद द्विवेदी कृत संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। २५–००

१३४ प्रौढमनोरमा। 'शब्दरत्न' 'भैरवी' व्याख्या 'रत्नप्रभा' टिप्पणी सहित। अव्ययीभावान्त १००–००, ८०–००

१३५ प्रौढमनोरमा। लघुशब्दरत्न-ज्योत्स्ना-कुचमर्दिनी-प्रभा-विभोपेता। सम्पूर्ण अव्ययीभावान्त ५०–००

प्रथम भाग पंचसन्ध्यन्त १५–००, अजन्तपुंलिंग से अव्ययीभावांत ३५–००

१३६ प्रौढमनोरमा । 'शब्दरत्न' सहित तत्पुरुषादि सन्नन्तप्रक्रियान्त ३०-००

१३७ प्रौढमनोरमाशब्दरत्नप्रश्नोत्तरावली तथा व्याकरणशास्त्रिप्रश्नावली । पं० राजनारायण शुक्ल । प्रथम भाग ३-००, द्वितीय भाग २-५०

१३८ प्रौढरचनानुवादकौमुदी । डा० कपिलदेव द्विवेदी २५-००

१३९ फक्किका-प्रश्नोत्तरी । (परीक्षोपयुक्तपंक्तिव्याख्यानरूपो ग्रन्थः) ८-००

१४० फक्किकारत्नमंजूषा । द्वितीय भाग यन्त्रस्थ । प्रथम भाग ८-००

१४१ फक्किकासरलार्थः । 'प्रभा' टिप्पणी सहित । सं० रामचरित्रद्विवेदी ३-००

१४२ बंगला पहिली पुस्तक । गोपालचन्द्र चक्रवर्ती २-००, दूसरी पुस्तक ३-००

१४३ बटुतोषिणी । पं० हरिशंकर झा सशोधित १-५०

१४४ बनारस सोत्तरा-प्रथमाप्रश्नावली । परिवर्धित संस्करण पं० रामचन्द्र झा १५-००

१४५ बालनिबन्धमाला । वासुदेव द्विवेदी २-५०

१४६ बालनिबन्धादर्शः । संस्कृत । विश्वनाथ शास्त्री १-५०

१४७ बालशिक्षा-सोपानम् । पं० दीनबन्धु झा विरचित । हिन्दी टीका सहित १-५०

१४८ बालशिक्षा । ठक्कुर संग्राम सिंह विरचित । कातन्त्रव्याकरण सूत्रपाठः । शर्ववर्माचार्य प्रणीत ७-७५

१४९ बिहार प्रथमा व्याकरणम् । नवीन प्रथमा परीक्षापाठ्य शब्दरूप धातुरूप कृदन्त, स्त्रीप्रत्यय, कारक, समास, तद्धित-विवेचन विभूषित-संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेत विसर्गसन्ध्यन्त 'लघुकौमुदी' सहित । व्यावहारिक शब्दकोशादि विविध परिशिष्ट सहित । प० शशिशेखर झा ८-००

१५० बिहार-सोत्तरा-प्रथमाप्रश्नावली । परिवर्धित शोधपूर्ण संस्करण प० रामचन्द्र झा १५-००

151 Buddhist Hybrid Sanskrit Grammar and Dictionary by F Edgerton. 2 Vols. 200-00

१५२ बृहत् संस्कृतशिक्षा-वाटिका । २-४ भाग १२-००

१५३ बृहद्वैयाकरणभूषणम् । 'रूपावली' परिशिष्ट सहित । सम्पादित मनुदेव भट्टाचार्य १००-००

१५४ भागवृत्ति-संकलनम् । भर्तृहरि (विमलापति) विरचित अष्टाध्यायी की प्राचीनवृत्ति । युधिष्ठिर मीमांसक संकलित ६-००

१५५ भाषा-इतिहास की भाषा वैज्ञानिक भूमिका । मूल लेखक—वे० जो० वान्द्रियैज । हिन्दी अनुवादक जगवशकिशोर बलवीर ७-५०

१५६ भाषाविज्ञान । भोलनाथ तिवारी २६-००

१५७ भाषाविज्ञान । डॉ० कर्ण सिंह १५-००

१५८ भाषाविज्ञान। मैक्समूलर। अनु०—उदयनारायण तिवारी १७–५०

१५९ भाषावृत्तिः। पुरुषोत्तमदेव विरचित (पाणिनीयाष्टाध्यायी-व्याख्या) सम्पादक—स्वामी द्वारिकादास शास्त्री ५०–००

१६० भूषणसारचन्द्रिका। (प्रश्नोत्तरी) पं० हरिशंकर झा ३–५०

१६१ मध्यकौमुदीरहस्यम्। (प्रश्नोत्तरी) पं० रामचन्द्र झा १५–००

१६२ मध्यमा व्याकरण-सोत्तरा-प्रश्नावली। सम्पादक—पं० रामचन्द्र झा 'प्रश्नोत्तरानुक्रमणिका'सहित परिवर्धित संस्करण। प्रथमखंड १०–०० द्वि० खण्ड १०–००, तृ० खण्ड १२–००, च० खण्ड १५–००

१६३ मध्यसिद्धान्तकौमुदी। सीता-सावित्री संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। व्याख्याकार—पं० कालीकान्त झा शीघ्र

१६४ मध्यसिद्धान्तकौमुदी। प्रभाकरी संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। विश्वनाथ शास्त्री २५–००

१६५ मध्यसिद्धान्तकौमुदी। संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ३५–००

१६६ मनोरमा-कुचमर्दनम्। (पञ्चसन्ध्यन्त) विमर्शमयी 'बालक्रीडा' हिन्दी-व्याख्या सहित। व्याख्याकार—आचार्य मधुसूदन शास्त्री १५–००

१६७ मनोरमारत्नविवेकः। पं० हरिशंकर झा ४–००

१६८ महाभाष्यप्रकाशः। (नवाह्निक प्रश्नोत्तरी) नवीन पाठ्यानुसार सर्वोत्तम संस्करण। पं० मधुकान्त झा ४–००

१६९ महाभाष्यनिगूढाकूतयः। डॉ० देवस्वरूप मिश्र २६–८०

170 Mahabhasya of Patanjali and the Pradipa of Kaiyata- A critical edition in Nagari script of important unknown commentaries. Edited by M. S Narasinhacarya Vols. I–IX Each 140–00
Vol. X 170–00

१७१ माधवीयधातुवृत्तिः। सायणाचार्य विरचित ८०–००

१७२ मानक हिन्दी व्याकरण। आचार्य रामचन्द्र वर्मा ५–००

१७३ मुखभूषणम्। सं० के कजुनी राजा ५–००

१७४ मोगल्लान पालि व्याकरण। आनन्द कौशल्यायन ३–५०

१७५ रचनानुवादकौमुदी। कपिलदेव द्विवेदी १०–००

१७६ राष्ट्रभाषा सरल हिन्दी व्याकरण। पं० केदारनाथ शर्मा ३–००

177 Roots Verb: Forms and primary derivatives of the Sanskrit Language by W. D. Whitney. 40–00

१७८ रूपचन्द्रिका। पं० रामचन्द्र झा (लघुकौमुदी में आये हुए तथा उसके समान और भी शब्दों तथा धातुओं के अर्थ सहित रूपावली) २०–००

१७९ लघुकाशिका। सं० सुदर्शनाचार्य त्रिपाठी। १-२ भाग ३८-२५
१८० लघुकौमुदी-सोत्तरा-प्रयोगसूची। प्रयोगार्थ सहित-परीक्षोपयोगी 'इन्दुमती' टिप्पणी विभूषित। पं० रामचन्द्र झा ४-००
१८१ लघुकौमुदी सोत्तरा प्रश्नावली। संशोधित-परिवर्धित नवीन संस्करण। पं० रामचन्द्र झा १५-००
१८२ लघुजूटिका अर्थात अभिनवपरिभाषेन्दुशेखरपरिष्कृतिनिर्मितिः। शास्त्री-परीक्षोपयोगी ३-००
१८३ लघुशब्देन्दुकला। (लघुशब्देन्दुशेखर-प्रश्नोत्तरी) प्रबन्धलेख परिशिष्ट सहित। पं० शोभाकान्त झा ८-००
१८४ लघुशब्देन्दुशेखरः। (अव्ययीभावान्त) 'शेखरदीपक' टीकासहित। पञ्चसन्धि करणान्त ३५-००, द्वितीय भाग ४०-००, सम्पूर्ण ७५-००
१८५ लघुशब्देन्दुशेखरः। नागेशोक्तिप्रकाशटीकासहितः। न पदान्तसूत्री भाग १५-००
१८६ लघुसारस्वतव्याकरणम्। २-००
१८७ लघुसिद्धान्तकौमुदी। 'बालमनोरमा' टीका के अनुरूप 'सुधा' संस्कृत टीका, प्रश्नोत्तरलेखन प्रकारादि परिशिष्ट सहित ३५-००
१८८ लघुसिद्धान्तकौमुदी। 'बालबोधिनी' टीका सहित ३-००
१८९ लघुसिद्धान्तकौमुदी। आंग्लानुवाद सहित। जे०आर० बेलनटाईन २५-००
१९० लघुसिद्धान्तकौमुदी। विस्तृत हिन्दी व्याख्या सहित। श्रीधरानन्द शास्त्री ३५-००, ५०-००
१९१ लघुसिद्धान्तकौमुदी। 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्याद्वयोपेतम्। व्याख्याकार—पं० गिरीशकुमार ठक्कुर १०-००
१९२ लघुसिद्धान्तकौमुदी। 'प्रभाकरी' संस्कृत हिन्दी टीका सहित। टीकाकार—डॉ० प्रभाकर मिश्र ५०-००
१९३ लघुसिद्धान्तकौमुदी। 'भैमी' हिन्दी टीका सहित। १-३ भाग २५०-००
१९४ हिन्दी लघुसिद्धान्तकौमुदी। व्याख्याकार—महेशसिंह कुशवाहा। संज्ञा प्रकरणादि विसर्गसन्ध्यन्त (सन्धि प्रकरण) भूमिकादि सहित
प्रथम खण्ड : व्याख्याभाग सम्पूर्ण ८५-००
द्वितीय खण्ड : परिशिष्टात्मक रूपसिद्धि खण्ड २५-००
१९५ लघुसिद्धान्तचन्द्रिका। २-००
196 Linguistic Introduction to Sanskrit by B. Ghosh. 25-00
197 Linguistic Survey of India by G. A. Grierson. 1-11 Vols in 19 Parts Complete set. 5000-00
१९८ लिङ्गवचनविचारः। दीनबन्धु कृत ४-००
१९९ लिङ्गानुशासनम्। वामन् कृत। स्वोपज्ञवृत्ति सहित ६-००

२०० लौकिकन्यासशास्त्रार्थकला तथा कूटशास्त्रार्थकला। वेणीमाधव शास्त्री विरचिता — यन्त्रस्थ

२०१ वाक्यपदीयम्। भावप्रदीप संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। ब्रह्मकाण्ड २५–००

२०२ वाक्यपदीयम्। ब्रह्मकाण्ड। भर्तृहरि कृत। संस्कृत-आंग्ल-हिन्दी टीकात्रय सहित। टीकाकार—सत्यकाम वर्मा ३५–००

२०३ वाक्यपदीयम्। हेलराजविरचित 'प्रकाश' व्याख्या, रघुनाथ शर्मा विरचित 'अम्बाकर्त्री' व्याख्या सहित। तृतीय काण्ड प्रथम भाग पदकाण्ड (जाति-द्रव्य-संवन्ध समुद्देशत्रयात्मक) समाप्त, तृतीय-काण्ड द्वितीय भाग (भूयो द्रव्य-गुण-दिक्साधन क्रिया-काल-पुरुष-संख्या-उवग्रह-लिङ्ग-समुद्देशः) १०७–००, तृतीय काण्ड तृतीय भाग (वृत्तिसमुद्देशः) ६५–५०

२०४ वाक्यपदीयम्। रघुनाथशर्मकृत अम्बाकर्त्री व्याख्यासहित १-२ कांड ७२–५०

२०५ वाक्यपदीय। प्रश्नोत्तरी (ब्रह्मकाण्ड)। पं० रामगोविन्द शुक्ल ६–००

२०६ वाक्यपदीय सम्बन्ध समुद्देश्य-हेलराजीय व्याख्या के प्रकाश में—एक विवेचनात्मक अध्ययन। वीरेन्द्र शर्मा ५०–००

207 Vakyapadiya (Chapter Second). English Translation by K. A. S. Iyer. 40–00

Chapter iii Vol. ii 60–00

Cantos i-ii by K. R. Pillai 30–00

२०८ वाक्यपदीयपाठभेदनिर्णयः। २६–००

२०९ वाक्यमुक्तावली। चारुदेव शास्त्री। हिन्दी टीका सहित ५–००

२१० विभक्त्यर्थनिर्णयः। म० म० गिरधरोपाध्याय विरचितः यन्त्रस्थ

२११ वेदाङ्गप्रकाशः। सन्धिविषय ३–००, नामिक ५–००, कारकीय २–००, सामासिक ३–०० आख्यातिक ८–००, सौवर १–००, पारिभाषिक ३–०० अव्ययार्थ १–००, धातुपाठ ३–००, वर्णोच्चारणशिक्षा ०–५०, स्त्रैणतद्धित ५–००, उणादि कोश ७–००, गणपाठ ३–५०, निघण्टु २–५०

२१२ हिन्दी वैदिकव्याकरण। डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेय ५–००

२१३ वैदिक व्याकरण। (मैकडॉनल कृत वैदिक ग्रामर का हिन्दी अनुवाद) अनुवादक—डॉ० सत्यव्रत शास्त्री २५–००

२१४ वैदिक व्याकरण। डॉ० रामगोपाल। प्रथम भाग २६–००

215 Vedic Grammar for Students by A. A. Macdonell. 55–00

216 Vedic Reader for Students by A. A. Macdonell 25–00

२१७ वै० भूषणनिबन्धसंग्रह नाम तिङर्थवादसार तथा भूषणव्याख्या १–००

२१८ वैयाकरणभूषणसारः । 'सरला'-'सुबोधिनी' व्याख्याद्वयोपेतः । पं० गोपाल शास्त्री नेने तथा पं० रामप्रसाद त्रिपाठी १२-००

२१९ वैयाकरणभूषणसारः । विमर्शाख्य 'प्रभा' तथा प्राचीन 'दर्पण' व्याख्या सहित । सं० बालकृष्ण पञ्चोली समाप्त

२२० वैयाकरणभूषणसारः । 'प्रभाकरी' संस्कृत हिन्दी टीका सहित । टीकाकार—डॉ० प्रभाकर मिश्र ६०-००

२२१ वैयाकरणभूषणसारः । शांकरी व्याख्या सहित १०-६५

२२२ वैयाकरणभूषणसारः । भैमी हिन्दीटीकासहित । धात्वर्थनिर्णयान्त ३०-००

२२३ वैयाकरणसिद्धान्तकारिका । कौण्डभट्ट विरचित ५-००

224 Vaiyakaran Siddhant Kaumudi of Bhattoji Dikshita Vol. I-II An analysis in English by P. Y. Naganatha Sastri. 155-00

२२५ वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी । सभापतिशर्मोपाध्यायकृत 'लक्ष्मी' व्याख्या सहित । १-२ भाग २००-००

२२६ वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी । 'प्रभाकरी' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । टीकाकार—डा० प्रभाकर मिश्र । प्रथमभाग ५०-००, ३५-००

२२७ वैयाकरणसिद्धान्तमंजूषा । नागेश भट्ट । सं० डा० कालिकाप्रसाद शुक्ल ३६-००

२२८ वैयाकरणसिद्धान्तलघुमंजूषा । 'रत्नप्रभा' व्याख्योपेता । सं० पं० सभापति शर्मोपाध्याय । तात्पर्यनिरूपणान्त ५०-००

२२९ वै० सि० लघुमंजूषा-रहस्यम् । (वै० सि० लघुमंजूषा-प्रश्नोत्तरी) ५-००

२३० व्याकरणकारिका । हरिपददत्त विरचित १-६ भाग ३१०-००

२३१ व्याकरण चन्द्रोदय । पं० चारुदेव शास्त्री १-५ भाग १४५-५०

२३२ व्याकरणदर्शन प्रतिभा । रामाज्ञा पाण्डेय विरचित ३३-६०

२३३ व्याकरणदर्शन भूमिका । रामाज्ञा पाण्डेय विरचित २८-००

२३४ व्याकरण महाभाष्यम् । आंग्लानुवाद, टिप्पणी सहित । के० वी० अभ्यङ्कर १-३ आह्निक २५-००

२३५ व्याकरणमहाभाष्यम् । हिन्दी व्याख्या सहित प्रथम भाग ५०-००
द्वितीय भाग—प्रथमाध्याय २ से ४ पाद २५-००
तृतीय भाग—द्वितीयाध्याय । सं० युधिष्ठिरमीमांसक २५-००

२३६ व्याकरण महाभाष्यम् । 'प्रदीप-उद्योत-छाया' टीका सहित । प्रथम भाग नवाह्निक ८०-००, द्वितीय भाग यन्त्रस्थ, तृतीय भाग (विधिप्रकरणरूपम्) ३५-००, चतुर्थ भाग ४-५ अध्याय ४०-०० पञ्चम भाग (विधिरूपम्) ४०-००

२३७ व्याकरण महाभाष्यम् । १-३ आह्निक । हिन्दी टीका । चारुदेव शास्त्री १२-००

२३८ व्याकरण महाभाष्यम् । प्रदीप-उद्योत व्याख्या सहित । १–५ भाग सम्पूर्ण ४५०–००

२३९ व्याकरणमहाभाष्यम् । 'प्रदीप' 'उद्योत' 'तत्त्वालोक' टीका सहित । नवाह्निक भाग ९०–००

२४० व्याकरणमहाभाष्यम् । एस० कीलहार्न सम्पादित । सटिप्पण १—३ भाग २९०–००

२४१ व्याकरणमहाभाष्य-शब्दानुक्रमणिका । श्रीधर शास्त्री पाठक कृत १२५–००

२४२ हिन्दी व्याकरण महाभाष्य । प्रदीप (कैयट) हिन्दी व्याख्या सहित प्रथम आह्निक (पस्पशाह्निक) १०–००, १–५ आह्निक ४५–००

२४३ व्याकरण महाभाष्यम् । हिन्दी टीका । चारुदेव शास्त्री नवाह्निक १००–००, ७०–००

२४४ व्याकरणवार्तिक-एक समीक्षात्मक अध्ययन । लेखक वेदपति मिश्र २०–००

२४५ व्याकरणशास्त्रेतिहासः । डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ६–००

२४६ व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास । डा० रमाकान्त मिश्र १०–००

२४७ व्याकरणसिद्धान्तसुधानिधिः । विश्वेश्वरसूरिविरचितः । पाणिनीय-अष्टाध्याय्या भाष्यव्याख्यानरूपः जीर्णसंस्करण । १–१५ खण्ड सम्पूर्ण ७५०–००

२४८ व्युत्पत्तिप्रदर्शनं गूढाशुद्धिप्रदर्शनम् । पं० महादेव उपाध्याय २–००

२४९ शक्तिवादः । आदर्श व्याख्या सहित । पं० सुदर्शनाचार्य ३०–००

२५० शब्दकौस्तुभः । (महाभाष्यस्थानामंशानां युक्तिप्रयुक्तिभिः साधनाय प्रणीतोऽतिविस्तृतोऽयं ग्रन्थः) सम्पा० पं० गोपालशास्त्री नेने आदि (चौ० २) । यन्त्रस्थ

२५१ शब्दतरङ्गिणी । पं० सुब्रह्मण्य शास्त्री ६–००

२५२ शब्दमञ्जरी । शब्दार्थ कोष सहित ३–००

२५३ शब्द विमर्श । डॉ० अमरनाथ पाण्डेय १६–००

२५४ शब्दव्यापारविचार । डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी ८–००

२५५ शब्दव्यापारविचारः । राजानक मम्मट । सम्पा० एवं हिन्दी व्याख्याकार—डॉ० ब्रह्ममित्र अवस्थी १२–००

२५६ शब्दार्थ विमर्श । देवनारायण मिश्र ४०–००

२५७ शब्देन्दुसुधा । पं० हरिशंकर झा २–००

२५८ शिक्षासूत्राणी । आपिशलि-पाणिनि-चन्द्रगोमिकृत २–५०

२५९ शिशुतोषिणी । हरिशंकर झा । १–००

२६० श्लोकसिद्धान्तकौमुदी । डा० सुरेश झा ।१–२ भाग ८९–००

२६१ सरल बंगलाशिक्षा । गोपालचन्द्र चक्रवर्ती ६–००

262 Sanskrit Grammar for Student. by A. A. Macdonell
Cloth bound. 25-00 Paper-back 15-00
263 Sanskrit Grammar by W. D. Whitney 70-00
२६४ संस्कृत-निबन्ध नवनीतम् । डॉ० पारसनाथ द्विवेदी ८-००
२६५ संस्कृत निबन्ध शतकम् । कपिलदेव द्विवेदी २५-००
२६६ संस्कृत निबंधादर्शः । डा० राममूर्ति शर्मा २०-००
२६७ संस्कृत द्वितीय पुस्तक । रामबिहारीलाल चाँदपुरी ५-००
२६८ संस्कृत-धातुकोषः । विस्तृत भाषार्थ सहित । सम्पादक—युधिष्ठिर मीमांसक १०-००
२६९ संस्कृत निवन्धपथप्रदर्शक । आप्टे । अनु० रायकृष्ण शुक्ल ६-७५
२७० संस्कृत पठन-पाठन की अनुभूत सरलतम विधि । ब्रह्मदत्त जिज्ञासु । १-२ भाग २०-००
२७१ संस्कृतपाठमाला । महापंडित राहुल सांस्कृत्यान । १-५ भाग १०-००
२७२ संस्कृतपाठमाला । श्रीपाद दामोदर सातवलेकर । १-२४ भाग ३६-००
२७३ संस्कृत प्रकाश । कुवेरनाथ द्विवेदी ८-००
२७४ संस्कृत-प्रथम पाठ । मूल लेखक डॉ० जे० आर० वेलण्टाइन । हिन्दी भाषान्तर—डॉ० अमरनाथ पाण्डेय ५-००
२७५ संस्कृत-प्रथम पाठमाला—Sanskrit First Lesson by Dr. J. R. Ballantyne. हिन्दी अनुवादक— डॉ० उमेशचन्द्र पांडेय ३-००
276 Sanskrit First Lesson by Dr. J. R. Ballantyne. 10-00
२७७ संस्कृत प्रवेशिका । (व्याकरण अनुवाद और निबन्ध) डॉ० सुदर्शन लाल जैन १५-०० २०-००
२७८ संस्कृतबालादर्शः । ३-०० संस्कृतप्रथमादर्शः ४-००
संस्कृत द्वितीयादर्शः ३-५० संस्कृत तृतीयादर्शः ३-५०
२७९ संस्कृत भाषा विज्ञान । राजकिशोर सिंह १२-००
२८० संस्कृत भाषा विज्ञान । शिवबालक द्विवेदी एवं अवधेश चतुर्वेदी ३०-००
२८१ संस्कृत-रचना । Students Guide to Sanskrit Composition आप्टे रचित हिन्दी रूपान्तर । डॉ० उमेशचन्द्र पांडेय २५-००
२८२ संस्कृत-रचना-प्रकाश । डॉ० रमाकान्त द्विवेदी । वाराणसी तथा बिहार की प्रथमा परीक्षा निर्धारित संस्कृतानुवाद के लिए पाठ्यग्रन्थ १५-००
२८३ संस्कृत रचनानुवादप्रभा । डॉ० श्रीनिवास शास्त्री १०-००
२८४ संस्कृतरचनानुवादशिक्षक । आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि ८-००
२८५ संस्कृत व्याकरण । डब्ल्यू० डी० ह्विटने । अनु० डॉ० मुनीश्वर झा ३०-००
२८६ संस्कृतव्याकरणम् । पं० रामचन्द्र झा । रचनानुवाद खण्ड, निबन्ध खण्ड सहित । वाराणसी तथा बिहार परीक्षापाठ्य स्वीकृत १५-००

२८७ संस्कृत व्याकरण एवं लघुसिद्धान्तकौमुदी । डॉ० कपिलदेव त्रिपाठी ४०–००

288 Sanskrit Syntex by J. S. Speyer. 50–00

289 Sanskrit Syntax and the Grammar of Case by Brahmachari Surendra Kumar 21–00

२९० संस्कृत व्याकरण का उद्भव और विकास । सत्यकाम वर्मा ३०–००

२९१ संस्कृत व्याकरण की उपक्रमणिका । ईश्वरचन्द्र विद्यासागर । अनुवादक—गोपालचन्द्र शास्त्री १०–००

२९२ संस्कृत व्याकरणकौमुदी । ईश्वरचन्द्र विद्यासागर प्रणीत (हिन्दी रूपान्तर) १–४ भाग ४०–००

२९३ संस्कृत व्याकरण चन्द्रिका । पारसनाथ द्विवेदी ५–५०

२९४ संस्कृत व्याकरण ज्योत्स्ना । अमरनाथ पाण्डेय १२–००

२९५ संस्कृत व्याकरण दर्शन । रामसुरेश त्रिपाठी ५०–००

२९६ संस्कृत व्याकरण प्रबोध । प्रथमा परीक्षोपयोगी प्रथम भाग समाप्त
मध्यमा परीक्षापयोगी द्वितीय भाग २०–००

२९७ संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका । अनन्तराम शास्त्री १४–००

२९८ संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका । बाबूराम सक्सेना १२–४०

२९९ संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका । अनु० डॉ० कपिलदेव द्विवेदी १५–००

३०० संस्कृत व्याकरण में गणपाठ की परम्परा और आचार्य पाणिनि । कपिलदेव द्विवेदी १५–००

३०१ संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास । युधिष्ठिर मीमांसक । १–३ भाग १२५–००

३०२ संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास । (छात्रोपयोगी संस्करण) युधिष्ठिर मीमांसक । सम्पादक—रामनाथ त्रिपाठी शास्त्री ५०–००, ४०–००

३०३ संस्कृतव्याकरणोदयः । डॉ० जयमन्त मिश्र १५–००

३०४ संस्कृत शिक्षण की नवीन योजना । (संस्कृत व्याकरण नये रूप में) डॉ० धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री २५–००

३०५ संस्कृत शिक्षणपद्धति । आचार्य सीताराम चतुर्वेदी १०–००

३०६ संस्कृत शिक्षाविधिः । गौरीशंकर ५–००

३०७ संस्कृत स्वयं शिक्षक । सातवलेकरकृत १–२ भाग २५–००

३०८ संस्कृत-स्वयं शिक्षकप्रभा । (बालोपयोगी अभिनव ग्रन्थ) समाप्त

३०९ संस्कृतालोकः । पं० रामबालक शास्त्री । १–३ किरण ६–००

३१० सज्जनेन्द्रप्रयोग कल्पद्रुमः । कृष्णपण्डित विरचित ३०–००

३११ सन्धि-चन्द्रिका । पं० रामचन्द्र झा संशोधित परिवर्धित नवीन संस्करण ५–००

३१२ समासचक्रम् । ब्रह्मदत्तशुक्लकृत टिप्पणी सहित ०–७५

३१३ सरलधातुरूपावलिः । ण्यन्त, सनन्त, यङन्तादि धातुरूप सहित । सम्पा०—पं० रामचन्द्र झा शर्मात्मज श्री प्रदीप झा २–००

३१४ सरल शब्दरूपावलिः । एकाक्षरीकोश-समास परिचय सहित । सम्पा०—पं० रामचन्द्र झा शर्मात्मज श्री प्रदीप झा १–५०

३१५ सरस्वतीकण्ठाभरणम् । 'रत्नदर्पण' संस्कृत तथा हिन्दी टीका सहित । टी०—डॉ० कामेश्वरनाथ मिश्र । प्रथम भाग ६०–००

३१६ सादृश्यशास्त्रार्थकला ल: कर्मशास्त्रार्थ कला । २–००

३१७ सारस्वतव्याकरणम् । बालबोधिनी इन्दुमती संस्कृत-हिन्दी टीका पूर्वार्द्ध ७–००

३१८ सारस्वतव्याकरणम् । चन्द्रकीर्तिटीका-प्रसादटीका-मनोरमा विवृति, सटीक लिंगानुशासन सहित । पूर्वार्द्ध ४०–०० उत्तरार्द्ध ४०–००

३१९ सारस्वतव्याकरणम् । चन्द्रकीर्ति संस्कृत टीका सहित १–२ भाग सम्पूर्ण २०–००

320 Siddhantkaumudi with English Translation by S. C. Vasu. 2 Vols. 400–00

३२१ सिद्धान्तकौमुदी । 'इन्दुमती' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, नोट्स विविध परिशिष्ट, प्रश्नपत्र, गवेषणात्मक ऐतिहासिक भूमिकादि सहित । सम्पा०—पं० रामचन्द्र झा । कारकान्त प्रथम भाग द्वि० संस्करण १५–००
'इन्दुमती' संस्कृत टीका, परीक्षोपयोगी समास तद्धित-पर्यालोचनात्मक परिशिष्ट (हिन्दी नोट्स) सहित समासादि द्विरुक्तान्त द्वितीय भाग १५–००
भ्वाद्यादि-जुहोत्यद्यन्त तृतीय भाग १२–००, ण्यन्तादि चतुर्थ भाग २०–००

३२२ हिन्दी सिद्धान्तकौमुदी-कारकप्रकरण । बृहद् विवेचन सहित । डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी ४–००

३२३ सिद्धान्तकौमुदी कारक-प्रश्नोत्तरी । सम्पादक—पं० रामचन्द्र झा १–५०

३२४ सिद्धान्तकौमुदी । बालमनोरमा-तत्त्वबोधिनी टीका सहित । सम्पा०—गिरधर शर्मा १–४ भाग १०२–००

३२५ सिद्धान्तकौमुदी । तत्त्वबोधिनी टीका सहित । सटिप्पण ८०–००

३२६ सिद्धान्तकौमुदी । (मूल)

३२७ सि० कौमुदीपंक्तिपदार्थरूपा 'भावबोधिनी' विस्तृत टीका १०–००

३२८ सिद्धान्तकौमुदी । परिशिष्टसंग्रह ०–५०

३२९ सिद्धान्तकौमुदी । भट्टोजिदीक्षित कृत । वासुदेव दीक्षित कृत बालमनोरमा टीका । सं० गोपाल शास्त्री नेने । सम्पूर्ण १–४ भाग ७५–००

३३० सिद्धान्तकौमुदी। 'बालमनोरमा' टीका। श्रीगोपालदत्त पाण्डेय कृत 'दीपिका' हिन्दी व्याख्या सहित। कारकान्त ७५–००

३३१ हिन्दी सिद्धान्तकौमुदी। सविमर्श। व्याख्याकार : बालकृष्णपञ्चोली।
कारकान्त प्रथम भाग ३०–००, समासादि द्विरुक्तान्त द्वि०भाग ३५–००
भ्वाद्यादि चुराद्यन्त तृतीय भाग २५–००, ण्यन्तादि कृदन्तान्त
चतुर्थ भाग ३५–००, १–४ भाग, सम्पूर्ण १२५–००

३३२ सिद्धान्तकौमुदी-वैदिकीप्रक्रिया। हिन्दी व्याख्या सहित। उमाशकर शर्मा १५–००

३३३ सिद्धान्तकौमुदी-शैषिकादि द्विरुक्तान्त तद्धित प्रयोग सूची ३–००

३३४ सि० कौमुदी भ्वाद्यादि चुरादिगणान्त प्रयोगसूची २–००

३३५ सिद्धान्तकौमुदी-सोत्तरा प्रयोगसूची। पक्तिलेखन प्रकारात्मक
'इन्दुमती' टिप्पणीसहितकारकान्त यन्त्रस्थ। कारकादि शैषिकांत ३–००
विकारार्थकादि चुराद्यन्त २–००, ण्यन्तादि उत्तर कृदन्तांत ३–००

३३६ सिद्धान्तकौमुदी-सोत्तरा स्वरवैदिक-प्रयोगसूची। उणादिकोष सहित लिङ्गानुशासन प्रकरणान्त ३–००

३३७ सिद्धान्तकौमुदी स्वरवैदिकप्रक्रिया-प्रश्नोत्तरी। शोधपूर्ण नवीन संस्करण। प० विश्वेश्वर झा ५–००

३३८ सिद्धान्तचन्द्रिका। सुबोधिनी-तत्त्वदीपिका टीका, वृहत् चक्रधरा टिप्पणी, अव्ययार्थमाला, लिंगानुशासन, उणादिकोश सहित १ २ भाग ८०–००

३३९ सिद्धान्तचन्द्रिका। 'बालबोधिनी' टीका सहित पूर्वार्द्ध ५–००
उत्तरार्द्ध ७–५०, १–२ भाग सम्पूर्ण १२–५०

३४० सिद्धान्तचन्द्रिका। सुबोधिनी, तत्त्वदीपिका संस्कृत हिन्दी टीका। १–२ भाग ३०–००

341 Students Guide to Sanskrit Composition : V. S. Apte 20–00

३४२ स्फोटदर्शन। रङ्गनाथ पाठक १५–००

३४३ स्फोटवादविवेचनम्। डा० कृष्णमणि त्रिपाठी २–५०

३४४ स्फोटवादः। नागेशभट्ट कृत २०–००

३४५ स्वरप्रक्रिया। रामचन्द्र पंडित विरचित। स्वोपज्ञ व्याख्या सहित २५–००

345A Higher Sanskrit Grammar by M. R. Kale 30–00

३४६ हायर संस्कृत ग्रामर। काले। हिन्दी अनुवादक—कपिलदेव द्विवेदी १२–००

३४७ हिन्दी प्रयोग। रामचन्द्र वर्मा ४–००

३४८ हिन्दी में प्रयुक्त संस्कृत शब्दों में अर्थपरिवर्तन। डा०केशवरामपाल ४०–००

३४९ हिन्दी व्याकरण। कामताप्रसाद गुरु ४३–७५

३५० हिन्दी व्याकरण का इतिहास। डा० अनन्त चौधरी २३–००, २७–००

३५१ हिन्दी शब्दानुशासन। किशोरीदास बाजपेयी ३७–५०

मीमांसा-ग्रन्थाः

३५२ अङ्गतत्त्वनिरुक्तिः । (मीमांसादर्शनेऽङ्गाङ्गिभावविमर्शकः) श्री मन्मुरारिमिश्र विरचितः १२–००

३५३ अधिकरणकौमुदी । देवनाथ ठक्कुर कृत ४–००

३५४ अध्वरमीमांसा कुतूहलवृत्तिः । वासुदेव दीक्षित विरचित (जैमिनी-सूत्र व्याख्या) । सम्पा०—श्री पट्टाभिराम शास्त्री । १–४ भाग १०६–००

३५५ अर्थसंग्रहः । 'मीमांसार्थसंग्रहकौमुदी' संस्कृत टीका तथा 'दीपिका' हिन्दी व्याख्या सहित सुसंस्कृत नवीन संस्करण १५–००

३५६ अर्थसंग्रहः । लौगाक्षिभास्करप्रणीतः । परमहंस रामेश्वर शिवयोगी भिक्षुवर प्रणीत 'मीमांसार्थसंग्रहकौमुदी' व्याख्या सहित नारायण विरचित टिप्पण्यादि विभूषित ८–००

३५७ अर्थसंग्रहः । आंग्लानुवाद सहित । डा० जी० थीबोत २०–००

358 Introduction to the Purva Mimansa, by Dr. Pashupati Nath Shastri Edited by Dr. Gaurinath Shastri. Ord. Ed. 40–00, Lib. Ed. 75–00

359 Epistemology of the Bhatta School of Purva Mimansa. by Dr. G. P. Bhatta. 75–00

३६० गोरक्षपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित । ६–००

३६१ ज्ञानमीमांसा । भाषा । दयाकृष्ण ४–५०

३६२ जैमिनीयन्यायमाला । श्रीमन्माधवाचार्यविरचिता, तद्विरचितेन विस्तरेण विभूषिता । तृतीयाध्यायान्ता यन्त्रस्थ

३६३ तत्त्वसमाससूत्रम् । सटीक । सम्पा०—डा० रमाशंकर भट्टाचार्य २–००

३६४ तन्त्ररत्नम् । पार्थसारथि मिश्र । सम्पा० –टी० रामचन्द्र दीक्षित ३–५ भाग ६६–१०

365 Tantravartika Kumarila Bhatta. A commentary on Sabra's Bhasya. Translated by M. M. Ganganath Jha. 2 Vols. 500–00

३६६ न्यायरत्नमाला । पार्थसारथि मिश्र विरचिता ७६–००

३६७ न्यायरत्नमाला । श्रीमत्पार्थसारथिमिश्र विनिर्मिता यन्त्रस्थ

३६८ न्यायरत्नाकरः । जैमिनीयमीमांसासूत्र (अध्याय ११) संस्कृत व्याख्या ७–००

३६९ न्यायसुधा (तन्त्रवार्तिकव्याख्या) श्रीमद्भट्टसोमेश्वरकृता यन्त्रस्थ

३७० पूर्वमीमांसाधिकरणकौमुदी। रामकृष्ण भट्टाचार्य विरचिता १५—००
371 Prabhakara School of Purva Mimansa by M. M. Ganganatn Jha 45–00
३७२ प्रकरणपञ्चिका। शालिकनाथमिश्रविरचिता। जयपुरी नारायण भट्ट कृत न्यायसिद्धि व्याख्या सहित। सम्पादक—ए० सुब्रह्मण्यशास्त्री ३७—५०
३७३ बृहती। प्रभाकरमिश्रकृत (शाबरभाष्यव्याख्या) 'ऋजुविमला' व्याख्याद्वययुता। १–३ खण्ड ४५—००
३७४ भाट्टचिन्तामणि:। म० म० श्रीगागाभट्ट विरचित: ७०—००
३७५ भाट्टभाषाप्रकाश:। श्रीनारायणतीर्थमुनिविरचित: १०—००
३७६ भाट्टतन्त्ररहस्यम्। श्रीमद्राचार्यखण्डदेवप्रणीतम्। सं०—सुब्रह्मण्यशास्त्री २०—००
३७७ मानमेयोदय:। नारायणकृत:। आंग्लानुवाद समेत ३०—००
३७८ मानमेयोदय:। स्वामी योगीन्द्रानन्द कृत हिन्दी व्याख्या सहित १५—००
३७९ मीमांसादर्शनम्। महर्षि जैमिनीकृत। शाबरभाष्य, तन्त्रवार्तिक, न्यायसुधा, भाष्यविवरण तथा भावप्रकाशिका हिन्दी व्याख्या सहित। हिन्दी व्याख्याकार तथा सम्पादक महाप्रभुलाल गोस्वामी। प्रथम भाग। ८५—००
३८० मीमांसादर्शनम्। जैमिनिमुनिप्रणीतम्। मीमांसाश्लोकवार्तिक शाबरभाष्य, न्यायरत्नाकर व्याख्या टिप्पणी सहित। सम्पा०—डॉ० गजानन शास्त्री मुसलगांवकर। प्रथम खण्ड ५०—००
३८१ मीमांसादर्शनम्। तन्त्रवार्तिकव्याख्यासवलित-शाबरभाष्यसमेतम्। १–७ भाग २५८—७५
३८२ मीमादर्शनम्-शाबरभाष्योपेतम् (तर्कपादः)। विवेचनात्मक हिन्दी व्याख्या सहित। डॉ० उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि' २०-००
३८३ मीमांसादर्शनम्। श्रीराम शर्मा आचार्यकृत हिन्दी टीका सहित ११—००
३८४ मीमांसादर्शनविमर्श:। डॉ० वाचस्पति उपाध्याय २०—००
३८५ मीसांसाकौस्तुभ:। मीमांसासूत्रस्य काचनविस्तृतटीका। श्रीखण्डदेव विरचित: यन्त्रस्थ
३८६ मीमांसानुक्रमणिका। श्रीमण्डनमिश्रकृता। म. म. गङ्गानाथ झा रचित 'मीमांसामण्डन' मण्डिता यन्त्रस्थ
३८७ मीमांसान्यायप्रकाश:। भाट्टालंकारव्याख्यासहित: यन्त्रस्थ
३८८ मीमांसान्यायप्रकाश:। वासुदेवशास्त्री अभ्यंकर ४५—००
३८९ मीमांसान्यायप्रकाश:। 'बालतोषिणी' हिन्दी व्याख्या सहित। व्याख्याकार—आचार्य पट्टाभिराम शास्त्री ३७—००

३९० मीमांसान्यायप्रकाशः । ए० चिन्नस्वामी शास्त्री कृत 'सारविवेचिनी' संस्कृत व्याख्या सहित २५-००

३९१ मीमांसापरिभाषा । हिन्दी टीका सहित ५-००

३९२ मीमांसाबालप्रकाशः । श्रीभट्टशंकरविरचितः यन्त्रस्थ

३९३ मीमांसाशाबरभाष्यम् । आर्षमत-विमर्शिनी हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—युधिष्ठिर मीमांसक । १-४ भाग १६०-००

३९४ मीमांसाश्लोकवार्त्तिकम् । 'न्यायरत्नाकर' व्याख्यासहितम् १-३ खण्ड यन्त्रस्थ

३९५ मीमांसाश्लोकवार्त्तिकः । भट्टकुमारिलविरचितः । हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—पं० दुर्गाधर झा २५०-००

३९६ विधिरसायनम् । श्रीमदप्पयदीक्षितविरचितम् यन्त्रस्थ

३९७ विधिरसायनदूषण । श्रीशंकरभट्टप्रणीतम् २-२५

३९८ विधिविवेकः । मण्डनमिश्रकृतः । वाचस्पतिमिश्रकृत न्यायकणिका व्याख्या सहित । सम्पादक—महाप्रभुलाल गोस्वामी ४०-००

३९९ वेदप्रकाशः । श्रीसत्यानन्दतीर्थविरचितः २५-००

४०० शास्त्रदीपिका । 'युक्तिस्नेहप्रपूरणी' व्याख्या सहित । तर्कपाद यन्त्रस्थ

४०१ शास्त्रदीपिका । पार्थसारथीमिश्रप्रणीता । विशिष्ट भूमिका तथा टिप्पणीकार— सुब्रह्मण्य शास्त्री । हिन्दी टीकाकार-डॉ० किशोरदास स्वामी ४५-००

४०२ शास्त्रदीपिका । पार्थसारथीमिश्रकृता । सं०—ए० सुब्रह्मण्य शास्त्री । १-३ भाग १३५-००

४०३ शास्त्रदीपिका । वैद्यनाथ कृत प्रभा सहित (तर्कपाद रहित १-५ अध्याय) संपादक—पी० एन० पट्टाभिराम शास्त्री । १-२ भाग १३०-००

४०४ श्लोकवार्तिकम् । श्रीमत्कुमारिलभट्टपादविरचितम् । पार्थसारथिमिश्र कृत 'न्यायरत्नाकर' व्याख्यासहित । संपादक—द्वारिकादास शास्त्री ७५-००

405 Slokavartika. With the Commentaries Karika and Nyayaratnakar. Translated by M. M. Ganganath Jha. 200-00

४०६ सङ्कर्ष-काण्ड-सूत्राणि । जैमिनीमुनिप्रणीतानि १०-००

न्याय-ग्रन्थाः

४०७ अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः । रघुनाथ शिरोमणि कृत 'दीधिति' व्याख्या के साथ । स्वामी दिव्यानन्द विरचित 'लक्ष्मी' व्याख्या सहित २५-००

४०८ अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः । संस्कृत टीका सहितः । सं०—रामाचरण भट्टाचार्य १०-००

४०९ आत्मतत्त्वविवेकः । श्रीमदुदयनाचार्यविरचितः । श्रीरामतर्कालंकार-भट्टाचार्यकृत टिप्पण्या, तार्किकशिरोमणि-श्रीरघुनाथकृत-दीधितिरितिप्रसिद्धया विवृत्या, श्रीशंकरमिश्रविरचितया आत्मतत्त्वविवेक-कल्पलतया च विभूषितः । १–६ खण्ड यन्त्रस्थ

४१० आत्मतत्त्वविवेकः । उदयनाचार्यकृतः । 'आत्मतत्त्व' व्याख्या (नारायणी) सहित यन्त्रस्थ

४११ आरम्भवादः । आचार्य बदरीनाथ शुक्ल २–००

412 Indian Rational Theology (Introduction to Udayana's Nyayakusumajali by G. Chemparathy. 100-00

४१३ उद्योतकर का न्यायवार्त्तिक : एक अध्ययन । दयाशंकर शास्त्री ४०–००

४१४ कारकचक्रम् । माधवीटीका-प्रदीपटिप्पणी-सहितम् ५–००

४१५ कारिकावली । विश्वनाथ न्यायपंचानन कृत 'सिद्धान्तमुक्तावली' तथा नारायणतीर्थ कृत 'न्यायचन्द्रिका' टीका सहित २५–००

४१६ कारिकावली-मुक्तावली-दिनकरी-रामरुद्री व्याख्यासहित । शोधपूर्ण संस्करण । सम्पादक — आत्माराम शर्मा ७०–००

४१७ कारिकावली-मुक्तावली । 'मयूख' प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी-व्याख्या-सहिता । व्याख्याकार-श्री सूर्यनारायण शुक्ल । प्रत्यक्षखण्डान्त १२–००
अनुमानशब्दखण्ड १७–००

४१८ कारिकावली मुक्तावलीतत्त्वालोकः । (मुक्तावली-प्रश्नोत्तरी) ५–००

४१९ किरणावली । उदयनाचार्यविरचिता । हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार--गौरीनाथ शास्त्री ४१–००

४२० किरणावली-रहस्यम् । मथुरानाथ तर्कवागीश २४–००

४२१ कुसुमाञ्जलि-कारिका-व्याख्या । नारायणतीर्थविरचिता २०–००

४२२ केवलान्वयिप्रकरण । जागदीशी चार टीकासहित । सं०--केशव द्विवेदी ४–००

४२३ क्रोडपत्रसंग्रहः । श्रीकालीशङ्करप्रणीतानि अनुमान-जागदीशी-अनुमान गादाधरी-क्रोडपत्राणि । जगदीशी-क्रोडपत्र यन्त्रस्थ
गादाधरी-क्रोडपत्र । १--४ खण्ड १००–००

४२४ गणकारिका । आचार्य भासर्वज्ञ ७–००

४२५ गादाधरी (अनुमानचिन्तामणितद्व्याख्याशिरोमणिकृतदीधितिगर्भिता) । आरम्भिक सिद्धान्तलक्षण प्रकरणान्त १००–००

४२६ गादाधरी (अनुमानचिन्तामणितद्व्याख्याशिरोमणिकृतदीधितिगर्भिता) । ऐतिहासिक विस्तृत भूमिका सहित । सम्पादक-पं० श्रीकीर्त्यानन्द झा सम्पूर्ण । १--२ भाग ५००–००

४२७ गादाधरी-अवयवप्रकरणम् । 'विलासिनी' व्याख्योपेतम् । व्याख्याकार— पं० ज्वालाप्रसाद गौड़ ३०—००

४२८ जागदीशी । अनुमानचिन्तामणिव्याख्या । शिरोमणिकृतदीधित्या सहिता । १-१३ खण्ड सम्पूर्ण १-२ भाग में । ४००-००

४२९ जागदीशी पक्षता । जगदीश तर्कालंकार कृत । शिवदत्त मिश्र विरचित 'गंगा' टीकासहित ३५—००

४३० जा० पञ्चलक्षणी-सिंहव्याघ्रलक्षणयोश्च क्रोडपत्रम् ०—६५

३३१ जा० व्यधिकरणम् । स्वामीरामप्रपन्नाचार्यकृत-दीपिकाटीकोपेतम् ३०-००

४३२ जा० व्यधिकरणधर्मावच्छिन्नाभावस्य कालीशङ्करी ०—५०

४३३ जा० सामान्यलक्षणा-प्रकरणम् । काशिकानन्दी व्याख्यासहित ८—००

४३४ सिद्धान्तलक्षणम् । 'दीधिति' 'जागदीशी' व्याख्या सहित स्वामी दिव्यानन्द कृत लक्ष्मी नामक विशद व्याख्या विभूषित समाप्त

४३५ जा० सिद्धान्तलक्षणस्य क्रोडपत्रम् ०—६५

४३६ जा० सिद्धान्तलक्षणम् । शिवदत्त मिश्र कृत गंगा व्याख्या सहित ४५—००

४३७ तत्त्वचिन्तामणिः । गंगेशोपाध्यायविरचितः । रामकृष्णाध्वरिकृत 'न्यायशिखामणि' तथा रुचिदत्त मिश्र विरचित 'प्रकाश' टीका सहित । सं०—एन्० एस० रामानुजताताचार्य । प्र० भाग—प्रत्यक्ष खण्ड ३७—००

४३८ तत्त्वचिन्तामणिः । प्रत्यक्षखण्ड-मङ्गलवादान्तः । सं०-बदरीनाथशुक्ल १५-००

४३९ तत्त्वचिन्तामणि-दीधिति-प्रकाश । भवानन्द । सम्पा०—कालीपद भट्टाचार्य । द्वितीय खण्ड २०—००

४४० तत्त्वप्रभावली । श्रीकृष्णवल्लभाचार्य-स्वामीनारायणविरचिता ५०—००

४४१ तर्ककुतूहलम् । विश्वेश्वरपाण्डेयविरचितम् । सं०—श्रीजनार्दन पाण्डेय ७—००

४४२ तर्ककौमुदी । लौगाक्षिभास्करविरचिता । आंग्लानुवाद सहित । संपादक—डॉ० कृष्णनाथ चट्टोपाध्याय ३५—००

४४३ तर्कभाषा । केशवमिश्रप्रणीता । मूलमात्रम् २—००

४४४ तर्कभाषा । केशवमिश्र कृत । 'माधुरी' हिन्दी व्याख्या सहित । व्या०—डॉ० गजानन शास्त्री मुसलगांवकर ५०—००

४४५ तर्कभाषा । परीक्षोपयोगी 'तत्त्वालोक' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १५—००

४४६ हिन्दी तर्कभाषा । आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि कृत हिन्दी टीका एवं बृहत् प्रस्तावना सहित २५—००

४४७ तर्कभाषारहस्यम् । (परीक्षोपयोगी प्रश्नोत्तरी) ३—००

४४८ तर्कभाषा । केशवमिश्रकृता । (संस्कृत-अंग्रेजी) ले०—एस० आर० अय्यर । प्राक्कथन—पं० गोपीनाथ शास्त्री २५—००

४४९ तर्कभाषा। चिन्नभट्ट विरचित व्याख्या सहित ५०-००
४५० तर्कसंग्रहः। हिन्दी टीका सहित तथा 'दीपिका' टीका व दीपिका की हिन्दी टीका सहित। आचार्य आनन्द झा कृत १२-५०
४५१ तर्कसंग्रहः। दीपिका, न्यायबोधिनी, अठवले कृत नोट्स, बोडस कृत आंग्लानुवाद सहित। पुसालकर कृत संशोधित परिवर्धित संस्करण ५०-००
४५२ तर्कसंग्रह-तारोदय। एस० एन० शास्त्री २५-००
४५३ तर्कसंग्रहः। हिन्दी टीका सहित। दयानन्द भार्गव २५-००
४५४ तर्कसंग्रहः। लक्षण-टिप्पणी सहित १-००
४५५ तर्कसंग्रहः। 'दीपिका' 'इन्दुमती' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ४-००
४५६ तर्कसंग्रहः। 'पदकृत्य' इन्दुमती' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ३-००
४५७ तर्कसंग्रहः। न्यायबोधिनी-पदकृत्य-विमला-इन्दुमती संस्कृत-हिन्दी टीका २५-००
४५८ तर्कसंग्रहः। प्राचीनतम नौ टीकाओं से विभूषित समाप्त
४५९ तर्क-संग्रह-रहस्यम्। (तर्कसंग्रह-प्रश्नोत्तरी) ३-००
४६० तर्कामृतम्। संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। आचार्य रामचन्द्र मिश्र ५-००
४६१ तर्कामृतम्। श्रीजगदीशतर्कालंकारविरचितम्। म०म० श्रीजीवनकृष्ण विरचित 'विवृति' सहित २०-००
४६२ त्रितलावच्छेदकतावादः। पं० शशिनाथ झा विरचितः ४-५०
463 Nagarjuna's Philosophy. As presented in the Mahaprajnaparmitasastra by K. Venkata Ramanan. 50-00
४६४ 'न च' रत्नमालिका। श्रीशास्त्रीशर्मा रचित स्वोपज्ञनूतनालोक सहित ६-५०
465 Navya Nyaya Some Logical problems in Historical Perspective by G. M. Bhattacharya. 30-00
४६६ न्यायकुसुमाञ्जलिः। उदयनाचार्यविरचितः। 'न्यायवासना-संस्कृत-व्याख्या-सहितः। व्याख्याकार—अय्या श्री देवनाथ ताताचार्यः ३०-००
४६७ न्यायकुसुमाञ्जलिः। श्रीमद् उदयनाचार्यप्रणीतः। मेघठक्कुर विरचित 'प्रकाशिका' (जलद), रुचिदत्तोपाध्यायकृत 'मकरन्द', वर्द्धमानोपाध्यायकृत 'प्रकाश', वरदराजकृत 'बोधिनी' व्याख्या चतुष्टयोपेतः। पं० बच्चा झा निर्मित टिप्पणी विभूषितश्च समाप्त
४६८ हिन्दी न्यायकुसुमाञ्जलिः। (हरिदासी टीका सहित) आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि ४५-००

४६९ न्यायकुसुमाञ्जलिः। श्रीमदुदयनाचार्यप्रणीतः। श्रीशंकरमिश्रकृत 'आमोद', श्रीगुणानन्द विद्यावागीश रचित 'विवेक', श्रीवरदयाल प्रणीत 'बोधिनी' तथा म० म० श्री हरिहरकृपालु द्विवेदी विरचित 'परिमल' व्याख्यासहिता। संपादक—श्रीमहाप्रभुलाल गोस्वामी २५-००

४७० न्यायकुसुमाञ्जलिः। हिन्दी टीका सहित। श्री दुर्गाधर झा ५६-५०

४७१ न्यायकोशः। सकलशास्त्रोपकारक-न्यायादिशास्त्रीयपदार्थप्रकाशकः। म० म० भीमाचार्य २००-००

४७२ न्यायकौस्तुभः। महादेवपुणतामेकरः। सम्पा०—दामोदरलाल गोस्वामी समाप्त

४७३ न्याय (सूत्रपाठः) दर्शनम्। श्रीगौतममहामुनिप्रणीतम् १-५०

४७४ न्यायदर्शनम्-वात्स्यायनभाष्यसहितम्। गङ्गानाथ झा प्रणीतेन खद्योतेन, नैयायिकचूडामणिरघूत्तमविरचित-भाष्यचन्द्रेण समन्वितं श्रीमदम्बादासशास्त्रिकृत-भाष्यचन्द्रानुगामिन्या टिप्पण्या च समेतम् समाप्त

४७५ न्यायदर्शनम्। वात्स्यायनभाष्य, उद्योतकरकृत वार्त्तिक, वाचस्पति-मिश्रकृत तात्पर्यटीका, विश्वनाथविरचित वृत्ति सहित। समीक्षात्मक टिप्पणी सहित। सम्पादक—अमरेन्द्रमोहन तर्कतीर्थ। प्रथम—पञ्चम अध्याय ३००-००

४७६ न्यायदर्शनम्। वात्स्यायनभाष्य-उद्योतकरवार्तिक-वाचस्पतितात्पर्य-टीका उदयनपरिशुद्धि प्रथमाध्यात्मक प्रथम भाग २५-००

४७७ हिन्दी न्यायदर्शन। (वात्स्यायनभाष्य सहित) हिन्दी व्याख्याकार पण्डितराज ढुण्ढिराज शास्त्री ४५-००

४७८ न्यायदर्शनम्। श्रीराम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ८-००

४७९ न्यायदर्शनम्। उदयवीर शास्त्री कृत भाष्य सहित ३५-००

४८० न्यायदर्शनम्। (वात्स्यायनभाष्य-हिन्दीरूपान्तर सहित) सम्पादक-स्वामी द्वारिकादास शास्त्री ५०-००

४८१ न्यायदर्शनबिन्दुः। म० म० कालीपद तर्काचार्य २-००

४८२ न्यायनिबन्धावली। (आचार्यमतरहस्यम्, नव्यमतरहस्यम्, प्रतियोगिज्ञानकारणताविचारः, ज्ञानद्वयकारणताविचारः, लाघवगौरव-रहस्यम्, सिद्धिप्रतिबन्धकतारहस्यम् चेति) सम्पादक—श्रीरूपनाथ झा ८-००

४८३ न्यायपरिशिष्टम्। उदयनाचार्यकृतम्। वामेश्वरध्वजकृतया पञ्जि-कया समेतम्। संपादक—एस० एन० श्रीरामदेशिक २९-००

४८४ न्यायपरिचयः। फणिभूषणतर्कवागीशकृतः। हिन्दी रूपान्तरकार डॉ० किशोरनाथ झा ५०-००

४८५ न्यायप्रकाश । (न्यायशास्त्र) स्वामी चिद्घनानन्दकृत । भाषा ८०—००

४८६ न्यायबिन्दुः । धर्मकीर्तिप्रणीतः । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ३०—००

४८७ न्यायबिन्दुटीका । समीक्षात्मक भूमिका, भाषानुवाद, व्याख्यात्मक टिप्पणीयुत । डॉ० श्रीनिवासशास्त्री सम्पादित १७—००

४८८ न्यायभाष्यवार्तिकतात्पर्यविवरणपञ्जिका २—५ । सं०— अनन्तलाल ठक्कुर ५—००

४८९ न्यायभूषणम् । भासर्वज्ञप्रणीतस्य न्यायसारस्य स्वोपज्ञं व्याख्यानम् । स्वामी योगीन्द्रानन्द सम्पादित ३०—००

४९० न्यायमञ्जरी । जयन्तभट्टकृतटिप्पण्या समेता १००—००

४९१ न्यायमञ्जरी । जयन्तभट्टप्रणीता । चक्रधर विरचित ग्रन्थिभङ्ग व्याख्या । सम्पादक—गौरीनाथ शास्त्री । १—३ भाग १५२—००

४९२ न्यायमञ्जरी-ग्रन्थिभङ्गः । चक्रधरकृतः । सम्पादक—नगीनजीशाह ५०—००

४९३ न्यायरत्नम् । मणिकण्ठमिश्रकृतम् । नृसिंहयज्वकृतद्युतिमालिकाटीका १०—००

४९४ न्यायलीलावती । श्रीभगीरथठक्कुरकृत 'विवृति' सनाथेन श्रीवर्धमानोपाध्यायकृत 'प्रकाशेन' श्रीशंकरमिश्ररचित 'कण्ठाभरणेन' च समन्विता यन्त्रस्थ

४९५ न्यायसिद्धान्तमञ्जरी । जानकीनाथकृता । न्यायमंजरीसार व्याख्या सहित २५—००

४९६ न्यायसिद्धान्तमुक्तावली । कृष्णवल्लभाचार्यकृत 'किरणावली' व्याख्या-युता ३५—००

४९७ न्यायसूत्रः । गौतमकृत । वात्स्यायनभाष्यसहित तथा न्यायवार्तिक एवं तात्पर्यटीका सहित । सम्पा०-म० म० गंगाधर शास्त्री तैलङ्ग १२०—००

498 Nyaya Sutras of Gautama. Translated by M. M. S. C. Vidyabhushana. 80—00

४९९ न्यायोक्तिकोशः । छविनाथ मिश्र ४०—००

500 Padarthadharmasangraha of Prasastapada, With the Nyayakandali of Sridhara. Translated into English by Ganganatha Jha. 150-00

५०१ पदार्थरत्नमंजूषा । कृष्णमिश्रविरचिता ३-७५

५०२ पदार्थीयदिव्यचक्षुः । उमापत्युपाध्यायविरचितः । सं०—धीरानन्दमिश्र २—५०

५०३ प्रमाणप्रमोदः । दुःखमोचन झा कृत संस्कृत व्याख्या सहित ७—५०

५०४ प्रमाणमंजरी । सर्वदेवविरचिता । वलभद्रमिश्र-अद्वयारण्ययोगिवामनभट्टविरचित व्याख्यात्रय समन्वित ६—००

५०५ प्रमा-प्रमेयः । श्रीभावसेनत्रैविद्यारचितः । हिन्दी अनुवाद सहित ५—००

५०६ प्रमाणान्तर्भावः । सं०—सतीन्द्रचन्द्र न्यायाचार्य २०–००
५०७ प्रमेय-पारिजातः । म० म० गिरिधरशर्मा चतुर्वेदीकृत ३–००
५०८ प्रामाण्यवाद-दीपिका । श्रीवामाचरणभट्टाचार्यविरचिता २–५०
५०९ प्रामाण्यवादः । हरिरामतर्कवागीशकृतः । विश्वबन्धु भट्टाचार्यकृत प्रभा व्याख्या सहित ५–००
510 Philosophy of Nyaya-Vaisesika and its conflict with the Buddhist Dignaga School (Critique of Indian Realism) by Dr. D. N. Shastri. 100–00
५११ भारतीयदर्शन शास्त्र । (न्याय-वैशेषिक) धर्मेन्द्रशास्त्रीकृत (हिन्दी) ३–००
५१२ भारतीय न्यायशास्त्र एक अध्ययन । डॉ० ब्रह्ममित्र अवस्थी ४०–००
५१३ मणिकण । आंग्लानुवाद सहित २२–००
५१४ मथुरानाथीयव्याप्तिपञ्चकटीकायाः क्रोडपत्रम् ०–२०
५१५ माथुरी-तर्कप्रकरणम् । वामाचरणभट्टाचार्यविरचित् विवृतिसहितम् ४–००
५१६ माथुरीपञ्चलक्षणी-सिंहव्याघ्रलक्षणसहिता । मूलमात्रम् ०–२५
५१७ माथुरीपञ्चलक्षणी । उमानाथाज्र्यालिकृतव्याख्यासहित तथा 'माथुरी-सिंह-व्याघ्रलक्षणम्' । श्रीहरिरामशुक्लविरचितव्याख्यासहित तथा हरिहरशास्त्री सङ्कलित 'माथुरीपञ्चलक्षणीक्रोडपत्राणि' विभूषित १५–००
५१८ माथुरीव्याप्तिपञ्चकरहस्यम् सिंहव्याघ्रलक्षणरहस्यम् । मथुरानाथतर्कवागीशकृतम् । शिवदत्तमिश्रकृत गंगानिर्झरिणी' टीका-टिप्पणीयुत २५–००
५१९ मानमनोहरः । स्वामी योगीन्द्रानन्दकृतः । हिन्दी टीका सहित १५–००
५२० मुक्तिवादः । चन्द्रिकाख्यविवृत्या समलंकृतः ५–००
५२१ मुक्तिवाद विचार । हरिराम तर्कवागीशकृत । कालीपद तर्काचार्यकृत मुक्तिलक्ष्मी व्याख्या सहित १०–००
५२२ रत्नकीर्तिनिबन्धावली । आचार्य रत्नकीर्तिकृत ११–००
५२३ रत्नकोषमतवादार्थः । हरिरामतर्कवागीशकृतः । सं०—शोभाकान्त जयदेव झा २–२५
५२४ लक्षणमाला । उदयनाचार्यकृता । सम्पादक—शशिनाथ झा ३–००
५२५ लक्षणावली । उदयनाचार्यकृता । सम्पादक— शशिनाथ झा २–७५
५२६ वादवारिधिः । श्रीगदाधरभट्टाचार्यादिविपश्चिद्वरैर्विरचितः प्रत्यक्षानुमानशब्दपरिशिष्टाख्यकल्लोलचतुष्टयात्मकः । १–३ खण्ड ७५–००
५२७ वारार्थसंग्रहः । १–४ भाग २४–००
५२८ विधिस्वरूपविचारः । गदाधरभट्टाचार्यकृतः । यादवेन्द्रनाथ राय कृत 'विधिबोधिनी' टीका सहित १०–००

५२९ विषयतावादः । श्रीढुण्ढिराजशास्त्रीकृत टिप्पणी सहित १–००

५३० व्युत्पत्तिवादः । 'शास्त्रार्थकला' टीका सहित ३५–००

५३१ व्युत्पत्तिवादः । पं० बच्चा झा विरचित 'गूढार्थतत्त्वालोक' व्याख्या विभूषित । बृहद् भूमिका सहित । संपादक–पं० श्रीकीर्त्यानन्द झा ७५–००

५३२ व्युत्पत्तिवादः । धर्मदत्त (बच्चा) झा कृत 'गूढार्थतत्त्वालोक' तथा श्रीशशिनाथ झा कृत 'अर्थदीपिका' टीका सहित २५–००

५३३ व्युत्पत्तिवादः । 'दीपिका' टीका समलङ्कृत । टीकाकार–पं० शिवदत्त मिश्र ४०–००

५३४ व्युत्पत्तिवादकुञ्जिका । संपादक–गौरीनाथ पाठक ३–००

५३५ व्युत्पत्तिवादतरणिः । (व्युत्पत्तिवाद-प्रश्नोत्तरी) ३–००

536 Word and its Meaning : A new Perspective (in the Light of Jagadisa's Sabda-Saktiprakasika) by K. N. Chatterjee : with a Foreword by S. Bhattacharya 150–00

५३७ शक्तिवादः । कृष्णभट्टकृतया मंजूषया माधवभट्टाचार्यनिर्मितया विवृत्या गोस्वामिदामोदरशास्त्रिरचितया विनोदिन्या टीका समेतः समाप्त

५३८ शक्तिवादः । श्रीहरिनाथतर्कसिद्धान्तभट्टाचार्यविरचित 'विवृत्ति' सहित ३०–००

५३९ शब्दशक्तिप्रकाशिका । श्रीजगदीशतर्कालङ्कार विनिर्मिता । श्रीकृष्णकांत विद्यावागीशकृत 'कृष्णकान्ति' टीकया श्रीमद्रामभद्रसिद्धान्तवागीश-विरचितया-'रामभद्री' टीकया च समलङ्कृता । सटिप्पण नवीन सं० ७५·००

540 Sambandha-Vartika of Suresvaracharya. With Text & Translated into English by S. Venkataramana Aiyar. Edited by Dr. K. N. Chatterjee. 75–00

५४१ सामान्यनिरुक्तिः । गङ्गेशोपाध्यायप्रणीता । रघुनाथ शिरोमणि विरचित दीधिति, गदाधरः भट्टाचार्य विरचित 'गादाधरी', बलदेव भट्टाचार्य विरचित 'बलदेवी' तथा श्री रूपनाथ झा विरचित 'विमल-प्रभा' व्याख्या सहित । सम्पादक—श्री रूपनाथ झा । २०·००

५४२ सामान्यलक्षणप्रकरणम् । (अनुमानजागदीशी) । तत्त्वप्रदीपाख्या (काशिकानन्दी) व्याख्या सहित ८–००

543 History and Bibliogrophy of Nyaya Vaisesika Literature by Gopinath Kaviraj. 30–00

वैशेषिक-ग्रन्थाः

५४४ कणादगौतमीयम् । 'पदार्थानुशासनम' आचार्य विश्वनाथ शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित १२–००

५४५ प्रशस्तपादभाष्यटीकासंग्रहः । 'कणादरहस्यम्' शङ्करमिश्रकृतं प्रशस्तपादभाष्यसमालोचनं कैलासचन्द्रशिरोमणिकृता तर्कालङ्कार-भाष्यपरीक्षा च । यन्त्रस्थ

५४६ प्रशस्तपादभाष्यम् । न्यायकन्दली संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ६८-००

५४७ प्रशस्तपादभाष्यम् । किरणावली टीकासहित ।सं० जे०एस० जेतली ५०-००

५४८ प्रशस्तपादभाष्य । समीक्षात्मक भूमिका, हिन्दी अनुवाद तथा टिप्पणी सहित । सम्पा०—डा० श्रीनिवास शास्त्री ६०-००, ४०-००

५४९ हिन्दी वैशेषिकदर्शन । प्रो० नारायण मिश्र कृत हिन्दी अनुवाद सहित १०-००

५५० वैशेषिकदर्शनम् । कणादमहर्षिकृतम् । अविज्ञातकर्तृक प्राचीन व्याख्या ६-५०

५५१ वैशेषिकदर्शनम् । विद्योदय भाष्य सहित ।संपादक-उदयवीर शास्त्री ३०-००

५५२ वैशेषिकदर्शनम् । श्रीराम शर्मा आचार्यकृत हिन्दी टीका सहित १०-००

५५३ वैशेषिकदर्शन : एक अध्ययन । प्रो० नारायण मिश्र ४०-००

५५४ वैशेषिकदर्शन : तुलनात्मक अध्ययन । डा० वद्रीनाथ सिंह १५-००

५५५ हिन्दी वैशेषिकदर्शन । (प्रशस्तपादभाष्य सहित) पं० ढुण्ढिराज शास्त्री कृत प्रकाशिका हिन्दी टीका सहित ४०-००

५५६ हिन्दी वैशेषिकदर्शन । (उपस्कार सहित) पं० ढुण्ढिराज शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित ५०-००

५५७ वैशेषिकदर्शन-प्रशस्तपादभाष्यम् । 'सूक्तिटीकया' 'सेतुव्याख्या' 'व्योमवत्या' च समन्वितम् १५०-००

558 Vaiseshika Philosophy, According to the Dasapadarthasastra : Chinese Text with introduction, Translation and Notes By H. Ui. Edited by F.W. Thomas 60-00

सांख्य ग्रंथाः

559 An Introduction to Sankhya Pravacana Bhashya by Vijnana Bhikshu. Edited by F. E. Hall 20-00

560 Classical Samkhya by G. J. Larson 60-00

561 Essays on Samkhya and other Systems of Indian Philosophy by A. Sen Gupta 30-00

५६२ तत्त्वसमाससूत्रम् । भावागणेशकृत । तत्त्वार्थदीपन टीका सहित २-००

५६३ पुराणेतिहासयोः सांख्ययोगदर्शनविमर्शः । डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ३२-८०

५६४ महाभारत और पुराणों में सांख्यदर्शन । डा० रामसुरेश पांडेय ५०-००

५६५ सांख्यकारिका । माठरवृत्तिसहिता । श्रीमच्छङ्करविरचित 'जयमङ्गला' टीका समन्विता च । संपादक सत्कारि शर्मा वङ्गीयः ३५-००

५६६ सांख्यकारिका । (गौडपादभाष्यं) । भाषानुवादसहित ढुण्ढिराज शास्त्री ६-००

५६७ सांख्यकारिका । (चन्द्रिकाव्याख्या) हिन्दीभाषानुवाद सहित ३-००

✓५६८ सांख्यकारिका सांख्यतत्त्वकौमुदी । ज्योतिष्मती व्याख्या हिन्दी अनुवाद सहित । रमाशंकर भट्टाचार्य । अजिल्द १५·००, सजिल्द २५-००

५६९ सांख्यकारिका । प्रश्नोत्तर रूप में । राधेश्याम शर्मा ३·००

५७० सांख्यकारिकादर्शः । (प्रश्नोत्तरी) पं० रामगोविन्द शुक्ल ४-००

571 Samkhya Karika of Isvarakrishna. With English translation by C. K. Raja 15–00

५७२ सांख्यकारिका । आंग्लानुवाद सहित । टी० जी० मेकर ३०-००

५७३ सांख्यकारिका । 'युक्तिदीपिका' विवृति सहित सान्वय 'तत्त्वप्रभा' संस्कृत हिन्दी व्याख्या, टिप्पणी (नोट्स) विभूषित । व्याख्याकार डा० रमाशंकर त्रिपाठी ३०-००

५७४ सांख्यतत्त्वकौमुदी । हिन्दी टीका सहित । डा० रामकृष्ण आचार्य १४-००

५७५ सांख्यतत्त्वकौमुदी । 'तत्त्वचन्द्रिका' हिन्दी व्याख्या विभूषित, विवृति सहित । व्याख्या— डा० ओमप्रकाश पाण्डेय २५-००

५७६ हिन्दी सांख्यतत्त्वकौमुदी । विविध परिशिष्ट सहित । डॉ० गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर ३५-००

५७७ सांख्यतत्त्वप्रदीपः । डॉ० अमलधारी सिंह ६–००

५७८ सांख्यदर्शनम् । उदयवीर शास्त्री कृत विद्योदय भाष्य सहित २५–००

५७९ सांख्यदर्शन और विज्ञानभिक्षु । डॉ० उर्मिला चतुर्वेदी ५०–००

५८० सांख्यदर्शनम् । श्रीराम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ८–००

५८१ सांख्यदर्शन का इतिहास । लेखक उदयवीर शास्त्री ५०–००

५८२ सांख्य दर्शन का इतिहास । अनुवादक—डा० शिवकुमार ५०–००

५८३ सांख्ययोगदर्शन । म० म० उमेश मिश्र २८–००

५८४ सांख्ययोगदर्शन का जीर्णोद्धार । आचार्य हरिशंकर जोशी (सांख्यदर्शन का पांडित्यपूर्ण सुविशद विवेचनात्मक अनुशीलन) ५०–००

✓५८५ सांख्यसारः । विज्ञानभिक्षुकृतः । सटीक–रामशंकर भट्टाचार्य । पुस्तकालय-संस्करण १०–०० छात्र संस्करण ४–५०

५८६ Zen Yoga by P. Z. Saher. 60–00

587 सांख्यसंग्रहः । संपादक म० म० विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी ३०—००
५८८ सांख्यसिद्धान्त । उदयवीर शास्त्री ३५—००
५८९ सांख्यसूत्रम् । विज्ञानभिक्षुकृत भाष्यसमेतम् । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या-सहित । रमाशंकर भट्टाचार्य । साधारण संस्करण ३०—००
पुस्तकालय-संस्करण ३८—००
५९० सांख्यसूत्रम् । अनिरुद्ध-वृत्तिसहितम् ८—००
591 Samkhya Aphorism of Kapila with Illustrative Extracts from the Commentaries Translated by James R. Ballantyne Shortly

योग-ग्रन्थाः

५९२ अनाशक्ति योग-मोक्ष की पगदण्डी । स्व० ब्र० जगन्नाथ पथिक १५—००
५९३ आगमोक्त योग-साधना । स्वामी दिव्यानन्द सरस्वती २—००
594 Encyclopaedia of Yoga by Dr.Ram Kumar Rai. 100-00
595 Introduction to the Yoga Philosophy by S. C. Vasu. 35-00
५९६ कुण्डलिनी योगतत्त्व । दीवान गोकुलचन्द्र कपूर ३—००
५९७ गुरु-परम्परा । शिवोंप्रकाश ब्रह्मचारी ४—५०
५९८ गोरक्षसिद्धान्तसंग्रह । श्रीजनार्दन शास्त्री पाण्डेय १०—५०
५९९ गोरक्षसंहिता । विस्तृत हिन्दी व्याख्या सहित । डॉ०चमनलाल गौतम ६—००
६०० घेरण्डसंहिता । हिन्दी टीका सहित ६—००
६०१ ध्यानयोगप्रकाशः । लक्ष्मणानन्दस्वामीकृत हिन्दी टीका सहित १२—००, १०-००
६०२ पातंजलयोगदर्शन । व्यास भाष्य, हिन्दी टीका सहित । डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी
६०३ पातञ्जलयोगदर्शनम् । भोजवृत्ति सहितम् । डॉ० कीर्त्यानन्द झा न्यायवेदान्ताचार्यकृत भोजवृत्ति सहित की सविमर्श शब्दार्थ-भावार्थ युक्त 'पूर्णिमा' हिन्दी व्याख्या एवं सारगर्भित विस्तृत भूमिकादि विभूषित ४०—००
६०४ पातञ्जलयोगदर्शनम् । हरिहरानन्द कृत भाष्य सहित १५—००, ५५—००
६०५ पातञ्जलयोगदर्शनम् । हिन्दी-टीका सहित । स्वामी विष्णुतीर्थजी महाराज २—५०
६०६ हिन्दी पातञ्जलयोगदर्शनम् । (व्यासभाष्य सहित) स्वामी श्री ब्रह्मलीन मुनिजी कृत हिन्दी व्याख्या सहित ५०—००
६०७ पातञ्जलयोदर्शनम् । वाचस्पतिमिश्रविरचित-तत्त्ववैशारदी-विज्ञानभिक्षुकृत-योगवार्तिक तथा व्यासभाष्यसमेतम् । सम्पा० — श्रीनारायण मिश्र। अजिल्द ४५—००, सजिल्द ६०—००

६०८ पातञ्जलयोगदर्शनम् । उदयवीर शास्त्री कृत् विद्योदय भाष्य सहित ३०–००
६०९ पातञ्जलयोगशास्त्र: एक अध्ययन ६०–००
६१० पातञ्जलयोगसूत्र : एक समालोचनात्मक अध्ययन (तत्त्ववैशारदी एवं योगवार्तिक के परिप्रेक्ष्य में) डॉ० पवनकुमारी ८०–००
६११ पातञ्जलयोगसूत्रम् । भोजवृत्ति तथा हिन्दी अनुवाद सहित २०-००,१५-००
६१२ पातञ्जलयोगसूत्र । व्याख्याकारों की दृष्टि में पातञ्जलयोगसूत्र का समीक्षात्मक अध्ययन । डॉ कुमारी विमला कर्णाटक ६५–००
६१३ पातञ्जलयोगसूत्रम् । डॉ० महाप्रभुलाल गोस्वामी कृत 'भावप्रकाशिका' हिन्दी टीका सहित २५–००
६१४ पातञ्जलयोगसूत्राणि । वाचस्पतिमिश्रकृत 'तत्त्ववैशारदी' टीका तथा व्यासभाष्य सहित २०–००
६१५ पुराणपुरुष: । योगिराज श्रीश्यामाचरण लाहिड़ी (बंगला से हिन्दी रूपान्तर) अनुवादक—छविनाथ मिश्र ५०–००
६१६ प्राणविज्ञान । स्वामी योगेश्वरानन्द सरस्वती २५–००
६१७ प्राणायाम के असाधारण प्रयोग । चमनलाल गौतम १०–००
६१८ प्राणायाममीमांसा । ठाकुर विजयबहादुरसिंह ४–००
619 Perspectives in Yoga by A. K. Sinha. 25–00
620 Philosophy of the Yoga-Vasistha by Dr.B.L. Atreya. 100–00
621 Pranayama (The Science of Yogic Breathing) Dr. K.S. Johi.. 50–00
६२२ बहिरङ्गयोग । स्वामी योगेश्वरानन्द सरस्वती ५५–००
६२३ बृहद्योगियाज्ञवल्क्यस्मृति । स्वामी कुवलयानन्द तथा पं० रघुनाथ शास्त्री कोकले २०–००
६२४ बृहद्योगसोपानम् । हिन्दी टीका सहित १०–००
६२५ भक्तियोग । चमनलाल गौतम ६–००
६२६ भक्तिसागर । स्वामी चरणदास ३०–००
६२७ योगवाणी या सिद्धयोगोपदेश । बंगला से अनूदित ६–००
६२८ योगदर्शनम् । श्रीराम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ८–५०
६२९ योगदर्शन । डॉ० सम्पूर्णानन्द ७–००
६३० योगदर्शन समीक्षा । पं० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी १–२५
६३१ योगदर्शनम् । अनन्तपण्डितकृत-वृत्तिसहितम् २–५०
६३२ योगप्रदीपिका । स्वात्मारामयोगीन्द्ररचितस्य । ब्रह्मचारी याज्ञवल्क्य प्रणीत आर्यभाषाभाष्यसहित ८ ००
६३३ योगमहाविज्ञान । चमनलाल गौतम १२–००

६३४ योगरहस्यम् अथवा पातञ्जलयोगदर्शन। स्वामीसत्यदेव। अनुवादक कौशलपति तिवारी। प्रथम भाग ३०-००
६३५ योगसाधना। चमनलाल गौतम। हिन्दी टीका ६-००
६३६ योगसारसंग्रहः। विज्ञानभिक्षुकृत सटिप्पण हिन्दी टीका सहित। टी० पवन कुमारी २५-००
६३७ योगसूत्रम्। शिवसूत्र उपनाम काश्मीरसूत्र सहित। कृपाशंकर अवस्थी कृत हिन्दी-आंग्लानुवाद सहित १२-००
638 Ramanuja on the Yoga by Dr. R. C. Lester 18-00
639 Yoga as Depth Psychology & Para-psychology Vols. i-ii by C. T. Kenghe. 80-00
640 Yoga as Philosophy and Religion by S. N. Dasgupta 35-00
641 Yoga Philosophy in Relation to Other System of Indian Thought by S. N. Dasgupta 45-00
642 Yoga System of Patanjali by J. H. Wood 50-00
६४३ योगसूत्रम्। 'योगसूत्रप्रदीपिका' व्याख्या सहित सटिप्पण २५-००
६४४ योगसूत्रम्। पतञ्जलिकृतम्। भोजराजकृत 'राजमार्तण्ड'— भावागणेशकृत 'प्रदीपिका'—नागोजिभट्टकृत 'वृत्ति'—रामानन्दयतिकृत 'मणिप्रभा'-अनन्तदेवकृत 'चन्द्रिका' तथा सदाशिवेन्द्र सरस्वतीकृत— 'योगसुधाकर' छः टीकाओं से विभूषित ५०-००
645 Yoga Philosophy of Patanjali by H. ranya. Rendered into English by P. N. Mukherjee 70-00
646 Yoga Sutra of Patanjali by Bangali Dada 50-00
647 Yoga Sutras of Patanjali. Sanskrit Text and English Translation by M. N. Dwivedi 50-00
648 Yogavarttika of Vijnanabhiksu. Sanskrit Text with English Translation by T. S. Rukmani. Vol. I (Samadhipada) 90-00, Vol. II (Sadhanapada) 125-00
६४९ विज्ञानभैरवम्। (समग्र भारतीय योगशास्त्र)। अन्वयार्था-रहस्यार्था-संस्कृत-हिन्दी व्याख्या संवलित। व्रजवल्लभ द्विवेदी। सजिल्द ५५-००
अजिल्द ४०-००
६५० वैदिकयोगपरिचय। स्वामीविष्णुतीर्थ ५-००
६५१ शक्तिपात (कुण्डलिनीमहायोग)। स्वामी विष्णुतीर्थ ५-००
६५२ शिवयोगदीपिका। सदाशिवयोगीश्वरविरचितम् ३-००

653 Siva Samhita. Translated into English by S.C. Vasu 30–00

६५४ शिवसूत्रप्रबोधिनी। (शक्तिपात भाग २) स्वामी विष्णुतीर्थ १–००

६५५ शिवसंहिता। हिन्दी टीका सहित ८–०० ६–००

६५६ शिवस्वरोदयः। हिन्दी टीका सहित ५–००

६५७ साधनचन्द्रिका। स्वामी दयानन्द १–७५

६५८ साधनसंकेतः। स्वामी विष्णुतीर्थ १–००

659 Sadhana by Sri Swami Sivananda. 65–00

६६० सन्ध्यायोगरहस्यम्। पं० वीरसेन वेदश्रमी २०–.०

६६१ स्वरोदयविज्ञान। स्वामीजी महाराज दतिया ४–००

६६२ हठयोग : एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य एवं हठयोग-प्रदीपिका। सुरेन्द्र कुमार शर्मा ५०–००

६६३ हठयोगप्रदीपिका। हिन्दी-टीकाकार–चमनलाल गौतम ६–५०

664 Hatha Yoga Pradipika. Translated into English by Pancham Singh. 30–00

६६५ हठयोगप्रदीपिका। ब्रह्मानन्दकृतज्योत्स्ना व्याख्या आंग्लानुवादसहित समाप्त

६६६ हठयोगप्रदीपिका। स्वात्मारामयोगीन्द्रविरचिता। ज्योत्स्ना संस्कृत हिन्दी टीका सहित १५–००

६६७ हठरत्नावली। आंग्लानुवाद सहित। सम्पादक–एम० वेंकट रेड्डी ५०–०
३५–००

६६८ हिमालय का योगी। स्वामी योगेश्वरानन्द। १–२ भाग ८५–००

दर्शन-ग्रन्थाः

669 Abhinavagupta. A Historical and Philosoph'cal Study by Dr. Kanti Chandra Pandey 150–00

670 Encyclopadia of Indian Philosophies. Vol. I Bibliography. Edited by K. H. Potter 400–00

671 Encyclopaedia of Indian Philosophies Vol. II. Introduction to the Philosophy of Nyaya Vaisesika by K. H. Potter 150–00

672 Encyclopaedia of Indian Philosophies, Vol. III Advaita Vedanta Part I by K. H. Potter. 175–00

६७३ अभिनवमनोविज्ञानम्। प्रभुदयाल अग्निहोत्री ६–००

६७४ अर्वाचीनमनोविज्ञानम्। मामराजदत्त कपिल १२–००

675 Introduction to Philosophy. Part I by Jadunath Sinha. 17–00
676 Indian Aesthetics by Dr. Kanti Chandra Pandey. Shortly
677 Indian Philosophy by K. K. Ananda. 125–00
678 The Aesthetic Experience According to Abhinava Gupta by Raniero Gnoli. Second Edition. Enlarged and Re-elaborated by the Author. 200–00
६७९ औपनिषदिक परमसत् एवं मूलसिद्धान्त। (पाश्चात्य चिन्तन के परिप्रेक्ष्य में) डॉ० (श्रीमती) रमा पाण्डेय २५–००
680. Western Aesthetics by Dr. Kanti Chandra Pandey. Revised Second Edition. 125–00
681 Indian Idealism by P. S. Shastri. 2 Vols. 110–00
682 Contemporary Indian Philosophy by B. K. Lal. 35–00
683 Outlines of Hindu Metaphysics by M. N. Shastri. 40–00
६८४ काश्मीर शैवदर्शन और कामायनी। डॉ० भैरवलाल जोशी ६०–००
685 Critical History of Modern Philosophy by M. Masih. 75–00
686 Critical Survey of Indian Philosophy by C. D. Sharma 30–00
६८७ चार्वाकदर्शन। आचार्य आनन्द झा १३–००
६८८ चार्वाकदर्शन की शास्त्रीय समीक्षा। डा० सर्वानन्द झा समाप्त
६८९ चार्वाक-समीक्षा। स्वामी कृष्णानन्द २–५०
690 Trends of Linguistic Analysis in Indian Philosophy by H. M. Jha. Lib. Ed. 75–00, St. Ed. 60–00
691 Twentieth century Indian Philosophy by Nilima Sharma. 40–00
६९२ तत्त्वज्ञान। डॉ० दीवानचन्द्र ५–००
६९३ तत्त्वप्रकाशः। भोजराजकृतः। सिद्धान्तशैवदर्शनग्रंथः। श्रीकुमारदेव-अघोरशिवाचार्य-रचिताभ्यां तात्पर्यदीपिकावृत्तिनाम-व्याख्याभ्यां भूमिका-हिन्दी-भाषानुवाद-विविधपरिशिष्टैश्च-समलङ्कृतः। संपा०–डॉ० कामेश्वरनाथ मिश्र समाप्त
६९४ दर्शनसंग्रहः। डॉ० दीवानचन्द्र ६–५०
६९५ द्वादशदर्शनसोपानावलिः। पादशास्त्री विरचित १०–००
६९६ धर्म और दर्शन। विष्णुदेव उपाध्याय २५–००
६९७ परमाणुदर्शन। जगदीशाचार्य ५–००
६९८ पश्चिमी दर्शन। डा० दीवानचन्द्र १३–००

699 Pratyabhijna Philosophy (The Doctrine of Recognition) Ed. by Dr. R. K. Raw. 45–00

700 A Functional Analysis of Indian Thought and Its Social Margins. By Swami Agehananda Bharati. 60–00

७०१ पाश्चात्यदर्शन । चन्द्रधर शर्मा १६–००

७०२ पाश्चात्यदर्शन । डॉ० बद्रीनाथ सिंह ३०–००

७०३ पाश्चात्य दर्शनों का इतिहास । गुलाब राय १०–००

७०४ पूर्वी और पश्चिमी दर्शन । डा० देवराज १२–००

७०५ भारतीय दर्शन । कुंवरलाल व्यासशिष्य ४०–००

७०६ भारतीय दर्शन । दत्त-चटर्जी । हिन्दी संस्करण २५–००

७०७ भारतीय दर्शन । म. म. उमेश मिश्र ८–००

७०८ भारतीय दर्शन । पं० बलदेव उपाध्याय ६०–००

७०९ भारतीय दर्शन । डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन् । प्रथम भाग ४५–००

७१० भारतीय दर्शन । सं० डा० नन्दकिशोर देवराज ५५–००

७११ भारतीय दर्शन-आलोचनात्मक अध्ययन । ले० जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल २–००

७१२ भारतीय दर्शन की रूपरेखा । प्रो० हरेन्द्रप्रसाद सिनहा । अजिल्द २८–००
४५–००

७१३ भारतीय दर्शन की रूपरेखा । आचार्य बलदेव उपाध्याय ३५–००

७१४ भारतीय दर्शन की रूपरेखा । एम० हरियन्ना । अनु०-डॉ० गोवर्धन भट्ट, श्रीमती मंजुगुप्त, सुखबीर चौधरी २०–००

७१५ भारतीय दर्शन में चेतना का स्वरूप । डॉ० श्रीकृष्ण सक्सेना ४०–००

७१६ भारतीय दर्शन में प्रामाण्यवाद । शारदा गान्धी ५०–००

७१७ भारतीय दर्शन शास्त्र का इतिहास । डा० हरिदत्त शास्त्री २०–००

७१८ भारतीय दर्शन प्रकाश । (प्रश्नोत्तर रूप में) । राधेश्याम शर्मा १०–००

७१९ भारतीय धर्म और दर्शन । आचार्य बलदेव उपाध्याय ३५–००

७२० भारतीय विचार-दर्शन । डा० हरिहरनाथ त्रिपाठी । १–२ भाग १४५–६[illegible]

७२१ भारतीय संस्कृति । डा० राजेन्द्रनाथ शर्मा एवं कुंवरलाल १५–०[illegible]

७२२ भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की भूमिका । फतहसिंह २०–०[illegible]

७२३ यूरोपीय दर्शन । प० रामावतार शर्मा ३–५[illegible]

७२४ रत्नकोषमतवादार्थ । हरिराम तर्कवागीश । सं० शोभाकान्त जयदेव झा २–[illegible]

७२५ रहस्यवाद । परशुराम चतुर्वेदी १५–[illegible]

७२६ रहस्यवाद । डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी १५–००

७२७ विद्यावैजयन्ती निबन्धमाला । दार्शनिक निबन्धमाला । केदारनाथ ओझा । १-३ भाग, दो जिल्द में । संस्कृत हिन्दी टीका ९४–००

७२८ विश्वधर्मदर्शन । सांवलिया बिहारीलाल वर्मा ३३–००

७२९ वैदिकदर्शन । डॉ० फतहसिंह २५-००

७३० वैदिक शिक्षादर्शनबिन्दु । पी० एन० पट्टाभिराम शास्त्री १–५०

७३१ वैष्णव, शैव अन्य धार्मिकमत । आर० जी० भण्डारकर । अनु० माहेश्वरी प्रसाद १५–००

७३२ वैष्णव-सम्प्रदायों का साहित्य और सिद्धान्त । आचार्य बलदेव उपाध्याय ४०–००

७३३ शान्ति-दर्शनम् । हिन्दी टीका सहित । द्विजेन्द्रलाल शर्मा ४–५०

७३४ शिवरहस्य । डा० चमनलाल गौतम ६–५०

७३५ शिवसूत्रम् । महामाहेश्वराचार्य श्रीवसुगुप्तपादविरचित । आचार्य भट्टकल्लटकृत 'शिवसूत्रवृत्ति',आचार्यभट्टभास्करकृत 'शिवसूत्रवार्तिक', आचार्यक्षेमराजकृत 'शिवसूत्रविमर्शिनी', आचार्यवरदराजकृत 'शिवसूत्रवार्तिक', आचार्य कृष्णानन्दसागरकृत 'शिवसूत्ररञ्जनी' सहित । सम्पा०—आचार्य कृष्णानन्द सागर २००-००

७३६ शिवसूत्रविमर्श । हिन्दी व्याख्या सहित । व्या०-जानकीनाथ कौल 'कमल' १६–००

७३७ षड्दर्शनसमुच्चय । जैनश्रीहरिभद्रसूरिविरचितः । मणिभद्रकृतलघुवृत्तिसहित 'दर्शनकौमुदी' हिन्दीव्याख्योपेतः डॉ० कामेश्वरनाथमिश्र ३० ००

७३८ षड्दर्शनसूत्रसंग्रहः । (षण्णां दर्शनानां प्रमाणिकः सूत्रपाठः) स्वामी द्वारिकादास शास्त्री ४०–००

739 Some Fundamental Problems in Indian Philosophy by C. K. Raja. 50–00

740 Some Mystics of Modern India by Sobharani Basu. 1979. 60–00

७४१ सर्वदर्शनसंग्रहः । वासुदेवशास्त्री अभ्यङ्करकृत 'दर्शनांकुरा, व्याख्या १२०–००

७४२ सर्वदर्शनसंग्रहः । मूलमात्रम् । मधुसूदन सरस्वतीकृत प्रस्थानभेदश्च १५–००

७४३ हिन्दी सर्वदर्शनसंग्रहः । श्री उमाशंकरशर्माऋषिकृत हिन्दी अनु० १२५–००

७४४ सर्वदर्शनसमन्वयः । म० म० गोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' १५–००

७४५ सौगतसूत्रव्याख्यानकारिका (कुमारिलकारिका) । अनन्तलाल ठाकुर २–००

746 Sarva-Darsana Samgraha or Review of the Different Systems of Hindu Philosophy. By Madhava Acharya. Translated by E. B Cowell & A. Gough. 75–00

747 Studies in Philosophy and Religion by R. S. Mishra. 35–00

748 The Six Systems of Indian Philosophy by F. Max Muller. 65–00

749 History of Indian Phliosophy by S. N. Das Gupta. 5 Vols. 200–00

750 History of Indian Philosophy by Erich Frauwallner. Translated from German into Engl'sh by V. M. Bedekar. 2 Vols. 060–00

वेदान्त-ग्रंथाः

751 Lights on Vedanta by Dr. Veeramani Prasad Upadhyaya. 100–00

752 On the Origin of the Indian Brahma Alphabet by G. Buhler. 40–00

७५३ अथातो ब्रह्मजिज्ञासा। डा० सेठ गोविन्ददास १५–००

७५४ अद्वैतदीपिका। नृसिंहाश्रमविरचिता। १–२ भाग १०३–००

७५५ अद्वैतब्रह्मसिद्धिः। सदानन्दकृत संस्कृत व्याख्या सहित। सम्पा०— पं० वामन शास्त्री ८०–००

७५६ अद्वैतरत्नाकर। अमरदास प्रणीत। संस्कृत हिन्दी टीका सहित ४–२५

७५७ अद्वैत वेदान्त में आभासवाद। डॉ० सत्यदेव मिश्र ६०–००

७५८ अद्वैतसिद्धिः। न्यायामृतसमन्विता। आलोचनात्मक विस्तृत हिन्दी व्याख्यासहित। स्वामी योगीन्द्रानन्द। १–२ भाग १०४–००

७५९ अद्वैतसिद्धिः। श्रीयोगेन्द्रानन्दनागचीकृत बालबोधिनी व्याख्या सहित १–२ भाग १२०–००

७६० अद्वैतसिद्धिः। लघुचन्द्रिका-गौडब्रह्मानन्दी विट्ठलेशीय व्याख्या सहित। ३०८–००

७६१ अद्वैतसिद्धिसिद्धान्तसारः। सदानन्दव्यासप्रणीतः तत्कृतव्याख्यायुक्तः यन्त्रस्थ

७६२ अद्वैतामोदः। वासुदेवशास्त्रीप्रणीत १८–७५

७६३ अध्यात्मतत्त्वसम्वाद। हिन्दी टीका सहित। स्वामी हनुमानदासजी साहब षट्शास्त्री २–५०

७६४ अध्यात्मदर्शनम्। कृष्णानन्दसरस्वतीकृत २०–००

७६५ आध्यात्मविकास। स्वामीविष्णुतीर्थ ३–००

766 Aphorism of Sandilya. Translated by E. B. Cowell. 35-00

७६७ अनुभवानन्दलहरी। केशवानन्द यति विरचित ५–००

७६८ अनुभूतिप्रकाशः । विद्यारण्यस्वामिविरचित । मूलमात्र ३५–००
769 Aparokshanubhuti with English Translation by Swami Vimuktananda. 3–00
७७० अमृतमन्थन अथवा जीवन का दिव्यपक्ष । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री १५–००
७७१ अष्टावक्रसंहिता । स्वामीनित्यस्वरूपानन्दकृत आंग्लानुवाद सहित ६–००
७७२ आत्मतत्त्वप्रकाशः । स्वामी कृष्णानन्द सरस्वती १–७५
७७३ आत्मतत्त्वविवेक । उदयनाचार्यकृत । हिन्दी टीका सहित । अनु० — केदारनाथ त्रिपाठी ६०–००
७७४ आत्मबोधः । शङ्कराचार्यकृत । स्वामी निखिलानन्दकृत आंग्लानुवाद सहित ७–५०, १५–००
७७५ आत्मप्रबोध । स्वामी विष्णुतीर्थ । १–२ भाग ६–००
७७६ आत्मविज्ञान । स्वामी व्यासदेव । सचित्र ४०–००
७७७ आत्मानात्मविवेक-आत्मबोधश्च । संस्कृत हिन्दी टीका १०–००
७७८ आत्मानुभूति । स्वामी कृष्णानन्द सरस्वती २–५०
७७९ आत्मोपदेशशतकम् । नारायणगुरु विरचित संस्कृत हिन्दी टीका ६–००
७८० आध्यात्मभागवतसंग्रहः । हिन्दी टीका १५–००
७८१ आभोगाः । वाचस्पतिमिश्र कृत 'भामती' की टीका 'कल्पतरु' की व्याख्या लक्ष्मीनृसिंह विरचित २०–००
782 Introduction to Sankaras Theory of Knowledge by N. K. Devaraja. 20–00
७८३ उपक्रमपराक्रम । अप्पयदीक्षित विरचित । सं०–ए०सुब्रह्मण्यशास्त्री १५–००
७८४ उपदेशसाहस्री । स्वामी जगदानन्दकृत आंग्लानुवाद सहित १०–००
७८५ उपदेशसाहस्री । आनन्दगिर्याचार्य कृत टीका तथा एस० सुब्रह्मण्य शास्त्री विरचित भूमिका पाठभेद टिप्पणी सहित ३०–००
७८६ उपदेशसाहस्री । हिन्दी टीका सहित ९–५०
787 Aucityajiwanam. Text with English Translation by Acharya Maya Prasad Tripathi. 5–00
७८८ काथबोधः । साजनीकृत टीकोपेतः । दत्तात्रेयसम्प्रदायाऽनुगता समाप्त
७८९ क्रियासारः । नीलकण्ठ शिवाचार्य कृत । १–३ भाग २०–७५
७९० खण्डनखण्डखाद्यम् । 'विद्यासागरी' संस्कृत तथा 'पञ्जिका' हिन्दी व्याख्या विभूषित । हिन्दी व्याख्याकार—स्वामी योगीन्द्रानन्द ५६–००
७९१ खण्डनखण्डखाद्यम् । व्याख्यापञ्चकोपेतम् । खण्ड १–२ यन्त्रस्थ
७९२ खण्डनखण्डखाद्यम् । विद्यासागरी टीका समेतम् यन्त्रस्थ

७९३ हिन्दी खण्डनखण्डखाद्य। (शाङ्करी व्याख्यासहित शोधपूर्ण संस्करण)। हिंन्दी व्याख्याकार—स्वामी हनुमानदासजी षट्शास्त्री ५०–००
७९४ गुरुवाणी (शतोपदेश)। स्वामी श्रीमच्छङ्कर पुरुषोत्तमतीर्थ ४–५०
७९५ गीतातत्त्वामृत। स्वामी विष्णुतीर्थ १२–००
७९६ चित्सुखी। नयनप्रसादिनी व्याख्या। हिन्दी टीका सहित २४–००
७९७ चिद्विलास। डाक्टर सम्पूर्णानान्द ८–००
७९८ जीवनदर्शन। डॉ० मुन्शीराम शर्मा ५–००
७९९ जीवन्मुक्तिविवेकः। विद्यारण्यस्वामीकृत। ठाकुर उदयनारायण सिंह कृत हिन्दी टीका सहित ७५–००
८०० जीवन्मुक्तिविवेकः। श्रीमद्विद्यारण्यविरचित १०–००
८०१ जीवन्मुक्तिविवेकः। श्रीमद्विद्यारण्यकृत। आंग्लानुवाद सहित ४०–००
८०२ जे०कृष्णमूर्ति-प्रथम और अन्तिम मुक्ति। अनुवादक दयाशरणवर्मा १०–००
८०३ तत्त्वदीपनम्। अखण्डानन्दमुनिकृतं (पञ्चपादिकाविवरणस्य-व्याख्यानम्) सम्पूर्ण १–८ खण्ड ३००–००
८०४ तत्त्वप्रकाशिका व्याख्या भावबोधः। रघूत्तमयति कृत १०–००
८०५ त्रिदण्डिमतविभेदिनी। श्रीशङ्कराश्रमस्वामिप्रणीता १०–००
८०६ त्रिपुरारहस्य-ज्ञानखण्डनम्। 'ज्ञानप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित। व्याख्याकार—स्वामी सनातनदेव जी महाराज ४५–००
807 Tripura Rahasya (Jnanakhanda). English Translation and a Comparative Study of the Process of Individuation. By A. U. Vasavada. 60–00
808 Three Lectures on the Vedanta Philosophy. By F. Max Muller. 40–00
८०९ दिव्य जीवन-दर्शन। पथिक २–००
८१० दैवीमीमांसादर्शनम्। हिन्दी टीका सहित। १–२ भाग ८–५०
८११ नारदभक्तिसूत्रम्। स्वामी त्यागीशानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित ८–००
८१२ नैष्कर्म्यसिद्धिः। सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती कृत 'क्लेशापहारिणी' व्याख्या २०–००
८१३ नैष्कर्म्यसिद्धिः। ज्ञानोत्तममिश्र कृत चन्द्रिका व्याख्या सहित ५०–००
८१४ न्यायचन्द्रिका। आनन्दपूर्णमुनीन्द्र प्रणीत। स्वरूपानन्दमुनीन्द्र कृत न्यायप्रकाशिका व्याख्या सहित १८–७५
८१५ न्यायमकरन्दः। आनन्दबोधभट्टाचार्यसंग्रहीतः। आचार्यचित्सुखमुनि-कृतव्याख्योपेतः तथा 'प्रमाणमाला' 'न्यायदीपावली' च यन्त्रस्थ

८१६ न्यायरत्नदीपावली: । आनन्दानुभवविरचिता । आनन्दज्ञान विरचित वेदान्तविवेक व्याख्यासमेता ११–२५

८१७ पञ्चदशी । आंग्लानुवाद । स्वामी स्वाहानन्द २४–००

८१८ पञ्चदशी । श्रीपीताम्बरजी कृत हिन्दी टीका सहित १८–००

८१९ पञ्चदशी । रामकृष्ण कृत प्रदीपिका व्याख्या सहित २५–००

८२० पञ्चदशी । विद्यारण्यमुनि । रामकृष्णकृत 'तात्पर्यदीपिका' संस्कृत एवं कृष्णानन्द सागर कृत 'तत्त्वरञ्जिनी' हिन्दी व्याख्या सहित १००–००

८२१ पञ्चदशी गीता । आंग्लानुवाद सहित ३०–००

८२२ पञ्चीकरणम् । शङ्कराचार्य कृत । आंग्लानुवाद सहित ४–५०

८२३ पञ्चीकरणम् । पञ्चीकरण वार्तिकटीका श्रीमदानन्दगिर्याचार्यविरचित टीकाकार श्रीमहेशानन्दगिरि महाराज ८–००

८२४ पञ्चीकरण । हिन्दी रूपान्तरकार– डॉ० चमनलाल गौतम ६-००

८२५ पञ्चीकरणम् । शंकराचार्यकृत । सुरेश्वराचार्यकृत 'वार्तिक' तथा 'वार्तिकाभरण', आनन्दगिरिकृत 'विवरण' एव रामतीर्थकृत 'तत्त्व-चन्द्रिका' हिन्दी टीका—डॉ० कामेश्वरनाथ मिश्र ३०–००

८२६ पञ्चीकरणम् । शङ्कराचार्य विरचित । सानुवाद—सुरेश्वराचार्यकृत 'वार्त्तिक', नारायणकृत 'वार्तिकाभरण', आनन्दगिरिकृत 'विवरण', रामतीर्थकृत 'तत्त्वचन्द्रिका' शान्त्यानन्दकृत 'अद्वैतागमहृदय' तथा गंगाधरकृत 'पञ्चीकरणचन्द्रिका' टीका विभूषित । हिन्दी व्याख्या-कार—डॉ० कामेश्वरनाथ मिश्र ५०–००

८२७ परमतत्त्वमीमांसा (मतिप्रतिक्षशास्त्रम्) । विद्याभूषण श्री-कृष्ण जोशी । २०–००

८२८ परमार्थसारः । प्रभादेवी विरचित भाषा टीका सहित ४-००

८२९ पुरुषार्थसुधानिधिः । सायणाचार्यविरचित । सं०·टी० चन्द्रशेखरम् १४–००

८३० प्रकरणद्वादशी । श्रीशंकराचार्य विरचित । श्रीमत्पद्मपाद श्रीमद्वि-द्यारण्य श्रीमदानन्दगिर्यादि द्वादश प्राचीन टीका विभूषित । सम्पा०–सुब्रह्मण्य शास्त्री ८५–००

८३१ प्रकरणाष्टकम् । श्रीशंकराचार्य विरचित । श्रीमद्विद्यारण्य श्रीमदा-नन्दगिर्यादि प्राचीनाचार्य कृत आठ टीकाओं से विभूषित । सम्पा०–सुब्रह्मण्य शास्त्री ३०–००

८३२ प्रणवकल्पः ।(स्कन्दपुराणान्तर्गतः) प्रणवकल्पप्रकाशाख्यभाष्य समलंकृत ३०–००

८३३ प्रज्ञानानन्दप्रकाशः । 'भावार्थकौमुदी' टीका भाषानुवाद सहित २०–००

८३४ प्रत्यक्तत्त्वचिन्तामणिः । संस्कृत व्याख्या सहित १-२ भाग १०–००

८३५ प्रस्थानभेदः । मधुसूदनसरस्वती कृत । हिन्दी टीकाकार—डा० कमलनयन शर्मा । प्र०—गजानन शास्त्री मुसलगांवकर २-००

८३६ प्राणतत्त्व । स्वामी विष्णुतीर्थ २-५०

837 Problems of Post Samkara Advait Vedanta by Dr. Jadunatha Sinha. 40-00

८३८ प्रेमपत्तनम् । सव्याख्या ३-००

८३९ बृहदारण्यक वार्तिकसार । विद्यारण्यस्वामि विरचितः । महेश्वर तीर्थ कृत 'लघुसंग्रह' व्याख्या सहितः । अयंच श्रीमच्छुद्धानन्द मुनिवर शिष्य श्री उत्तम लोकयति विरचित-वेदान्तसूत्र लघुवार्तिक श्लोकबद्ध समाप्त

८४० बोधसारः । श्रीनरहरिकृतस्तच्छिष्य श्रीदिवाकरकृत टीकया सहित सम्पूर्ण १-१० खण्ड ४००-००

८४१ बोधैक्यसिद्धिः । अच्युतरायकृत । अद्वैताख्यप्रबोध व्याख्या । प्र० भाग ७-५०

८४२ ब्रह्मविज्ञान । स्वामी योगेश्वरानन्द सरस्वती ७५-००

८४३ ब्रह्मविद्या । कृष्णानन्द सरस्वती १०-००

८४४ ब्रह्मविनयम् । मधुसूदन ओझा २०-००

८४५ ब्रह्मसिद्धान्त । मधुसूदन ओझा विरचित । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी रचित सिद्धान्तप्रकाशिनी व्याख्या सहित १८-००

८४६ ब्रह्मसिद्धिः । आचार्य मण्डन मिश्र । संस्कृत व्याख्या-शङ्खपाणि । सम्पादक म० म० कुप्पूस्वामी शास्त्री २५०-००

८४७ ब्रह्मसिद्धिव्याख्या । आनन्दपूर्णमुनि विरचित भावशुद्धि, चित्सुखमुनि विरचित अभिप्राय प्रकाशिका व्याख्याद्वयसहित २४-००

848 Brahma Sutras. English Translation by Swami Sivananda 100-00, 125-00

८४९ हिन्दी ब्रह्मसूत्र । सुषमा हिन्दी टीका । स्वा० हनुमानदासजी षट्शास्त्री २५-००

८५० ब्रह्मसूत्रम् । स्वामी विश्वेश्वरानन्दकृत आंग्लानुवाद सहित ३०-००, २५-००

८५१ ब्रह्मसूत्रम् । हिन्दी अनुवाद सहित । चमनलाल गौतम १५-००

८५२ ब्रह्मसूत्रदीपिका । श्रीमच्छङ्करानन्दभगवद्विरचित तथा तत्वानुसंधान श्रीमहादेवानन्दसरस्वती प्रणीत । सम्पूर्ण १—२ खण्ड ५०-००

८५३ ब्रह्मसूत्र-प्रमुखभाष्यपञ्चकसमीक्षणम् । डा० रामशरण त्रिपाठी ३५-००

८५४ ब्रह्मसूत्रभास्करभाष्यम् । श्री भास्कराचार्य कृतम् यन्त्रस्थ

८५५ ब्रह्मसूत्रभाष्यार्थरत्नमाला । सुब्रह्मण्य शास्त्री प्रणीत ७-९०

८५६ ब्रह्मसूत्रभाष्यम् । स्वामीगम्भीरानन्दकृत आंग्लानुवाद सहित ५५-००
८५७ ब्रह्मसूत्रवृत्तिः । हरिदीक्षित विरचित ४-७५
८५८ ब्रह्मसूत्रविज्ञानभिक्षुभाष्यम् । विज्ञानभिक्षुकृत विज्ञानामृतव्याख्यानम् समाप्त
८५९ ब्रह्मसूत्रवैदिकभाष्यम् । स्वामी श्रीभगवदाचार्यकृतम् । १-२ भाग १०-००
८६० ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । सटिप्पण परिमल, कल्पतरु, भामती, व्याख्यात्रयोपेतम् । सं०—पं० अनन्तकृष्ण शास्त्री १७५-००
८६१ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । सानुवादभाष्यकौमुदी हिन्दी व्याख्योपेतम् (चतुःसूत्री) व्याख्याकार—डॉ० कामेश्वरनाथ मिश्र १५-००
८६२ ब्रह्मसूत्र-चतुःसूत्री-रहस्य । कृष्णकान्त शर्मा ८-५०
८६३ हिन्दी ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । 'ब्रह्मतत्वविमर्शिनी' हिन्दी टीका सहित । स्वामी हनुमानदासजी षट्शास्त्री प्र० भाग ४५-००
द्वि० भाग ३०-००
८६४ ब्रह्मसूत्रविज्ञानामृतभाष्यम् । विज्ञानाभिक्षुविरचित सम्पा०—पं० केदारनाथ त्रिपाठी ५५-००
८६५ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । स्वामी सत्यानन्द कृत भाषानुवाद एवं सत्यानन्दी दीपिका सहित ४५-००
८६६ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । गोविन्दानन्दकृत भाष्यरत्नप्रभा, वाचस्पति मिश्र कृत भामती, आनन्दगिरिकृत न्यायनिर्णय व्याख्या सहित ९०-००, १४०-००
८६७ ब्रह्मसूत्रविद्योदयभाष्यम् । उदयवीर शास्त्री विरचित ४५-००
८६८ ब्रह्मसूत्राणि । आनन्दगिरि व्याख्या शाङ्करभाष्य समेत द्वितीय भाग मात्र ११-२५
८६९ ब्रह्मसूत्राणि-ब्रह्मामृतवर्षिणी । शंकरानन्दकृत दीपिका व्याख्या ८-५०
८७० भक्तिचन्द्रिका । डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ४०-००
८७१ भक्तितरंगिणी । डॉ० मुन्शीराम शर्मा १०-००
८७२ भक्तिरत्नावली । श्रीविष्णुपुरी संकलिता । 'प्रभा' 'सुधा' संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी । अनु० डॉ० लालबिहारी पाण्डेय एवं श्रीपति अवस्थी ५०-००
८७३ भक्तिरसविमर्श । भक्तिसूत्रदृष्ट्या भक्तिरसविवेचनात्मकः । डा० कपिलदेव ब्रह्मचारी २४-००
८७४ भक्तिरसामृतसिन्धु । रूपगोस्वामी । संस्कृत टीका सहित ३०-००
८७५ भक्तिरसायनम् । संस्कृत हिन्दी टीका सहित ९-००, १२-००
८७६ भक्तिसुधा । ले० स्वामी हरिहरानन्द सरस्वती (करपात्रीजी) महाराज ४५-००

877 Shri Bhagavatapada Sankaracharya by A. Kuppuswami. 60-00
८७८ भारतीय तत्त्वचिन्तन। श्री व्रजभूषण पाण्डेय ३-५०
८७९ भेदधिक्कारः। नृसिंहाश्रममुनिकृतः। श्रीनारायणशर्मकृतव्याख्या सहितः। तथा 'उपक्रमपराक्रमः' अप्पयदीक्षितकृतः यन्त्रस्थ
८८० मध्वतन्त्रमुखमर्दनम्। व्याख्या सहित। श्रीमदप्पयदीक्षितेन्द्रकृतम् २-८५
८८१ महाभारतवचनामृतम्। (उपदेशसाहस्री) हिन्दी टीका सहित। डॉ० चारुदेव शास्त्री ५५-००
८८२ मानवजीवन। रामावतारसिंह पाण्डेय विरचित ४-००
८८३ मानसोल्लासमाधुरी। स्वामी महेशानन्द गिरि २०-००
८८४ योगवाशिष्ठः। हिन्दी टीका सहित १-२ खण्ड ३२-००
८८५ योगवाशिष्ठ। भाषा १-२ भाग १२०-००
८८६ योगवाशिष्ठः। वासिष्ठमहारामायण तात्पर्यप्रकाश व्याख्या सहित। वासुदेव लक्ष्मणशास्त्री पणशीकर। १-२ भाग ४२५-००
887 Yoga Vasishtha-Maharamayana of Valmiki Translated into English from the original Sanskrit by Vihari Lal Mitra. Vol I-VII. 1700-00
८८८ Rambles in Vedanta by B. R Rajam Iyer. 40-00
८८९ लघुयोगवाशिष्ठः। आत्मसुख विरचित। वशिष्ठचन्द्रिका व्याख्या सहित ३०-००
८९० वाक्यवृत्तिः। स्वामी जगदानन्द कृत आंग्लानुवाद ४-००
891 Vachaspati Mishra on Advaita Vedanta by S. S. Hasurkar. 15-00
८९२ विचारचन्द्रोदय। स्वामी हनुमानदासजी षट्शास्त्री १०-००
८९३ विचारसागर। भाषा टीका। सम्पा०-डॉ० चमनलाल गौतम २२-००
८९४ विचार सागर। पीताम्बर। हिन्दी टीका सहित ८५-००
८९५ विजिज्ञासा (मूल बङ्गला में अनुदित)। म० म० गोपीनाथ कविराज अनुवादिका डॉ० कुमारी कौशल्या वल्ली १५-००
८९६ विराड्विवरणम्। पं० रामानन्दपति त्रिपाठी विरचित ३-५०
८९७ विवरणादिप्रस्थानविमर्शः। डॉ० वीरमणिप्रसाद उपाध्याय २-००
८९८ विवरणोपन्यासः। श्रीरामानन्दशास्त्री विरचितः। विवरणतात्पर्यस्य व्याख्यानम् तथा वाक्यसुधा श्रीशङ्कराचार्यविरचिता। श्रीब्रह्मानन्द भारतीयकृतव्याख्या सहितः। सम्पूर्ण १-२ खण्ड ५०-००

८९९ विवेकचूडामणिः । आंग्लानुवाद सहित । अनुवादक एम० चटर्जी ६-५०
९०० विवेकचूडामणिः । स्वामी माधवानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित ६-००
९०१ वृत्तिप्रभाकर । स्वामी श्रीनिश्चलदासजी रचित सरल हिन्दी भाषा में । सम्पादक–डॉ० चमनलाल गौतम ११-००
९०२ वृत्तिप्रभाकर । स्वामी निश्चलदासजी रचित । सरल हिन्दी भाषा में । ६०-००
९०३ वेदान्तकल्पलतिका । मधुसूदन सरस्वती । आर० डी करमरकर कृत आंग्लानुवाद सहित २०-००
९०४ वेदान्तकारिकावली । वुची वेंकटाचार्य विरचित, कृष्णमाचार्य प्रणीत व्याख्या सहित ८-००
९०५ वेदान्तकौमुदी । 'भावदीपिका' संस्कृत व्याख्या सहित ८०-००
९०६ वेदान्ततत्व-विचार । स्वामी अनन्तानन्द सरस्वती ६-००
९०७ वेदान्तदर्शनम् । श्रीरामानन्द सरस्वतीकृत 'ब्रह्मामृतवर्षिणी' टीका सम्पूर्ण १–४ खण्ड १५०-००
९०८ वेदान्त सूत्रपाठः दर्शनम् । १-००
९०९ हिन्दी वेदान्त-परिभाषा । डॉ० गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर ५०-००
९१० वेदान्तपरिभाषा । सटिप्पण 'अर्थदीपिका' टीका सहित १०-००
९११ वेदान्तपरिभाषा । शिखामणि मणिप्रभा सहित १००-००, ७५-००
९१२ वेदान्तपरिभाषा । स्वामी माधवानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित २५-००
913 Vedantasara of Ramanuja with an English Translation by M. A. Narasimha Iyenger. 40-00
९१४ वेदान्तनर्शनम् । श्रीरामशर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ८-५०
९१५ वेदान्तदर्शन । डॉ० पाल डायसन । अनुवादक–संगमलाल पाण्डेय १५-००
९१६ वेदान्तदर्शन का इतिहास । श्री उदयवीर शास्त्री ४०-००
९१७ वेदान्तप्रबोधः । हिन्दी टीका सहित २-००
९१८ वेदान्तसारः । स्वामी निखिलानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित ५-७५
९१९ वेदान्तसारः । सारबोधिनी-विमला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित ७-००
९२० वेदान्तसारः । सुबोधिनी एवं विद्वन्मनोरंजनी संस्कृत टीका सहित । सम्पा० एवं टिप्पणीकार कर्नल जी० ए० जेकब २०-००
९२१ वेदान्तसारः । प्रश्नोत्तर रूप में । राधेश्याम शर्मा ३-००
९२२ वेदान्तसारः । अनुवाद, विवेक व्याख्या; रामतीर्थ कृत विद्वन्मनोरञ्जनी व्याख्या एवं पारिभाषिक शब्द परिचय आदि सहित । राममूर्तिशर्मा ३५-००

९२३ वेदान्तसारादर्शः (वेदान्तसार प्रश्नोत्तरी)। पं० रामगोविन्द शुक्ल ४-००
९२४ वेदान्तसूत्रमुक्तावली। ब्रह्मानन्द सरस्वती विरचित ४-४०
९२५ वेदान्तस्तोत्रसंग्रहः। हिन्दी टीका सहित। भोले बाबा ३-००
926 Vedant through Shri Shankara's prakarans by S. Maheshananda Giri Maharaj (with Sanskrit, Hindi & English Translation) 15-00
927 Vedanta Sutras, Ramanuja's Comm. English translation by George Thibaut. 80-00
928 Vedanta Sutra's With Sankara's Comm. English translation by George Thibaut. 2 vols 160-00
९२९ वेदान्तसूत्रों पर प्रणीत शक्तिभाष्य का अध्ययन। डॉ० श्रीमती सुशीला 'कमलेश' ७५-००
930 Vedanta Siddhant Muktavali of Prakashananda. Edited with English translation and Notes by Arthur Venis. 75-00
९३१ वैयासिकन्यायमाला। स्वामी सत्यानन्द सरस्वती कृत भाषानुवाद तथा टिप्पणी सहित ८-००
९३२ वैयासिकन्यायमाला। भारतीतीर्थ मुनि प्रणीत ११-००
९३३ वैराग्यमार्तण्डः। स्वामी आत्मानन्दजी। हिन्दी टीका सहित १२-००
९३४ वैराग्यशतकम्। स्वामीमाधवानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित २-५०
९३५ वैराग्यशतकम्। श्रीभर्तृहरिविरचितम्। सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या तथा हिन्दी पद्यानुवाद सहित ३-५०
९३६ वैराग्यशतकम्। हिन्दी, आंग्लानुवाद सहित। वैद्य हरिदास १२-००
९३७ शंकरदिग्विजयः। विद्यारण्य विरचित। मूलमात्र ७-५०
९३८ श्रीशंकरविजयमकरन्दः। वैद्य शि० वे० राधाकृष्ण शास्त्री १५-००
९३९ शङ्कराचार्य उनके मायावाद तथा अन्य सिद्धांतों का आलोचनात्मक अध्ययन। डॉ० राममूर्ति शर्मा २५-००
९४० शंकरात्प्रागद्वैतवादः। मुरलीधर पाण्डेयकृत १५-००
९४१ शक्तिभाष्यम्। (ब्रह्मसूत्रभाष्यम्) भाषाकार—पंचानन तर्करत्न भट्टाचार्य १-२ भाग (१-४ अध्याय में) १४५-००
९४२ शतश्लोकी। श्रीशाङ्कर भगवत्पादाचार्य विरचित। श्रीमदानन्दगिर्याचार्य कृत टीका समलंकृत। सं० श्रीमन्महेशानन्द गिरि १५-००
९४३ शांकरपादभूषणम्। रघुनाथविरचित। १-२ भाग १५-७०

९४४ श्रुतिसारसमुद्धरणम् । तोटकाचार्यप्रणीतम् । तत्वदीपिकाव्याख्यासहित १-६०
९४५ शाण्डिल्यभक्तिसूत्रम् । स्वामी हर्षानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित १६-००
९४६ शिवतत्त्वरत्नाकर । केलादि बसवभूपाल कृत । १-२ भाग ४९-५०
९४७ शिवोऽहम् । नारायण स्वामी कृत २०-००
९४८ शैवपरिभाषा । शिवाग्रयोगीन्द्र कृत ३-७५
९४९ संक्षेपशारीरकम् । 'रामतीर्थस्वामीकृत' अन्वयार्थप्रकाशिका' टीका समाप्त
९५० संक्षेपशारीरकम् । हिन्दी टीका सहितम् समाप्त
९५१ सद्धर्म-चन्द्रिका । स्वामी हनुमानदासजी षट्शास्त्री ५-००
९५२ सनत्सुजातीयम् । शांकरभाष्य तथा नीलकण्ठकृत टीका । सं० भाऊ शास्त्री बझे । कन्हैयालाल जोशीकृत हिन्दी व्याख्या १२-००
९५३ सनत्सुजातीयम् । शाङ्करभाष्योपेतम् । श्रुतिरञ्जनी' हिन्दी व्याख्या सहित । व्या०-आचार्य कृष्णानन्दसागर १००-००
९५४ सिद्धसिद्धांतपद्धतिः । गोरक्षनाथविरचित । सं०—श्रीमती कल्याणी मल्लिक २०-००
९५५ सिद्धांतदर्शनम् । विश्वदेवाचार्य विरचित निरञ्जनभाष्यसमेतम् १०-००
९५६ सिद्धांतबिन्दुः । मधुसूदन सरस्वती । श्री गौडब्रह्मानन्द सरस्वती विरचित न्यायरत्नावली टीका तथा एस० सुब्रह्मण्य शास्त्री कृत भूमिका, पाठभेद, टिप्पणी सहित २५-००
९५७ सिद्धांतबिन्दुः । वासुदेव शास्त्री अभ्यंकर कृत व्याख्या सहित ३०-००
९५८ सिद्धांतसिद्धाञ्जनम् । कृष्णानन्द सरस्वती कृत । भास्कर दीक्षित कृत रत्नतूलिका व्याख्या सहित प्रथम भाग १८-७५
९५९ सूतसंहिता । श्री विद्यारण्य प्रणीत तात्पर्यदीपिका टीका सहित । १-३ भाग । पूना संस्करण २१-६५
९६० सूत्रार्थामृतलहरी । कृष्णावधूत पण्डित विरचित ३-२५
९६१ सौन्दर्यलहरी परपर्यायम् आनन्दलहरीस्तोत्रम् । श्रीशंकराचार्य प्रणीतम् । श्रीरामकवि कृत डिण्डिमभाष्यम्-नरसिंह स्वामी कृत श्री गोपाल-सुन्दरी टीका सहितम् ७-००
९६२ सौन्दर्यलहरी । हिन्दी टीका तथा विद्यातत्त्व-कुंडलिनी-रहस्य सहित १५-००
९६३ सौन्दर्यलहरी । शङ्कराचार्य प्रणीत । मूल तथा हिन्दी अनुवाद सहित । अनुवादक-श्रीमती डॉ० विनोद अग्रवाल ६०-००
९६४ स्वराज्यसिद्धिः । सुरेश्वराचार्य विरचित । हिन्दी टीका सहित ९-५०
965 Study of the Brahmasiddhi of Mandan Misra by Dr. R. Balasubramaniam. 150-00

९६६ स्वसंवेदन। भाषा। म० म० पं० गोपीनाथ कविराज ४०–००
९६७ स्वानुभवादर्शः। माधवाश्रम विरचित स्वकृत टीका विभूषित। सम्पूर्ण १–२ खण्ड ४०–००
९६८ श्रीमद्भगवच्चरित्र। स्वामी अनन्तानन्द सरस्वती २–५०
९६९ हरिहराद्वैतभूषणम्। बोधेन्द्रसरस्वतीकृत। कारिका सहित ६–६२

वेदांत-शुद्धाद्वैत-(वल्लभसम्प्रदाय)-ग्रंथाः

९७० अधिकरण सारावलिः। वेदान्तदेशिक। अधिकरण चिन्तामणिः सारार्थरत्नप्रभा व्याख्याद्वय सहिता ५५–००
९७१ अभिनन्दनग्रन्थ। श्रीकृष्णवल्लभाचार्यजी महाराज। सम्पा०— डॉ० एम० बी० शाह तथा पं० सीतारामचतुर्वेदी २००–००
९७२ अष्टछाप परिचय। सं० प्रभुदयाल मित्तल १५–००
973 Ashtachhap-Lord Krishna's Eight Poet Friends. Translated by Shyam Das. 150–00
९७४ अष्टाक्षरटीका ०–२५
975 Eighty Four Vaishnavas. Translated by Shyam Das 150–00
९७६ गूढार्थदीपिका। धनपतिसूरिकृता। श्रीमद्भागवत दशमस्कन्ध 'रासपञ्चाध्यायी' व्याख्या एवं भ्रमरगीत व्याख्या तथा जगन्नाथ-सुधिविनिर्मिता 'रसव्याख्या' च। १–३ खण्ड १००–००
९७७ गूढार्थदीपिका। धनपतिसूरिकृता श्रीमद्भागवतदशमस्कन्धस्य भ्रमरगीत व्याख्या सहित। सं० रत्नगोपाल भट्ट ३५–००
978 Chourasi Baithak-Eighty Four Seats of Shri Vallabhacharya by Shyam Das. 65–00
९७९ चौरासी वैष्णवन की वार्ता। सरल व्रजभाषा में ३२–००
९८० तत्त्वार्थदीपनिबन्धः। (शास्त्रार्थ प्रकरण)। श्री वल्लभाचार्य विरचित प्रकाश संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित २० ००
981 Doctrines of Shri Vallabhacharya. Translated into English by Ishwerbhai S. Amin 40–00
९८२ दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता। सरल व्रजभाषा में २१–००
983 Pustimarga and Sri Vallabhacharya. Ed.by C.M.Vaidya 25–00
९८४ पुष्टिमार्गीयस्तोत्ररत्नाकरः। ११७ स्तोत्र ग्रन्थसमूहात्मकः ५–००
९८५ प्रमेयरत्नार्णव। श्रीकृष्णभट्ट कृत। हिन्दी अनुवादक केदारनाथ मिश्र २४–००
९८६ प्रस्थानरत्नाकरः। गोस्वामी श्री पुरुषोत्तमजी महाराज विरचित १-२ खण्ड ५०–००

९८७ ब्रह्मवादसंग्रहः । सं० हि० टीका सहित १०–००

९८८ ब्रह्मसूत्रवृत्तिः । (मरीचिका) । श्रीव्रजनाथभट्टकृता सम्पूर्ण यन्त्रस्थ

९८९ भक्तिहेतुनिर्णयः । गोस्वामी श्री विट्ठलनाथ विरचित । श्री रघुनाथ कृत विवृत्ति सहित । हिन्दी अनुवादक केदारनाथ मिश्र १७–००

९९० भक्तिहंसः । गोस्वामी श्री विट्ठलनाथजी । अनु० केदारनाथ मिश्र १६–००

९९१ श्रीयमुनाष्टकम् । महाप्रभुवल्लभाचार्यकृत । (यावदुपलब्धनिखिल-टीकोपेतं, विविध-यमुनास्तोत्रपदादि-समलङ्कृतम्) हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या सहित । सम्पा०-केदारनाथ मिश्र २०–००

९९२ रासपञ्चाध्यायी-श्रीसुबोधिनी । (श्रीमन्महाप्रभु वल्लभाचार्य विरचित श्रीमद्भागवतदशमस्कन्धस्य व्याख्या) हिन्दी व्याख्याकार जगन्नाथ (मुनमुनजी) चतुर्वेदी । प्राक्कथन लेखक : गो० दीक्षितजी महाराज शुद्धाद्वैत सम्प्रदाय के पूज्यतम आचार्यों के चित्रों एवं उनके आशीर्वादात्मक शुभाशंसाओं से सम्मानित दर्शनीय सस्करण समाप्त

993 Life of Shri Vallabhacharya by Natvar Lal Gokal Das Shah 95–00

९९४ श्रीवल्लभदिग्वजयः । (यदुनाथदिग्विजयनाम्ना प्रसिद्धः) संस्कृत हिन्दी टीका सहित । अनुवादक-गोस्वामी यदुनाथजी महाराज ६०–००

995 Shri Vallabhacharya and His Doctrines by G.H. Bhatt. 40-00

996 Shrimad Vallabhacharya and His Doctrine by B. R. Shastri. 25–00

997 Shri Vallabhacharya and His teachings. Translated in English by Shri Bhailalbhai N. Shastri. 30-00

998 Suddhadvaita Brahmavada (the complete works of M. T. Telivala) Edited by Kedar Nath Mishra. 60–00

९९९ शुद्धाद्वैतमार्तण्डः । गोस्वामी गिरधर प्रणीत । बालकृष्णभट्ट प्रणीत प्रमेयार्णव । हरिरायजी कृत ब्रह्मवाद । सम्पा० सत्यनारायणमिश्र ५–००

१००० शुद्धाद्वैतमार्तण्डः । गोस्वामी श्रीगिरिधरजी महाराज विरचितः । 'प्रकाश' व्याख्यासंवलितः तथा प्रमेयरत्नार्णवः बालकृष्णभट्टकृतः । यन्त्रस्थ

1001 An Introduction to the Anubhasya by J. G. Shah. 95–00

१००२ श्रीमदणुभाष्यम् । गोस्वामी पुरुषोत्तमजी महाराज विरचित 'प्रकाश' व्याख्या सहितम् यन्त्रस्थ

१००३ श्रीमद्ब्रह्मसूत्राणुभाष्यम् । श्रीवल्लभाचार्य विरचित । प्रदीप टीका सहित । मगनलाल गणपति शास्त्री

१००४ श्रीमद्वल्लभवेदान्त (अणुभाष्यम्)। महाप्रभु जगद्गुरु श्रीवल्लभाचार्य। ललितकृष्ण महाराज कृत हिन्दी टीका सहित ५१–००

१००५ श्रीवल्लभाचार्य के दर्शन का यथार्थ स्वरूप। गो० श्याम १६–००

१००६ श्रीविद्वन्मण्डनम्। विट्ठलनाथदीक्षितकृतम्। गोस्वामी श्रीपुरुषोत्तमजी महाराजकृत 'सुवर्णसूत्र' व्याख्या सहितम्। सम्पूर्ण १–२ खंड १००–००

१००७ श्रीसुबोधिनी। वल्लभाचार्यविनिर्मिता। श्रीमद्भागवतस्य दशमस्कन्धजन्मप्रकरणे प्रथमाध्यायान्तं व्याख्या। गोस्वामी विट्ठलनाथ दीक्षित विरचित 'टिप्पणी' सहिता तथा गोस्वामिपुरुषोत्तमजी महाराज विरचित 'प्रकाश' व्याख्या समेता यन्त्रस्थ

१००८ श्रीहरिवाक्यसुधासिन्धुः। महर्षि श्रीशतानन्द मुनि विरचित। स्वामी श्रीकृष्णवल्लभाचार्य कृत 'सुधासिन्धु ब्रह्मरसायन' भाष्य विभूषित। प्रथमभाग का प्रथम खण्ड, द्वितीय भाग २००–००

वेदान्त-विशिष्टाद्वैत-ग्रंथाः

१००९ आगमप्रामाण्यम्। स्वामी यामुनाचार्य विरचितम् ५–००

1010 A Critical Study of the Philosophy of Ramanuja by Anima Sen Gupta. 50–00

१०११ तत्त्वटीका। (श्रीभाष्य व्याख्या) तत्वाकर्षण टिप्पणी सहित तथा शतदूषणी। वेदान्तदेशिक विरचित १५ ००

१०१२ तत्त्वत्रयम्। लोकाचार्य। हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद सहित १२–००

१०१३ तत्त्वत्रयम्। श्रीमद्वरवरमुनिस्वामिनिबद्धभाष्योपबृंहितम् यन्त्रस्थ

१०१४ तत्त्वमुक्ताकलापः। वेदान्तदेशिक स्वार्थसिद्धिः गूढार्थविवृत्तिः'। गूढार्थप्रकाश अलभ्यलाभाख्य व्याख्या सहित ५५–००

१०१५ तत्त्वशेखरः। लोकाचार्यविरचितः। तत्त्वत्रयचुलुकसंग्रहः। कुमारवेदान्तचार्य वरदगुरु विरचितः यन्त्रस्थ

१०१६ तत्त्वसारः। वात्स्यवरदगुरुविरचित। वात्स्यवरिधस्या व्याख्या सहित ८–००

१०१७ न्यायपरिशुद्धिः। सटीक वेदान्ताचार्यप्रणीत। संपूर्ण १–५ खण्ड ३००–००

१०१८ न्यायसिद्धाञ्जनम्। 'सरल विशद' रत्नदीपिका व्याख्याद्वय सहित ३५–००

१०१९ प्रपन्नामृत। मूलमात्र ३०–००

1020 Philosophy of Ramanuja by Dr. Jadunath Sinha. 50-00

1021 Philosophy of Visistadwaita by P. N. Srinivasachari. 60–00

१०२२ भगवद्रामानुजविजयः। (संस्कृत गद्यप्रबन्धः) गोडवर्ति शठकोणाचार्य २५–००

१०२३ यतीन्द्रमतदीपिका। प्रकाश व्याख्या सहित ८–००

१०२४ यतीन्द्रमतदीपिका। स्वामी आदिदेवानन्दकृत आंग्लानुवाद सहित १०–८०

१०२५ रक्षाग्रन्थाः। वेंकटनाथ वेदान्तदेशिक विरचित। निक्षेपरक्षा-सच्चरित्ररक्षा-पाञ्चरात्ररक्षा-गीतार्थसंग्रहरक्षा। सटिप्पण १०–००

१०२६ रामानुजवेदान्तसारः। सुदर्शनाचार्यकृत 'अधिकरणसारावली' सहित ५–००

१०२७ वेदान्तदीपः। भगवद्रामानुजाचार्यविरचितः। ब्रह्मसूत्रव्याख्या। सम्पूर्ण १–३ खण्ड २००–००

1028 Vedantadesika : A Study of His life, Works and Philosophy. By Dr Satya Vrata Singh. 80–00

१०२९ वेदान्तपुष्पाञ्जलिः। वीरराघवाचार्य विरचित। संस्कृत नोट्स तमिल अनुवाद सहित ८–००

१०३० श्रीभाष्यम्। रामानुजाचार्य। वीरराघवाचार्य विरचित भावार्थ-दर्पण व्याख्या सहित। १–२ भाग

१०३१ श्रीभाष्यम्। संस्कृत। प्रथम भाग २००–००, १६०–००

१०३२ श्रीभाष्यम्। ललितकृष्ण गोस्वामीकृत हिन्दी टीका। १–२भाग १०२–००

१०३३ श्रीनिम्बार्कभाष्यम्। ललितकृष्ण गोस्वामीकृत हिन्दी टीका सहित ३०–००

१०३४ श्रीभाष्यवार्तिकं यतीन्द्रमतदीपिका च। निवासाचार्यकृता तथा सकलाचार्यमतसंग्रहश्च। सम्पूर्ण १–२ खण्ड ५०–००

१०३५ श्रीमाध्ववेदान्त (पूर्णप्रज्ञ भाष्य)। ललितकृष्ण गोस्वामी कृत हिन्दी टीका सहित १५–००

१०३६ श्रुतितात्पर्यनिर्णयः। साद्गुण्यादिविमर्श विशिष्टवैशद्य-स्वरूपवैशद्य प्रमात्वविमर्श-तुलनाविषमता-ख्यातिविमर्श-जातिवैशद्य-भक्तिरसस-रित्सामान्यनिरुक्तिक्रोडपत्रविशिष्टसाम्य-सुपरिचयादिसमेतः। श्री कृष्णवल्लभाचार्यविरचितः १०–००

स्वामी भगवदाचार्य-श्रीरामानन्दसम्प्रदायविशिष्टाद्वैत-ग्रन्थाः

१०३७ ईशादयो दशोपनिषदः। संस्कार भाष्य सहित ८–००

१०३८ क्रान्ति के इतिहास की एक झलक (रामानन्द सम्प्रदाय में संवत् १९७८ की) प्रथम भाग। स्वामी भगवदाचार्य ०–७५

१०३९ तत्त्वार्थ-पञ्चक। स्वामी भगवदाचार्य ०–५०

१०४० दिव्यस्तोत्रकलापः १–५०

१०४१ ब्रह्मसूत्रीयवेदान्तवृत्तिः। भगवद्रामानन्दमुनीन्द्रप्रसादिता महानन्द-भाष्यानुसारिणी

१०४२ भगवत्-स्तोत्ररत्नमंजूषा १–५०

१०४३ भारत-पारिजातम्। (महात्मा गांधिचरितम्) स्वामी भगवदाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित। १–३ भाग १८–००

१०४४ रामपटलम्। भगवदाचार्य कृत रहस्यप्रकाशिका व्याख्या सहित समाप्त

१०४५ विशिष्टाद्वैतदर्शनम्। २–००

१०४६ वेदान्तदर्शनम्। व्यासप्रणीत। १–४ अध्याय। रामानन्द नामक संस्कृत हिन्दी भाष्यसहित रामानन्दसिद्धान्तानुसारी ब्रह्मसूत्रभाष्य ६–००

१०४७ वेदान्तदर्शनापरपर्यायब्रह्मदर्शनम्। भगवत्पाद वेदव्यास प्रणीत। वैदिक भाष्य सहित। १–२ अध्याय। १–२ भाग १०–००

१०४८ वैष्णवमताब्जभास्कर। स्वामी रामेश्वरानन्दाचार्यकृतप्रभाकिरण-सहित। २५–००

१०४९ शारीरकमीमांसा। आनन्दभाष्य अर्थात् संग्रहभाष्य सहित (ब्रह्मसूत्र पर स्वामी भगवदाचार्य का भाष्य) ४–००

१०५० श्रीजानकीकृपाभाष्यस्य संक्षिप्तसारः ५–००

१०५१ श्रीभगवद्गीता तत्त्वविमर्श १–००

१०५२ श्रीभगवद्गीता। भगवद्भाष्यसहित। १–६ अध्याय २–५०

१०५३ सामवेद और यजुर्वेद भाष्य की प्रस्तावना ३–००

१०५४ सामवेदसंहिता। 'सामसंस्कार' संस्कृत-हिन्दी भाष्य सहित १–३ भाग १७–००

१०५५ स्वामीभगवदाचार्य। प्रथम भाग (बालकाण्ड-अयोध्याकाण्ड-गुर्जरकाण्ड) ७–००

१०५६ स्वामीभगवदाचार्य। द्वितीय भाग (वेदविषयक प्रश्नोत्तर) १–२५

१०५७ स्वामीभगवदाचार्य। तृतीय भाग (रहस्योद्घाटन) ७–००

१०५८ स्वामीभगवदाचार्य। चतुर्थ भाग (भगवद्गीता २, १२, १३, १५वाँ अध्याय–गुजराती टीका सहित) ५–२५

१०५९ स्वामी भगवदाचार्य। पञ्चम भाग। (स्वामी भगवदाचार्य के जीवनचरित से सम्बन्धित पूर्व अफ्रीका के प्रवचन) ४–[illegible]

१०६० स्वामी भगवदाचार्य। षष्ठ भाग (प्रश्नोत्तर रत्नमाला) ४–५[illegible]

१०६१ स्वामी भगवदाचार्य। सप्तम भाग (लेखरत्नमंजूषा) १०–[illegible]

वेदान्त–द्वैताद्वैत–ग्रन्थाः

१०६२ क्रमदीपिका। केशवदेवभट्टाचार्य प्रणीता। विद्याविनोद गोविन्दभट्ट-कृत विवरणोपेता। गुरुभक्तिमन्दाकिनी व्याख्या तथा लघुस्तव-राजस्तोत्र समाप्त

१०६३ ब्रह्ममीमांसाभाष्यम्। 'वेदान्तपारिजातसौरभ' नामकं व्याख्यानम् यन्त्रस्थ

१०६४ ब्रह्मसूत्रम् । श्रीदेवाचार्यप्रणीत 'सिद्धान्तजाह्नवी' सुन्दरभट्टविरचित 'सिद्धान्तसेतु' व्याख्यासहितं तथा गिरिवरप्रपन्नरचित 'लघुमंजूषा' युक्ता 'दशश्लोकी' च यन्त्रस्थ

१०६५ वेदान्तरत्नमंजूषा । पुरुषोत्तमाचार्य विनिर्मिता सम्पूर्णा तथा वेदांत तत्त्वबोधः' । सम्पूर्ण यन्त्रस्थ

१०६६ वेदान्तसिद्धान्तसंग्रह । श्रुतिसिद्धान्तापरनामकः वनमालिमिश्र ब्रह्मचारिकृतः स्वकृतस्यैव कारिका रूपमूलग्रन्थस्य व्याख्यात्मकः सम्पूर्णः तथा वेदान्तकारिकावली । पण्डित पुरुषोत्तम प्रसादकृता । मूलकृतैव 'अध्यात्मसुधा तरङ्गिणी' टीका सहित । सम्पूर्ण १-३ खण्ड ७५-००

१०६७ श्रुत्यन्तकल्पवल्ली । श्रीमत्पुरुषोत्तमप्रसाद विरचिता । सम्पूर्ण ४०-००

१०६८ श्रुत्यन्तसुरद्रुमः । श्रीमत्पुरुषोत्तमप्रसाद विरचितः तथा व्रजेश्वरः प्रसादकृता श्रुतिसिद्धान्तमंजरी च । सम्पूर्ण १-३ खण्ड ७५-००

उपनिषद्-ग्रन्थाः

१०६९ अष्टादश उपनिषद् । सं० आचार्य वि० प्र० लिमये—प्रो० रं० दं० वाडेकर । प्रथम खण्ड १२५-००

१०७० अष्टाविंशत्युपनिषत्संग्रहः । मूलमात्र । गुटका १५-००

१०७१ अष्टोत्तरशतोपनिषद् । हिन्दी टीका सहित (संक्षिप्त) । १-३ भाग ४२-००

१०७२ ईश-केन-कठोपनिषत् । दिगम्बरानुचरविरचितार्थप्रकाश व्याख्या सहित १-९०

१०७३ ईशादिदशोपनिषद । शांकरभाष्य सहित । (शाङ्कर ग्रन्थावली भाग १) ३०-००, ४५-००

१०७४ ईशाद्यष्टोत्तरशतोपनिषदः । आद्यन्ततत्तच्छन्तियुजः । पाठान्तर टिप्पणी । सहित ४०-००

१०७५ ईशावास्योपनिषद् । हिन्दी टीका सहित ६-००

१०७६ ईशावास्योपनिषद् । शाङ्करभाष्य आनन्दगिरि टीका युक्त ६-००

१०७७ ईशादिद्वादशोपनिषद् । स्वामी विद्यानन्दगिरिकृत विद्यानन्दी मिताक्षरा हिन्दी टीका सहित २५-५०

१०७८ ईशावास्योपनिषद् । स्वामी सर्वानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित २-५०

१०७९ ईशोपनिषद् । सातवलेकर कृत हिन्दी अनुवाद सहित ५-००

१०८० ईशोपनिषत् । विज्ञान भाष्य सहित । १-२ भाग १५०-००

१०८१ ईशोपनिषद् । आंग्लानुवाद सहित १०-००

१०८२ उपनिषद् (५२) । भोलेबाबा कृत हिन्दीटीकासहित । प्रथमभाग १०-००

१०८३ उपनिषद् चिन्तन । देवदत्त शास्त्री ७-००

१०८४ उपनिषद्भाष्यम् । श्रीशङ्करभगवत्पादाचार्यविरचित । खण्ड : १ (आदित ८ उपनिषदाम्) सम्पा०—एस० सुब्रह्मण्य शास्त्री १३०-००, ११५-००

१०८५ उपनिषद्भाष्यम् । श्रीशङ्करभगवत्पादाचार्य विरचित । खण्ड : २ (छान्दोग्योपनिषत् बृहदारण्यकयोः) सं०—एस०सुब्रह्मण्यशास्त्री ११५-००

१०८६ उपनिषद्संग्रहः । (ईश-केन-कठ प्रश्न-मुण्डक-माण्डूक्य-ऐतरेय-तैत्तिरीय-छान्दोग्योपनिषद्) जयदेव विद्यालङ्कार अनुवादित १०-००

१०८७ उपनिषत्संग्रहः । (१९१ उपनिषदोंका संकलन) सम्पा० जे० एल० शास्त्री १२०-००, १५०-००

१०८८ उपनिषदों की कहानियाँ । रामप्रतापत्रिपाठी शास्त्री । १-२ भाग ९-००

१०८९ उपनिषदों की भूमिका । डॉ० राधाकृष्णन् २०-००

1090 Upanishads : English Translation by Max Muller 2 Vols. 160-00

१०९१ उपनिषद्-दिग्दर्शन । डॉ० दीवानचन्द्र ३-२०

१०९२ उपनिषत्तत्व-निर्णय । स्वामी अनन्तानन्द सरस्वती २-००

१०९३ उपनिषदार्थसंग्रहः । वीर राघवाचार्य कृत । उपस्कार सहित ४-००

१०९४ उपनिषद्भाष्यम् । पुरुषसूक्त, श्रीसूक्तसहित । रङ्गरामानुजविरचित श्रीराघवाचार्य प्रणीत परिष्कार सहित । १-२ भाग ४५-००

१०९५ उपनिषद्वाणी । स्वामी विष्णुतीर्थजी ७-००

१०९६ उपनिषदों के आध्यात्मिक रहस्य । हिन्दी टीका सहित ६-५०

१०९७ उपनिषद् व्याकरण पदसूची । विश्वबन्धु सम्पादित ८५-००

१०९८ उपनिषदां समुच्चयः । शङ्करानन्दनारायणकृत दीपिका सहित १२-५०

१०९९ एकादशोपनिषद् । अमरदास की सरल संस्कृत टीका सहित १५-००

११०० ऐतरेयोपनिषद् । शाङ्करभाष्य आनन्दगिरि व्याख्या युक्त १०-००

1101 Eight Upanishads with the Commentary of Shankaracharya & English Translation by Swami Gambhirananda. Vols. i–ii 45–00

११०२ ऐतरेयोपनिषद् । स्वामी सर्वानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित ६-००

1103 Katha Upanisad : Sankhya Point of View by Anima Sen Gupta. 7–50

११०४ कठोपनिषद् । शांकरभाष्य । डॉ० रामरङ्ग शर्मा, मालती शर्माकृत संस्कृत-हिन्दी व्याख्या-आंग्लानुवाद सहित ५-००, १० ००

११०५ कठोपनिषद् । स्वामी सर्वानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित ५-५०

११०६ कठोपनिषद्-दर्पण । सत्यदेव । हिन्दी २-००
११०७ कठोपनिषद् । ('शांकरभाष्य' सहित) मूल तथा शांकरभाष्य का 'सरला' वृहद् हिन्दी व्याख्या, अन्वय, शब्दार्थ, भावार्थ आदि विभूषित । पं० श्रीत्यानन्द झा । सम्पूर्ण १०-००
११०८ कठोपनिषत् । महेशानन्दगिरि कृत हिन्दी भाष्य सहित २०-००
११०९ कठोपनिषद् । संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी अनुवाद । डॉ० नरेन्द्रदेव सिंह ३-५०
१११० काठकोपनिषत् । शाङ्करभाष्य तथा आनन्दगिरि व्याख्यायुत ८-००
११११ केनोपनिषद् । स्वामी सर्वानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित २-५०
१११२ केनोपनिषद्-दर्पण । सत्यदेव । हिन्दी २-००
१११३ केनोपनिषत् । शाङ्करभाष्य तथा आनन्दगिरि व्याख्यायुतं १-९०
१११४ केनोपनिषत् । संस्कृत-हिन्दी, अंग्रेजीटीका । यमुनाप्रसाद त्रिपाठी १०-००
१११५ केनोपनिषद् । शांकरभाष्य, मन्त्रानुवाद, व्याख्या सहित । डॉ० सुमन शर्मा १२-००
१११६ कौषीतकिब्राह्मणोपनिषद् । शंकरानन्दकृत दीपिका सहित । ई० बी० कावेल विनिर्मित आङ्गल भाषानुवाद सहित ५०-००
१११७ छान्दोग्योपनिषत् । शांकरभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या ६०-००
१११८ छान्दोग्योपनिषद् । हिन्दी टीका सहित (संक्षिप्त) ६-००
१११९ छान्दोग्योपनिषद् । स्वामी स्वाहानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित १८-००, २५-००
११२० छान्दोग्योपनिषद् । संस्कृत हिन्दी टीका सहित । श्रीकान्त पाण्डेय ६-००
११२१ छान्दोग्योपनिषद् । शांकरभाष्य-आनन्दगिरि हिन्दीटीका सहित ६०-००
1122 Chhandogya Upanisad : Sankhya point of view by Anima Sen Gupta. 3-00
1123 Chhandogya Upanisad : With the Commentary of Sankaracarya. Translated by Swami Gambhira-nanda. 45-00, 35-00
११२४ तैत्तिरीयोपनिषत् । शांकरभाष्य तथा आनन्दगिरि व्याख्या युत ८-००
११२५ तैत्तिरीयोपनिषद् । समूल शांकरभाष्य एवं 'ज्योति' हिन्दी टीका सहित । व्याख्याकार—कन्हैयालाल जोशी ४५-००
११२६ तैत्तिरीयोपनिषद् भाष्यवार्त्तिकम् । सुरेश्वराचार्यकृत हिन्दी टीका ३०-००
११२७ तैत्तिरीयोपनिषत् । स्वामी सर्वानन्दकृत आंग्लानुवाद सहित ९-००
११२८ तैत्तिरीयोपनिषत् । शांकरभाष्य-हिन्दी टीका सहित ७-००
११२९ तैत्तिरीयोपनिषद्-भाष्यवार्तिकम् । सुरेश्वराचार्य कृत । आनन्द गिरि कृत व्याख्या सहित १४-००

११३० श्रीत्रिपुरोपनिषद् । भाष्यद्वयोपेता । सम्पा०—आचार्य पट्टाभिराम शास्त्री विद्यासागर १६—००

1131 Thirty Minor upanisads by K. Narayana Swami Aiyer. 100-00

११३२ दशोपनिषदः । मूलमात्र १५—००

११३३ नृसिंहपूर्वोत्तर-तापनीयोपनिषत् । सव्याख्या ३—१५

११३४ न्यायकल्पलतिका । (बृहदारण्यकोपनिषद् भाष्यवार्तिक व्याख्या) आनन्दपूर्णमुनीन्द्र विरचित । १–२ भाग ७५—००

११३५ पञ्चोपनिषत् । वनखण्डि श्रीपीताम्बरपीठस्थस्वामिविरचित प्रकाश भाष्य सहित ४—५०

११३६ प्रश्नोपनिषत् । शांकरभाष्य—आनन्दगिरि व्याख्यायुत ७—००

११३७ प्रश्नोपनिषद् । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित २—५०

११३८ प्रश्नोपनिषद् । स्वामी सर्वानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित २—५०

1139 Philosophy of Manduka Karika by C. Conio. 35-00

११४० बृहदारण्यकोपनिषद् । सटिप्पण आनन्दगिरि कृत संस्कृत टीका । शांकरभाष्य तथा कुमुदतोषिणी हिन्दी टीका सहित । हिन्दी-टीका-कार—डॉ० उमेशानन्द शास्त्री । १–२ भाग १००—००

११४१ बृहदारण्यकोपनिषद् । शांकरभाष्य आनन्दगिरि व्याख्या सहित ७५—००

११४२ बृहदारण्यकोपनिषद् । हिन्दी टीका सहित । श्रीराम शर्मा ६—००

११४३ बृहदारण्यकोपनिषद् । स्वामी माधवानन्दकृत आंग्लानुवाद सहित ५०—००

११४४ बृहदारण्यकोपनिषद् । (काण्वशाखीय) सुरेश्वराचार्य विरचित सम्बन्धभाष्य वार्तिक सहित ३०—००

११४५ बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्यम् । सुरेश्वराचार्य विरचित । आनन्द-गिर्याचार्य प्रणीतम् 'शास्त्रप्रकाशिका' टीका सहित । १–२ अध्यात्मक प्रथम खण्ड १५०—००

११४६ बृहदारण्यकोपनिषद्-भाष्यवार्तिकम् । सुरेश्वराचार्य विरचित । आनन्दगिरि व्याख्यायुत । प्रथम भाग ६—००

११४७ ब्रह्मविज्ञानोपनिषद् । प्रो० सिद्धेश्वर प्रसाद १८—००, १२—००

११४८ ब्रह्मोपनिषत्सारसंग्रहदीपिका । विद्यातिलक कृत आंग्लानुवाद सहित ३५—००

११४९ भवसन्तारणोपनिषद् । हिन्दी टीका सहित ५—००

११५० महानारायणोपनिषद् । स्वामी विमलानन्दकृत आंग्लानुवादसहित १२—००

1151 Minor Upanisads : with English Translation by Swami Madhavananda. 4-50

1152 Mandukyopanishad with Karika, Sankara's Commentary & English Translation by Swami Nikhilananda. 15–00

११५३ माण्डूक्योपनिषत् । शांकरभाष्य तथा आनन्दगिरि व्याख्यायुत २०–००

११५४ माण्डूक्योपनिषत् । (अथर्ववेदीय) गौडपादकारिका सहित । शांकरभाष्य आनन्दगिरि व्याख्या—स्वामी विद्यानन्दगिरि कृत मिताक्षरा हिन्दी टीका सहित २५–००

११५५ माण्डूक्योपनिषद् । स्वामी सर्वानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित २–००

1156 Mandukyopanishad Translated into English and Hindi by Y. P. Tripathi. 6–00

११५७ मुण्डकोपनिषद् । शांकरभाष्य तथा आनन्दगिरि व्याख्यायुत १–२५

११५८ मुण्डकोपनिषद् । शांकरभाष्य तथा हिन्दी टीका सहित । डॉ० शशि तिवारी १२–००

११५९ मुण्डकोपनिषद् । शांकरभाष्य । श्रीधरशास्त्री प्रणीत बालबोधिनी टीका १०–००

११६० मुण्डकोपनिषद् । स्वामी सर्वानन्द कृत आंग्लानुवाद सहित –६०

११६१ मुण्डकोपनिषत् । शांकरभाष्य । आनन्दज्ञान कृत भाष्यव्याख्यान स्वामी विद्यानन्दगिरि कृत हिन्दी टीका सहित ६–००

११६२ याज्ञिक्युपनिषद्विवरणम् । पुरुषोत्तमतीर्थ कृत ४–००

११६३ वैष्णवोपनिषद् । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित (१४ उपनिषद्) ६०–००

११६४ शैवोपनिषद् । ब्रह्मयोगिकृत व्याख्या सहित (१५ उपनिषत्) १२–००

११६५ श्वेताश्वतरोपनिषद् । स्वामी त्यागीशानन्दकृत आंग्लानुवादसहित ४–००

११६६ श्वेताश्वतरोपनिषद् । शांकरभाष्य तथा आनन्दगिरि व्याख्या सहित १८–००

११६७ श्वेताश्वतरोपनिषद् । (प्राचीन पाँच टीकाओं के तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित हिन्दी व्याख्या सहित) । डॉ० तुलसीराम २०–००

११६८ श्वेताश्वतरोपनिषद् । हिन्दी भाष्य सहित । महेशानन्दगिरि २०–००

1169 Sixty Upanisads of the Veda by Paul Deussen. 2 Vols. 150–00

पुराणेतिहास-ग्रन्थाः

1170 Agnipuranam : A Prose English Taanslation. By M. N. Dutta. 2 Vols. Shortly

1171 Agnipurana : A Study by Dr. S. D. Gyani. 75–00

११७२ अग्निपुराण-विषयानुक्रमणी । पुराणसमीक्षात्मक भूमिकया संवलिता । प्रणेता—रामशंकर भट्टाचार्य १५–००

११७३ अग्निपुराणम् । सं० आचार्य बलदेव उपाध्याय समाप्त

११७४ अग्निमहापुराणम् । श्लोकानुक्रमणी सहित । मूलमात्र ३००—००

११७५ अद्भुतरामायणम् । महर्षि वाल्मीकि विरचित । (मूल और हिन्दी अनुवाद सहित) सम्पादक एवं हिन्दी अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय

११७६ अद्भुतरामायण । हिन्दी टीका सहित । टीकाकार—पं० ज्वाला प्रसाद मिश्र १०—००

११७७ अध्यात्मरामायण । हिन्दी टीका एवं श्लोकानुक्रमणिका । टीकाकार—डॉ० चन्द्रमा पाण्डेय ६५—००

1178 Adhayatma Ramayan : Translated by Raibahadur Lal Baij Nath. 70—00

११७९ अध्यात्म रामायण—एक विवेचनात्मक अध्ययन । डॉ० विजयश्री ८०—००

११८० अष्टादशपुराणपरिचय: । (पौराणिकप्रभापरिशीलनम्) । डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ३५—००

११८१ आत्मपुराण । भाषा १५—००

११८२ आनन्दरामायणम् । हिन्दी टीका सहित १००—००

1183 Index to the proper names occuring in Valmiki's Ramayana by Manmatha Natha Roy. 40—00

११८४ कपिलपुराणम् । (समीक्षात्मक संस्करणम्) । श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ५०—००

११८५ कम्ब रामायण । अनुवादक—न० वी० राजगोपालन । १-२ भाग ६२—५०

११८६ कल्किपुराणम् । श्रीरामशर्माकृत हिन्दी टीका १६—००

११८७ कल्कि अवतार की खोज । प्रकाश नारायण मिश्र ३—००

११८८ कान्यकुब्जवंशावली । वंशप्रवरसहित १२—००

११८९ काशीरहस्यम् (ब्रह्मवैवर्तपुराणस्यतृतीयखण्डान्तर्गतम्) । समालोचनात्मक हिन्दी भूमिका, कथासार सहित । सम्पा०—डॉ० जगदीश नारायण दूबे ६५—००

११९० कूर्मपुराणम् । मूलमात्र । सजिल्द ६०—००

११९१ कूर्मपुराणम् । समीक्षात्मक पाठ सहित । सम्पा०-आनन्दस्वरूप गुप्त २५०—००

1192 Kurma Purana : Complete English Translation. Ed. by J. L. Shastri. 2 Vols. 200—00

११९३ कूर्ममहापुराणम् । मूल मात्र । श्लोकानुक्रमणिका सहित १२०—००

1194 Critical Study of the Bhagavata Purana : with Special Reference to Bhakti. By Dr. T. S. Rukmani. 75–00

1195 Critical Study of Mahapurana of Puspadanta by Dr. (Smt.) Ratna Nagesha Shriyan. 50–00

११९६ केदारखण्ड । मूलमात्र । पत्राकार ४–००

1197 Geographical Data in the Early puranas : A critical Study by M. R. Singh 98–00

११९८ गणेशपुराण । भाषा १५–००

११९९ गरुडपुराणम् (संक्षिप्त) । श्रीरामशर्मा कृत हि० टी० । १–२ भाग ३०–००

१२०० गरुडपुराणम् । (प्रेतकल्प) हिन्दी टीका सहित १६–००

१२०१ गरुडपुराण : एक अध्ययन । डॉ० अवधबिहारीलाल अवस्थी ४०–००

1202 Garuda Puranam : A Prose English Translation. By Manmatha Nath Dutt 150–00

1203 Garuda Purana : Complete English Translation. 3 Vols. 300–00

१२०४ गरुडमहापुराणम् । श्लोकानुक्रमणिका सहित । मूलमात्र ३००–००

१२०५ गर्गसंहिता । सम्पा०—विभूतिनारायण भट्टाचार्य । प्रथम भाग १०–००

१२०६ गर्गसंहिता । हिन्दी टीका सहित । पत्राकार । बम्बई १००–००

१२०७ तुलसीकृतरामायण । लवकुशकाण्ड सहित । पं० ज्वालाप्रसादमिश्र कृत हिन्दी टीका । इसमें माहात्म्य, तुलसी जीवनचरित्र और सूर्यवंश का वृक्ष भी है । बड़ा अक्षर, ग्लेज कागज, सुन्दर जिल्द १६०–००
२५०–००

१२०८ दत्तपुराणम् (दत्तात्रेयपुराणोपनामकम्) । 'वासुदेवी' संस्कृत टीका सहितम् । टीकाकार : सम्पादकश्च–स्वामी श्रीमद्वासुदेवानन्द सरस्वती १५०–००

१२०९ दिव्यरामायणम् । स्वामी अपूर्वानन्द कृत । संस्कृत १–००

१२१० देवीपुराणम् । सं०—डॉ० पुष्पेन्द्रकुमार शर्मा । संस्कृत ४०–००

१२११ देवीभागवतम् (संक्षिप्त) । श्रीरामशर्माकृत हिन्दी टीका १–२ भाग ३०–००

१२१२ नारदपुराणम् (संक्षिप्त) । श्रीरामशर्माकृत हिन्दीटीका १-२ भाग ३०–००

1213 Narada Purana : Complete English Translation. 5 Vols. 500-00

1214 Narada Purana : A Critical Study by Dr. K. D. Nambiar. 75–00

१२१५ नारदमहापुराणम् । श्लोकानुक्रमणिका सहित । मूलमात्र २५०–००

1216 Naradiya Purana : A Philosophical Study by Dr. S. S. Upadhyaya. 80--00

१२१७ निलमतपुराणम् । डॉ० वेदकुमारी कृत आंग्लानुवाद सहित । १–२ भाग ४८–००

१२१८ पद्मपुराणम् । मूलमात्र । १–५ भाग समाप्त

१२१९ पद्मपुराणम् (सक्षिप्त) । श्रीरामशर्माकृत हिन्दी टीका १-२भाग ३०- ००

१२२० पद्ममहापुराणम् । श्लोकानुक्रमणिका सहित । १-४ भाग । मूलमात्र १०००–००

1221 Polity in the Agni Purana : By B. B. Mishra. 90--00

1222 Puranic Encyclopaedia by Shri Vetam Mini 400--00

१२२३ पुराणदिग्दर्शनम् । माधवाचार्य शास्त्री । १-२ भाग २२–००

१२२४ पुराण-परिशीलन । पं० गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी ३०–००

१२२५ पुराणपर्यालोचनम् । डॉ० श्रीकृष्णमणित्रिपाठी । समीक्षात्मक भाग ५०– ०० गवेषणात्मक भाग ५०–००, १–२ भाग १००–००

१२२६ पुराण-विमर्श । बलदेव उपाध्याय ८०–००

१२२७ पुराणविषयानुक्रमणिका । सम्पा० - य० प० टंडन १०–००

1228 The Purana Text of the Dynastics of the Kali Age : with Introduction, Text Notes and Elaborate Commentary by F. E. Pargiter. 75–00

1229 Purana Pancalaksanam : By W. Kirfel. Text edited in Devanagari. Introduction rendered into English by Dr. Suryakanta. 300--00

1230 Puranas or An Account of their Contents and Nature by H. H. Wilson. In the Press.

१२३१ पुराणेतिहाससंग्रहः । एस० के० दे–आर० सी० हाजरा संपादित १०–००

१२३२ पौराणिकपुरुषपात्रपर्यालोचनम् । डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी १५–००

१२३३ पौराणिकआख्यान । डा० गंगासागर राय ५–००

१२३४ पौराणिक रहस्यों का समीक्षात्मक अनुशीलन । डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ६५–००

१२३५ पौराणिक राजर्षि वंश वर्णन समीक्षा । डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ५०–००

१२३६ पौराणिकविषयानुक्रमणिका । डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ५०–००

१२३७ प्रेमपत्तन । रसिकोत्तम । अद्भुत प्रणीत टीका सहित ३--००

१२३८ बालरामायण । राजशेखर विरचित । हिन्दी टीका सहित । डा० गङ्गासागर राय १००--००

१२३९ बृहद्धर्मपुराणम् । सम्पा०—म० म० हरप्रसाद शास्त्री १५०--००

१२४० बृहन्नारदीयपुराणम् । सम्पा०— हृषीकेश शास्त्री १५०--००

१२४१ ब्रह्मपुराणम् । हिन्दी टीका सहित १००--००

१२४२ ब्रह्ममहापुराणम् । श्लोकानुक्रमणिका सहित । मूलमात्र ३५०--००

१२४३ ब्रह्मवैवर्त : एक अध्ययन । सत्यनारायण त्रिपाठी ६५--००

१२४४ ब्रह्मवैवर्तपुराणम् । (संक्षिप्त) श्रीरामशर्माकृत हिन्दी टीका १--२ भाग

१२४५ ब्रह्मवैवर्तपुराणम् । हिन्दी अनुवाद सहित । अनुवादक एवं सम्पा०— तारिणीश झा एवं पं० बाबूराम उपाध्याय । १--३ भाग २६०--००

१२४६ ब्रह्मवैवर्तपुराण । मूलमात्र । सम्पा०— जे० एल० शास्त्री । १-२ भाग २२५--००, १५०--००

1247 Brahma in the Puranas by Dr. Mohammad Israil Khan 90--00

१२४८ ब्रह्माण्डमहापुराणम् । मूलमात्र । श्लोकानुक्रमणिका सहित । सम्पादक— डा० के० वी० शर्मा १५०--००

१२४९ ब्रह्माण्ड-महापुराण-श्लोकानुक्रमणिका । सम्पादक— डा० के० वी० शर्मा । भूमिका लेखक—सुधाकर मालवीय ३५--००

१२५० भक्तमाल । नाभाजीकृत । प्रियादासजी कृत टीका, सीतारामशरण कृत कवित्त, भगवान्प्रसाद रूपकला कृत 'भक्तिसुधास्वादतिलक' सहित ९०--००

१२५१ भक्तमाल (भक्तकल्पद्रुम) । प्रतापसिंह ५०--००

१२५२ भविष्यपुराणम् । (संक्षिप्त) श्रीरामशर्माकृत हिन्दी टीका १-२ भाग

१२५३ भविष्यमहापुराणम् । श्लोकानुक्रमणिका सहित । मूलमात्र १-३ भाग ८००--००

1254 Bhagavata Purana : Complete English Translation Ed. by J. L. Shastri. 1-5 Vols. 500--00

१२५५ भागवतपुराण में प्रेमतत्त्व । रामचन्द्र तिवारी १००--००

1256 Bhagavatam by Swami Prabhavananda. 9--00

१२५७ भुसुण्डिरामायणम् । १--३ खण्ड । सम्पा०-भगवती सिंह २२५--००

१२५८ मत्स्यपुराण । मूलमात्र ४०--००
१२५९ मत्स्यपुराण । हिन्दी अनुवाद सहित । अनुवादक-रामप्रतापत्रिपाठी ६०--००
1260 Mastya Purana : A Study by V. S. Agrawal 40--00
१२६१ महाभागवतपुराणम् । (शाक्तसम्प्रदायिकम्) डा० पुष्पेन्द्रकुमार १४०--००
1262 Mahabharata : Translated into prose from original Sanskrit Text by K. M. Ganguli 12 Vols. 1500--00
१२६३ महाभारतम् । मूल तथा सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित । १-१८ भाग ७५०--००
१२६४ महाभारतम् । मूल मात्र । गुटका । १-१८ भाग (सम्पूर्ण) ४००-००
१२६५ महाभारतम् । समीक्षात्मक शोधपूर्ण संस्करण । पूना । १-१९भाग २२ जिल्दों में । वी० एस० सुकथंकर, एस० के० वेलवेलकरादि सम्पादित २५००-००, २०००-००
१२६६ महाभारतम् । नीलकण्ठविरचित भावदीप टीका सहित । १-६ भाग १०००-००
1267 Mahabharat : Pratika Index Edited by P. L. Vaidya. Vols I-VI. 480-00
१२६८ महाभारततत्त्वदीपः । बालव्यास, वारणसी सुब्रह्मण्य शास्त्री १०-००
१२६९ मानवतावादी रामानुजाचार्य । अनुवादिका—श्रीमती सी० पद्मावती देवी २०-००
1270 Markandeya Purana : Translated into English by Pargiter. 200-00
१२७१ मार्कण्डेयपुराणम् (संक्षिप्त) । श्रीरामशर्माकृत हिन्दी टीका १-२ भाग ३०-००
१२७२ मार्कण्डेयपुराण : एक अध्ययन । आचार्य बदरीनाथ शुक्ल २५-००
१२७३ मार्कण्डेयमहापुराणम् । महर्षि व्यासदेव प्रणीत । हिन्दी टीका सहित । अनुवादक—डा० धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री १२५-००
१२७४ मार्कण्डेयमहापुराणम् । हिन्दी टीका सहित २१०-००
१२७५ यक्षप्रश्नः । (महाभारते आरण्येय पर्वणि) आंग्लानुवाद ५-००
१२७६ युगपुराणम् । डॉ० कृष्णमणि त्रिपाठी कृत हिन्दी टीका सहित ५-००
१२७७ रंगनाथरामायण । अनुवादक— ए० सी० कामाक्षिराव १९-५०
१२७८ रहूगणोपाख्यानम् । (श्रीमद्भागवतान्तर्गत) पं० केशवदेव पाण्डेय कृत हिन्दी व्याख्या सहित ३-५०
१२७९ रामचरितमानस । सम्पा०—विश्वनाथप्रसाद मिश्र १५-००

१२८० रामचरितमानस पर पौराणिक प्रभाव । डॉ० विजय बहादुर अवस्थी ७०–००
१२८१ रामचरितमानस का तुलनात्मक अध्ययन । डॉ० शिवकुमार शुक्ल ५०–००
१२८२ रामचरितमानस । विजयानन्द त्रिपाठी कृत 'विजया' हिन्दी टीका सहित । १–३ भाग । सम्पूर्ण ३००–००
1283 Ramayana : Translated into English Prose From the Original Sanskrit of Valmiki. By Manmath Nath Dutt. Vol. 1 Balakandam. 30–00
१२८४ रामाश्वमेधः । हिन्दी टीका सहित (पत्राकार) ६१०–००
१२८५ लिंगपुराणम् । (संक्षिप्त) श्रीरामशर्माकृत हिन्दी टीका सहित १–२ भाग ३०–००
1286 Lingapurana : Complete English translation 2 Vols. 200–00
१२८७ लिंगपुराणम् । मूलमात्र १५०–००, १००–००
1288 Lingapurana : A Study by N. Gangadharan 90–00
1289 A Valmikiya Ramayan : English translation, by Ralph T. H Griffith. 125–00
1290 Vaman Purana with English translation. By S. M. Mukhopadhya. 200–00
१२९१ वामनपुराणम् । हिन्दी अनुवाद सहित । गोपाल चौधरी कृत १००–००
१२९२ वामनपुराणम् । (पाठ समीक्षात्मक संस्करणम्) । सम्पादक—आनन्दस्वरूप गुप्त २५०–००
१२९३ वामनपुराणम् (संक्षिप्त) । श्रीरामशर्माकृत हिन्दी टीका । १-२भाग ३०–००
१२९४ वामनमहापुराणम् । श्लोकानुक्रमणिका सहित । मूलमात्र १२०–००
१२९५ वायुपुराणम् । हिन्दी अनुवादक—रामप्रताप त्रिपाठी ४०–००
१२९६ वायुपुराणम् । महामुनि श्रीमद्व्यास प्रणीतम् । अष्टादशपुराणान्तर्गत ५०–००
१२९७ वायुमहापुराणम् । श्लोकानुक्रमणिका सहित । मूलमात्र १२०–००
1298 Varaha Purana: With English Translation. By Ahibhushan Bhattacharya. 700–00
१२९९ वाराहपुराणम् । सम्पादक—श्री हृषीकेश शास्त्री १५०–००
१३०० वाराहपुराणम् । (पाठ समीक्षात्मक संस्करणम्) । सम्पादक—आनन्दस्वरूप गुप्त । १–२ भाग १०००–००

१३०१ वासुकिपुराणम् । (समीक्षात्मक सम्पादनम्) डॉ॰ अनन्तराम शास्त्री ३५–००
१३०२ विष्णुधर्मोत्तरपुराण । श्लोकानुक्रमणिका सहित । मूलमात्र। ७००–००
1303 Vishnu Purana : A Prose English Translation. By Manmath Nath Dutt (Shastri) 100–00
१३०४ विष्णुपुराणम् । (संक्षिप्त) श्रीरामशर्माकृत हिन्दी टीका १-२भाग ३०–००
१३०५ विष्णुमहापुराणम् । चित्तश्री तथा श्रीधरी टीका सहित । २००–००
१३०६ शिवमहापुराणम् । सम्पा०–आचार्य पुष्पेन्द्रकुमार । मूलमात्र १५०–००
१३०७ शिवपुराणम् । भाषा । सं०–रामकगन पाण्डेय ६४–००
१३०८ शिवपुराण । हिन्दी टीका सहित । पत्राकार ३००–००
१३०९ शिवपुराणम् (संक्षिप्त) । श्रीरामशर्माकृत हिन्दी टीका १-२ भाग ३०–००
१३१० शिवमहापुराण की दार्शनिक तथा धार्मिक समालोचना । डॉ॰ रमाशंकर त्रिपाठी ३०–००
1311 Siva Purana : A Poetic Analysis by B. Patni. 80–00
1312 Siva Mahadeva : The Great God. by V.S. Agrawala. 275–00
1313 Studies in Skand Purana by Dr. A. B. L Awasthi
Part i 60–00
Part ii—Education, Economic Life, Religion & Philosophy. 80–00
Part iii Vol. I—Pilgrimage–Kedara to Narmada 80–00
Part iv—Brahmanical Art and Iconography 100–00
1314 Siva Purana : Complete English Translation. 4 Vols. 400–00
१३१५ श्रीगीर्वाणबोधः एवं श्रीसत्संगप्रार्थना । दीनानाथ भट्ट प्रणीतः (संस्कृत, हिन्दी, गुजराती) । अनुवादक–स्वामी हरिप्रकाश शास्त्री २–००
१३१६ श्रीपुराणसंहिता । श्रीमद्वेदव्यासविरचिता । (आलमन्दार-बृहत्सदाशिव-सनत्कुमारसंहितात्रय संकलिता) समाप्त
१३१७ श्रीमद्देवीभागवतम् । मूलमात्र १२०–००
१३१८ श्रीमद्देवीभागवत । पं० ज्वालाप्रसाद मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित । पत्राकार २५०–००
१३१९ श्रीमद्भागवतकथा साप्ताहिक । १–२ भाग । श्रीराममूर्ति शास्त्री ६०–००
१३२० श्रीमद्भागवततत्त्वदर्शन । (भागवत-सप्ताह) हिन्दी अनुवादक व सम्पादक—श्रीजगदीशदत्त व्यास, कथावाचक यन्त्रस्थ

१३२१ श्रीमद्भागवत-तत्त्वसमीक्षा । डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी १०-००
१३२२ श्रीमद्भागवत । चूर्णिका संस्कृत टीका । बड़े अक्षरों में । पत्राकार २२२-००
१३२३ श्रीमद्भागवतम् । मूलमात्र । गुटका ५०-००
१३२४ श्रीमद्भागवतम् । शालिग्राम कृत हिन्दी टीका, माहात्म्य, शंका समाधान और ५०० दृष्टान्तों सहित । पत्राकार २८०-००
१३२५ श्रीमद्भागवतम् । सरस्वती हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक ३२०-००
१३२६ श्रीमद्भागवतम् । (दशमस्कन्ध) भाषा टीकासहित । पत्रात्मक ५०-००
१३२७ श्रीमद्भागवतपुराणम् । श्रीधरस्वामी विरचित भावार्थबोधिनी संस्कृत टीका सहित । सम्पा० —आचार्य जगदीशलाल शास्त्री २००-००,१५०-००
१३२८ श्रीमद्भागवतमाहात्म्यसन्दोहः । (पाद्मस्कान्दमाहात्म्ये, भागवत भूषणम्. आद्यपद्यव्याख्याशतकञ्च) । सम्पा०—कृष्णशंकर शास्त्री ५-००
१३२९ श्रीमद्भागवत-रहस्य । (श्रीमद्भागवत महापुराण पर हिन्दी में प्रवचन) । श्रीरामचन्द्र केशव डोंगरेजी महाराज ४०-००
१३३० भागवत-एकादशस्कन्धः । प्रत्येक पद का हिन्दी अनुवाद एवं भाषा टीका । १–२ भाग १५-००
1331 Shrimadabhagavatam : A Prose English Translation by M. N. Dutt. Vol I. 100-00
1332 Srimat Suniti Bhagavata of Ramacarya with English Translation by G. K. Pai 15-00
१३३३ श्रीमद्भागवत-व्यञ्जनम् । व्यञ्जनसुबोधिनी व्याख्या सहित १५-००
१३३४ शुकसागर । शालिग्राम कृत । बड़ा साइज १८०-००
१३३५ वाल्मीकिरामायणम । रामकृत तिलक व्याख्या सहित । १-२ भाग ५००-००
१३३६ श्रीमद्वाल्मीकिरामायणम् । हिन्दी टीका सहित (दशखण्ड) सम्पूर्ण १२५-००
१३३७ श्रीमद्वाल्मीकिरामायणम् । तिलक–रामायणशिरोमणि-भूषण व्याख्या त्रयोपेतम् । १–८ भाग १५००-००
१३३८ श्रीमद्वाल्मीकिरामायणम् । समीक्षात्मक पाठ सहित शोधपूर्ण संस्करण । सम्पा०—जी० एच० भट्ट, पी० एल० वैद्य, डी० आर० मनकड आदि । ३–७ कांड सम्पूर्ण ६२५-००
१३३९ श्रीमद्वाल्मीकिरामायणम् । (विशुद्ध संस्करण) मूल मात्र ८०-००
१३४० श्रीमद्वाल्मीकिरामायण-सुन्दरकाण्ड । मूलमात्र । गुटका १२-००
१३४१ श्रीरामराज्याभिषेकः । (मूल) सं० वेणीराम शर्मा गौड़ २-५०
१३४२ श्रीलक्ष्मीनारायणसंहिता । श्री श्वेतायनव्यास विरचिता । सम्पा० श्रीकृष्णवल्लभाचार्य । कृतयुग सन्तानाख्य प्रथम खण्ड १ २ भाग ७५-००

त्रेतायुग-सन्तानाख्य द्वितीय खंड ४५—००
द्वापरयुग सन्तानाख्य तृतीय खंड ५०—००
तिष्ययुग सन्तानाख्य चतुर्थ खंड ५०—००
१३४३ श्रीशीखगुरुचरितामृतम् । श्रीपाद शास्त्री ५—००
१३४४ संक्षिप्तवाल्मीकिरामायणम् । हिन्दी सन्दर्भ सहित । कृष्णमोहन शास्त्री १०—००
1345 Some Graphical Puranic Texts on Brahma by Dr. Mohammad Israil Khan. 70—00
१३४६ साम्बपुराणम् । (उपपुराणम्) सम्पादक समीक्षकश्च—डॉ० श्री कृष्णमणि त्रिपाठी ७५—००
१३४७ सुखसागर । भाषा १७०—००
१३४८ सूर्यपुराणम् । हिन्दी अनुवाद सहित १५—००
१३४९ सौरपुराणम् । व्यासविरचित । मूलमात्र २०—००
१३५० स्कन्दमहापुराणम् । मूल सम्पूर्ण (नागर तथा प्रवास खण्ड छोड़कर) ८००—००
१३५१ स्कन्दपुराणम्(संक्षिप्त) । श्रीरामशर्माकृत हिन्दी टीका । १-२भाग ३०—००
१३५२ स्कन्दमहापुराण । मूलमात्र । १–३ भाग ९००—००
1353 Studies in the Puranic Record of the Hindu Rites & Customs by K. C. Hazra 55-00
१३५४ हरिलीलामृतम् । परमहंसप्रियाव्याख्यायुतं श्रीमद्भागवतस्याद्यपद्यं च समाप्त
१३५५ हरिवंश (संक्षिप्त) । के० के० शास्त्री १५—००
१३५६ हरिवंशपुराणम् । हिन्दी टीका सहित । पत्राकार ३२०—००
१३५७ हरिवंशपुराणम् । (संक्षिप्त) श्रीरामशर्माकृत हिन्दी टीका १–२ भाग ३०—००
१३५८ हरिवंशपुराणम् । (समीक्षात्मक संस्करण) । पी० एल० वैद्य सम्पादित १–२ भाग २६०—००

गीता-ग्रन्थाः

१३५९ अवधूतगीता । हिन्दी टीका ३—००
१३६० अष्टावक्रगीता । हिन्दी टीका २१—००
१३६१ ईश्वरगीता । हिन्दी टीका सहित ६—००
१३६२ उत्तरगीता । गौडपादाचार्य प्रणीत व्याख्या सहित १-०० ०—५०
१३६३ गणेशगीता । नीलकण्ठी व्याख्या सहित ३—७५

१३६४ गान्धीगीता । श्रीनिवासविरचित ५-००
१३६५ गीता-प्रदीप । भगवद्गीता हिन्दी अनुवाद सहित । श्री अरविन्द । अनुवादक—केशवदेव आचार्य ४-००
१३६६ गीता-प्रवचन । विनोबा भावे ७-००
१३६७ गीता-नवनीत । केशवदेव आचार्य । १--२ भाग २०-००
१३६८ गीतामृतम् । सं० डॉ० सत्यनारायण पाण्डेय ३-००
१३६९ गीतारहस्य । लोकमान्य तिलक प्रणीत (हिन्दी) ८०-००
१३७० गीतारहस्य । लोकमान्य तिलक प्रणीत (अंग्रेजी) ९०-००
१३७१ गीता-प्रवेश । महामण्डलेश्वर महेशानन्दगिरि महाराज १५-००
१३७२ गीता-विज्ञान । पदच्छेद, अन्वय, अनुवाद और भावार्थ सहित । अरविन्द । अनुवादक—केशवदेव आचार्य १२-५०, १०-५०
१३७३ गीताविश्वकोश । १-२ भाग ४०-००
१३७४ गीतास्वरूपनिर्णय । मूल हिन्दी अनुवाद सहित । डा० राजेन्द्र कुमार गर्ग १५-००
१३७५ श्री पञ्चरत्नगीता २-५०
1376 Bhagavadgita by Annie Besant & Bhagwan Das 26-25
1377 Bhagvadgita with English Translation by Swami Chidbhavananda. 20-00
1378 Bhagvad Gita with English Translation by Swami Swarupananda. 15-00
1379 Bhagavadgita English Translation by W. Douglas P. Hill 25-00
1380 Bhagavat Gita by A. Kuppuswami. 75-00
१३८१ भगवद्गीता । अमृततरंगिणी संस्कृत-श्रीधरी तथा हिन्दी टीका सहित । डा० वासुदेवकृष्ण चतुर्वेदी २७-००
१३८२ भगवद्गीता । ज्ञानेश्वरी । हिन्दी १८-००
१३८३ भगवद्गीता । (अष्टटीकोपेत) २००-००
१३८४ भगवद्गीता । शांकरभाष्य । आंग्लानुवाद सहित । महादेवशास्त्री ३५-००
१३८५ भगवद्गीता । रामानुजभाष्य । तात्पर्यचन्द्रिका व्याख्या सहित ३५-००
१३८६ भगवद्गीता । तात्पर्यचन्द्रिका टीका समेत । रामानुजभाष्य सहित १४-१०
१३८७ भगवद्गीता । पैशाच भाष्योपेता २-८५
१३८८ भगवद्गीता । राजानक राजकवि प्रणीता सर्वतोभद्र व्याख्यायुत ५-६५
१३८९ श्रीमद्भगवद्गीता । सविमर्श 'बालक्रीडा' हिन्दी टीका सहित । सम्पादक एवं व्याख्याकार—आचार्य मधुसूदन शास्त्री ५-००

१३९० श्रीमद्भगवद्गीता। अन्वय—श्रीधरी संस्कृत टीका, उसकी हिन्दी तथा श्यामाचरण लाहिड़ीकृत आध्यात्मिकदीपिका हिन्दी टीका एवं भूपेन्द्रनाथ सान्यालकृत आध्यात्मिकदीपिका की विशद हिन्दी व्याख्या। १–३ भाग १३०—००

१३९१ श्रीमद्भगवद्गीता। मधुसूदन सरस्वती कृत संस्कृत टीका तथा सनातनदेव कृत हिन्दी टीका १००—००, १५०—००

१३९२ श्रीमद्भगवद्गीता। श्रीधरस्वामिविरचित 'श्रीधरी' सं० टीका, श्लोकानुक्रमणिकादि सहित १५—००

१३९३ श्रीमद्भगवद्गीता। १-९ अध्याय। भगवद्भास्करभाष्ययुक्त। सम्पादक—डा० सुभद्र झा ५—५०

१३९४ श्रीमद्भगवद्गीता। शांकरभाष्यसहित (शांकरग्रन्थावली भाग २) १६—००

१३९५ श्रीमद्भगवद्गीता। शाङ्करभाष्य सहित २०—.०

१३९६ श्रीमद्भगवद्गीता। अमृतवर्षिणी टीका सहित। भाग १-२ ३३—३५

१३९७ श्रीमद्भगवद्गीता। (अनुपम अनुशीलन)। आचार्य मधुसूदनशास्त्री कृत 'मधुसूदनी' 'बालक्रीडा' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। १--२ भाग ४०—००

१३९८ श्रीमद्भगवद्गीता। हिन्दी महाकाव्य। यदुनन्दनलाल श्रीवास्तव 'नन्दन' ८ २५, ७—२५

१३९९ श्रीमद्भगवद्गीताके शांकरभाष्य का समालोचनात्मक अध्ययन। डा० गगनदेव गिरि ६०—००

१४०० श्रीमद्भगवद्गीतात्रयी। (उत्तरगीता, अनुगीता, उद्धवगीतासहित) हिन्दी टीका सहित। आचार्य सीताराम चतुर्वेदी ५०—००

१४०१ रामगीता। हिन्दी टीका सहित ३—००

१४०२ विष्णुगीता। भाषानुवाद सहित २—००

१४०३ शिवगीता। हिन्दी टीका सहित १२--००

१४०४ सत्याग्रहगीता। क्षमाराव ४--००

ज्योतिष-ग्रन्थाः

१४०५ अंकचमत्कार। कीरो १०--००

१४०६ अंक ज्योतिष और लाटरी। राजेश दीक्षित ६--००

१४०७ अंक ज्योतिर्विज्ञान। राजेश दीक्षित १५--००

१४०८ अंकविद्या। गोपेश कुमार ओझा १०-००

१४०९ अंकविज्जा। पूव्वायरिय विरइया। (मणुस्सविविह चेट्ठाइणिरिक्खणदारेण भविस्साइफलणाणविण्णवा) मुनि पुण्यविजय सम्पादित २१-००

१४१० अखण्ड त्रिकालज्ञ ज्योतिष । सहायक भृगुसंहिता अर्थात् ज्योतिष शास्त्र १२–००

१४११ अखण्डभाग्योदयदर्पण: । भगवानदास मित्तल ८–००

१४१२ अध्यात्मज्योतिषविचार । (वेदान्त और योगशास्त्र का ज्योतिष-शास्त्र में समन्वय) । ह० ने० काटवे ४५–००

१४१३ अनिष्टग्रह-कारण और निवारण । जगन्नाथ भसीन १२–००

१४१४ अर्वाची : ज्योतिर्विज्ञान । रमानाथसहाय विरचित १३–००

१४१५ अहिबलचक्रम् । सान्वय 'शिशुतोषिणी' हिन्दी टीका सहित २–००

१४१६ आकस्मिक धन लाभ के योग । भारतीय योगी ४–००

१४१७ आचार्यभास्कर । (भास्कराचार्य एक अध्ययन) सं०–रामजन्म मिश्र ४५–००

१४१८ आपका हाथ । राजेश दीक्षित १८–००

१४१९ आपका भविष्य । राजेश दीक्षित २४–००

१४२० आयुनिर्णय । राजेश दीक्षित २४–००

१४२१ आर्यभटीय । आर्यभटकृत । हिन्दी अनुवादक–रामनिवास राय २५–००

१४२२ आर्यभट्टीयम् । नीलकण्ठ सोमसुखप्रणीतभाष्य सहित । १–३ भाग २७–००

१४२३ आर्यभटीय । आर्यभट्ट । भास्कर कृत सूत्र विवृत्ति तथा सोमेश्वर कृत भाष्य सहित एवं सविमर्श टिप्पणी (क्रीटिकल नोट्स) सहित । सम्पा०–कृपाशंकर शुक्ल ४०–००

१४२४ आर्यभटीयम् । सूर्यदेवयज्वप्रणीत प्रकाशिका टीका सहित तथा सविमर्श टिप्पणीयुत । सम्पा०–के० वी० शर्मा २५–००

1425 Aryabhatiya of Aryabhata : Critically Edited with English Translation & Notes by K. S. Sukla & K. V. Sarma. 21–50

१४२६ आर्यासप्तति: । हिन्दी टीका सहित ०–७५

१४२७ उकरा । पारसी से सस्कृत भाषा में अनूदित साव जुसयुस द्वारा विरचित । सम्पादक— विभूतिभूषण भट्टाचार्य २९–००

१४२८ उत्तरकालामृतम् । कालिदासविरचित । जगन्नाथ भसीनकृत हिन्दी टीका २०–००

१४२९ एक मास में ज्योतिष सीखिये । डॉ० गौरीशंकर कपूर १०–००

1430 Easy Lessons in Elementary Astrology by A. Kuppuswami 6–00

1431 Advance Ephemeris Niryana (Sidereal) for the years 1918 to 1985 A. D. Vol. I 18–00

1432 Advance Ephemeris of planets positions for one Hundred years from 1915 to 2000 A D. by N. C. Lahiri 25.00
१४३३ करणकौस्तुभः। कृष्णदैवज्ञ विरचित १–००
१४३४ करणप्रकाशः। ब्रह्मदेव विरचित समाप्त
१४३५ कर्मठगुरुः। श्रीमुकुन्दवल्लभ २४–००
१४३६ कर्मविपाकसंहिता। भाषा टीका सहित। पं० शम्भुदत्त त्रिपाठी २४–००
१४३७ कालचक्र की उत्पत्ति एवं उत्पन्न क्रमो की संक्षिप्त व्याख्या। पं० राजेश्वर झा ६–००
१४३८ कालचक्र। फलित ज्योतिष। दीवान रामचन्द्र कपूर ८–००
१४३९ कुट्टाकारशिरोमणिः। देवराज विरचित। महालक्ष्मीमुक्तावली व्याख्या सहित ८–००
१४४० कुण्डली दर्पण। हिन्दी टीका सहित १५–००
१४४१ केरल ज्योतिषशास्त्र। २४–००, १८–००
१४४२ केरलप्रश्नसंग्रहः। हिन्दी टीका सहित ४–०० ३–००
१४४३ केरलीयज्योतिष। डॉ० गौरीशंकर कपूर १५–००
१४४४ केशवीयजातकपद्धतिः। सान्वय व्याख्या एवं हिन्दी टीका सहिता। आचार्य चन्द्रमा पाण्डेय २०–००
१४४५ क्षयाधिमासनिर्णयः। ३–००
१४४६ क्षयाधिमासतत्त्वम्। श्री लषणलाल झा १–५०
१४४७ खेटकौतुकम्। 'मानबोधिनी' भाषा टीका सहित २–००
१४४८ गर्ग होरा। गर्गाचार्य कृत। आरलांनुवाद सहित। आर०सन्थनाम ४०–००
१४४९ गर्गसंहिता। सरल हिन्दी टीका सहित ५–००
१४५० गणिकावृत्तसंग्रहः। लुडविक स्टर्नबाक् ३५–००
१४५१ गणित का इतिहास। सुधाकर द्विवेदी कृत २५–००
१४५२ गणित का इतिहास। डॉ० ब्रजमोहन समाप्त
१४५३ गणितकौमुदी। द्वितीय भाग १०–००
१४५४ गणितीयकोष। (गणितीय परिभाषा तथा गणितीय शब्दावली) डॉ० ब्रजमोहन ३५–००
१४५५ गणितसारसंग्रहः। महावीराचार्य विरचित। हिन्दी अनुवाद सहित १५–००
१४५६ गुरुविचार। ह० ने० काटवे। अनुवाद—विद्याधर जोहरापुरकर ६–००
१४५७ गृहनिर्माणव्यवस्था अर्थात् भूमिशोधनप्रकारः। हिन्दी टीका ४–००
१४५८ गृहरत्नभूषणम्। (वस्तुसंग्रह) हिन्दी टीका ७–००

१४५९ गोचर विचार । ह० ने० काटवे ८-००
१४६० गोचर विचार । जगन्नाथ भसीन १५-००
१४६१ गोलतत्त्वप्रकाशिका । हिन्दी टीका सहित ५-००
१४६२ गोलपरिभाषा-शंकुज्याक्षेत्रविचारसहिता । 'तत्त्वप्रकाशिका' टीका १-००
१४६३ गोलीयरेखागणितम् तथा गोलबोधः । सटीक समाप्त
१४६४ गौरीजातकम् । 'विमला' हिन्दी टीका सहित २-००
१४६५ ग्रहगति का क्रमिक विकास । श्रीचन्द्र पाण्डेय ७५-००
१४६६ ग्रहगणितमीमांसा । मुरलीधर शर्मा विरचित ५-५०
१४६७ ग्रहगोचरः । 'शिशुतोषिणी' भाषाटीका सहित १-००
१४६८ ग्रहणमण्डनम् । परमेश्वर विरचितम् । आंग्लानुवाद सहित ७-००
१४६९ ग्रहनक्षत्र । त्रिवेणीप्रसाद सिंह २०-००
१४७० ग्रहनक्षत्र । डॉ० सम्पूर्णानन्द २०-००
१४७१ ग्रहनक्षत्राणि । डॉ० सम्पूर्णानन्द २६-००
१४७२ ग्रहन्यायदीपिका । परमेश्वर विरचित । आंग्लानुवाद सहित ९-००
१४७३ ग्रहफलदर्पणम् । हिन्दी टीका सहित १०-००
१४७४ ग्रहलाघवम् । विश्वनाथकृत प्राचीन सोदाहरण व्याख्या तथा नूतन उदाहरण उपपत्ति सहित 'माधुरी' संस्कृत हिन्दी टीका ३०-००
१४७५ ग्रहलाघवम् । गणेशदैवज्ञ विरचित । संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित। व्याख्याकार—केदारदत्त जोशी ३५-५०, ५०-००
१४७६ घाघभड्डरी की कहावतें । भाषा टीका सहित ७-००
१४७७ चक्र, कुण्डलिनी और शास्त्रोक्त अनुभव । भाषा । रायबहादुर पंड्या बैजनाथ ३-००
१४७८ चन्द्रकला नाडी । जगन्नाथ भसीन १५-००
१४७९ चन्द्रच्छायागणितम् । नीलकण्ठसोमयाजि । आंग्लानुवाद सहित । के० वी० शर्मा १०-००
१४८० चन्द्रविचार । ह० ने० काटवे । अनुवादक—जोहरापुरकर ६-००
१४८१ चन्द्रहस्तविज्ञान । चन्द्रदत्त पंत ७०-००, ५०-००
१४८२ चमत्कारचिन्तामणिः । भाषा टीका । रामबिहारी मिश्र ३-००
१४८३ चमत्कारचिन्तामणिः । सान्वय 'भावबोधिनी' भाषा टीका सहित १-५०
१४८४ चमत्कारचिन्तामणिः । भट्टनारायण कृत । व्रजविहारीलाल शर्माकृत हिन्दी व्याख्या अजिल्द ८०-००, सजिल्द १२०-००
१४८५ चलन-कलन-प्रश्नोत्तर-विवरणम् । ज्यो० अच्युतानन्द झा समाप्त

१४८६ चापीयत्रिकोणगणितम् । विविध-वासना-समलंकृतम् ५-००

१४८७ चुने हुए ज्योतिष योग । ज्यो० जगन्नाथ भसीन १५-००

१४८८ जन्मकुण्डली (निर्माण और अध्ययन) । भारतीय योगी ४-००

१४८९ जन्मपत्रदीपकः । सोदाहरण सटिप्पण-हिन्दी टीका सहित ४-००

१४९० जन्मपत्रप्रबोधः । हिन्दी टीका सहित । पं० सीताराम झा ३-००

१४९१ जन्मपत्रविधानम् । सोदाहरण 'तत्वप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित । पं० लषणलाल झा ३-५०

१४९२ जन्माक्षर १-५०, २-००

१४९३ जन्माङ्गपत्रावली । (जन्मकुण्डली फार्म) । प्रत्येक पत्र २५ पैं०, सैकड़े २५-००

१४९४ जन्माङ्ग फल-विचार । भाषा । पं० कैलाशनाथ उपाध्याय १०-००

१४९५ जयपायढ-निमित्ताशास्त्रम् । पूर्वाचार्य विरचित । संस्कृत व्याख्या सहित ६-६

1496 Jataka Chandrika or Moonlight to Astrology by B. Suryanarayan Rao. 10-0

१४९७ जातकदीपिका । 'वालक्रीड़ा' हिन्दी टीका सहित । टीकाकार—आचार्य मधुसूदन शास्त्री २८-०

१४९८ जातकदेशमार्ग । गोपेशकुमार ओझा १०-०

१४९९ जातकपारिजातः । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । सम्पा०—गोपेशकुमार ओझा । २रा भाग ६५-०

१५०० जातकपारिजातः । सोपपत्तिक—'सुधाशालिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका ७५-०

१५०१ जातकपारिजातः । आंग्लानुवाद सहित । वी० एस० शास्त्री १-३ भाग १२०-०

१५०२ जातकसंग्रहः । मूल । फलादेश की आवश्यक जानकारी ५-०

१५०३ जातकसारदीपः । नृसिंहदैवज्ञ विरचित । दुर्घटार्थ विवृति व्याख्यायुत १४-०

१५०४ जातकाभरणम् । भाषा टीका—पं० सीताराम झा २८-

१५०५ जातकाभरणम् । सपरिशिष्ट 'विमला' हिन्दी टीका सहित १६-

१५०६ जातकालङ्कारः । गणेशदैवज्ञकृत । सयुक्तिक सोदाहरण, तत्त्वप्रकाशिका संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित । पं० लषणलाल झा ६-

१५०७ जीवन चरित्र । भाषा । कैलाशनाथ उपाध्याय २०-

१५०८ जीवन फल दर्पण । भाषा । कैलाशनाथ उपाध्याय १०-

१५०९ जीवन भविष्य दर्पण । २८-

१५१० जीवनरेखा । राजेश दीक्षित १०-

१५११ जैमिनीयसूत्रम् । 'विमला' संस्कृत हिन्दी टीका सहित १२-

१५१२ ज्ञानचतुर्विंशी। नरचन्द्रोपाध्याय विरचित २-००
१५१३ ज्योतिर्गणितम्। केतकर विरचित
१५१४ ज्योतिर्मीमांसा। नीलकण्ठ सोमयाजि विरचित। आंग्लानुवाद सहित। के० वी० शर्मा १५-००
१५१५ ज्योतिर्विज्ञानम्। धूलिपाल अर्क सोमयाजी विरचित ९-००
१५१६ ज्योतिषमकरन्द (फलित ज्योतिष)। आचार्य भास्करानन्द लोहनी। १-३ भाग २८-००
१५१७ ज्योतिषरत्नाकर। देवकीनन्दन सिंह। भाषा १५०-००, १२०-००
1518 Zodiacal Constellation (Ahas of Heavens) by Manik Chand Jain. 15-00
१५१९ ज्योतिष और आर्थिक समस्याएँ। भारतीय योगी ४-५०
१५२० ज्योतिष और ग्रहपीड़ानिवारण। पं० राजशेखर दैवज्ञ ७-००
१५२१ ज्योतिष और जन्मलग्न। भारतीय योगी ४-५०
१५२२ ज्योतिष और रोग। ज्यो० जगन्नाथ मशीन १०-००
१५२३ ज्योतिष की पहुँच। फ्रेड हायल। अनुवादक-डॉ० गोरखप्रसाद १०-००
१५२४ ज्योतिष-जगत्। दुर्गादत्त शर्मा १२-००
१५२५ ज्योतिषरहस्य। जगजीवनदास गुप्त। गणित खण्ड ३५-००
फलित खण्ड ५०-००
१५२६ ज्योतिष शास्त्र में रोग विचार। डा० शुकदेव प्रसाद चतुर्वेदी ६५-००, ४५-००
१५२७ ज्योतिष सीखिये (एक मास में)। भनिधि शर्मा १०-००
१५२८ ज्योतिष नवनीत। होरा गणित। आचार्य भास्करानन्द लोहिनी ५०-००
१५२९ ज्योतिषप्रबोधः। हिन्दी टीका सहित। प० गणेशदत्त पाठक ६-००
१५३० ज्योतिष योगरत्नाकर। ले० पं० राजशेखर ६-५०
१५३१ ज्योतिष रत्नमाला। १-३ भाग एक जिल्द में १२-००
१५३२ ज्योतिष विज्ञान। पं० विशुद्धानन्द २४-००
१५३३ ज्योतिषसर्वसंग्रहः। हिन्दी टीका सहित १०-००
१५३४ ज्योतिषसार। हिन्दी टीका सहित १८-००, ६-००
१५३५ ज्योतिषीय आकाशवाणी (सन् १९८३ ई० से १९९२ तक)। भाषा। पं० कैलाशनाथ उपाध्याय ५-०
१५३६ ज्योतिष-प्रश्नफलगणना। 'विमला' हिन्दी व्याख्या सहित ५-००
१५३७ तन्त्रत्रयात्मक ताजिकनीलकण्ठी में प्रश्नतन्त्रम्। आंग्लानुवाद ९-००
१५३८ तन्त्रशक्ति। रुद्रदेव त्रिपाठी १५-००

१५३९ ताजिकनीलकण्ठी । भाषा टीका । श्री वासुदेवगुप्त २८—००
१५४० ताजिकनीलकण्ठी । संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित । पं० केदारदत्त जोशी ३०—००, ४५—००
१५४१ ताजिकनीलकण्ठी । पं० गंगाधरमिश्रकृत 'जलदगर्जना' संस्कृत टीका 'गूढ़ग्रन्थिविमोचिनी' वासना 'उदाहरणचन्द्रिका' हिन्दी टीका सहित । ३०—००
१५४२ तिथिचिन्तामणिः । गणेशदैवज्ञप्रणीत । 'विजयलक्ष्मी' भाषा टीका यन्त्रस्थ
१५४३ तिथिचिन्तामणिः । गणेशदैवज्ञकृत ५—००
१५४४ तुलसीकृत रामायण सातों काण्ड के ककहरे की प्रश्नावली । रामानन्द त्रिपाठी २—००
१५४५ तेजविचार । ह० ने० काटवे । अनु०—विद्याधर जोहरापुरकर २—५०
१५४६ तेजी मन्दी सार । (व्यापार रुख) ८—००
1547 Tables of Ascendants on Nirayana Basis for all Latitudes from O°, 'to 60°,North by N. Chandra Lahiri. 14—00
1548 Tables of Houses for Northern Latitudes from the Equatar to 50' N. O. Also for Leningard 59' N. 56' by Raphael. 20-00
१५४९ दशवर्षीय श्रीसरस्वती पञ्चांग (सं० २०४१ से २०५०) । प० ईश्वरदत्त शर्मा ३०—००
१५५० त्रिफला । (ज्योतिष) । गोपेशकुमार ओझा २५—००
१५५१ दशाफलरहस्य । जगन्नाथ भसीन १५—००
१५५२ दशाफलविचार । जगजीवनदास गुप्त १०—००
१५५३ दाम्पत्य सुख (ज्योतिष के झरोखे से) । डॉ० शुकदेव चतुर्वेदी ४०—००
१५५४ दीपिका वा शुद्धदीपिका। श्रीनिवास। हि०टीका कन्हैयालालमिश्र १०—००
१५५५ दीर्घवृत्तलक्षणम् । सुधाकर द्विवेदी ४—५०
1556 Dispositors in Astrology by J. N. Bhasin. 25—00
१५५७ दृग्गणितम् । परमेश्वर कृत । के० वी० शर्मा सम्पादित ८—००
१५५८ दैवज्ञकामधेनुः । म० म० अनवमर्शीसंघराजवरेण संकलितः यन्त्रस्थ
१५५९ दैवज्ञवल्लभः । वराहमिहिराचार्यकृत । हिन्दी व्याख्याकार—पं० शुकदेव चतुर्वेदी २५—००
१५६० दैवज्ञाभरणम् । संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित । पं० केदारदत्तजोशी १—५०
१५६१ दैव रहस्य । ह० ने० काटवे । अनु०—विद्याधर जोहरापुरकर ७—५०

१५६२ दैव विचार । ह० ने० काटवे । अनु०–विद्याधर जोहरापुरकर १०–००
१५६३ द्वादशग्रहफलादेशविज्ञान । पं० राजशेखर १४–००
१५६४ धराचक्रः । सुबोधिनी भाषा टीका सहित २–००
१५६५ नरपतिजयचर्या । पं० गणेशदत्त पाठक कृत सुबोधिनी संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित अभिनव शोधपूर्ण संस्करण ५०–००
१५६६ नवग्रहरहस्यम् । भाषा टीका । अशोककुमार गौड़ ०४–००
१५६७ नवतारिका । प्रो० ईश ३–००
१५६८ नष्टजातकम् । मुकुन्द दैवज्ञ संग्रहीतम् । हिन्दी टीका शुकदेव चतुर्वेदी कृत ४०–००
१५६९ नारदसंहिता । नारदमहामुनिकृत । सान्वय, विमला हिन्दी व्याख्या व्या० रामजन्म मिश्र । ६०–००
१५७० नाह्लिदत्तपञ्चविंशतिका । (विहार पूर्वमध्यमा परीक्षापाठ्य स्वीकृत) सविमर्श 'इन्दुमती' हिन्दी व्याख्या सहित । सम्पादक—पं० रामचन्द्र झा १–००
१५७१ नीहारिकाएँ । गोरखप्रसाद १२–७५
१५७२ पञ्चवर्षीय भविष्यवाणी । भारतीय योगी १–००
१५७३ पञ्चसिद्धान्तिका । वराहमिहिर विरचिता । सुधाकरद्विवेदीकृत संस्कृत व्याख्या तथा जी० थिबोकृत आंग्लानुवाद सहित १००–००
१५७४ पञ्चस्वराः । प्रजापतिदासकृत । सस्कृत हिन्दी टीका सहित । सम्पा०—डॉ० नागेन्द्र पाण्डेय १८–००
१५७५ पञ्चांगविज्ञानम् । हिन्दी टीका सहित ७–००
१५७६ पद्मकोषः । 'भावबोधिनी' सरल भाषा टीका विभूषित २–००
१५७७ परवलयक्षेत्रम् । मुरलीधरठक्कुरकृत प्रश्नपत्र सहित ५–००
१५७८ पाश्चात्य ज्योतिष । जगन्नाथ भसीन १५–००
१५७९ प्रतापोदयसरलज्योतिष-विज्ञान । प० मदनमोहन जैन 'पवि' २–००
१५८० प्रतिभाबोधक । म० म० सुधाकर द्विवेदी १·००
१५८१ प्रभाव रेखायें । राजेश दीक्षित १८–००
१५८२ प्रश्नचण्डेश्वरः । दैवज्ञ रामकृष्ण विरचित । हिन्दी टीका सहित १५–००
१५८३ प्रश्नचन्द्रप्रकाश । चन्द्रदत्त पन्त २५–००
१५८४ प्रश्नज्योतिषविज्ञान । भारतीय योगी ७–५०
१५८५ प्रश्नज्योतिष और भाग्यफल । राजेश दीक्षित ७–५०
१५८६ प्रश्नदर्पण । एस० डी० उद्यायन १५–००
१५८७ प्रश्नप्रकाशः । टीकाकार पं० देवकीनन्दन शास्त्री ५–००
१५८८ प्रश्नभूषणम् । 'विमला' सरला संस्कृत हिन्दी टीका सहित ८–००

१५८९ प्रश्नमार्गः। आंग्लानुवाद तथा हिन्दी टीका सहित। शुकदेव चतुर्वेदी १-३ भाग १६०—००
१५९० प्रश्नमार्ग। पूर्वार्द्ध १०—००
१५९१ प्रश्नशिरोमणि। हिन्दी टीका सहित २४—००
१५९२ प्रश्नवैष्णवः। श्रीमन्नारायणदासमिश्रविरचितः यन्त्रस्थ
१५९३ प्रश्नसिन्धुः। वासवानन्दकृत हिन्दी टीका सहित ५—००
१५९४ प्रश्नांकचूडामणिः। ध्वजादिप्रश्नगणनान्त १—००
१५९५ प्रश्नावली शतक। कैलासनाथ उपाध्याय २—००
१५९६ प्रसव चिन्तामणि। मुकुन्द दैवज्ञकृत। सम्पादक एवं अनु०—आचार्य गोपीलाल अमर ४०—००
१५९७ प्रस्तारचक्रम्। शिवप्रणीतम्। 'कमला' हिन्दी टीका सहित २—००
१५९८ प्राच्यभारतीय ऋतुविज्ञान। (शोधप्रबन्ध)। डॉ० धुनीराम त्रिपाठी १८—००
१५९९ प्रारम्भिक ज्योतिषविज्ञान। ले० पं० राजशेखर १२—००
१६०० प्रैक्टिकल हिप्नोटिज्म। डॉ० श्रीमाली २१—००
१६०१ फलदीपिका। गोपेशकुमार ओझाकृत भावार्थबोधिनी हिन्दी टीका ५०—००
१६०२ फलितज्योतिषप्रकाशः। पं० जगन्नाथ भसीन १५—००
१६०३ फलित ज्योतिष विज्ञान। भारतीय योगी ४—००
1604 Fundamentals of Astrology by M. R. Bhatt 60—00
१६०५ फलितप्रकाशः। भाषा टीका सहित। बालमुकुन्द पाण्डेय १६—००
१६०६ फलितमार्तण्ड। मुकुन्दवल्लभ १६—००
१६०७ फलितसूत्र। जगन्नाथ भसीन १०—००
१६०८ बालबोध ज्योतिष। हिन्दी टीका १०—००
१६०९ बालबोधज्योतिषसारसमुच्चयः। हिन्दी भाषानुवाद सहित २०—००
१६१० बीजगणितम्। बीजनवांकुरा व्याख्या सहित ३-७५
१६११ बीजगणितम्। सविमर्श सोदाहरण संस्कृत 'वासना' 'सुधा' हिन्दी व्याख्योपेतम्। व्या० – दैवज्ञ पं० देवचन्द्र झा ५०—००
१६१२ बीजवासना (सोपपत्तिक बीजगणित)। गङ्गाधरमिश्रेण संग्रहिता यन्त्रस्थ
१६१३ बुधविचार। ह० ने० काटवे। अनुवादक—विद्याधर जोहरापुरकर ६—००
१६१४ बृद्धयवनजातकम्। मीनराजकृत। सम्पादक—डेविड पिंगरे। १-२ भाग १५८—००
१६१५ बृहद् अंकज्योतिर्विज्ञान। (अंक ज्योतिष, अंक शास्त्र, अंकविद्या) राजेश दीक्षित १५—००
१६१६ बृहज्जातकम्। भट्टोत्पल्ली संस्कृत तथा सीताराम झा कृत हिन्दी टीका ४०—००

१६१७ बृहज्जातकम् । विमला' हिन्दी टीकोपेतम् २०-००

१६१८ बृहज्जातकम् । वाराहमिहिर विरचित । आंग्लानुवाद सहित । अनु० —विज्ञानानन्द १००-००

१६१९ बृहज्जातकम् । वाराहमिहिर विरचित । भट्टोत्पल संस्कृत तथा केदारदत्त जोशी कृत हिन्दी टीका सहित १००-००, ७०-००

१६२० बृहज्ज्योतिषसारः । हिन्दी टीका सहित । वासुदेवगुप्त २५-००

१६२१ बृहद्दैवज्ञरञ्जनम् । 'श्रीधरी' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्या० —
डा० मुरलीधर चतुर्वेदी । प्रथम भाग १३०-००, १००-००
द्वितीय भाग १५०-००, १२०-००

१६२२ बृहत्संहिता । वाराहमिहिराचार्यप्रणीत भट्टोत्पल विवृत्ति सहित । १-२ भाग ३८-००

१६२३ बृहत्संहिता । सोदाहरण विमला हिन्दी व्याख्योपेता ६०-००

1624 Brihat Parasara Hora Sastra: Text with English Translation by R. Santhanam. Vol. I-II 300-00

१६२५ बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् । सोदाहरण हिन्दी टीकासहित ७६-००, ६०-००

1626 Brihat Sambita : Text with English Translation by M. Ramakrishna Bhat 2 Vols. 200-00

१६२७ बृहद् वास्तुमाला । राममनोहर द्विवेदीकृत हिन्दी टीका सहित १५-००

१६२८ बृहद् हस्तरेखाशास्त्र । डा० श्रीमाली २१-००

१६२९ बृहद् होडाचक्रविवरणम् । पं० मुरलीधर ठाकुर । हिन्दी टीका २-५०

१६३० बृहदवकहडाचक्रम् । 'बालबोधिनी' हिन्दी व्याख्या सहित ३-००

१६३१ बृहद् हस्तरेखाविज्ञान । राजेश दीक्षित २४-००

१६३२ ब्रह्मस्फुटसिद्धान्त । ब्रह्मगुप्ताचार्य विरचित । संस्कृत हिन्दी टीका, वासना विज्ञान भाष्य उपपत्ति सहित ३, ४ भाग २००-००

१६३३ भङ्गीविभङ्गीकरणम् । रङ्गनाथभट्ट विरचित ७-००

१६३४ भाग्य और आकृति विज्ञान । भारतीय योगी ४-००

१६३५ भाग्य और नवग्रह । शिवमूर्ति 'शिव' ४-००

१६३६ भाग्य-रेखा । राजेश दीक्षित १०-५०

१६३७ भाग्यरेखायें । भारतीय योगी ५-५०

१६३८ भाभ्रमबोधः । १-००

१६३९ भाभ्रमरेखानिरूपण । म० म० सुधाकर द्विवेदी २-००

१६४० भारतीय कुण्डली विज्ञान । (कुण्डली विज्ञान पर हिन्दी ज्योतिष-शास्त्र) मीठालाल हिम्मतराम ओझा ४०-००

१६४१ भारतीय कुण्डलीदर्पण अर्थात् कुण्डलीप्रकाश । पं० कौशल-किशोर त्रिपाठी ६-२५, ७-२५

१६४२ भारतीय ज्योतिष । नेमिचन्द्र शास्त्रीकृत । (हिन्दी) ४५—००
१६४३ भारतीय ज्योतिष का इतिहास । डा० गोरखप्रसाद ६—००
१६४४ भारतीय ज्योतिष । शंकरबालकृष्ण दीक्षित । शिवनाथ झारखण्डी अनुवादित समाप्त
१६४५ भारतीय ज्योतिष, अंकविद्या, हस्तरेखायें व लाटरी । राजेश दीक्षित १५—००
१६४६ भारतीय लग्नसारणी । गोपेशकुमार ओझा १६—००
१६४७ भावकुतूहलम् । सान्वय भाषाटीका सहित २२—००
१६४८ भावदीपिका । डा० गौरीशंकर कपूर १०—००
१६४९ भावप्रकाशः । जीवनाथ झा प्रणीतः । भावबोधिनी भाषा टीका १०—००
१६५० भावफलाध्यायः । (लोमशोक्तभृगुसंहितोक्तयुग्म-संस्करण) सुबोधिनी विमला हिन्दी टीका विभूषित २—००
१६५१ भावमाला । व्याख्याकार—डॉ० सूर्यप्रसादशास्त्री २—००
१६५२ भावविचार । ह० ने० काटवे ६—५०
१६५३ भावार्थरत्नाकर । जगन्नाथ भसीन २०—००
१६५४ भावेशविचार । ह० ने० काटवे ५—००
१६५५ भास्वती । सतानन्द कृत । मातृप्रसाद पाण्डेयकृत संस्कृत हिन्दी टीका सहित ४५—००
१६५६ भुवन दीपक-विज्ञान भाष्य । सम्पादित शुकदेव चतुर्वेदी १५—००
१६५७ भूमण्डलीय सूर्यग्रहगणितम् । केतकर रचित १५—००
१६५८ भृगु गुप्तप्रश्नोत्तरी । (११० प्रश्नोत्तर) । रतिराम शर्मा १५—००
१६५९ भृगुप्रश्नशिरोमणि । (२०४ प्रश्नोत्तर) । रामगोपाल शास्त्री १५—००
१६६० भृगु मूकप्रश्नदीपिका । (१२७ प्रश्नोत्तर) । रामगोपालशास्त्री १५—००
१६६१ भृगुसंहितापद्धति फलितसर्वाङ्गदर्शन । भगवानदास मित्तल ५०—००
१६६२ भृगुसंहिता-फलित प्रकाश । राजेश दीक्षित ५१—००
1663 Bhrigu Sutras by G. S. Kapoor. 25 00
१६६४ भृगुसूत्रम् । डॉ०सूर्यप्रसादकृत मधुमोदिनी हिन्दी टीकासहित ६—००, ५·००
१६६५ मङ्गलविचार । ह० ने० काटवे । अनु०—विद्याधर जौहरापुरकर ७ ००
१६६६ मन्त्रशक्तिः । रुद्रदेव त्रिपाठी १२—००
१६६७ मस्तकरेखा १०—५०
१६६८ महादशाविज्ञान । पं० राजशेखर ७—५०
१६६९ महाभास्करीयम् । गोविन्दभाष्य तथा परमेश्वरकृत व्याख्या सहित १६—००
१६७० महिलाएँ और ज्योतिष । परमानन्द शर्मा १०—००

१६७१ मानसागरी । 'मनोरमा' हिन्दी व्याख्या तथा विवेचनात्मक परिशिष्ट सहित । व्याख्याकार - डॉ० रामचन्द्र पाण्डेय ३०–००
१६७२ मुहूर्तचिन्तामणिः । पीयूषधारा' व्याख्यासहित यन्त्रस्थः
१६७३ मुहूर्तचिन्तामणिः । पीयूषधारा तथा 'पीताम्बर' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—पं० केदारदत्त जोशी ५५–००, ७५–००
१६७ मुहूर्तचिन्तामणिः । सविमर्श 'चन्द्रिका' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—दैवज्ञ डॉ० रामचन्द्र पाण्डेय २५ ००
१६७५ मुहूर्तज्ञानम् । (यात्रा, संस्कार, वास्तु, गृहप्रवेश, मूहूर्त) हिन्दी टीका सहित । आचार्य गुरूचरण मिश्र ७–५०
१६७६ मुहूर्तज्योतिष विज्ञान । लेखक—पण्डित राजशेखर ५-००
१६७७ मुहूर्तज्योतिषशास्त्र । (सचित्र) । राजेश दीक्षित २४–००
१६७८ मुहूर्तपारिजात ज्योतिषकल्पद्रुमः । पं० मोहनलाल व्यास । सम्पादक—पण्डित सीताराम झा ५०–००
१६७९ मुहूर्तप्रकाश । हिन्दी टीका सहित ३०–००
१६८० मुहूर्तमार्तण्डः । हिन्दी टीका सहित । गणेशदत्त पाठक ८–००
१६८१ मुहूर्तमार्तण्डः । सान्वय 'मार्तण्डप्रकाशिका' सं० हि० टीकासहित २०–००
१६८२ मुहूर्तमार्तण्डः । मार्तण्डवल्लभ संस्कृत व्याख्या सहित समाप्त
१६८३ मुहूर्तसंग्रहदर्पणम् । हिन्दी टीकासहित १८–००
१६८४ मूकगुप्तप्रश्नावली अथवा चमत्कार ज्योतिष । रतिरामशर्मा ५–००
१६८५ मूकप्रश्न विचार । शुकदेव चतुर्वेदी १५–००
1686 Mathematics in Ancient and Medieval India. By Dr. Amulya Kumar Bag. 60-00
१६८७ यन्त्रराजरचना । जयसिंहदेव कृत । सम्पा०—केदारनाथ ज्योतिर्विद १–७५
१६८८ यन्त्रराजविचारविंशाध्यायी । सम्पा०—पं० विभूतिभूषणभट्टाचार्य ११–००
१६८९ योगविचारः । ह० ने० काटने अनु०—ल० दा० नवरे १-७ भाग ३०–००
१६९० योगिनीजातकम् । सोदाहरण 'विमला' भाषा टीका सहित १–५०
१६९१ रत्न अँगूठी और आपका भाग्य । राजेश दीक्षित ३०–००
१६९२ रत्नगर्भाचक्रम् । 'हरिप्रिया' भाषाटीकोदाहरणसंवलितम् १–५०
१६९३ रत्न ज्योतिष विज्ञान । राजशेखर ७–५०
१६९४ रत्नदीपिका रत्नशास्त्रं च । चण्डेश्वर एवं बुद्धभट्ट विनिर्मितम् २–२५
१६९५ रत्नद्योतः । हिन्दी टीका सहित । पं० सरयूप्रसाद द्विवेदी ७–००
१६९६ रत्नपरिचय । हरिश्चन्द्र वेदालंकार —जगन्नाथ भसीन १५–००
१६९७ रत्नपरीक्षादि-सप्त-ग्रन्थसंग्रहः । ठाकुर फेरु विरचित ९–२५

१६९८ रत्नप्रदीपः । डा० गौरीशंकर कपूर ६०-००
१६९९ रत्नविज्ञान । डॉ० राधाकृष्ण पाराशर । वैद्यों, हकीमों, ज्योतिषियों तथा जौहरियों को रत्नोपरत्नो से यथार्थ परिज्ञान का प्रदीपक २५-००
१७०० रमलज्योतिषशास्त्र । राजेश दीक्षित २४-००
१७०१ रमलदिवाकर की कुञ्जी । बचानप्रसाद त्रिपाठी १३-००
१७०२ रमलदिवाकरः । हिन्दी टीका सहित । पं० बचानप्रसाद त्रिपाठी २४-००
१७०३ रमलनवरत्नम् । 'विमला' हिन्दी टीका एवं रेखा-चित्र सहित १५-००
१७०४ रमलरहस्य । मूल ५०-००
१७०५ रविविचारः । ह०ने० काटवे । अनुवादक—विद्याधर जोहरापुरकर ६-००
१७०६ राशि ज्योतिष विज्ञान । भारतीय योगी ४-००
१७०७ राश्यभिधानकल्पलता । (राशिफल नामकरण-संस्कार सहित) मुकुन्ददल्लभ रचित ५-००
१७०८ राहु-केतु-ग्रहण विचार । ह० ने० काटवे । अनुवादक—विद्याधर जोहरापुरकर १२-००
१७०९ रेखा और योग । भाषा । डॉ० के० पी० द्विवेदी शास्त्री २५-००
१७१० रेखागणितम् । (एकादश-द्वादशाध्यायी) ५-००
१७११ रेखागणितषष्ठाध्यायः परिभाषारूप-पञ्चमाध्यायसहितः । पं० मुरलीधरठक्कुर ३-००
१७१२ रोग मृत्यु और ज्योतिष । पं० राजशेखर दैवज्ञ ६-५०
१७१३ लग्नचन्द्रिका । हिन्दी टीका सहित १२-००
१७१४ लग्नचन्द्रिका । हि० टीका सहित । रामबिहारी सुकुल १८-००
१७१५ लग्नचन्द्रप्रकाश । चन्द्रदत्तपन्त ३०-००
१७१६ लग्नजातकः । हिन्दी टीका सहित १-२०
१७१७ लग्नरत्नाकरः । (बृहल्लग्नजातक) सान्वय 'शिशुबोधिनी' हि०टीका २-५०
१७१८ लग्नवाराही । वराहमिहिराचार्यकृता । 'तत्त्वप्रकाशिका'भाषा टीका ०-५०
१७१९ लग्नविवेकः । हिन्दी टीका सहित ०-६०
१७२० लघुजातकम् । 'तत्त्वप्रभा' संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतम् । व्याख्या—दैवज्ञ पं० लषणलाल झा १५-००
१७२१ लघुपाराशरीभाष्य (कालचक्र दशा सहित) । दीवान रामचन्द्र कपूर ६०-००, ४५-००
१७२२ लघुपाराशरी-मध्यपाराशरी । सोदाहरण'सुबोधिनी' हिन्दीव्याख्या ६-००
१७२३ लघुपाराशरी सिद्धान्तः । मेजर एस० जी० खोत समाप्त
१७२४ लघुसंग्रह । भाषा टीका सहित १६-००

1725 Learn Astrology the Easy Way by Dr. Gauri Shankar Kapoor. 15–00
1726 Life and the Universe A Glimpses by R. L. Vishnu. 50–00
१७२७ लीलावती का जाया जीवन । बालमुकुन्द त्रिपाठी ५–००
१७२८ लीलावती । भास्कराचार्य । दामोदर मिश्र कृत वासना सहित १४–००
१७२९ लीलावती । सोदाहरण–'तत्त्वप्रकाशिका' संस्कृत-हिन्दीव्याख्यासहित ३०–००
१७३० लीलावती । बुद्धिविलासिनी लीलावती । विवरण सहित १–२ भाग १२–००
१७३१ लीलावती । भास्कराचार्य विरचित । With the Comm. Kritya-kramakari, Ed. by K.V. Verma ८०–००
१७३२ लोहगोलखण्डनम् । रङ्गनाथदैवज्ञ विरचित तथा लोहगोलसमर्थन । गदाधर दैवज्ञ विरचित । मीठालाल हिम्मतराम ओझा संपादित २–००
१७३३ वटेश्वरसिद्धान्तः । वटेश्वराचार्य विरचित । संस्कृत-हिन्दी विज्ञान-भाष्योत्पत्ति सहित समाप्त
१७३४ वनमाला । सान्वय–'अमृतधारा' हिन्दी व्याख्योपेता। २–००
१७३५ वरवधू रेखा मेलापक । प० सीताराम गुप्त १०–००
१७३६ वर्षफल कैसे बनाएँ । भारतीय योगी ४–५०
१७३७ वर्षफल-विचार । परमानन्द शर्मा 'नन्द' १५–००
१७३८ वर्षयोगावली । 'बालक्रीडा' हिन्दी टीका सहित स्तोत्रमन्त्रादिभिः विभूषिता । व्याख्या-आचार्य मधुसूदन शास्त्री । (फलित ज्योतिष का सारभूत प्राचीन ग्रंथ) ८–००
१७३९ वाक्यकरणम् । सुन्दरराजकृत लघुप्रकाशिका संस्कृत व्याख्या सहित १३–५०
१७४० वास्तवचन्द्रशृङ्गोन्नतिसाधनम् । संस्कृत टीका सहित ८–००
१७४१ वास्तुप्रबन्धः । हिन्दी टीका सहित । पं० राममोहन उपाध्याय ८–००
१७४२ वास्तुप्रबोधः । भाषा टीका सहित ७–००
१७४३ वास्तुरत्नाकरः । विन्ध्येश्वरीप्रसादद्विवेदीकृतसरलसुबोधहिन्दीटीका ३०–००
१७४४ वास्तुरत्नावली । सोदाहरणसुबोधिनी'संस्कृतहिन्दी व्याख्या सहित १५–००
१७४५ विमण्डलचक्रविचार । पं० दयानन्द झा विरचित २–००
१७४६ विवाहदाम्पत्यनिर्णयः । भगवानदास मित्तल २०–००
१७४७ विवाहवृन्दावन । हिन्दी टीका सहित १२–००
१७४८ विवाहरेखा । राजेश दीक्षित १०–५०
१७४९ वीरसिंहावलोकः । डॉ० राधाकृष्ण पाराशर यन्त्रस्थ
१७५० वेंकटेश्वर श्रीशताब्दिपञ्चांग । वि० सं० २००१ से २१०० (पूरे एकसो वर्ष)का पञ्चांग एक जिल्दमें । सम्पादक-ईश्वरदत्त शर्मा २००–००
१७५१ वैदिकसाहित्यमें शकुन एवं अद्भुत घटनाएँ । कृष्णलालशर्मा २५–००

१७५२ व्यवसाय का चुनाव और आपकी आर्थिक स्थिति । ज्यो० जगन्नाथ भसीन १५-०
१७५३ व्यवहाररत्नम् । 'ताराऽभिधानया'-हिन्दी व्याख्या सहित । व्या०-डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ५-००
१७५४ व्यापार अर्धमार्तण्ड । रतिराम शर्मा २४-००
१७५५ व्यापार चमत्कार । (तेजी मन्दी सट्टा) रतिराम शर्मा २४-००
१७५६ व्यापार रत्न । हरदेव त्रिपाठी ८०-००
१७५७ व्यावहारिक ज्योतिषतत्वम् । 'तत्त्वप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित २५-००
१७५८ शकुनज्योतिषविज्ञान । श्री भारतीय योगी ५-००
१७५९ शकुनज्योतिषशास्त्र । जगन्नाथ १८-००
१७६० शनिविचार । ह० ने काटवे । अनुवादक-विद्याधर जोहरापुरकर ६-००
१७६१ शरीर लक्षण विज्ञान । राजेश दीक्षित १८-००
१७६२ शरीर सर्वाङ्ग लक्षण । (हस्तरेखा एवं आकृति विज्ञान) ४-००
१७६३ शिवजातकः । 'शिशुतोषिणी' भाषा टीका सहित १-००
१७६४ शिवसंहिता । (ज्योतिषशास्त्र का सर्वश्रेष्ठ ग्रन्थ) । सं०-श्री सीताराम एडवोकेट ८-००
१७६५ शिवस्वरोदयः । भा० टीका सहित ६-००
१७६६ शिशुबोधः । सान्वय-'विमला' हिन्दी टीका सहित १-५०
१७६७ शिष्यधीवृद्धिदम् । लल्लाचार्य विरचित ४५-००
१७६८ शिष्यधीवृद्धितन्त्र । लल्लाचार्य कृत । मल्लिकार्जुनसूरिकृत व्याख्या तथा आंग्लानुवाद सहित । वीणा चटर्जी । १-२ भाग ९०-००
१७६९ शीघ्रबोधः । सान्वय 'सुगमा' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्या-पं० रामजन्म मिश्र ८-००
१७७० शुक्रविचार । ह० ने० काटवे । अनुवादक-विद्याधर जोहरापुरकर ६-००
१७७१ शुभाशुभग्रह निर्णय विचार । ह० ने काटवे ६-५०
१७७२ षट्पञ्चाशिका । श्रीमद्भट्टोत्पलकृतसंस्कृतटीकायुत विभा भाषा टीका २-५०
१७७३ सप्तवर्गीजन्मपत्रिका ३-५०
१७७४ सप्त-ऋषि नाडी । जगन्नाथ भसीन कृत आंग्लानुवाद सहित २५-००
१७७५ संकेत-निधिः । रामदयालुकृत । आंग्लानुवाद सहित २५-००
१७७६ संस्कृत काव्य में शकुन । डॉ० दीपचन्द शर्मा २५-००
१७७७ सचित्र ज्योतिषशिक्षा । बी० एल० ठाकुर । प्रथम खण्ड-ज्ञानखंड ३५-००
द्वि० खण्ड गणितखण्ड १-२ भाग ३५-००, तृ० खण्ड फलितखण्ड १-३ भाग ११०-००, चतुर्थ खंड-वर्षफलखंड २५-००, पञ्चम खंड प्रश्नखंड २५-००, षष्ठखंड-मुहुर्तखंड १६-००, अष्टम खंड संहिता खंड ३०-००

१७७८ सचित्र सामुद्रिक रहस्यम् । भाषा टीका सहित । कालिकाप्रसाद १८–००
१७७९ सत्यजातकम् । (Basic of Dhruva Nadi) सत्याचार्य ।
आंग्लानुवाद सहित २५–००
१७८० समरसारः । हिन्दी टीका सहित
१७८१ सम्राट्सिद्धान्तः । सम्राट जगन्नाथ विरचित । अवान्तर पाठभेद
समन्वित सिद्धान्तसारकौस्तुभ । सं० रामस्वरूप शर्मा१–२भाग ३६०–००
१७८२ सरल अंक ज्योतिष । श्री भारतीय योगी ७–५०
१७८३ सरल ज्योतिषशास्त्र-प्रारम्भिकज्ञान । राजेश दीक्षित १५–००
१७८४ सरलत्रिकोणमिति । बापूदेव शास्त्री । सं०–पं० गोविन्द पाठक २९–००
१७८५ सरल भृगु गुप्तप्रश्नोत्तरी । राजेश दीक्षित १५–००
१७८६ सरलरेखागणितम् । विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदीकृत । १–२ अध्याय समाप्त
१७८७ सरलसुगमज्योतिष । जगन्नाथ २४–००
१७८८ सर्वतोभद्रचक्र । भाषा टीका १२–००
१७८९ सामुद्रिक कुञ्जिका । पं० कालिकाप्रसाद ६–५०
१७९० सामुद्रिक दर्पण । पं० कालिकाप्रसाद ४–५०
१७९१ सामुद्रिकशास्त्र अङ्गलक्षण सहित । पं० गोविन्ददास ५–००
१७९२ सामुद्रिकशास्त्र । श्री वसन्तलाल व्यास १५–००
१७९३ सामुद्रिकशास्त्रम् । मूल एवं भावार्थबोधिनी टीका सहित ।
सम्पादक एवं व्याख्याकार—डॉ० शुकदेव चतुर्वेदी २०–००
१७९४ सामुद्रिक सोपान । हिन्दी टीका सहित १–५०
१७९५ सारावली । भाषा टीका सहित समाप्त
१७९६ सिद्धान्तचिन्तामणि । सरल हिन्दी टीका सहित ५–००
१७९७ सिद्धान्ततत्त्वविवेकः । सूर्यग्रहणादि महाप्रश्नाधिकारान्त १५–००
१७९८ सिद्धान्तदर्पणम् । नीलकण्ठसोमयाजि । आंग्लानुवाद सहित ।
के० वी० शर्मा १२–००
१७९९ सिद्धान्तशिरोमणिः ६८–००
१८०० सिद्धान्तशिरोमणिः । ग्रहगणिताध्याय–मध्यमाधिकारान्त १५–००
१८०१ सिद्धान्तशिरोमणिः । श्रीमुरलीधरठक्कुरकृत सोपपत्तिक 'प्रभा'
व्याख्या सहित स्पष्टाधिकारान्त प्रथम भाग २०–००
१८०२ सिद्धान्तसार्वभौमः । मुनीश्वर विरचित । भूमिका लेखक और
सम्पादक—श्रीमुरलीधर ठक्कुर ज्योतिषाचार्य । तृतीय भाग ३२–२०
१८०३ सुलभ ज्योतिष ज्ञान । दैवज्ञ वासुदेव सदाशिव खानखोजे ५०–००
१८०४ सुगम ज्योतिष प्रवेशिका । गोपेशकुमार ओझा ३०–००

१८०५ सूर्यग्रहणम् । डा० कृष्णचन्द्र द्विवेदी १२–००
१८०६ सूर्यरेखा । राजेश दीक्षित १०–५०
1807 Surya-Siddhanta : A Text-book of Hindu Astronomy. With English translation, notes and an Appendix by E. Burgess. Reprint Ed. 1977 100–00
१८०८ सूर्यसिद्धान्त । संस्कृत टीका सहित ४५–००
१८०९ स्कन्दशारीरकम् । गणेशदत्तपाठक सम्पादित १५–००
१८१० स्त्रीजातकम् । सुबोधिनी हिन्दी टीका सहित । गणेशदत्तपाठक ९–००
१८११ स्त्रीजातकविज्ञान । पं० राजशेखर २–५०
१८१२ स्वप्न और शकुन । डा० कपूर १०–००
१८१३ स्वप्नकमलाकर । मूल एवं हिन्दी टीका सहित । टीकाकार— डा० रामकुमार राय ६–००
१८१४ स्वप्न ज्योतिष विज्ञान । भारतीय योगी ४–५०
१८१५ स्वप्नविज्ञान । सत्यकाम शास्त्री २४–००
१८१६ स्वरज्योतिष और भाग्य । ३–००
१८१७ स्वरज्योतिष शास्त्र । राजेश दीक्षित २४–००
१८१८ स्वरसिद्धि । पं० बचान प्रसाद त्रिपाठी ८–००
१८१९ स्वास्थ्य रेखा । राजेश दीक्षित १०–५०
१८२० हनुमानज्योतिष २–५०
१८२१ हयतग्रन्थ । (अरबीयसिद्धांतज्योतिषम्) सं० विभूतिभूषण भट्टाचार्य ६–००
१८२२ हस्तचिह्नविज्ञान । राजेश दीक्षित १८–००
१८२३ हस्तपरीक्षा । कीरो १०–००
१८२४ हस्तरेखामहाविज्ञान । भारतीय योगी १५–००
१८२५ हस्तरेखा विज्ञान । ५–००
१८२६ हस्तरेखाविज्ञान । गोपेशकुमार ओझा ६०–००, ४०–००
१८२७ हस्तरेखा सामुद्रिक शिक्षा । (सचित्र) एन० बी० ठाकुर २०–००
१८२८ हस्तरेखायें । भारतीय योगी ५–००
१८२९ हस्तसामुद्रिक ज्योतिष १८–००
१८३० हस्तसामुद्रिकशास्त्र । श्रीबालभट्ट १२–००
१८३१ हस्तसामुद्रिकशास्त्र एवं शरीर विज्ञाव । गिरधरजी ६–००
१८३२ हस्तसञ्जीवनम् । 'प्रबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ८–००
१८३३ हिन्दू गणितशास्त्र का इतिहास । अंकसंकेत और अंकगणित । विभूतिभूषणदत्त-अवधेशनारायण सिंह । अनुवादक-कृपाशंकरशुक्ल ५–००
१८३४ हृदयरेखा । राजेश दीक्षित १०–५०

१८३५ होड़ाचक्र (अवकहड़ाचक्र)। हिन्दी टीका सहित। वासुदेवगुप्त ९–००
१८३६ होरारत्नम्। बलभद्र। मुरलीधर चतुर्वेदी कृत 'इन्दुमती' हिन्दी व्याख्योपेतम्। १–२ भाग। अजिल्द १००–००, सजिल्द १५०–००
१८३७ होराशास्त्रम्। वाराहमिहिरकृत। अपूर्वार्थप्रदर्शिका संस्कृत व्याख्या सहित। पूर्वार्धं २५–००

धर्मशास्त्र–कर्मकाण्ड–ग्रन्थाः

१८३८ अग्निहोत्रचन्द्रिका। वामन शास्त्री विरचित ५–४५
१८३९ अग्निष्टोमपद्धतिः। ग्रन्थरत्नेऽस्मिन् 'आध्वर्यपद्धतिः' 'औद्गात्र-पद्धतिः'-लाट्यायनद्राह्यायण सूत्रानुसारिणी, 'होत्रपद्धतिः'—शाङ्खायनश्रौतसूत्रानुसारिणी च सन्निविष्टास्ति। १–३ खण्ड यन्त्रस्थ
१८४० अनुष्ठानप्रकाश। मूलमात्र। सजिल्द ८०–००
१८४१ अन्त्यकर्मदीपकः। अशौचकालनिर्णयसहितः, प्रेतकर्मब्रह्मीभूत यति-कर्मनिरूपणात्मकः। म० म० नित्यानन्दपन्तपर्वतीयविरचितः २५–००
१८४२ अन्त्येष्टि संस्कार विधि। माधवाचार्य २–००
१८४३ अवेस्ता। एवंद मा०फ०कागा–ना० सोनटक्के संपादित १–३भाग २५५–००
1844 Avesta. The Sacred Books of the Parsis. Ed. by Karl F. Geldner. 3 Vols. 1000–00
१८४५ आङ्गिरसस्मृतिः। १२–००
१८४६ आचारभूषणम्। त्रयम्बककृत ८–१५
१८४७ आचारमयूखः। नीलकण्ठ विरचित ६–००
१८४८ आचार संहिता। गंगाशरण शास्त्री १०–००
१८४९ आचारादर्शः। मूल। यजुर्वेदियों की आह्निक विधि ३–५०
१८५० आचारेन्दुः। त्र्यम्बककृत ७–५०
१८५१ आरतिकल्पद्रुमः। लघुरुद्रपद्धति सहित २–२५
१८५२ आपस्तम्बगृह्यसूत्रम्। 'अनाकुला' एवं 'तात्पर्यदर्शना' संस्कृत व्याख्या संहिता डॉ० उमेशचन्द्र पांडेयकृत हिन्दीव्याख्या विभूषित ७५–००
१८५३ आपस्तम्बधर्मसूत्रम्। (श्री हरदत्त मिश्र विरचित 'उज्ज्वला' वृत्ति सहित)। डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेय विरचित 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्योपेतम् ७५–००
१८५४ आपस्तम्बधर्मसूत्रम्। संक्षिप्त उज्ज्वला वृत्ति सहित २५–००
१८५५ आपस्तम्बशुल्वसूत्रम्। कपर्दिस्वामिन्, करविन्द तथा सुन्दरराज कृत संस्कृत टीका तथा आंग्लानुवाद सहित। सं० सत्यप्रकाश ६०–००

१८५६ आपस्तम्बश्रौतसूत्रम् । रुद्रदत्त विरचित भाष्य सहितम् । सं०–डॉ० रिचर्ड गर्वे । १—३ भाग ५००–००
१८५७ आशौचनिर्णयः । वाचस्पतिमिश्रकृत । मनोरमा हिन्दी टीका सहित २–००
१८५८ आह्निककर्म्मसूत्रावलीः । (शुक्लयजुर्वेदीय) सम्पा०—पं शिवदत्त शर्मा । मूलमात्र २५–००
१८५९ आह्निक प्रयोगमाला । गोपालदेशिक ६–००
१८६० आह्निकसूत्रावलिः ।(शुक्लयजुर्वेदीय) वैद्य नारायण शर्मा ३०–००,४०–००
1861 Indian Wisdom by Monier Williams. 125–00
१८६२ उपनयनपद्धतिः । टिप्पणी-परिशिष्ट सहित । म. म. विद्याधरजी यन्त्रस्थ
१८६३ उपनयनपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित ८–००, ६–००
१८६४ एकोदिष्टश्राद्धपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित ३–००
१८६५ ओंकार और शिवलिङ्ग । माधवाचार्य शास्त्री लिखित २–००
१८६६ और्ध्वदैहिककर्मपद्धतिः । अमृतवर्षिणी टिप्पणी सहित १०–००
१८६७ कर्मकाण्डप्रदीप । प्रथम भाग २४–००
१८६८ कर्मकाण्ड भास्कर । २४–००
१८६९ कर्मठगुरु । मुकुन्दवल्लभ कृत २४–००
१८७० का० तर्पणपद्धतिः । पं अनन्तरामडोराशास्त्रिकृत हि० टीका सहित १–००
१८७१ कातीयेष्टिदीपकः । (दर्शपौर्णमासपद्धतिः) पं० नित्यानन्दपन्तपर्वतीयकृत १२–००
१८७२ कात्यायनगृह्यसूत्रम् । मूलमात्र । सम्पा०–युधिष्ठिर मीमांसक २०–००
१८७३ कात्यायनश्रौत्रसूत्रम् । कर्कभाष्य सहित । सम्पा०–आचार्य पट्टाभिराम शास्त्री । १–२६ अध्याय, १–२ भाग १५५–००
१८७४ कात्यायनश्रौत्रसूत्रम् । श्रीकर्काचार्य विरचित 'कर्कभाष्य' सहित । अध्याय १२ से २६ पर्यन्त, द्वितीय भाग मात्र ५०–००
१८७५ कात्यायनीयं श्रौत्रसूत्रम् । (कर्कभाष्यसार-सहितम्) । डॉ० अल्वेर्तेन वेवरेण शोधितम् । (विशुद्ध प्रामाणिक जर्मनीय शोध संस्करण) ५०–००
१८७६ कालमाधव-कारिका । माधवाचार्यकृत ५–००
१८७७ कुंडमंडपसिद्धिः । भाषा टीका सहित । वायुनन्दन मिश्र ४–००
१८७८ कुलदेवतास्थापनविधिः । हनुमद्ध्वजदानविधिश्च ०–५०
१८७९ कूपोत्सर्गपद्धतिः । ०–४०
१८८० कृतितत्वसंग्रहः । दैवज्ञ पं० तूफानी शर्माकृत १५–००
१८८१ कृत्यकल्पतरुः । लक्ष्मीधर विरचित प्रतिष्ठा काण्ड ५३–००
१८८२ कृत्यतत्त्वार्णवः । श्रीनाथाचार्य चूडामणि विरचित । प्रथम भाग २५–००

१८८३ कृत्यशिरोमणिः । सटिप्पण ८-००
१८८४ कृत्यसारसमुच्चयः । म० स० अमृतनाथ झा विरचित । पं० गङ्गा-धरमिश्रकृत बृहत् टिप्पणी परिशिष्ट विभूषित ३०-००
१८८५ क्यों ? (धर्मदिग्दर्शन) । माधवाचार्य शास्त्री । प्रथम-द्वितीय भाग ६०-००
१८८६ क्षयाधिमासतत्वम् । पं० श्री लषणलाल झा १-५०
१८८७ खादिरगृह्यसूत्रम् । रुद्रस्कन्दवृत्ति भाषाटीका सहित ५०-००
१८८८ गणेशचतुर्थी व्रतकथा । (बारहो मास की) १२-००
१८८९ गयाश्राद्धपद्धतिः । मैथिल सम्प्रदाय २-००
१८९० गयाश्राद्धपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित २-५०
१८९१ गायत्रीपूजापद्धतिः । श्रीविभाकराचार्य संग्रहीत २-००
१८९२ गुरूपूजनपद्धतिः । सम्पा० वेणीराम शर्मा गौड़ १-५०
१८९३ गृहवास्तुशान्ति प्रयोगः । भा० टीका सहित । वेदप्रकाश शास्त्री गौड़ १८-००
१८९४ गोत्रावली । बालमुकुन्द पाण्डेय १-५०
१८९५ गोदान-तुलादानपद्धतिः । भाषा टीका सहित ०-६०
१८९६ गौदानपद्धतिः । अभिनव विशुद्ध संस्करण यन्त्रस्थ
१८९७ गोभिलगृह्यकर्मप्रकाशिका । भाषा टीका सहित ७५-००
१८९८ गोभिलगृह्यसूत्रम् । भट्टनारायण कृत संस्कृत व्याख्या सहित । सम्पा०—चिन्तामणि भट्टाचार्य २००-००
१८९९ गौडीय श्राद्धप्रकाशः । चतुर्थीलाल विरचित पत्रात्मक ६०-००
१९०० गौतमधर्मसूत्राणि । (मिताक्षरावृत्तिसहिता) सविमर्श । हिन्दी व्याख्याकार—डॉ०उमेशचन्द्र पाण्डेय। विस्तृत भूमिकादि सहित ६०-००
१९०१ गौतमधर्मसूत्रम् । मिताक्षरा सहित ५-६५
१९०२ गौरीशंकर । (गुटका) १४-००
1903 Glossary of Smriti Literature by Dr. S. C. Banerjee 80-00
१९०४ ग्रहशान्तिप्रयोगः । भाषा टीका सहित । दौलतराम गौड़ ३२-००
१९०५ ग्रहशान्ति अर्थात् ग्रहप्रयोग । वायुनन्दन मिश्र २५-००
१९०६ ग्रहशान्ति-प्रयोगः । सम्पा०—पं० कैलाशचन्द्र दवे २०-००
१९०७ ग्रहशान्तिविधिः । वेणीराम शर्मा गौड २५-००
१९०८ चतुर्वर्गचिन्तामणिः । हेमाद्रिसूरि विरचित । श्राद्धकांड । सम्पा०—विश्वनाथ शास्त्री ४५-००
१९०९ चतुर्विंशतिमतसंग्रहः । भट्टोजिदीक्षितकृतः ६०-००
१९१० चूडाकरणपद्धतिः । म० म० विद्याधरशास्त्रीकृत टिप्पणी सहित यन्त्रस्थ

१९११ छ० उपनयनपद्धतिः । मैथिली टीका ६–००
१९१२ छ० विवाह पद्धतिः । मैथिली टीका । पं० जयानन्द मिश्र ६–००
१९१३ छ० वा० श्राद्धपद्धतिः । मैथिली टीका पं० जयानन्द मिश्र १३–००
1914 Changeable and Unchangeable in Religion by J. P. Singhal. 18-00
१९१५ जन्मदिनपूजापद्धति । ०–७५
१९१६ जपसंहिता । अर्थात् जपजी का पंजाबी से संस्कृत व हिन्दी में तथा उस पर हिन्दी में भाष्य,विस्तृत भूमिका सहित । सं०स्वामी हरिप्रसाद वैदिकमुनि ८–००
१९१७ जातिलता । हिन्दीटीका बालक्रीडा सहित । आचार्य मधुसूदनशास्त्री ७–००
1918 Jivagosvamis Religion of Devotion and Love. (Bengal Vaisnavism) by Jadunath Sinha. 85-00
१९१९ जीवितपुत्रिकाव्रतकथा । व्रतनिर्णय-पूजनविधि सहित । 'जयन्ती-' हिन्दी व्याख्योपेतम् । सम्पा०—आचार्य पं० शिवदत्त मिश्र १–५०
१९२० तिथिनिर्णयः । सं० रामचन्द्र झा २–००
१९२१ तिथिनिर्णयः । श्रीमद्भट्टोजिदीक्षितविरचित, श्रीमन्नागोजिभट्टविरचितश्च १००–००
१९२२ तुलसीपूजापद्धतिः । ०–२५
१९२३ त्रिंशच्छलोकी । भट्टरघुनाथ प्रणीत विवृति समेत ५–६५
१९२४ त्रिस्थली सेतुः । नारायणभट्ट विरचित ६–९०
१९२५ दत्तकचन्द्रिका । कुवेरभट्ट प्रणीत । व्याख्या सहित ५–००
१९२६ दत्तकमीमांसा । नन्दपण्डित विरचित । मधुसूदनी विवृति सहित । सम्पा०—राजेन्द्रप्रसाद पाण्डेय ४२–००
१९२७ दत्तकमीमांसा । नन्दपण्डित विरचित । सव्याख्या ६–९०
१९२८ दन्तोष्ठविधिः । अथर्ववेदीय ५–००
१९२९ दर्शपूर्णमासप्रकाशः । वामन शास्त्रीकृतः १२–५०
1930 Darsapurnamasa (A Comparative Ritualistic Study) by Dr. Urmila Rastogi 150-00
१९३१ दर्शपौर्णमास पद्धति (सर्वश्रौतेष्टि-प्रकृतिः) । पं०भीमसेन कृत । संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित २५–००
१९३२ दायदीपिका । भाषा टीका सहित ५–००
१९३३ दानमयूखः । नीलकण्ठविरचित ५०–००
१९३४ दानसागरः । बल्लालसेनदेव विरचित । १-४ भाग ३३–००

१९३५ दायभागः । जीमूतवाहन प्रणीतः । सं०–अ० सुब्रह्मण्य शास्त्री १५–००
1936 Daya Bhaga and Mitakshara. Two Treatises on the law of the Inheritance by H. T. Colebrooke. 130–00
१९३७ दायविभाग । सं० आई० एस० पावते २०–००
१९३८ दीपावली-लक्ष्मीपूजनविधिः । सम्पा०—वेणीराम गौड़ ४–००
१९३९ दुर्गापूजा । हिन्दी टीका । दौलतरामगौड़ विरचित १२–००
१९४० दुर्गापूजा-श्यामापूजापद्धतिः । (मैथिली साम्प्रदायिकशारदीय) संस्कर्ता–पं० बुद्धिधारी सिंह 'रमाकर' ५–००
१९४१ दुर्गोपासन प्रयोग । हिन्दी टीका सहित १४–००
१९४२ दुर्गोपासनाकल्पद्रुम । मूल मात्र । सजिल्द ८०–००
१९४३ द्राह्यायणगृह्यसूत्रम् ।रुद्रस्कन्दवृत्ति । भाषा टीका सहित २०–००
१९४४ द्वैतनिर्णयः । म० म० पं० वाचस्पतिमिश्र प्रणीत ४–००
१९४५ द्वैतपरिशिष्टम् । (धर्मशास्त्रीय मैथिल निबन्धरूपम्) पं० केशव मिश्र विरचितम् । सं० दुर्गाधर झा ८–००
१९४६ धनिष्ठापञ्चकशान्तिः । ४–००
१९४७ श्री धन्वन्तरिपूजाकथादर्शः । पं० बद्रीनारायण शर्मा आयुर्वेदाचार्य ०–७५
१९४८ धर्मकल्पद्रुमः । स्वामी दयानन्द । १-८ भाग ४६ ००
१९४९ धर्मकोशः । लक्ष्मणशास्त्री संपादित—व्यवहारकांड १-३ भाग ५००–००
उपनिषत्कांड १-४ भाग ७५०–००, संस्कारकांड १-६ भाग १५००–००
राजनीति काण्ड १-६ भाग १०००–००
१९५० धर्मतत्त्वनिर्णय । वासुदेवशास्त्री विरचित । १-२ भाग २–८५
१९५१ धर्मतत्त्वविवेक या धर्म की परिभाषा । सन्तराम ४–००, ६–००
१९५२ धर्मदर्शन की रूपरेखा । हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा २२–००
१९५३ धर्मद्रुमः (धर्मशास्त्र का एक परिचयात्मक एवं विवेचनात्मक-ग्रन्थ) । राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ७५–०० ६५–००
१९५४ धर्म प्रदीपः (सप्रमाणः जातितत्व-शुद्धितत्व-विवाहप्रकाशात्मकः) । अनन्तकृष्णशास्त्री संपादित ८–००
१९५५ धर्ममार्ग पर । नेमधर शर्मा ४–००
१९५६ धर्मविज्ञान । स्वामी दयानन्द । १-३ भाग १८–००
1957 Dharmashastra or The Hindu Law Codes : A Literal Prose English Translation by M. N. Dutt. Vol. I. 85–00
1958 Dharmasastra Samgraha by Vacaspati Upadhayay. 2 Vols. 450–00

1959 Dharmasastra in Mithila by Jaydeva Ganguly 25–00
१९६० धर्मशास्त्र का इतिहास। डॉ० पाण्डुरंगवामन कांणे। अनुवादक–
अर्जुन चौबे काश्यप। १-६ भाग २०७–५०
१९६१ धर्मशास्त्रीय व्यवस्थासंग्रहः। समुद्र झा संपादित १०–००
१९६२ धर्मसिन्धुः। काशीनाथोपाध्यायविरचित। सविमर्श सटिप्पण 'धर्मदीपिका' हिन्दी व्याख्याविभूषित। महामहोपाध्याय सदाशिवशास्त्री मुसलगांवकर विरचित समीक्षात्मक प्रस्तावनासहित १७५–००,२५०–००
१९६३ धर्मसिन्धुः। पं० मिहिरचन्द्रजी कृत हिन्दी टीका सहित १००–००
1964 Naradiya Dharmasastra or The Institute of Naradiya by J. Jolly 45–00
१९६५ नारायणबलिप्रयोगः। 'विष्णुप्रिया' हिन्दी व्याख्या सहित २–५०
१९६६ नित्यकर्मपद्धतिः। ४–५०, ३–००
१९६७ नित्यकर्म प्रयोगमाला। चतुर्थीलाल विरचित १५–००
१९६८ नित्यकर्मप्रकाशः। भवानीशंकर त्रिवेदी ४–००
१९६९ नित्यकर्मविधि। हिन्दी टीका सहित ७–००
१९७० निर्णयसिन्धुः। पं० ज्वालाप्रसाद मिश्रकृत। हिन्दी टीका सहित १२५–००
१९७१ निर्णयसिन्धुः। मूलमात्र
१९७२ निर्णयसिन्धुः। कमलाकरभट्टविरचितः। कृष्णभट्टकृत संस्कृत व्याख्या समाप्त
१९७३ निर्णयसिन्धुः। भाषा टीका सहित। सम्पूर्ण ३२०–००
१९७४ नीतिमयूखः। नीलकण्ठ भट्ट विरचित ६–००
१९७५ पञ्चमङ्गलम्। १. मंडपस्थापनम्, २. हरिद्रालेपनं, कलशस्थापनम् ३. मातृकापूजा सप्तघृतमाता, ४ आयुष्यमन्त्रजपः, ५ नान्दीमुखश्राद्धम् १–५०
१९७६ पञ्चविधसूत्र तथा मात्रालक्षण। सटीक। सं०-वी० आर० शर्मा ७–००
१९७७ ञ्चरत्न विवाहपद्धतिः। फलहारी शर्मा ८–००
१९७८ पञ्चाङ्गपद्धतिः। वेदाचार्य अनन्तररामडोगरा शास्त्रिकृत टिप्पणीविभूषित यन्त्रस्थ
१९७९ पश्वालम्भमीमांसा। नरेश शास्त्री विरचित १–२५
१९८० पारस्करगृह्यसूत्रम्। (कर्क-जयराम-हरिहर-गदाधर-विश्वनाथ) भाष्यपञ्चकोपेत १६५–००
१९८१ पारस्करगृह्यसूत्रम्। कात्यायनसूत्रीय-श्राद्ध-शौच-स्नान-भोजनकल्पसूत्र सहितम् ५–००
११८२ पारस्करगृह्यसूत्रम्। हरिहर भाष्य हिन्दी व्याख्या सहित सम्पूर्ण ४०–००
१९८३ पाराशरस्मृतिः। 'सुबोधिनी' हिन्दी व्याख्या सहित ६–००

१९८४ पाराशरस्मृतिः। श्री मन्माधवाचार्यकृत व्याख्या सहित। सं०—श्री चन्द्रकान्ततर्कालङ्कार। १-३ भाग, २ जिल्द में १३५—००
१९८५ पार्वणश्राद्धपद्धतिः। हिन्दी टीका सहित ३—००
१९८६ पितृकर्मनिर्णयः। (संग्रह निबन्ध)। पं० त्रिलोकनाथ मिश्र विरचित ६—००
१९८७ पितृभक्तिः। म० म० श्रीदत्तोपाध्याय विरचित। डॉ० अशोक चटर्जी द्वारा सटिप्पण सम्पादित १०—००
1988 Philosophy, Religion & Culture by N. K. Devaraja 30–00
१९८९ पुरुषार्थचिन्तामणिः। पूना संस्करण ११—२५
१९९० पुरश्चरणपद्धतिः। योगीन्द्र कृष्ण दौर्गादित्ति शास्त्री कृत २—००
१९९१ पूजातत्त्व। हिन्दी टीका सहित १२—००
१९९२ पूजाभास्कर। २४—००, १२—००
१९९३ पूजाविधि सहित षडंगरुद्री। ५—००
१९९४ पूतनाशान्तिः। शिशुतोषिणी भाषा टीका सहित १—५०
१९९५ पौरोहित्यकर्म पद्धतिः। रामदास त्रिपाठी ६—५०
१९९६ पौरोहित्यकर्मसारः। परिवर्द्धित संस्करण। १—३ भाग, सम्पूर्ण ७—००
१९९७ प्रतिष्ठामयूखः। नीलकंठ भट्ट प्रणीत। हिन्दी टीका सहित २४—००
१९९८ प्रतिष्ठापद्धतिः। हिन्दी टीका सहित। अशोक कुमार गौड़ २४—००
१९९९ प्रभुविद्याप्रतिष्ठार्णवः। (सर्वदेवप्रतिष्ठामयूख)। पं० दौलतराम गौड़ कृत हिन्दी टीका सहित ७६—००
२००० प्राचीनभारत में अपराध और दण्ड। हरिनाथ त्रिपाठी १५—००
२००१ प्राचीन भारतीय लोकधर्म। डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल १५—००
२००२ प्रायश्चित्तप्रकाशः। चतुर्थीलालकृत ५—००
२००३ प्रायश्चित्तमयूखः। नीलकंठ भट्ट विरचितः ६—००
२००४ प्रायश्चित्तेन्दुशेखरः। नागोजीभट्ट प्रणीत तथा कुण्डार्क, केशव विरचित सव्याख्या ३—१५
२००५ प्रेतमंजरी। भाषा टीका सहित १५—००, ८—००
२००६ बीस स्मृतियाँ। श्रीरामशर्माकृत हिन्दी टीका सहित। १-२ भाग २६—००
२००७ बौधायनधर्मसूत्रम्। (गोविन्दस्वामिप्रणीतविवरणसहित)। डॉ० उमेशचन्द्रपाण्डेयकृत हिन्दीटीका समेत। संशोधित नवीन संस्करण ७५—००
२००८ बौधायनशुल्वसूत्रम्। बौधायनाचार्यविरचित। व्यंकटेश्वर दीक्षित विरचित 'बौधायनशुल्वमीमांसा' व्याख्या एवं द्वारकानाथयज्व विरचित 'शुल्वदीपिका' व्याख्या। सम्पादक–विभूतिभूषणभट्टाचार्य ७५—००
२००९ बौधायनशुल्वसूत्रम्। यज्वन विरचित संस्कृत टीका तथा आंग्लानुवाद सहित। जी० थीबो। सं० सत्यप्रकाश ८०—००

२०१० बौधायनश्रौत्रसूत्रम् । (तैत्तिरीयसंहिता) सम्पादक-डॉ० डब्लू-
कैलेण्ड । १-३ भाग दो जिल्द में ३५०-००

२०११ बृहत्कर्मकाण्डपद्धति । सम्पा० गोपालदत्त शास्त्री ५५-००

२०१२ बृहद्ब्रह्मनित्यकर्मसमुच्चयः । संग्रहमखषोडशसंस्काराद्यनेक विषय
सहितः । शास्त्री दुर्गाशङ्कर कृत टिप्पणी सहित ३५-००

२०१३ बृहत्सामान्योत्सर्गपद्धतिः—दशगात्रपिण्डदानपद्धतिः । 'इन्दुमती'
टिप्पणी सहित । पं० रामचन्द्र झा १-५०

२०१४ भारतीय कर्मकाण्ड स्वरूपाध्ययनम् । डॉ० विन्ध्येश्वरीप्रसाद
त्रिपाठी २६-००

२०१५ भारतीय धर्मशास्त्रम् । चूड़ामणि शास्त्रीकृत हिन्दी टीका सहित ३-५०

२०१६ भारतीयधर्मशास्त्रमें शूद्रों की स्थिति डॉ० निरूपण विद्यालङ्कार ४०-००

२०१७ भारतीय प्रतीक-विद्या । जनार्दन मिश्र ११-००

२०१८ भारतीय सन्ध्योपासना । चूनीलाल शास्त्री 'सूदन' ५-५०

२०१९ मदनरत्नप्रदीपः । मदनसिंह विरचित । दानविवेकोद्योतः । डॉ०
आर्येन्द्र शर्मा सम्पादित । १-३ भाग २७-५०

२०२० मनुस्मृतिः । 'मणिप्रभा' हिन्दी टीका एव 'विमर्श' सहित सम्पूर्ण ५०-००

२०२१ मनुस्मृतिः 'मणिप्रभा' हिन्दी टीका 'विमर्श' सहित । १-४ अध्याय २०-००

२०२२ मनुस्मृतिः । 'मन्वर्थमुक्तावली' (कुल्लूकभट्ट) संस्कृत व्याख्या सहित
व्या०—आचार्य जगदीश लाल शास्त्री ९०-००, ६०-००

२०२३ मनुस्मृतिः । (द्वितीयोऽध्यायः) । परीक्षोपयोगी सान्वय 'प्रकाशिका'
'सुबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ३-००

२०२४ मनुस्मृतिः । 'मन्वर्थमुक्तावली' संस्कृत तथा विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या
विभूषित । प० गोपालशास्त्री नेने संपादित १००-००

2025 Manusmriti. A Prose English Translation by M. N.
Dutt. 100-00

२०२६ मनुस्मृतिः । मेधातिथि' भाष्य सहित । (दुर्लभ संस्करण) सम्पूर्ण १००-००

२०२७ मनुस्मृति-नवनीतम् । डॉ० रामजी उपाध्याय २-००

२०२८ मरणोत्तरसंस्कारविधिः । पं० हरिशंकर शर्मा १-२५

२०२९ मातृकापूजा-आभ्युदयिकश्राद्धपद्धतिः । मैथिली टीका १-४०

2030 Manav Dharmashastra or the Institutes of Hindu
Laws of Manu by G C. Haughton. Vols. I–IV. Each
Vol. 125-00 Complete 500-00

2031 Manav Dharmashastra by J. Solly 80-00

२०३२ मूलशान्तिपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित २–५०
२०३३ मोक्षधर्मसारोद्धारः । सव्याख्या ५–००
२०३४ यज्ञतत्व (हवनविधि सहित) ८–००
२०३५ यज्ञ-मीमांसा । पं० वेणीरामशर्मा गौड़ । हिन्दी टीका सहित ६०–००
२०३६ यतिधर्मसंग्रहः । विश्वेश्वर सरस्वती प्रणीतः १०–००
२०३७ याज्ञवल्क्यस्मृतिः । विश्वरूपाचार्य प्रणीत 'बालक्रीडा' व्याख्या सहित । सम्पादक म० म० गणपति शास्त्री । सम्पूर्ण १७५–००
२०३८ याज्ञवल्क्यस्मृतिः । (विज्ञानेश्वर कृत 'मिताक्षरा' सहित) डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेयकृत सविवरण 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित डॉ० नारायण मिश्र सम्पादित । आचाराध्याय मात्र १५–००, सम्पूर्ण ७०–००
२०३९ याज्ञवल्क्यस्मृतिः । श्रीमन्मित्रमिश्रविरचित 'वीरमित्रोदय' विज्ञानेश्वरकृत 'मिताक्षरा' टीकाद्वयसहित । सम्पूर्ण यन्त्रस्थ
२०४० याज्ञवल्क्यस्मृतिः । 'बालमभट्टी' व्याख्यासमलंकृत 'मिताक्षरा' टीका सहित व्यवहाराध्याय सम्पूर्ण १–११ खण्ड २५०–००
२०४१ याज्ञवल्क्यस्मृतिः । (दायभाग) मिताक्षरा संस्कृत तथा हिन्दी टीका सहित । सत्यनारायण पाण्डेय । २–५०
२०४२ याज्ञवल्क्यस्मृतिः । विज्ञानेश्वर कृत 'मिताक्षरा' संस्कृत व्याख्या तथा बालमभट्टकृत अंग्रेजी व्याख्या एवं श्रीशचन्द्रवसुकृत आंग्लानुवाद सहित ४५–००
२०४३ रामनवमीव्रतपूजापद्धतिः । जानकीनवमीव्रतपूजा सहित यन्त्रस्थ
२०४४ रामपूजनविधिः । १–००
२०४५ रामार्चापद्धतिः (शिवसंहितोक्त) । संम्पा० गुलाब झा २–००
२०४६ Religion of India : A Barth's Authorised English Translation by Rav. J. Wood. 75–00
2047 लाटचायनश्रौतसूत्रम् । अग्निष्टोमान्तम् । पं० मुकुन्दझा कृत सव्याख्या ४०–००
२०४८ वर्षकृत्यदीपकः । म० म० नित्यानन्दपन्तपर्वतीय विरचित २५–००
२०४९ वशिष्ठधर्मशास्त्रम् । ५०–००
२०५० वसन्तोत्सवनिर्णयः । पं० सूर्यनारायण शुल्क कृत ०–२५
२०५१ वाराहगृह्यसूत्रम् । भाषा टीका सहित १०–००
२०५२ वा० उपनयनपद्धतिः । मैथिली टीका । पं० दयानन्द मिश्र ६–००
२०५३ वा० विवाहपद्धतिः । मैथिली टीका । पं० दयानन्द मिश्र ६–००
२०५४ वाशिष्ठीहवनपद्धतिः । भाषा टीका सहित ६–००

२०५५ वास्तुपूजापद्धतिः। गृहे गृध्रादिपतनशान्तिपद्धतिगृहप्रवेशपद्धतिसहित ४—००
२०५६ विधानमाला। नृसिंह भट्ट विरचित ७—८०
२०५७ विवाहचन्द्रिका। षोडश संस्कार टीका सहित ७—००
२०५८ विवाहपद्धतिः। हिन्दी टीका सहित ८—०० ६—००
२०५९ विवाहपद्धतिः। सटिप्पण हिन्दी अनुवाद सहित। म० म० विद्याधर शीघ्र
२०६० विवाहपद्धतिः। (माध्यन्दिनशास्त्रीय) हिन्दी मन्त्रार्थ सहित।
वेणीरामशर्मा १०—००
२०६१ विवाहसोपांगविधि। 'वालबोधिनी' नामक हिन्दी टीका सहित। १६—००
२०६२ विश्वकर्मापूजापद्धतिः। हिन्दी टीका सहित २—५०
२०६३ विश्वकर्माप्रकाशः। हिन्दी टीका सहित २०—००
२०६४ विष्णुपूजनविधिः। १—००
२०६५ विष्णुपूजन विधिः। हिन्दी टीका सहित २—००
२०६६ विष्णुयागपद्धतिः। नवग्रहमख सहित ८—००
२०६७ विष्णुयागप्रयोग। वायुनन्दन मिश्र २०—००
२०६८ विष्णुस्मृतिः। केशव वैजयन्ती व्याख्या सहित। १-२ भाग ६०—००
२०६९ विष्णुस्मृतिः। जे०जाली सम्पादित। नन्दपंडितकृत वैजयन्ती टीका ५०—००
२०७० वीरमित्रोदयः। महामहोपाध्याय मित्रमिश्रविरचितः—परिभाषा-
प्रकाशः संस्कारप्रकाशश्च यन्त्रस्थ

आह्निकप्रकाशः	यन्त्रस्थ	व्यवहारप्रकाश-	यन्त्रस्थ
पूजाप्रकाशः	,,	श्राद्धप्रकाशः	यन्त्रस्थ
लक्षणप्रकाशः	,,	समयप्रकाशः	१२०—००
राजनीतिप्रकाश	,,	भक्तिप्रकाशः	१००—००
तीर्थप्रकाशः	,,	शुद्धिप्रकाशः	१२०—००

२०७१ वेदोक्तपार्थिवपूजनविधिः। हिन्दी टीका। पं०वेणीराम शर्मा गौड़ ३—००
२०७२ वैष्णव, शैव और अन्य धार्मिक मत। अनु० महेश्वरी प्रसाद १५—००
२०७३ व्यवहारनिर्णयः। वरदराजकृत ३०—००
२०७४ व्यवहारमयूखः। नीलकण्ठ भट्टकृत ६—००
२०७५ व्यवहारमयूख। आंग्लानुवाद सहित। काणे सम्पादित ३५—००
२०७६ व्यवहारमाला। ८—००
२०७७ व्यवहारविज्ञानम्। 'सुधा' हिन्दी व्याख्या सहित १-२ भाग २—००
२०७८ व्रतचन्द्रिका। (भारतीय व्रतों और त्योहारों का संक्षिप्त प्रामाणिक
विवेचन) गौरीशंकर उपाध्याय १०—००

२०७९ व्रतराज । हिन्दी टीका सहित १००-००
२०८० व्रात्यताप्रायश्चित्तनिर्णयः । (महान् लघुश्च) नागेभट्टविरचितः । कलौ उपनयनयोग्या क्षत्रिया नैव सन्तीति विवेचितम् । तथा-व्रात्यताशुद्धिसंग्रह ३०-००
२०८१ शान्तिकल्पद्रुमः । वास्तुशान्ति सहित ३-२५
२०८२ शास्त्रार्थ महारथी । सम्पादक शिवकुमार गोयल ४-००
२०८३ शिखा और यज्ञोपवीत । हिन्दी टीका सहित । वेणीराम शर्मा गौड़ २-५०
२०८३ शिलान्यासपद्धतिः । देहली न्यासपद्धति । वायुनन्दन मिश्र कृत ४-००
२०८५ शिलान्यासपद्धतिः । म० म० विद्याधरजी गौड़ सम्पादित यन्त्रस्थ
२०८६ शिवपूजनविधिः । याज्ञिकसम्राट् पं० वेणीराम गौड़ २-००
२०८७ शिवार्चनपद्धतिः । याज्ञिकसम्राट् पं० वेणीराम शर्मा गौड़ ५-५०
२०८८ शिवार्चनपद्धतिः । भाषा टीका । रामगोपाल शास्त्री ३-००
२०८९ शुक्लयजुर्वेदीय-सन्ध्योपासनपद्धतिः । अनन्तरामशास्त्रीकृतभा०टी० ०-७५
२०९० शुद्धिप्रदीपः प्रायश्चितप्रदीपः कृत्यप्रदीपश्च । कृष्णमिश्रप्रणीत २५-००
२०९१ शुद्धिमयूखः । नीलकण्ठ भट्टकृत ६-००
२०९२ श्राद्धकल्पः । श्री दत्तोपाध्याय विरचित सम्पा०-डॉ० अशोक चटर्जी १९-००
२०९३ श्राद्धकल्पलता । श्री नन्दपण्डित कृत । १-३ खण्ड ७५-००
२०९४ श्राद्धकौमुदी । सूतक निर्णय सहित ४-५०
२०९५ श्राद्धः क्या, क्यों, कैसे । सम्पा०-स्वामी गोविन्दानन्द वेदान्ताचार्य । हिन्दी ६-००
२०९६ श्राद्धगणपतिः । यन्त्रस्थ
२०९७ श्राद्धचन्द्रिका । भारद्वाज दिवाकरभट्टनिर्मित १-२ खण्ड ६०-००
२०९८ श्राद्धपद्धति अर्थात् श्राद्धविवेकः । भाषा टीका सहित ३२-००
२०९९ श्राद्धपद्धतिः । वाचस्पतिमिश्रकृत । (छान्दोगी वाजसनेयी) 'श्राद्धसमीक्षा' 'इन्दुमती' टिप्पणी, परिशिष्ट सहित । पं० रामचन्द्र झा १०-००
२१०० श्राद्धपरिजातः । रुद्रदत्त पाठककृत । हिन्दी टीका सहित १५-००
२१०१ श्राद्धप्रदीपः । दिव्यसिंहमहापात्रप्रणीत । देवेन्द्रनाथरायकृत प्रभाटीका २०-००
२१०२ श्राद्धप्रयोगदीपिका । नेने गोपाल शास्त्री सम्पादित ७-००
२१०३ श्राद्धञ्जरी । वायुभट्टरचित ३-७५
२१०४ श्राद्धमयूखः । नीलकण्ठभट्टकृत ६-००
२१०५ श्राद्धविज्ञान । माधवाचार्य शास्त्री २-००
२१०६ श्राद्धविमर्श । डा० उमाशंकर त्रिपाठी २२-००
२१०७ श्राद्धविवेकः । म० म० रुद्रधर विरचित । विषमस्थल टिप्पणी तथा पार्वणश्राद्धक्रियाबोधक चित्रपट सहित २०-००

२१०८ श्रावणीकृत्यम् (शुक्लयजुर्वेदीय) उपाकर्मोत्सर्जन प्रयोग। संकलयिता जनार्दन शास्त्री पाण्डेय। अजिल्द ४–००, सजिल्द ६–००

२१०९ श्रीगणेश। माधवाचार्य शास्त्री २–००

२११० श्रीभृगुस्मृतिः। स्वामी माधवचैतन्य भारती। कृष्णानन्द ब्रह्मचारी कृत हिन्दी भावार्थ सहित २–५०

२१११ श्रीमहालक्ष्मीपूजापद्धतिः। सर्वदेवपूजाविधान पूजनमीमांसा, सम्पुटित श्रीसूक्त आदि विविध परिशिष्टयुक्त भाषाटीका सहित ५–००

२११२ श्रौतसूत्रम्। कात्यायनप्रणीतं 'देवयाज्ञिकपद्धति' सहित १–८ खण्ड ५००–००

२११३ श्रौतपदार्थनिर्वचनम्। संस्कृत ४०–००, ३४–००

२११४ षट्पक्षात्मकरुद्रस्वाहाकारसमुच्चयः। श्री दुर्गाशङ्कर शास्त्री ०–४०

२११५ षडशीतिः। आदित्याचार्यप्रणीत। धर्माधिकारि नन्दपंडित प्रणीत 'शुद्धिचन्द्रिका' व्याख्या समलंकृत ४०–००

२११६ षोडशसंस्कारविधिः। (सनातन) हिन्दी टीका सहित १५–००, १२–००

२११७ संस्कारगणपतिः। श्रीमद्याज्ञिकप्रवर श्रीमद्रामकृष्णप्रणीतः। पारस्करगृह्यसूत्रस्यातिविस्तृतव्याख्यानस्वरूपः ३००–००

२११८ संस्कारदीपकः। हर्षनाथ झा विरचित। सटिप्पण ७–००

२११९ संस्कारदीपकः। म० म० श्री नित्यानन्दपन्तपर्वतीयं विरचित। प्रथम भाग ३५–००, तृतीय भाग समाप्त, द्वितीय भाग ३५–००

२१२० संस्कारपद्धतिः। भास्कर शास्त्री विरचित। उपोद्घात सहित ४–७०

२१२१ संस्कारपद्धति। पं० ईश्वरीदत्त शर्मा १०–००

२१२२ संस्काररत्नमाला। (गोपीनाथभट्टीया)। १–२ खण्ड ५०–००

२१२३ संस्कार-समुच्चय। सरस्वतीभाष्य सहित। मदनमोहन विद्यासागर १२–००

२१२४ संक्षिप्तदीक्षापद्धतिः। तुलादानपद्धति सहित ०–५०

२१२५ संक्षिप्तमनुस्मृतिः। देवदत्त शास्त्रीकृत हिन्दी टीका सहित ५–५०

२१२६ संक्षिप्त-शिव-हनुमत्प्रतिष्ठापद्धतिः। पं देवीप्रसाद मिश्र ३–००

२१२७ सत्यार्थप्रकाशः। स्वामी दयानन्द सरस्वती ३५–०० ३०–००

२१२८ सनातन-शुद्धिशास्त्र और आचार्यों का चक्रवर्ती राज्य। गोविन्द प्रसाद शास्त्री २–००

२१२९ सनातन-संस्कारविधिः। श्रीकंठ उपाध्यायकृत २०–००

२१३० संध्याभाष्यम्। चतुर्वेद-संध्या-तर्पण-ब्रह्मयज्ञ-श्रुतिसूत्र व्याख्यानोपबृंहित पद्धति समेतम्। म० म० श्यामनारायण चतुर्वेदकृत ५०–००

२१३१ सब धर्मों की बुनियादी एकता। डॉ० भगवानदास ६०–००

२१३२ समयप्रदीपः। श्रीदत्त उपाध्यायविरचित। सं० अशोक चटर्जी शास्त्री ३०–००

२१३३ समयमयूखः । नीलकंठ भट्टकृत ६–००
२१३४ सरयूपारीण ब्राह्मणवंशावली । राजनारायण शुक्ल सम्पादित १०–००
२१३५ सरस्वतीपूजापद्धतिः । मूर्तिपूजा विधान सहित । पं० रामचन्द्र झा १–००
२१३६ सिंहसिद्धान्तसिन्धुः । शिवानन्दभट्टकृत । सं० फतह सिंह । १–२ भाग २८–२५
२१३७ सर्वदेवप्रतिष्ठाप्रकाश । मूल । सजिल्द ४०–००
२१३८ साङ्गसप्ताहमण्डपपूजाविधिः । ८–००
२१३९ सामवेदीयत्रिकालसंध्यातर्पण प्रयोगः । हिन्दी टीका सहित समाप्त
२१४० सामवेदीयसुबोधिनीपद्धतिः । शुक्लविश्रामात्मज शिवरामविरचित ८०–००
२१४१ सामान्य धर्मदर्शन । या० मसीह ७०-००, ४०–००
२१४२ सुगम विवाह पद्धति (गंगाधरी) । हिन्दी टीका सहित ६–००
2143 Sacred Books of the East Series. Edited by F. Max Muller. 50 Vols. Indian Edition. Each Vol. 80–00 4000–00
२१४४ स्मृतिसारोद्धारः । विद्वद्वर विश्वम्भरत्रिपाठीसङ्कलितं । १-४खण्ड १००–००
२१४५ स्मृत्यर्थसारः । श्रीधराचार्य विरचित ३–१५
२१४६ हिन्दू धर्म के दस अंग । चूनीलाल 'सूदन शास्त्री' ३–५०
२१४७ हिन्दू धर्मकोशः । डॉ० राजबली पाण्डेय ४५–००
२१४८ Hindu Religions by H. H. Wilson 60–00
२१४९ हिन्दू संस्कार । डॉ० राजबली पाण्डेय ८०–००
2150 History of Dharmasastra by Dr. P. V. Kane. Vol. i Parts-ii,, Vol. ii Parts i-ii, Vols. iii-iv and Vol. v in 2 parts. 1200–00, 1000–00
२१५१ हेमाद्रिदानखण्डः । १–२ भाग ८०–००
२१५२ हैदराबाद के चार शास्त्रार्थ । माधवाचार्य शास्त्री २–००

छन्दः–काव्य–अलंकार–चम्पू–ग्रन्थाः

२१५३ अभिधावृत्तिमातृका । डॉ० रेवाप्रसाद कृत हिन्दी टीका सहित १५–००
२१५४ अभिधावृत्तिमातृका । मुकुलभट्ट । हिन्दी व्याख्या सहित । सम्पा० एवं व्याख्या डॉ० ब्रह्ममित्र अवस्थी एवं सुश्री इन्दु अवस्थी १५–००
२१५५ अभिनन्दनग्रन्थः । कविराज सत्यनारायण शास्त्री (सचित्र) १५०–००
२१५६ अभिनवकथानिकुञ्जः । सम्पा० शिवदत्त शर्मा चतुर्वेदी ५–००
२१५७ अभिनव-रससिद्धान्तः । (नाट्यशास्त्रषष्ठाध्याय) संम्पा० तथा टीकाकार डॉ० दशरथ द्विवेदी ७–५०
२१५८ अभिलेखमाला । व्याख्याकार–झा बन्धु । काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्कृत और कल्चर की एम० ए० परीक्षा में निर्धारित १२–५०

२१५९ अमरुशतकम् । अर्जुनवर्मदेव प्रणीत 'रसिकसञ्जीविनी' संस्कृत तथा पं० प्रद्युम्न पाण्डेयकृत हिन्दी टीका युक्त । १०–००

२१६० अमरुशतकम् । 'रसिकसञ्जीविनी' संस्कृत व्याख्या सहित । व्याख्याकार—अर्जुनवर्मदेव १६–००

२१६१ अमरुशतकलीला । वाक्कम्बे प्रणीत ७–००

२१६२ अरस्तू का काव्यशास्त्र । डॉ० नगेन्द्र एवं महेन्द्र चतुर्वेदी ३०–००

२१६३ अर्पण । डॉ० सर्वानन्द पाठक १–५०

२१६४ अलंकारकौस्तुभः । संस्कृत टीका सहित । एस० भट्टाचार्य १५०–००

२१६५ अलंकारचिन्तामणिः । अजितसेन कृत । संस्कृत हिन्दी टीका सहित । डा० नेमिचन्द्र शास्त्री १८–००

२१६६ अलंकारधारणा विकास और विश्लेषण । डॉ० शोभाकान्त मिश्र २९–००

2167 Alamkarodharana of Rajanaka Jayaratha. Edited with Critical Footnotes and an Introduction into English by Dr. Surya Kanta. In the Press

2168 Alamkara Section of the Agnipurana by S. M. Bhattacharjee. 45–00

२१६९ अलंकारपीयूषः । डॉ० गङ्गासागर राय (चुने हुए ५२ अलंकारों की मार्मिक हिन्दी व्याख्या) ५–००

२१७० अलंकारप्रकाशः । जयन्त मिश्र १२–००

२१७१ अलंकारप्रदीपः । विश्वेश्वर पाण्डेय निर्मित २०–००

२१७२ अलंकारप्रस्थानविमर्शः । डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह ६५–००

२१७३ अलंकारमञ्जरी । वेणीदत्त कृत । कविशेखर बद्रीनाथ झा सम्पादित २–००

२१७४ अलंकार-मीमांसा । डा० रामचन्द्र द्विवेदी १६–००

२१७५ अलंकार-मीमांसा । डा० राजवंशसहाय हीरा १०–००

२१७६ अलंकारमुक्तावली । विश्वेश्वर पाण्डेय निर्मित १०–००

२१७७ अलंकाररत्नाकरः । शोभाकर मित्र विरचित । देवधर सम्पादित १२–००

२१७८ अलंकार शास्त्र का इतिहास । कृष्णकुमार २५–००

२१७९ अलंकारशेखरः । केशवमिश्रकृतः । अनन्तरामशास्त्रीकृत भूमिकादियुत २०–००

२१८० अलंकारसंग्रहः । अमृतानन्द योगिकृत १६–००

२१८१ हिन्दी अलंकार सर्वस्वम् । राजानक-रुय्यकसखविरचितं । जयरथकृत 'विमर्शिनी' समुपेतम् एतदुभयं हिन्दी भाष्यानुवाद भूषितं च हिन्दी व्या० डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी श्लेषालंकारान्त २५–०० सम्पूर्ण ६०–००

२१८२ अलंकारसर्वस्वम् । राजानक रुय्यककृत । विद्याचक्रवर्तिकृत संजीवनी संस्कृत व्याख्या सहित । सम्पादिका—कुमारी स. सु. जानकी संशोधक—डॉ० वी० राघवन् ४०–००

२१८३ अलङ्कारसर्वस्वम् । संजीवनी संस्कृत तथा हिन्दी व्याख्या सहित ३०—००
२१८४ अलंकारसारमञ्जरी । [चौ. सी. प्रकाशन] म०म० नारायणशास्त्री ३—००
२१८५ अलंकारों का ऐतिहासिक विकास । डा० राजवंशसहाय हीरा ३५—५०
२१८६ अलंकारों का क्रमिक विकास । पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी १५—००
२१८७ अवदानकल्पलता । (तृतीय पल्लव) क्षेमेन्द्र विरचित १—००
२१८८ अवन्तिकुमारियाँ । देवदत्त शास्त्री ७—५०
२१८९ अशोक के अभिलेख । डॉ० राजबली पाण्डेय १००—००
२१९० आङ्ग्लरोमाञ्चम् । मूल अंग्रेजी से संस्कृत में अनुदित । संस्कृतानुवाद डॉ० हरिहर वि० त्रिवेदी —लक्ष्मीनारायण ओ० जोशी १५—००
२१९१ आधुनिक हिन्दी कविता : एक संकलन । सिद्धिनाथ श्रीवास्तव ६—००
२१९२ आर्यासप्तशती । विश्वेश्वरपण्डित । ग्रन्थकर्तृकृत व्याख्या सहित । १—३ खण्ड १००—००
२१९३ आर्यासप्तशती । विश्वेश्वर पण्डित विरचित । स्वोपज्ञ टीका सहित ११—३५
२१९४ हिन्दी आर्यासप्तशती । गोवर्धनाचार्यकृत । डा० रमाकान्त त्रिपाठी ७५—००
2195 Indian Kavya Literature by A. K. Warder. Vols. i-iv 345-00
२१९६ इन्दिरागान्धीचरितम् । सत्यव्रत शास्त्री ७५—००
२१९७ इन्द-यक्षीय-काव्यम् । हिन्दी टीका सहित ४—००
२१९८ ईश्वरविलासमहाकाव्यम् । कृष्णभट्ट विरचित ११—५०
२१९९ उज्ज्वलनीलमणि: । रूपगोस्वामी कृत । जीवगोस्वामी विरचित 'लोचनरोचनी' तथा विश्वनाथ चक्रवर्ती विरचित 'आनन्दचन्द्रिका' व्याख्या सहित । सम्पा०—म० म० पं० दुर्गाप्रसादशर्मा तथा पं० वासुदेव शर्मा पणशीकर ९५—००
२२०० उत्कीर्णलेखपञ्चकम् । झा बन्धु १०—००
२२०१ उद्भिज्ज-परिषत् । (प्रबन्ध मञ्जरीत:) हृषीकेश शास्त्री भट्टाचार्य विरचित । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । सं० डा० कर्णसिंह ५—००
२२०२ उपाख्यान-मञ्जरी । सम्पादक पं० बटुकनाथ शास्त्री खिस्ते ४—००
2203 Observation on Similes in the Naisadhacarita by P. Bandyopadhyaya. 40—00
२२०४ ऋग्वेदेऽलंकारा: । डॉ० प्रहलाद कुमार ७५—००
२२०५ ऋतम्भरा । डा०वीरमणिप्रसाद उपाध्याय । गोरखपुर यूनिवर्सिटीपाठ्य १—००
२२०६ ऋतुसंहार: । सान्वय 'हरिप्रिया' संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतम् । व्या०—पं० लक्ष्मीप्रपन्नाचार्य ३—००
२२०७ ऋतुसंहार: । संस्कृत टी० भाषा टी०, अंग्रेजी अनुवाद सहित ७ चौ० सा० २—५०

२२०८ ऋतुसंहारः। संस्कृतपद्य हिन्दी, अंग्रेजी अनुवाद सहित। रांगेयराघव (सचित्र) ३०-००

2209 Ritusamhar or The Pagent of the Seasons. Translated from the original Sanskrit Lyrics of Kalidas by R. S Pandit. Frontispice by Nanda Lal Bose 13-50

2210 Ritusamhar. Text with English Translation by C. R. Devadhar. 13-00

२२११ एकावली। विद्याधर कृत। मल्लिनाथ कृत सरल संस्कृत व्याख्या सहित। सम्पा० —डा० पुल्लेल श्रीरामचन्द्रडु ५०-००

२२१२ ओमरखेयाम्। (सचित्र) डा० वीरेन्द्रकुमार भट्टाचार्य ५०-००

२२१३ औचित्यविचारचर्चा। क्षेमेन्द्रकृत। सान्वय 'रमा' संस्कृत हिन्दी व्याख्या विशेष (नोट्स) सहित। व्याख्या—डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी १५-००

२२१४ औचित्यविचारचर्चा-कविकण्ठाभरण-सुवृत्ततिलकम्। क्षेमेन्द्रकृत यन्त्रस्थ

२२१५ औचित्यविचारचर्चारहस्यम्। (प्रश्नोत्तरी) विजयमित्र शास्त्री ६-००

२२१६ कथा-संवर्तिका। डॉ० भागीरथीप्रसाद त्रिप्राठी २-००

२२१७ कथासरित्सागर : एक सांस्कृतिक अध्ययन। वाचस्पति द्विवेदी ३५-००

२२१८ कथासरित्सागरः। सोमदेवभट्ट विरचित। जगदीशलाल शास्त्री सम्पादित। साधारण संस्करण ४०-००, विशिष्ट संस्करण ६०-००

२२१९ कथासरित्सागरः। सोमदेवभट्ट विरचित। केदारनाथ शर्मा सारस्वत कृत हिन्दी टीका सहित। १-३ भाग १२७-५०

२२२० कथासारित्सागर तथा भारतीय संस्कृति। सिद्धनाथ प्रसाद ५५-००

2221 Kathasaritsagara or Ocean of Ssreams of Story. English translation by Tawney. Revised by N. H. Penzer. 10 Vols. 1000-0

2222 Contribution of Appaya Diksita to Indian Poetics by A. Gangopadhyaya. 25-0

2223 Comperative Studies in Pali and Sanskrit Alankaras by H. N. Chatterji

2224 Concept of Poetic Blemishes in Sanskrit Poetics By Dr. Bechan Jha. 75-0

२२२५ कलापिका। (संस्तवक पंचाशिका) डॉ० वीरेन्द्रकुमार भट्टाचार्यकृत ५-०

२२२६ कलाविलासिनी वासवदत्ता। देवदत्त शास्त्री १२-

२२२७ कविकंठाभरणम्। क्षेमेन्द्र। हिन्दी टी० सहित २-

२२२८ कविदर्पणम् । अज्ञातकर्तृक वृत्ति सहित ६-००

२२२९ कविशेखर-पुष्पाञ्जलिः । Kavishekhar Badrinath Jha Felicitation Volume. सम्पादक—अनन्तलाल ठाकुर ६०-००

2230 Kamsavahs. With English trans. & Notes by A. N. Upadhyaya. 4-50

२२३१ कादम्बरी । वाणभट्ट । शेषराजशर्मा 'रेग्मी' कृत 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या । आदितः शुकनासोपदेशान्तो भागः ३५-०० पूर्वार्द्ध ६०-००

२२३२ कादम्बरी । भानुचन्द्र सिद्धचन्द्र कृत संस्कृत टीका तथा हिन्दी भाषानुवाद सहित । १-२ भाग ६५-००

२२३३ कादम्बरीशुकनासोपदेशः । सटिप्पण 'सुधा' संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतम् । व्याख्याकार—पं० परमेश्वरदीन पाण्डेय ५-००

२२३४ कादम्बरी । 'चन्द्रकला' विद्योतिनी संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । पूर्वार्द्ध ६०-००, उत्तरार्द्ध ४०-००, आदितः शुकनासोपदेशान्त भाग ३०-००, सम्पूर्ण १००-००

२२३५ कादम्बरी : एक सांस्कृतिक अध्ययन । डॉ०वासुदेवशरण अग्रवाल ६०-००

२२३६ कादम्बरी का आस्वादन । (कादम्बरी-कथामुख का अनुवाद) ओड़छेश महाराज देवेन्द्र सिंह २-५०

२२३७ कादम्बरी-कथामुखम् । 'चन्द्रिका' संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेतम् । व्याख्याकार-पं० सरयूप्रसाद पाण्डेय १५-००

२२३८ कादम्बरीकथासारः । हिन्दी-अंग्रेजी व्याख्या सहित । बलराम सदाशिव अग्निहोत्री ४०-००

२२३९ कादम्बरी-महाश्वेतावृत्तान्तः । हिन्दी टीका सहित पं०प्रद्युम्नपाण्डेय १५-००

२२४० कादम्बरी-सुषमा । डॉ० कु० रामेश्वरी कुमारी 'रासेश्वरी' । प्रश्नोत्तरी । शुकनासोपदेशान्त भाग । १२-००

2241 Kadambari Sangraha. English Translation & Notes with model questions, (Part I upto Sukanasopadesa) by T. K. Ramachandra Iyer. 10-00

2242 Kadambari Sangraha (Purvabhaga Mahasveta-Vrittanta) English Transation & Notes with Model questions by T. K. Ramachadra Iyer. 10-00

२२४३ कालिदास ग्रन्थावली । रामप्रताप त्रिपाठी ५०-००

२२४४ कालिदास ग्रन्थावली । सीताराम चतुर्वेदीकृत हिन्दी टीका सहित ६०-००

2245 Kalidasa's Vision of Kumara Sambhava by Suryakanta. 40-00

२२४६ काव्य-कदम्ब । संम्पा० भुवनेश्वर प्रसाद पाण्डेय २-५०
२२४७ काव्यकिरणावलिः । रामकिशोर मिश्र १६-००
२२४८ काव्यकौमुदी । श्रीधरानन्द व्याकरणाचार्य ३-५०
२२४९ काव्यतरंगिणी । सम्पादक-डॉ० जगन्नाथ प्रसाद शर्मा । १-२ भाग ११-००
२२५० काव्यदीपिका । संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेता । सम्पूर्ण १४-००, ८-००
२२५१ काव्यदीपिका अष्टमशिखा । सं० हि० व्याख्या २-५०
२२५२ काव्यदोष । (काव्यदोष एक अनुशीलन) डॉ० जनार्दन स्वरूप अग्रवाल ३०-००
२२५३ काव्यपरीक्षा । श्रीवत्सलाञ्छन विरचित । स्वोपज्ञवृत्ति सहित ८-००
२२५४ काव्यप्रकाशः । सपरिशिष्ट 'रहस्यबोधिनी' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—डॉ० गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर शीघ्र
२२५५ काव्यप्रकाशः । साहित्य, चूडामणि-सुधासागर सहित । डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी १३५-००
२२५६ काव्यप्रकाशः । वामनाचार्य झलकीकर प्रणीत व्याख्या सहित १८०-००
२२५७ काव्यप्रकाशः । भट्टसोमेश्वरकृत काव्यादर्शसंकेत सहित १-२ भाग २०-२५
२२५८ काव्यप्रकाशः । काव्यप्रकाशविस्तारिका-व्याख्या विभूषित । सं० डॉ० गौरीनाथ शास्त्री । १-२ भाग ८६-००
२२५९ काव्यप्रकाशः । नागेश्वरी संस्कृत व्याख्या सहित ४५-००
२२६० काव्यप्रकाशः । विद्याचक्रवर्तिकृत सम्प्रदायप्रकाशिनी व्याख्या आंग्लानुवाद सहित । १-२ भाग ५८-००
२२६१ काव्यप्रकाशः । मधुसूदनी संस्कृत तथा बालक्रीडा हिन्दी टीका सहित । पं० मधुसूदन शास्त्री ४४-००
२२६२ काव्यप्रकाशः । चण्डीदासप्रणीत 'दीपिका' व्याख्या सहित २-३भाग २१-५०
२२६३ काव्यप्रकाशः । हिन्दी व्याख्या सहित डॉ० श्रीनिवास शास्त्री ३२-००
२२६४ काव्यप्रकाशः । श्रीकृष्णशर्माविरचित 'रसप्रकाश' टीका, आंग्लानुवाद भूमिकादि सहित । डॉ० शिवनारायण घोषाल । १-५ उल्लास ५०-००
२२६५ काव्यप्रकाश-आलोचनात्मक अध्ययन । डा० पारसनाथ द्विवेदी ९-००
२२६६ हिन्दी काव्यप्रकाशः । व्याख्याकार डॉ० सत्यव्रत सिंह ५०-००
२२६७ काव्यप्रकाशखण्डनम् । खुश्फहम् सिद्धिचन्द्रगणि विरचित ४-५०
२२६८ काव्यप्रकाशरहस्यम् । (परीक्षोपयोगी प्रश्नोत्तरी) ८-००
२२६९ काव्यप्रदीपः । म० म० श्रीगोविन्द प्रणीतः । वैद्यनाथ कृत टीका । पं० दुर्गाप्रसाद तथा वासुदेव लक्ष्मण शास्त्री पणशीकर सम्पादित ५०-००
२२७० काव्य-प्रबन्धः । अनेक शिक्षा संस्थाओं द्वारा स्वीकृत प्रबन्धग्रंथ ७-५०

२२७१ काव्यमंजूषा नाम । रत्नावलीगद्य काव्य-कामकन्दलानाटक-श्रीकालिका मन्दाक्रान्ताशतक-धर्माधिकारिवंशवर्णन-श्रीरेणुकास्तोत्रनाम्नां ग्रन्थ-रत्नानां सग्रहः । ३०-००

२२७२ काव्यमीमांसा । डा० जयमन्त मिश्र ५०-००

२२७३ काव्यमीमांसा । राजशेखर विरचित । श्रीमधुसूदनमिश्रकृत मधुसूदनी संस्कृत व्याख्या सहित सम्पूर्ण समाप्त

२२७४ काव्यमीमांसा । राजशेखरकृत । वृहद् आंग्लभूमिका सहित । सी० डी० दलाल तथा आर० ए० शास्त्री १२-००

२२७५ काव्यमीमांसा । सस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित १-५ अध्याय ७-००, ३-००

२२७६ काव्यमीमांसा । हिन्दी अनुवाद सहित । केदार शर्मा १४-२५

२२७७ काव्यमीमांसारहस्यम् । (१-५ अध्याय,प्रश्नोत्तरी) । विजयमित्रशास्त्री ५-५०

२२७८ हिन्दी काव्यमीमांसा । डॉ० गंगासागर रायकृत हिन्दी टीका सहित ४५-००

२२७९ काव्यलक्षणम् । श्रीमानरत्नकृतया रत्नश्रिया टीकया समलंकृतम् १५-००

२२८० काव्याङ्गदर्पण । डा० विजयबहादुर अवस्थी ४०-००

२२८१ हिन्दी काव्यादर्श । आचार्य रामचन्द्र मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित ४५-००

२२८२ काव्यादर्शः । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । डॉ० धर्मेन्द्रकुमार गुप्त ३०-००

२२८३ काव्यालंकारः । भामहकृत । पं० बटुकनाथ शर्मा तथा पं० बलदेव उपाध्याय कृत भूमिका आदि सहित २५-००

२२८४ हिन्दी काव्यालंकार । रुद्रटविरचित।श्रीरामदेवशुक्लकृत हिन्दीटीका । ५०-००

२२८५ काव्यालंकारकारिका । अभिनवकाव्यशास्त्रम् । डॉ०रेवाप्रसादद्विवेदी ५०-००

२२८६ काव्यालंकारसारसंग्रहः । उद्भट विरचित । इन्दुराजकृत लघुवृत्ति, एन. डी. बनहट्टी प्रणीत अंग्रेजी नोट्स ७५-००

२२८७ काव्यालंकारसार-संग्रह एवं लघुवृत्ति की व्याख्या । व्याख्याकार डॉ रामपूर्ति त्रिपाठी ३०-००

२२८८ काव्यालंकारसूत्रवृत्तिः । 'काव्यालंकारकामधेनु' टीका सहित 'विद्या-धरी' हिन्दी-व्याख्या विभूषित । व्याख्याकार-पं० केदारनाथ शर्मा । तृतीय अधिकरण मात्र ३-००, सम्पूर्ण १५-००

२२८९ काव्यालंकारसूत्राणि । वामन विरचित वृत्ति एवं टिप्पणी युक्त ६-००

२२९० काव्यालंकारसूत्राणि । आचार्य वामनविरचितवृत्तिसमेत । श्रीगोपेन्द्र त्रिपुरहरभूपाल विरचित काव्यालंकार कामधेनु व्याख्या सहित यन्त्रस्थ

२२९१ काव्येन्दुप्रकाशः । कामराज दीक्षितकृत । सं० श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री २०-००

2292 Kiratarjuniyam. Text, Hindi & English Trans. With Notes by M. R. Kale. Cantos i-iii 18-00

२२९३ किरातार्जुनीयम्। सान्वय 'सुधा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेतम्। व्याख्याकार—परमेश्वरदीन पाण्डेय। १–२ सर्ग ४–००
२२९४ किरातार्जुनीयम्-विश्लेषण-प्रश्नोत्तर रूप में। चुन्नीलाल शुक्ल ३–००
२२९५ किरातार्जुनीयम्। विश्वविद्यालय, पाठ्यस्वीकृत। १३वाँ सर्ग। सान्वय संस्कृत-हिन्दी व्याख्यासहित। व्याख्याकार–डॉ० उमेशचन्द्र पांडेय ४–००
२२९६ किरातार्जुनीयम्। घण्टापथ-प्रकाश संस्कृत हिन्दी व्याख्या। सम्पूर्ण ३०–००
२२९७ किरातार्जुनीयम्। 'भावबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका; ३–६ सर्ग ७–२५
२२९८ किरातार्जुनीयम्। आंग्लानुवाद सहित। टी. के. अय्यर। प्र० सर्ग ५–००
२२९९ कीरदूतम्। रामगोपाल कविकृत। रुद्रकृत पिकदूत सहित १–७५
२३०० कीर्तिकौमुदी। सोमेश्वरदेव कृत। सुकृतसंकीर्तन। अरिसिंह ठक्कुरकृत ६–६०
२३०१ कुटुम्बिनी। लछमनसिंह अग्रवाल ६–००
२३०२ कुमारसम्भवः। सान्वय सटिप्पण 'सुधा' संस्कृत-हिन्दी व्या० सहित। व्याख्याकार–पं० परमेश्वरदीन पाण्डेय। १–३ सर्ग ८–००
२३०३ कुमारसम्भवः। सञ्जीवनीप्रकाश सं० हिं० टीका सहित। सम्पूर्ण ४०–००
2304 Kumar Sambhava. Text with English Translation by C. R. Devadhar 50–00
2305 Kumar Sambhava. English. Trans. by R. C. Aiyar. Cantos I, VII 15–00
2306 Kumar Sambhava. With English Trans. & Notes by. M. R. Kale. 50–00, 35–00
२३०७ कुमुदिनीचन्द्रः। मेधाव्रत विरचित ४–००
२३०८ हिन्दी कुवलयानन्द। सम्पादक डॉ० भोलाशंकर व्यास ६०–००
2309 Kuvalayananda with the Comm. of Samnvoyain Sanskrit and English by T. K. Rama Chandra Aiyer. Part i 8–00
२३१० कूर्मवंशयशप्रकाश। (लावारासा) चारण कविया गोपालदास ३–७५
२३११ कृषि पाराशरः। आंग्लानुवाद सहित। गिरजाप्रसन्न मजुमदार ७–५०
२३१२ श्रीकृष्णचरितम्। (महाकाव्यम्) आचार्य रमेशचन्द्र शुक्ल ३०–००
२३१३ कृष्णस्य शान्तिप्रयासः। (महाभारत उद्योगपर्व अध्याय ८१–९३) 'प्रकाश' संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित ७–५०
२३१४ केरलोदयः। (चरित्रकाव्यम्) कवि के. एन. एलुत्तच्छन (संस्कृत) ५०–००
२३१५ कोविदानन्दः। आशाधर भट्ट कृत संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित १५–००
२३१६ क्षेमेन्द्र और उनका समीक्षा सिद्धान्त। डॉ० शिवशेखर मिश्र १०–००

२३१७ खण्डप्रशस्तिः। हनुमत्कविकृत। दशावतारस्तोत्रपञ्जया सुबोधिनी टीका। ७–००

२३१८ गउडवहो। आंग्लानुवाद-टिप्पणी परिशिष्ट शब्दकोशादि सहित। डॉ० नरहर गोविन्द शुक्ल, २५–००

२३१९ गङ्गावतरण। नीलकण्ठदीक्षित प्रणीत। डॉ० रमापति मिश्र कृत 'कमला' हिन्दी व्याख्या सहित २५·००

२३२० गजगुणरूपकबन्ध। सं० सीताराम लालस ९–००

२३२१ गणपतिसम्भवम्। म. म. वि. वा. पं०प्रभुदत्तशास्त्री। हिन्दीटीका १०–००

२३२२ गणिकावृत्तसंग्रहः। डा० स्टर्नवाक संगृहीत ३५–००

२३२३ गाथासप्तशती। 'व्यङ्ग्यसर्वङ्कषा' संस्कृत व्याख्यासहित। व्या०— मथुरानाथ भट्ट ६०–००

२३२४ हिन्दी गाथासप्तशती। (शताधिकगाथाओं से परिवर्धित शोधपूर्ण संस्करण) सम्पादक जगन्नाथ पाठक ४०–००

२३२५ हिन्दी गाथासप्तशती। सम्पादक-नर्मदेश्वर चतुर्वेदी समाप्त

२३२६ गीतगिरीशम्। (रागकाव्यम्)। कविनृपतिरामभट्टकृतम्। सम्पा० प्रभात शास्त्री ६–००

२३२७ गीतगोविन्द। (सचित्र हिन्दी रूपान्तर) विनयमोहन शर्मा २०–००

२३२८ गीतगोविन्दकाव्यम्। 'इन्दु' नामक हिन्दी टीका सहित ६–००

२३२९ गीतपीतवसनम्। (रागकाव्यम्) श्यामरामकविकृत। सं०प्रभातशास्त्री ५–००

२३३० गीतपीतवसनम्। श्रीश्यामराम कविकृत। सम्पा० बाबू मिश्र ३–००

२३३१ गीतिकादम्बरी। अमीरचन्द्र शास्त्री कविरत्न २०–००

२३३२ गुर्जररासावली। ठाकुरदेसाई—मोदी सम्पादित ४५–००

२३३३ घटकर्पर-काव्यम्। आचार्य रामपाल शास्त्री कृत हिन्दी व्याख्या ३–००

२३३४ चउप्पन्न महापुरि संचरिय। सिरि सीलकायरियं विरइयं। अमृतलाल मोहनलाल भोजक सम्पादित २१–००

२३३५ चक्रपाणिविजयमहाकाव्यम्। भट्ट लक्ष्मीधर विरचित ३–५०

२३३६ चण्डीशतक। बाणभट्ट कृत। सम्पादक एवं हिन्दी व्याख्याकार— गोस्वामी कपिलदेव गिरि १०–००

२३३७ चण्डीशतकम्। बाणभट्ट विरचित। कुम्भकर्णकृत वृत्ति समेत अज्ञात-कर्तृकृत टीका सहित ५–२५

२३३८ चतुर्वेदीय संस्कृत रचनावली। महामहोपाध्याय पं० गिरधर शर्मा चतुर्वेदीय विरचित प्रकाशित अप्रकाशित यावत् निबन्धोंका संग्रह २५–००

२३३९ चन्द्रप्रभचरितम्। 'सुधा' हिन्दी व्याख्या सहित। तृतीय सर्ग २–००

२३४० चन्द्रप्रभचरितम् । म० म० शंकरलाल विरचितम् 'पौर्णमासी' संस्कृत व्याख्या, परिशिष्ट, नोट्स सहित । सम्पूर्ण १५–०
२३४१ चन्द्रापीठकथा । स० वी० अनन्ताचार्य १–२
2342 Chandrapeethacharitam. English trans. and Notes by T. K. Ramchandra. 8–0
२३४३ चन्द्रालोकः । गागाभट्टकृत 'राकागम' टीका सहित ४५–०
२३४४ चन्द्रालोकः । पौर्णमासी·कथाभट्टी संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित सम्पूर्ण १५–०
२३४५ चन्द्रालोक-पञ्चममयूखः । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित ५–०
२३४६ चन्द्रालोक-रहस्यम् । (चन्द्रालोक-प्रश्नोत्तरी) १०–०
२३४७ चमत्कारचन्द्रिका । विश्वेश्वर कवि चन्द्र प्रणीत । सं०–श्रीमती डा० पन्दिरि सरस्वती मोहन ३६–००, ५६–०
२३४८ चम्पूभारतम् । रामचन्द्र बुधेन्द्र कृत व्याख्या-सुगम टिप्पणीयुक्त ७५–०
२३४९ चम्पूभारतम् । 'प्रकाश' संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतम् ६०–०
२३५० चम्पू भारतम् । नारायणसूरिविरचित टीका सहित १२–०
२३५१ चम्पूरामायणम् । 'कल्याणी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, नोट्स सहित, बालकाण्ड ६–००, सुन्दरकाण्ड ६–००, सम्पूर्ण २५–०
२३५२ चम्पूरामायणम् । राजाभोज कृत १–५ खण्ड तक, लक्ष्मणसूरि कृत छठवाँ खण्ड । रामचन्द्र बुधेन्द्रकृत टीका । वासुदेवलक्ष्मण शास्त्री पणशीकर सम्पादित ४०–०
२३५३ चारुचर्या । क्षेमेन्द्र विरचित । 'प्रकाश' हिन्दी अनुवाद सहित २–०
२३५४ हिन्दी चारुचर्या । सम्पा० देवदत्त शास्त्री १०–५
२३५५ चित्रकाव्यकौतुकम् । रामरूप पाठक कृत । सम्पा०--प्रेमलता शर्मा १२–०
२३५६ चित्रमीमांसा । अप्पयदीक्षितकृत । धरानन्द कृत सुधा संस्कृत व्याख्या २५–०
२३५७ चित्रमीमांसाखण्डनम् । नागेशकृत 'मर्मप्रकाश' संस्कृत टीका सहित विमर्शमयी 'बालक्रीडा' हिन्दी व्याख्योपेतम् । व्या०--आचार्य मधुसूदन शास्त्री २०–०
२३५८ हिन्दी चित्रमीमांसा । (धरानन्दकृत 'सुधा' टीका सहित) । डॉ० जगदीशचन्द्र मिश्र सम्पादित ४०–०
२३५९ चिद्गगनचन्द्रिका । महाकवि कालिदास प्रणीत । क्रमप्रकाशिका व्याख्या सहित ४६–०
२३६० चिन्तन के नये चरण । देवदत्त शास्त्री ३०–०

२३६१ चिमनीचरितम् । श्री नीलकण्ठशुक्ल । सं० प्रभातशास्त्री ८–००
२३६२ चैतन्यमंगल । जयचन्द्र विरचित । सं०-बी० मजुमदार । (बंगाक्षर) ३०-००
२३६३ चोलचम्पू । विरुपाक्षकीय विरचित १–००
२३६४ हिन्दी चौरपञ्चाशिका । सम्पादक--ब्रजेशचन्द्र श्रीवास्तव १०–००
२३६५ छन्दःकौमुदी । म० म० नारायणशास्त्री ०–७५
२३६६ छन्दःशास्त्रम् । पिङ्गलाचार्य विरचित । हलायुधवृत्ति सहित 'छन्दो-निरुक्ति' विभूषित । निरुक्तिकार श्रीमधुसूदन विद्यावाचस्पति ५५–००
२३६७ छन्दश्चन्द्रिका । प्रथमा के विद्यार्थियों के लिए छन्द की उत्तम पुस्तक प्रश्नपत्र सहित ०–७५
२३६८ छन्दःसारः । संस्कृत हिन्दी टीका सहित २–००
२३६९ छन्दःसूत्रभाष्यम् । श्रीयादवप्रकाशकृतम् । सं०-हरिदास सिंह २५–००
२३७० छन्दोदर्शनम् । ऋषि देवराज । श्रीकाव्यकंठ गणपति मुनि विरचितेन
२३७१ वासिष्ठान्वयभाष्येण परिष्कृतम् ४५–००
२३७२ छन्दोनुशासनम् । हेमचन्द्रसूरिकृत १४–००
२३७३ हिन्दी छन्दोमञ्जरी । संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेता ८–००, १०–००
२३७४ जम्बदीव-पण्णत्ति संगहो । पउमणदिकाओं । हिन्दी टीका सहित १६–००
२३७५ जयदामन् । जयदेव छन्द-जयकीर्तिछन्दोनुशासन-केदारवृत्तरत्नाकर हेमचन्द्र छन्दानुशासन । वेलङ्कर सम्पादित १०–००
२३७६ हिन्दी जानकीहरण । १–२ सर्ग । सम्पा० डॉ० यदुनन्दनमिश्र २०–००
२३७७ जैन-राजतरंगिणी । श्रीवरकृत । आलोचनात्मक भूमिका, ऐतिहासिक भौगोलिक, सांस्कृतिक अध्ययन तथा हिन्दी अनुवाद सहित । व्याख्याकार—डॉ० रघुनाथ सिंह । १-२ भाग ३५०–००
२३७८ टालस्टाय-कथासप्तकम् । डॉ० भागीरथप्रसाद त्रिपाठी १०–००
२३७९ तुलसीमञ्जरी । (गोस्वामी तुलसीदास की संस्कृत पद्यबद्धजीवनी) श्री हरिनाथ झा ०–००
२३८० Theory of Rasa in Sanskrit Drama by H. R. Mishra. 80–00
२३८१ त्रिवेणिका । आशाधरभट्टकृत । हिन्दी व्याख्या सहित १५–००
२३८२ थाइदेशविलासम् । सत्यव्रतशास्त्री ४०–००
२३८३ दयानन्ददिग्विजयमहाकाव्य । मुनि मेधावृताचार्य प्रणीत स० हि० व्याख्या सहित । १-३ सर्ग ८ ००
२३८४ दशकण्ठवधम् । (रामचरितम्) दुर्गाप्रसाद द्विवेदी विरचितम् स्वोपज्ञसाधुशुद्धि टीका समन्वित ४–००
2385 Dasakumarcharitam. With English Translation by C. S. Rama Sastri, Purvapithika. 6–00

2386 Dasakumarcharita Text With English Translation & Notes by M. R. Kale. 50–00 25–00

२३८७ दशकुमारचरितम् । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या । सम्पूर्ण २५–००

२३८८ दशकुमारचरितम् । पददीपिका-पदचन्द्रिका-भूषण-लघुदीपिका व्याख्या चतुष्टय तथा पाठान्तर-टिप्पणी सहित । सम्पादक—नारायणराम आचार्य 'काव्यतीर्थ' ६५–००

२३८९ दशकुमारचरितम् । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—आचार्य पं० शेषराज शर्मा 'रेग्मी' । पूर्वपीठिका ८–०० सम्पूर्ण अतिशीघ्र

२३९० दशरूपक आलोचनात्मक अध्ययन । प्रो० चुन्नीलाल शुक्ल ५–००

२३९१ दशरूपकम् । 'दशरूपावलोक' टीकोपेतम् । जगद्गुरु श्रीचरणतीर्थ महाराजकृत विस्तृत अंग्रेजी व्याख्या, टिप्पणी सहित । प्रथमप्रकाश १५–००

२३९२ दशरूपकम् । सावलोक 'ज्योत्स्ना' हिन्दी व्याख्या, परिशिष्ट सहित व्याख्याकार—डॉ० सुधाकर मालवीय २५–००

२३९३ दशरूपकतत्त्वदर्शनम् । रामजी उपाध्याय १५–०० २५–००

२३९४ दशावतारचरितम् । क्षेमेन्द्र कृत । सम्पा०—म० म० पं० दुर्गाप्रसाद काशीनाथ पाण्डुरङ्ग परब ५०–००

२३९५ देवीचरित । कवि राजा ठाकुर बुधसिंह । सं० हुकुमचन्द चतुर्वेदी १–२ भाग ३४–११

२३९६ दो फूल । कविता सहाय १–००

२३९७ धम्मपद । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित । कनछेदीलाल गुप्त १५–००

२३९८ धार्मिकवर्णनलक्षणकाव्यम् । ०–४०

२३९९ ध्वन्यालोकः । लोचन संस्कृत हिन्दी टीका सहित । रामसागर त्रिपाठी १–३ भाग ५४–००

२४०० ध्वन्यालोकः । अभिनवगुप्त विरचित व्याख्या सहित । सम्पा०–म०म० पं० दुर्गाप्रसाद काशीनाथ पाण्डुरङ्ग परब ५०–००

२४०१ हिन्दी ध्वन्यालोक-लोचन सहित । सम्पा०-जगन्नाथ पाठक । प्रथम उद्योत २०–००, १-२ उद्योत ३५–००, सम्पूर्ण ग्रंथ ५५–००

२४०२ ध्वन्यालोकः । 'दीधिति' संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित । १-२ उद्योत २०-००

२४०३ ध्वन्यालोकः । 'दीधिति' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेत सम्पूर्ण ४५–००

२४०४ ध्वन्यालोक-आलोचनात्मक अध्ययन । पारसनाथ द्विवेदी ५–००

२४०५ ध्वन्यालोकदर्पणम् । (ध्वन्यालोक-प्रश्नोत्तरी) श्रीमती इंदिरा मिश्रा १०–००

२४०६ ध्वन्यालोकसारः । आचार्य श्रीपुरुषोत्तमशर्मा चतुर्वेदी ६–००

2407 Dhvanyalok of Ananda Bardhana English translation by B. P. Bhattacharya. 3 Parts 90-00

२४०८ नर्मसप्तशती। हिन्दी-आङ्गलानुवाद सहित। भागीरथप्रसाद त्रिपाठी 'वागीश शास्त्री' ४५-००

२४०९ हिन्दी नलचम्पू। त्रिविकम भट्ट विरचित। 'विषमपदप्रकाश' संस्कृत व्याख्या एवं हिन्दी टीका सहित। प्रथम उच्छ्वास ५-०० १-२ उच्छ्वास १८-०० सम्पूर्ण ४०-००

२४१० नलचम्पूः। त्रिविक्रम भट्ट विरचित। 'सुधा' संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित। परमेश्वरीदीन पाण्डेय। प्रथम उछ्वास १०-०० १-२ उच्छ्वास १५-०० १-५ उच्छ्वास ३५-००

२४११ नलचम्पू-विश्लेषण। प्रश्नोत्तर रूप में ३-००

२४१२ नलोपाख्यानम्। (महाभारत वनपर्व) 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित १५-००

2413 Nalopakhyanam : Story of Nala. The Sanskrit Text with Eng. Translation by Monier Williams 100-00

२४१४ नवसाहसांकचरितम्। आचार्य परिमल पद्मगुप्त कृत। हिन्दी व्याख्या तथा विस्तृत अध्ययन सहित। सम्पूर्ण ७५-००

२४१५ नाचिकेतस महाकाव्यम्। भाषा टीका। कृष्णप्रसाद शर्मा घिमिरे १२-००

२४१६ नानकचन्द्रोदयमहाकाव्यम्। देवराजशर्म विरचित। सं० व्रजनाथझा ७४-६०

२४१७ नीलकण्ठविजयचम्पूः। 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित १५-००

२४१८ नृसिंहचम्पूः। विमर्शाख्य संस्कृत हि० टीका। डॉ० सूर्यकान्त शास्त्री १५-००

२४१९ नेमिनिर्वाणकाव्यम्। वाग्भट विरचित ३-००

२४२० नैषधमहाकाव्यम्। आलोचनात्मक अध्ययन। प्रो० चुन्नीलाल शुक्ल ३-००

२४२१ नैषधीयचरितम्। श्रीहर्ष विरचित। नारायणी व्याख्या सहित ५०-००

२४२२ नैषधीयचरितम्। मल्लिनाथकृत 'जीवातु' संस्कृत टीका सहित सान्वय सटिप्पण 'चन्द्रिका' हिन्दी व्याख्योपेतम्। हिन्दी व्याख्याकार—डॉ० देवर्षि सनाढ्य। प्रथम सर्ग ८-००, १-३ सर्ग १८-००, १-५ सर्ग २७-००, १-९ सर्ग ४५-००, १-११ सर्ग पूर्वार्ध ५०-००, १०-११ सर्ग १५-०० १२-२२ सर्ग उत्तरार्ध शीघ्र

२४२३ नैषधीयचरितम्। (प्रश्नोत्तरी) १-५ सर्ग। त्रिलोकीनाथ द्विवेदी १०-००

२४२४ नैषधीयचरितम् में रसयोजना (नैषधीयचरित का समीक्षात्मक अध्ययन) डॉ० रविदत्त पाण्डेय ३०-००

२४२५ पउमचरियं। विमलसूरि विरइयं। हिन्दी अनुवाद। प्रथम भाग १८-००

२४२६ पञ्चामृत। (बी० ए० परीक्षा निर्धारित—१. सूर, २. तुलसी, ३. केशव, ४. बिहारी, ५. भूषण की सविमर्श कविता सग्रह) सं० गौतम हंसवंशी ३-००

२४२७ पञ्चामृतम् । (अंग्रेजी) सम्पा०-डा० मण्डन मिश्र १५-००

२४२८ पद्यमुक्तावली । श्रीकृष्णभट्टकृत । सम्पा०-मथुरानाथ शास्त्री ४-००

२४२९ परशुरामदिग्विजयमहाकाव्यम् । विमला नामक हिन्दी टीका समेत ५-००

२४३० पवनदूतम् । धोयीविरचित । उमेश शर्माकृत हिन्दी टीका ७-५०, १२-००

२४३१ पारिजातहरणचम्पूः । सान्वय—'श्रद्धा' हिन्दी व्याख्योपेता ८-००

२४३२ पारिजातहरणचम्पूः । सम्पा०—म० म० पं० दुर्गाप्रसाद काशीनाथ शर्मा, पाण्डुरङ्ग परब । मूलमात्र ४०-००

२४३३ पारिजातहरणमहाकाव्यम् । सं०-श्री अनन्तलाल देवशर्मा ८-००

२४३४ पिङ्गलच्छन्दःसूत्रम् । (वैदिकच्छन्दःप्रकरणान्तम्) हलायुधवृत्तियुत कादम्बिनी हिन्दी टीका एवं टिप्पणी सहित ३-००

२४३५ पुष्पबाणविलासम् । महाकवि कालिदास । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या २-००

२४३६ पौलस्त्यवध अथवा रामायणमहाकाव्य । वाल्मीकि विरचित । सम्मार्जनी हिन्दी अनुवाद । महाराजा देवेन्द्रसिंहदेव । बालकाण्ड १६-००

२४३७ प्रतापरुद्रीयम् । कुमारस्वामि सोमपीथिप्रणीत 'रत्नापण' संस्कृत टीका तथा आचार्य मधुसूदन शास्त्रीकृत 'बालक्रीडा' हिन्दी टीका सहित ५०-००

२४३८ प्राकृतगाथासप्तशती । आंग्लानुवाद सहित । राधागोविन्द बासक १०-००

२४३९ प्राकृतपुष्करिणी । हिन्दी अनुवाद । ५१० प्राकृत गाथाओं का सग्रह १०-००

२४४० प्राकृतपैङ्गलम् । संस्कृत व्याख्या त्रयोपेतम् । हिन्दी टीका सहित । सम्पा० डॉ० भोलाशंकर व्यास । १–२ भाग ३-००

२४४१ प्रचीनगुर्जरकाव्यसङ्ग्रहः । सम्पा० सी० डी० दलाल । प्रथम भाग १८-००

२४४२ प्राणाभरणम्-जगदाभरणम् । पण्डितराज जगन्नाथ विरचित । 'बालक्रीडा' हिन्दी व्याख्याकार आचार्य मधुसूदन शास्त्री १५-००

२४४३ प्रियतम्यां परमेश्वरः । टालस्टाय । अनु०डा०भागीरथप्रसाद त्रिपाठी यन्त्रस्थ

२४४४ प्रेमरसायनम् । श्री विश्वनाथपण्डित रचितम् । सटीकम् ४-००

2445 Figurative Poetry in Sanskrit Literature by K. N. Jha. 35-00

२४४६ बिहारी रत्नाकर अर्थात् बिहारी सतसई पर रत्नाकर टीका । जगन्नाथदास 'रत्नाकर' २२-००

२४४७ बुद्धचरितम् । सरल हिन्दी अनुवाद सहित । अनुवादक—महन्त श्री रामचन्द्रदास शास्त्री । १–२ भाग २५-००

२४४८ बृहत्कथा । नीलम अग्रवाल ४०-००

२४४९ बृहत्कथामञ्जरी । क्षेमेन्द्र विरचित । पात्रनामानुक्रमणिका सहित । सम्पा०—म० म० शिवदत्त तथा परब ९०-००

२४५० बौद्धालङ्कारशास्त्रम् । सुबोधालंकार-स्वभाषालंकारात्मकम् । संस्कृत हिन्दी अनुवाद सहित । सम्पा०— डॉ० पुष्पेन्द्रकुमार शर्मा १५-००

२४५१ भट्टिकाव्यम् । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी-व्याख्योपेतम् १–४ सर्ग १०–००
५–८ सर्ग १५–००, १–६ सर्ग १५–००, ७–११ सर्ग १५–००
१२–२२ सर्ग ॰ –००, सम्पूर्ण ४५–००

2452 Bhattikavya : A Study by S. P. Narang. 15–00

२४५३ भट्टिमहाकाव्यरहस्यम् । (प्रश्नोत्तरी) व्याख्या व्युत्पत्ति सहित ।
आचार्य विजयमित्र शास्त्री १–४ सर्ग ८–००, ५–८ सर्ग ८–००
१४–१७ सर्ग ८–००, १८–२२ सर्ग ८–००

२४५४ भर्तृहरिशतकत्रयम् । (नीति, श्रृङ्गार, वैराग्य) गद्य-पद्यानुवाद १२–००

२४५५ भामिनीविलासः । पण्डितराज जगन्नाथ विरचित । 'प्रकाश' हिन्दी
व्याख्या सहित । अन्योक्ति विलास मात्र २५–००, सम्पूर्ण ६०–००

२४५६ भारत कथा । 'बोधिनी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित ३–००

२४५७ भारतसंग्रहः । (गद्यकाव्य) लक्ष्मणसूरि विरचित ५–००

२४५८ भारतीय आलोचनाशास्त्र । डॉ० राजवंशसहाय हीरा ३१–००

२४५९ भारतीय साहित्य की रूपरेखा । डॉ० भोलाशंकर व्यास ३०–००

२४६० भारतीय साहित्य शास्त्र । गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे ३०–००

२४६१ भारतीय साहित्य शास्त्र । आचार्य बलदेव उपाध्याय । १–२ भाग ६५–००

२४६२ भावप्रकाशन । एक समालोचनात्मक अध्ययन । डा० रामरंग शर्मा ४५–००

२४६३ भावप्रकाशनम् । शारदातनय विरचित । हिन्दी भाष्यानुवादकार—
डॉ० मदनमोहन अग्रवाल १००–००

२४६४ भोज और कालिदास । हिन्दी टीका सहित १५–००

२४६५ भोजप्रबन्धः । विद्योतिनी संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतः । व्याख्याकार—
डॉ० देवर्षिसनाढ्य शास्त्री ६–००

२४६६ भोजप्रबन्धः । श्री बल्लालसेन विरचित सटिप्पण १–००

२४६७ सचित्र मधुमालतीकथा । चतुर्भुजदास कृत । सं० फतहसिंह १८–००

२४६८ मन्दाकिनी । डॉ० देवर्षि सनाढ्य सम्पादित ५–००

२४६९ मलयमारुतः । डॉ० पी० राघवन सम्पादित १–२ भाग १०–००

२४७० महाकवि कालिदास । डॉ० रमाशंकर तिवारी ४०–००

२४७१ महाभारतीयशीलनिरूपणाध्यायः । सुधा-संस्कृतहिन्दी टीका सहित २–००

2472 Mahasubhasitasangraha by L. Sternaback. Vols. I-IV 600–00

२४७३ माघेऽलंकारविमर्शः । कल्याण भारती ५०–००

२४७४ मानसोल्लासः । भूलोकमल्लसोमेश्वरभूपति विरचित । प्र० भाग १६–००

२४७५ मूलरामायण । महाभारतीयशीलनिरूपणाध्यायो । 'सुधा' सं० हिं० टीका ४–५०

२४७६ मूलरामायणम् । सुधा संस्कृत-हिन्दी टीका सहित २–५०

२४७७ मेघदूत । संस्कृत पद्य हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद सहित । डॉ०रांगेयराघव ५०—००
२४७८ मेघदूतः । आलोचनात्मक अध्ययन । चुन्नीलाल शुक्ल ४—००
२४७९ मेघदूतः । एक अध्ययन । वासुदेवशरण अग्रवाल २०—००
२४८० मेघदूतम् । संस्कृत श्लोक, पद्यात्मक अनुवाद तथा हिन्दी भाषानुवाद सहित । सुधाकर मिश्र १५—००
2481 Meghaduta. Text with English Translation by C.R. Devadhar 13-00
2482 Meghaduta. With English Taranslation by H. Wilson 25-00
2483 Meghadutam. With Katyani Sanskrit Commentary and English Trans. by Shri Charn Tirth Maharaj Shortly
2484 Meghasandesha. Sankrit text with English Translation and notes by C. S. Rama Shestri 6-00
2485 My Autobiography. A Fragment by F. Max Muller. With portraits. 60-00
२४८६ मेघदूतम् । सान्वय इन्दुकला संस्कृत-हिन्दी व्याख्या टिप्पणी (नोट्स) सहित । व्याख्याकार—पं० वैद्यनाथ झा पूर्वमेघ ७—००, सम्पूर्ण १४—००
२४८७ मेघदूत-रहस्यम् । (मेघदूत-प्रश्नोत्तरी) । डॉ० रमाशंकर मिश्र ८—००
२४८८ मोहन की वंशी । भजनसंग्रह । डॉ० व्रजमोहन २—००
२४८९ यशस्तिलकचम्पू । हिन्दी टीका सहित । सुखनन्दन जैन ५—००
२४९० यशोधरचरितम् । वादिराजकृत । लक्ष्मण कृत व्याख्या तथा के० कृष्णमूर्तिकृत आंग्लानुवाद सहित ५—००
२४९१ यादवाभ्युदयः । वेदान्तदेशिक विरचित । अप्पयदीक्षितकृत व्याख्या सहित । १—१४ सर्ग ४०-००
२४९२ युधिष्ठिर-विजयम् । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या विभूषित ७५—००
२४९३ रघुवंशदर्पणम् । डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी सम्पादित ४०—००
२४९४ रघुवंश-प्रश्नोत्तरी । विविध प्रश्नपत्रों से विभूषित । पं० रामचन्द्र झा प्रथम सर्ग २—००, द्वितीय-तृतीय सर्ग एक साथ २—५०
२४९५ रघुवंशमहाकाव्यम् । प्रश्नोत्तरसहितम् । मल्लिनाथी टीका सहित सान्वय 'इन्दुमती' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, व्युत्पत्ति, पदपदार्थ, समास, विग्रह, कोश सहित । पं० रामचन्द्र झा । प्रथम सर्ग ३—५०
मल्लिनाथी टीका विभूषित उपर्युक्त 'इन्दुमती' टीका आदि सहित २—५ सर्ग १४—००, ५—७ सर्ग ७—००
२४९६ रघुवंशमहाकाव्यम् । 'मल्लिनाथी' तथा सान्वय 'हरिप्रिया' संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित । व्या०—पं० लक्ष्मीप्रपन्नाचार्य सम्पूर्ण ४०—००

२४९७ रघुवंशमहाकाव्यम् । 'चन्द्रिका' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या १३–१४ सर्ग ७–००
तेरहवाँ सर्ग ३–५०, चौदहवाँ सर्ग ३–५०

२४९८ रघुवंशमहाकाव्यम् । सञ्जीवनी, वल्लभ, हेमाद्रि, दिनकर मिश्र एवं अनेक प्राचीनतम टीकाओं के विशिष्टांश, विषयवर्णनात्मक परिशिष्ट श्लोकानुक्रम, वृत्तविवरण एवं सम्पादकीयटिप्पणीकेसाथ २०–००

२४९९ Raghuvamsa. Text with English Translation and notes by C. R. Devadhar. 120-00

2500 Raghuvansa Mahakavya, English trans. by M. R. Kale.
Cantos I–II, 4–00, I–V 12–00

२५०१ रसकौस्तुभः । वेणीदत्तझाकृत । डॉ० ब्रह्ममिश्र अवस्थीकृत हिन्दीटीका १५–००

२५०२ रसगङ्गाधरःएक समीक्षात्मक अध्ययन । कु० चिन्तामणि माहेश्वरी ५०–००

२५०३ हिन्दी रसगंगाधर । ('चन्द्रिका' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित)
प्रथमानन पर्यन्त प्रथम भाग ४०–००
द्वितीयानन का उत्प्रेक्षानिरूपणान्त द्वितीय भाग ८०–००
अतिशयोक्त्यलङ्कारादि समाप्तिपर्यन्त तृतीय भाग ८०–००

२५०४ रसगङ्गाधरः । केदारनाथ ओझाकृत रसचन्द्रिका व्याख्या १-२ भाग ८२–००

२५०५ रसगङ्गाधरः । नागेशभट्टकृत 'मर्मप्रकाश' टीका सहित १-३ भाग १०७–००

२५०६ रसगङ्गाधर । जगन्नाथ पण्डितराज विरचित । नागेशभट्टकृत 'गुरुमर्मप्रकाश' व्याख्या तथा भट्ट मथुरानाथ मञ्जुनाथकृत 'सरला' टीका सहित ८५–००, ६०–००

२५०७ रसगङ्गाधर का शास्त्रीय अध्ययन । डॉ० प्रेमस्वरूप गुप्त १२–००

२५०८ रसगङ्गाधररहस्यम् । (प्रश्नोत्तरी) पं० मदनमोहन झा ५–०० ✓

२५०९ रसगङ्गाधरहृदयम् । (सविमर्श प्रश्नोत्तरी) श्री ज्ञानचन्द त्यागी १२–०० ✓

२५१० रसचन्द्रिका । श्रीविश्वेश्वर पांडेय निर्मित ६–००

२५११ रसचन्द्रिका । मधुसूदन कवीन्द्र विरचित । शिवनारायणशास्त्री कृत आंग्लभाषा में ऐतिहासिक भूमिका समीक्षा चकोराख्य टिप्पणी सहित । १-२ भाग ४२–००

२५१२ रसतरंगिणी । भानुदत्त मिश्रकृत । अनु० तथा अभिनव व्याख्याकार पं० सीताराम चतुर्वेदी ९–००

२५१३ रसतरंगिणी । रामानन्दठाकुर कृत । बदरीनाथ शर्मा सम्पादित २–२५

२५१४ रसतरंगिणी । भानुदत्तमिश्रकृत । गोपालदत्तजोशीकृतहिन्दीटीकासहित ३३–००

२५१५ हिन्दी रसमञ्जरी । भानुदत्तमिश्र विरचित 'सुरभि-सुषमा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित २५–००

२५१६ रसमीमांसा । गंगाराम जडीकृत । स्वोपज्ञ छाया हिन्दी टीका १–२५

२५१७ रसमीमांसा । आचार्य रामचन्द्र शुक्ल २६–००

२५१८ रसराजः । कविवर मतिरामकृत व्याख्या, समालोचनादि सहित समाप्त

२५१९ रसविलासः । भूदेवशुक्ल कृत । श्रीमती प्रेमलता शर्मा संपादित ५–००

२५२० रससिद्धान्तः । डॉ० नगेन्द्र प्रणीत । अनु०—अमीरचन्द्रशास्त्री १५–००

२५२१ रसार्णवसुधाकरः । शिंगभूपाल प्रणीत । संशोधक डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी ८–००

२५२२ रसार्णवसुधाकरः । शिंगभूपाल प्रणीत । संपादक–टी० वेंकटाचार्य ११०–००

२५२३ रसिकजीवनम् । रामानन्दपति त्रिपाठी कृत ७–००

2524 Rasikapriya of Keshavadasa. English trans In Verses With Introduction Notes by K. P. Bhandarkar. 35·00

२५२५ रसिकाष्टककाव्यम् । ०–१०

२५२६ राक्षसकाव्यम् । 'नूतनकिशोरकेलि' व्याख्या सहितम् १–००

२५२७ राघवनैषधीयम् । हरदत्तसूरिविरचितम् । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या०—आचार्य रामकुबेर मालवीय १०–००

२५२८ हिन्दी राघवपाण्डवीय । व्याख्याकार—पं० दामोदर झा ७५–००

२५२९ राजतरंगिणी । श्री जोनराजकृत । प्राञ्जल हिन्दी अनुवाद तथा विस्तृत ऐतिहासिक विमर्शात्मक व्याख्या सहित । व्याख्या०—डॉ० रघुनाथ सिंह १००–००

२५३० जैनराजतरंगिणी । श्रीवर कृत । हिन्दी भाष्य तथा अनुवाद सहित । डॉ० रघुनाथ सिंह १-२ भाग ३००–००

२५३१ राजतरंगिणी । जैन श्रीधर तथा शुक विरचित । मूलमात्र । श्रीकंठ कौल सम्पादित ४२–००

२५३२ राजतरंगिणी । शुक विरचित । प्राञ्जल हिन्दी अनुवाद तथा विस्तृत ऐतिहासिक विमर्शात्मक व्याख्या सहित । व्याख्या०—डॉ० रघुनाथ सिंह १२५–००

२५३३ राजतरंगिणी । कल्हणकृत । विश्वबन्धु सम्पादित । १–२ भाग ८४–००

२५३४ राजतरंगिणी । कल्हण विरचित । M. A. Stein सम्पादित १५०–००

२५३५ राजतरंगिणी । कल्हण कृत । हिन्दी अनुवाद, भाष्य एवं टिप्पणी सहित । डॉ० रघुनाथ सिंह । १ ४ खण्ड ५५०–००

२५३६ रामकृष्णविलोमकाव्यम् । दैवज्ञ श्रीसूर्यकविकृत । डॉ०कामेश्वरनाथ विरचित हिन्दी व्याख्या विभूषित ३–००

२५३७ रामगीतगोविन्दम् । श्रीजयदेव । हनुमान त्रिपाठी कृत संस्कृत टीका १०–००

२५३८ रामचरितम् । सन्ध्याकरनन्दिन । आंग्लानुवाद सहित । राधागोविंद बसक । सम्पा०—हरप्रसाद शास्त्री ३२–००

२५३९ रामवनगमनम् । 'सुधा' 'इन्दुमती' संस्कृत हिन्दी टीका सहित ४-००

२५४० रामशतकम् । सोमेश्वरदेव कृत । हृदयमंजरी तथा बालबोधिनी टीका सम्पा०--मुनिपुण्यविजय तथा भोगीलाल जे० सन्देशरा २५-००

२५४१ रामानुजचम्पूः । रामानुजाचार्यकृत । सव्याख्यानम् ३-००

२५४२ रामाभ्युदययात्रा । रुद्रप्रसाद अवस्थीकृत संस्कृत हिन्दी व्याख्या १०-००

२५४३ रामायणमंजरी । सुन्दरकांड । सटीक । पं० श्यामबिहारी शुक्ल १-७५

२५४४ रामायणमञ्जरी: । क्षेमेन्द्र विरचित । मूलमात्र १२५-००

२५४५ रुक्मिणीकल्याणकाव्यम् । राजचूड़ामणि दीक्षित कृत ५-००

२५४६ रुक्मिणीहरणमहाकाव्यम् । काशीनाथ शर्मा द्विवेदी सम्पादित २५-००

२५४७ लीलारसतरंगिणी । महाराज शिवप्रकाश सिंह कृत । भाषा ४५-००

२५४८ लोलिम्बराज-ग्रन्थावली । सं०--डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी १५-००

२५४९ वक्रोक्तिजीवितम् । राजानक कुन्तक विरचितम् । सव्याख्या । ए. के. दे सम्पादित ५५-००

२५५० हिन्दी वक्रोक्तिजीवित । व्या०—राधेश्याममिश्र सम्पूर्ण ५०-००
प्र० उन्मेष १५-००, प्र०-द्वि० उन्मेष ३०-००

२५५१ वक्रोक्तिजीवितरहस्यम् ।(प्रश्नोत्तरी)प्रथम उन्मेषः । विजयमिश्रशास्त्री ५-००

२५५२ वरदाम्बिकापरिणयचम्पूः । तिरुमाम्बा विरचित । आंग्लानुवाद सहित । डॉ० सूर्यकान्त सम्पादित ७५-००

२५५३ वरदराजस्तवः । श्रीअप्पय्यदीक्षितकृत । डॉ० ओमप्रकाश पाण्डेय कृत विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या सहित १०-००

२५५४ वसन्तविलासफागु । सम्पादक मधुसूदन चिमनलाल मोदी ५-५०

२५५५ वसुचरितम् । कालहस्तिकवि विरचित । रामराजु सम्पादित ४-००

२५५६ वाग्भटालंकारः । संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित ८-००

२५५७ वाग्वल्लभः । 'वरवर्णिनी' नामक टीकायुतः २०-००

२५५८ वासवदत्ता । 'चपला' संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेता २५-००

२५५९ विक्रमांकदेवचरितम् । 'सुचारु' 'सुरभि' संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेतम् । व्याख्याकार—डॉ० गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर । प्रथम सर्ग ८-००

२५६० विक्रमांकदेवचरितम् । बिल्हण विरचित । रमा संस्कृत हिन्दी टीका सहित । १ व ३ भाग २२-५०

२५६१ विज्ञानगीतम् । लछमन सिंह अग्रवाल ३-००

२५६२ विदग्धमुखमण्डनकाव्यम् । धर्मदाससूरिविरचित । चन्द्रकला हिन्दी व्याख्या । व्याख्याकार—पं० शेषराम शर्मा रेग्मी ६०-००

२५६३ विदुलोपाख्यानम् । लीला विलास संस्कृत हिन्दी टीका सहित २-००

२५६४ विद्वद्विभूति । (संस्कृत के प्राचीन तथा नवीन विद्वानों की जीवनियाँ) ६-००

२५६५ विन्ध्यवासिनीविजयमहाकाव्यम् । महाकविवसन्तत्र्यम्बक शेवडे विरचित । सम्पा०—डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी १५-०

२५६६ विश्रुतचरितम् । बालबोधिनी' संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित १-

२५६७ विश्वगुणादर्शचम्पूः । 'पदार्थचन्द्रिका' संस्कृत हिन्दी व्याख्या ६०-०

२५६८ वीरोत्साहवर्धनम् । पं० सुरेशचन्द्र त्रिपाठी १-०

२५६९ वृत्तजातिसमुच्चयः । विरहाङ्ककृत । गोपाल कृत सव्याख्या ५-

२५७० वृत्तमणिमाला । म० म० गणपतिशास्त्रीकृत । आंग्लानुवाद सहित ५-०

२५७१ वृत्तमुक्तावली । श्रीकृष्णभट्टकृत ३-

२५७२ वृत्तमौक्तिकम् । भट्ट चन्द्रशेखर विरचित । भट्ट लक्ष्मी कृत वार्तिक दुष्करोद्धार मेघविजयमणि कृत दुर्गमबोध व्याख्या सहित १८-

२५७३ वृत्तरत्नाकर । 'नारायणी' 'सेतु' उभय संस्कृत तथा 'बालक्रीडा' हिन्दी व्याख्या सहित । व्या०—आचार्य मधुसूदन शास्त्री १२-

२५७४ वृत्तरत्नाकरः । भट्ट केदारविरचित (तात्पर्य टीका, सुकविहृदयानन्दिनी, वेंकटेशकृतपञ्चिका) टीका चतुष्टयोपेतः १६-

२५७५ वृत्तरत्नावली अप्पयदीक्षित । संस्कृत व्याख्या आंग्लानुवाद सहित ४-

२५७६ वृत्तिवार्तिकम् । वृत्तिप दीक्षित । सम्पा०--पं० वायुनन्दन पांडेय ४-

२५७७ वृत्तिवार्तिकम् । अप्पयदीक्षित । सम्पा० एवं व्याख्याकार–डॉ० ब्रह्ममित्र अवस्थी एवं कु० इन्दु अवस्थी १५-

२५७८ वृत्तिसमुच्चयः । सं० ब्रह्ममित्र अवस्थी । प्रथम गुच्छक १-२ भाग ८०-

२५७९ हिन्दी वैतालपञ्चविंशति । व्याख्याकार—पं० दामोदर झा ४०-

२५८० वैराग्यशतकम् । भर्तृहरि । हिन्दी व्याख्या तथा हिन्दी पद्यानुवादसहित ३-

२५८१ हिन्दी व्यक्तिविवेक । व्याख्याकार डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी ५०-

२५८२ व्यवहारविज्ञानम् । 'सुधा' हिन्दी व्याख्या सहित । प्रथम द्वितीय भाग २-

२५८३ व्याससुभाषितसंग्रहः । सं० डॉ० लुड्विक्स्टेर्नबाख् १५-

२५८४ शंकरविजयः । व्यासाचल विरचित ९-

२५८५ श्रीशंकरात् प्रागद्वैतवादः । डा० मुरलीधर पाण्डेय विरचित १५-

२५८६ शब्दव्यापारविचार । मम्मटकृत हिन्दी टीका सहित १२-

२५८७ शब्दव्यापारविचारः । डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी ८-

२५८८ शिवराजविजयः । अम्बिकादत्त व्यासकृत । वैजयन्ती व्याख्या सहित

१—२ निश्वास ८–००, १—४ निश्वास १२-

५—८ निश्वास १५–००, ९—१२ निश्वास २५-

सम्पूर्ण ५२-

२५८९ शिवराजविजय-कुञ्जिका । १०–०० ६-

२५९० शिशुपालवधम् । मल्लिनाथी मणिप्रभा संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित
१—६ सर्ग २०-००, सम्पूर्ण ८५-००
२५९१ शिशुपालवधम् । संस्कृत हि० टीका सहित । १--६ सर्ग २७-००
२५९२ शिशुपालवधम् । मल्लिनाथी संस्कृत टीका सहित ४०-४०
२५९३ शिशुपालवध-आलोचनात्मक अध्ययन । चुन्नीलाल शुक्ल ३-००
२५९४ शिशुपालवध-महाकाव्यम् । आशुबोधिनी संस्कृत हिन्दी व्याख्यापेतम् ।
व्याख्यात्री—डा० शारदा चतुर्वेदी । १--३ सर्ग १२-००
२५९५ शिशुपालवध-रहस्यम् । (प्रश्नोत्तरी) १--४ सर्ग । सम्पा.—पं०
रामगोविन्द शुक्ल १०-००
२५९६ शुकनासोपदेशः । समास-विग्रहादिसहित, संस्कृत-हिन्दी व्याख्या ५-००
२५९७ शुकसप्ततिः । विनोदिनी संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेत २५-००
२५९८ शुम्भवधमहाकाव्यम् । महाकवि वसन्त त्र्यम्बक शेवड़े विरचित ।
सम्पा०-डा० ब्रह्मानंद त्रिपाठी १५-००
२५९९ श्रृङ्गारतिलक । रुद्रटकृत तथा रुय्यककृत 'सहृदयलीला' हिन्दी
टीका युक्त । कपिलदेव पाण्डेय १५-००
२६०० श्रृंगारतिलकम् । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १-२५; २-००
2601 Singaratilaka. Text With English Translation by C. R.
Devadhar 4-00
२६०२ श्रृङ्गारपरिशीलन । आचार्य चण्डिकाप्रसाद शुक्ल ५०-००
२६०३ श्रृङ्गारप्रकाशः । भोजदेव विरचितः । प्रथमादि चतुर्दश प्रकाशात्मकः
सम्पा०--जी० आर० जोशर, १-४ भाग १४०-००
२६०४ श्रृङ्गाररसमण्डनम् । विट्ठलेश विरचितम् । सं० विनायक सूनु
गोविंद शर्मा देवस्थली १५-००
२६०५ श्रृङ्गारशतकम् । भर्तृहरिकृत । गद्यपद्यात्मक हिन्दी व्याख्या सहित
डा० देवर्षि सनाढ्य शास्त्री ३-५०
२६०६ श्रृङ्गारशतकम् । हरिदास वैद्यकृत संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजी टीका सहित १०-००
२६०७ श्रयङ्ककाव्यम् । कृष्णकौर विरचित ५-००
२६०८ श्रीकृष्णकर्णामृतम् । लीलाशुकविरचित । अनुवादक तथा व्याख्या-
कार--डा० रसिकबिहारी जोशी ३५-००
२६०९ श्रीकृष्णविलासकाव्यम् । सुकुमारकवि विरचित । विलासिनी
संस्कृत व्याख्या तथा आंग्लानुवाद सहित । प्रथम सर्ग ७-००
तृतीय सर्ग ६-००
२६१० श्रीगान्धिचरितम् । संस्कृत-हिन्दी टीकोपेतम् ३-५०

२६११ श्रीगान्धिचरितम् । साधुशरण मिश्र २८–००
२६१२ श्री श्रीगोपालचम्पूः । भाषा टीका श्रील श्रीजीव गोस्वामीपाद विरचित सम्पा०–श्री श्यामदास । १–२ भाग ८०–००
२६१३ श्रीमदप्पयदीक्षितचरितम् । मूल लेखक–डा० हरिनारायण दीक्षित एवं हिन्दी अनुवादिका डॉ० किरण टण्डन ४०–००
२६१४ श्रीमद्भागवतव्यञ्जनम् । ढुण्ढिराज शास्त्री काले विरचित । गोविंद शर्मा काशीनाथ शर्मा कृत व्यञ्जनसुबोधिनी व्याख्या सहित १५–००
२६१५ श्रीयुगलशतकम् । (श्रीराधाकृष्ण की मधुर लीलाओं पर आधारित संस्कृत-हिन्दी पद्यात्मक काव्य) । श्रीसत्यव्रतशर्मा 'सुजान' शास्त्रीकृत ४०–००
२६१६ श्रीराधाचरितमहाकाव्यम् । कालिकाप्रसाद शुक्ल कृत । संस्कृत व्याख्या सहित । व्याख्याकार—डा० गिरिजेश कुमार दीक्षित ५०–००
२६१७ श्रीरामावतारविरचित प्रकीर्ण प्रबन्धावली । प्रथम खण्ड ११–००
२६१८ श्रीलक्ष्मीसहस्रम् । श्रीमद्वेंकटाध्वरिविरचितम् । सुबोधिनी व्याख्या अवतरणेन निःश्रेणिकया च सम्भूषितं सम्पूर्णम् यन्त्रस्थ
२६१९ श्रीस्वामिविवेकानन्दचरितं नाममहाकाव्यम् । भण्डारकोपाह्व पं० त्र्यम्बकशर्माविरचित स्वोपज्ञ विवेकदीप टीका सहित २०–००
२६२० श्रुतबोधः । आशुबोधिनी सं० हि० व्याख्या सहित ५–००
२६२१ श्रुतबोधः । पं० कनकलाल शर्मा कृत 'विमला' सं० हि० टीकोपेतः १–००
२६२२ श्रुतबोधः । सुबोधिनी बालक्रीडा व्याख्या सहित । व्याख्या—आचार्य मधुसूदन शास्त्री ४–००
२६२३ संस्कृतकविजीवितम् । श्री सूर्यनारायणशास्त्री विरचितं । प्र० भाग ६–००
२६२४ संस्कृत काव्य-कथाएँ । (वाल्मीकि से भट्टिपर्यन्त)। बच्चा पाण्डेय, समाप्त
२६२५ संस्कृत काव्यकार । (संस्कृत के गद्य-पद्य लेखकों तथा नाटककारों का समालोचनात्मक अध्ययन) । ले० तथा सम्पादक डा० हरिदत्त शास्त्री २५–००
२६२६ संस्कृत काव्यमालिका । चिन्तामणि द्वारकानाथ देशमुख १२–००
२६२७ संस्कृत की नाटच-कथाएँ । (माघ से जयदेव पर्यन्त प्रमुख दस) । प्रो० कान्तानाथ पाण्डेय ५–००
२६२८ संस्कृत-गद्य-पद्य-संग्रह । बिहार मध्यमा परीक्षापाठ्य । हिन्दी व्याख्या ६–००
२६२९ संस्कृत गद्यलहरी । श्रीहरिहर झा । १–२ भाग १०–००
२६३० संस्कृत गीतिकाव्यानुचिन्तनम् । डा० नेमिचन्द शास्त्री १०–००
२६३१ संस्कृतरवीन्द्रम् : सम्पा० –डा० वे० राघव १२–५०

२६३२ संस्कृत वाङ्मय में नेहरू। संस्कृत तथा हिन्दी २५-००
२६३३ संस्कृत-सूक्तिसागरः । श्रीनारायणस्वामीकृत हिन्दी टीका सहित ४०-००
२६३४ संस्कृतसूक्तिरत्नाकर । डा० रामजी उपाध्याय । हिन्दी अनुवाद सहित ४-००
२६३५ संस्कृतसौरभम् । (सचित्र, कक्षा ८ से १० के लिए प्रस्तुत) पं० करुणापति त्रिपाठी—डा० सुभाषचन्द्र तनेजा, १—३ भाग ४-५०
२६३६ संघपतिरूपजीवंशप्रशस्तिः । श्रीवल्लभमणि विरचित १-२५
२६३७ सदुक्तिकर्णामृतम् । श्रीधरदास प्रणीत । सुरेन्द्रनाथ बनर्जी सम्पादित ६०-००
२६३८ समयमातृका । क्षेमेन्द्रकृत । हिन्दी व्याख्या-प्रो० रमाशंकर तिवारी १५-००
२६३९ समयोचितपद्यरत्नमालिका । अकारादिक्रम सुभाषित पद्योंका संग्रह ३-००
२६४० सरस्वतीकण्ठाभरणम् । (चित्र प्रकरण सहित) संस्कृत-हिन्दी व्याख्याकार— डॉ० कामेश्वरनाथ मिश्र। प्रथम भाग ६०-००
२६४१ सरस्वतीकण्ठाभरणालंकारः । रत्नेश्वर जगद्धर विरचित टीकाद्वय सहित । सं० विश्वनाथ भट्टाचार्य। प्रथम खण्ड १००-००
२३४२ सरस्वतीकण्ठाभरण का निरूपण । डॉ० केदारनाथ शुक्ल ७५-००
२६४३ हिन्दी सहृदयानन्द । महाकवि कृष्णानन्दप्रणीत। वाचस्पति द्विवेदी २०-००
२६४४ साहित्यदर्पणम् । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिंदी व्याख्योपेतम् । व्याख्याकार-प० शेषराज शर्मा रेग्मी । प्र० भाग १-६ परिच्छेद ५०-००
द्वि० भाग ७-१० परिच्छेद ४०-००, सम्पूर्ण ९०-००
२६४५ साहित्यदर्पणम् । विश्वनाथ कविराज कृत । रामचरण तर्कवागीश भट्टाचार्य कृत विवृत्या समेत छायाख्यविवृतिपूर्त्या परिष्कृत। सम्पा० - दुर्गाप्रसाद द्विवेदी १००-००
2646 Sahityadarpana of Vishvanath. With English Notes & Introduction by P. V. Kane. Chapters I, II, X. 22-00
२६४७ हिन्दी साहित्यदर्पण । व्याख्याकार—डॉ० सत्यव्रत सिंह ७०-००
२६४८ साहित्यदर्पणादर्शः । (साहित्यदर्पण-प्रश्नोत्तरी) ८-००
२६४९ साहित्य-निबन्धः । परीक्षोपयोगी साहित्यशास्त्रविषयक निबंध संग्रह ५-००
२६५० साहित्यमीमांसा । मंखककृत । सम्पा०—गौरीनाथ शास्त्री ४४-००
२६५१ साहित्यशास्त्र । डॉ० मुंशीरामशर्मा १५-००
२६५२ साहित्यसुधालहरी । (निबन्ध-समुच्चयः) । तट्टा नरसिंहाचार्य १२-००
२६५३ साहित्यसुधासिन्धुः । आचार्य विश्वनाथदेव विरचित हिन्दी टीका ३७-००
२६५४ सीताचरितम् । डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी १५-००
२६५५ सीतारामविहारकाव्यम् । लक्ष्मणाध्वरिकृत । डा० आर्येन्द्र शर्मा ५-२५
२६५६ सुदामाचरितम् । नरोत्तमदास । बालबोधिनी व्याख्या सहित ३-००

२६५७ सुन्दरविलास । महाकविसुन्दरदासकृत । सम्पा०—डा०किशोरलालगुप्त ३०-००
२६५८ सुभाषितावलिः । बल्लभदेव संगृहीत ७५-००
२६५९ सुभाषितावलिः । रामचन्द्र मालवीय कृत हिन्दी टीका सहित ४०-००
२६६० सुभाषितरत्नभाण्डागारम् । नारायणराम आचार्य १००-००
२६६१ सुरजनचरित-महाकाव्यम् । महाकवि श्रीचन्द्रशेखरकृत । हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—डा० चन्द्रधर शर्मा ४०-००
२६६२ सुरथचरितम् । श्री क्षेमधारी सिंह विरचित ५-००
२६६३ सुलोचनामाधवचम्पूः । धर्मदत्त (बच्चा झा) विरचित २८-००
२६६४ सुवृत्ततिलकम् । श्री क्षेमेन्द्र प्रणीतम् । संस्कृत-हिंदी व्याख्या सहित १२-००
२६६५ सूक्तिमंजरी । आचार्य बलदेव उपाध्याय । हिंदी टीका सहित २५-००
२६६६ सूक्तिमुक्तावली । भीमराजुसत्यनारायणकृत । हिंदी टीका २०-००
२६६७ सूक्तिमुक्तावली । गोकुलनाथोपाध्यायकृत । सम्पा०—भूपनारायण झा ७-५०
२६६८ सूक्तिशतकम् । सम्पादक—हरिहर झा । १-२ भाग ८-००
२६६९ सूक्तिसंग्रहः । राक्षसकविकृतः । 'प्राज्ञविनोदिनी' व्याख्या संवलित ३-००
२६७० सूक्तिसागर । रमाशंकर गुप्त । हिन्दी ६४-००
२६७१ सूरज प्रकाश । कविया करणीदानजी कृत । १-३ भाग २७-२५
२६७२ सूर्यशतकम् । 'कला' हिन्दी टीका विस्तृत भूमिकादि सहित १०-००
२६७३ सूर्यशतकम् । मयूरकवि विरचित । संस्कृत व्याख्या सहित । व्या०—त्रिभुवनपाल १२-००
२६७४ सेकशुभोदयः । हलायुध मिश्र । आंग्लानुवाद सहित । सुकुमार सेन ३५-००
२६७५ सेतुबंधमहाकाव्यम् । आंग्लानुवाद सहित ४०-००
२६७६ सोढायण । कविया त्रिमनजी ७-००
२६७७ सौन्दरानन्दकाव्यम् । अश्वघोषकृत । मूल संस्कृत और हिन्दी अनुवाद १८-००
२६७८ सौन्दरानन्दमहाकाव्यम् । अश्वघोष प्रणीत । डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी कृत संस्कृत हिन्दी टीका सहित । ७-१० सर्ग ३-२५
२६७९ सौन्दरानन्द : साहित्यिक एवं दार्शनिक गवेषणा । डॉ० ब्रह्मचारी व्रजमोहन पाण्डेय ३०-००
2680 Saundarananda of Ashvaghosa. Edited by E. H. Johnston. 35-00
2681 Songs of Vidyapati. With English Translation by Subhadra Jha. 10-00
२६८२ सौमित्रिसुन्दरीचरितम् । भवानीदत्त शर्मा ६-५०
2683 Studies on Some Concepts of the Alankarasastra by V. Raghavan. 25-00

2684 Sringara Prakash of Bhoja. English Translation by V. Raghavan. 175-00

2685 Study of Alamkaras in Sanskrit Mahakavyas & Khandakavyas by A. B. Sagrera 75-00

2686 Studies on Bidhana and His Vikramankadevacharita by B. N. Misra 35-00

2687 History of Rupaka in the Alankarasastra by Dr. Biswanath Bhattacharya. 250-00

२६८८ स्वयम्भूछन्दः। स्वयम्भू कृत। सम्पादक - एच० डी० वेलणकर ७ ७५

२६८९ हम्मीरमहाकाव्यम्। नयनचन्द्रसूरि विरचित दीपिका टीका सहित १५-००

२६९० हरविजयम्। राजानक रत्नाकर कृत। राजानक अलककृत टीका सहित। दुर्गाप्रसाद एवं काशीनाथ पाण्डुरङ्ग परव सम्पादित १००-००

२६९१ हरिचरितम्। परमेश्वरकृत संस्कृत टीका सहित ७-५०

२६९२ श्रीहरिचरितं महाकाव्यम्। श्रीहरि पद्मनाभ शास्त्री विरचित। आङ्गल भूमिकादि सहित। सं० टी० वेंकटाचार्य ३५-००

२६९३ हरिचरित। चतुर्भुज। सम्पा० शिवप्रसाद भट्टाचार्य २५-००

२६९४ हरिचरित्रामृतसागर। (हिन्दी भाषा का दुर्लभ बृहद् महाकाव्य) सम्पा०—स्वामी हरिप्रकाश शास्त्री। दूसरा भाग १७-००

२६९५ हरिशतक। (भर्तृहरिशतक का काव्यात्मक हिंदी रूपान्तर मूल सहित)। गोपालदास गुप्त ५-००

२६९६ हरिश्चन्द्रोपाख्यानम्। सायणभाष्य एवं 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्यासहित १२-५०

२६९७ हरिहरचतुरंगम्। गोदावर मिश्र प्रणीत ६-५०

२६९८ हिन्दी हर्षचरित। संकेत संस्कृत व्याख्या सहित जगन्नाथ पाठक ४०-००

२६९९ हर्षचरितम्। पञ्चम उच्छ्वासः। 'सुधा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्यासहित १२-५०

२७०० हर्षचरितम्। प्रथम उच्छ्वास। जयश्री-कथाभट्टी संस्कृत हिन्दी टीका ८-००

२७०१ हर्षचरितः एक सांस्कृतिक अध्ययन। वासुदेवशरण अग्रवाल २८-५०

2782 Harsacarita. English trans. by Cowell and Thomas. 12-00

२७०३ हर्षचरितसारः। सम्पादक—हरिहर झा यन्त्रस्थ

२७०४ हस्तलिखित ग्रन्थों की विवरणात्मिका सूची (वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय)। १-१२ खण्ड १५ में ८६-३७

२७०५ हितोपदेशः। विषमस्थलटिप्पणीपेतः। सम्पूर्ण ६-००

२७०६ हितोपदेशः। सान्वय किरणावली' सं० हिन्दी टीका सहित। सम्पूर्ण ३५-००

२७०७ हितोपदेशः मित्रलाभः। अश्लीलांशवर्जित) 'किरणावली' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ६-५०

२७०८ हितोपदेश-सुहृद्भेदः । सान्वय 'किरणावली' सं० हि० व्याख्योपेतः १०–००
2709 Hitopadesha of Narayan. Eng. trans. by M. R. Kale. 20–00
2710 Historical and Literary Inscriptions by Dr. Rajbali Pandey. Shortly
2711 History of Sanskrit Poetics by S.K. De. 80–00

नाट्य-नाटक--ग्रन्थाः

२७१२ अनर्घराघवम् । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेतम् ४५–००
2713 Abhijnana Sakuntal: Text with Literal English translation and Notes by Monier Williams. 60–00
२७१४ अभिज्ञानशाकुन्तलम् । सटिप्पण 'ज्योत्स्ना' 'सरला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्या०-डॉ० सुधाकर मालवीय शीघ्र
२७१५ अभिज्ञानशाकुन्तलम् । 'किशोरकेलि' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित २५–००
२७१६ अभिज्ञानशाकुन्तलम् । चतुर्थ अंक । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित ५–००
२७१७ अभिज्ञानशाकुन्तलम् । शंकर-नरहरिकृत टीकाद्वयसनाथीकृतं मिथिला पाठानुगतम् १५–००
२७१८ अभिज्ञानशाकुन्तलः एक अध्ययन । प्रश्नोत्तररूप में सुरेन्द्रदेव । ४–५०
२७१९ अभिज्ञानशाकुन्तलः एक अध्ययन । काशीनाथ द्विवेदी १२–५०
२७२० अभिनव नाट्यशास्त्र । प्र० खण्ड : रूपक रचना । सीताराम चतुर्वेदी ५०–००
२७२१ अभिषेकनाटकम् । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित १०–००
२७२२ अमृतोदयनाटकम् । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित ३५–००
2723 Avimaraka (Loves Enchanted World) by D. D Kosambi. 50–00
२७२४ अविमारकम् । सान्वय 'कमलेश्वरी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, परिशिष्ट सहित । व्या०—डॉ० बालगोविन्द झा १०–००
२७२५ आगमडम्बरं नाम रूपकम् । (षण्मतनाटकम्) जयन्तभट्टकृत । सम्पा०-वी० राघवन ७–००
२७२६ आधुनिक संस्कृत नाटक । रामजी उपाध्याय । १९ वीं से २० वीं शताब्दी तक । १--२ भाग ९०–००
२७२७ आधुनिक युग के संस्कृत महाकवि रामकृष्णकादम्ब एवं उनका अदितिकुण्डलाहरण नाटक । डॉ० रमेशचन्द्र पुरोहित ७५–००
२७२८ आश्चर्यचूडामणिः । 'रमा' 'मालती' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित २५–००
२७२९ उत्तररामचरितम् । संस्कृत हिन्दी टीका सहित । आनन्दस्वरूप १५–००
२७३० उत्तररामचरितम् । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेतम् २०–००

२७३१ उत्तररामचरितम् । आलोचनात्मक अध्ययन । प्रो० चुन्नीलाल शुक्ल ३—००
२७३२ उत्तररामचरितरहस्यम् । प्रश्नोत्तरी । डॉ० जमुना पाठक
२७३३ उन्मत्तराघवम् । सुबोधिनी हिन्दी व्याख्योपेतम् ५—००
2734 Urubhangam. Text with English Translation by C. R Devadhar. 6—00
२७३५ उषारागोदया । रुद्रचन्द्रदेवप्रणीत । सम्पा० बाबूलाल शुक्ल शास्त्री १ —००
२७३६ उषारागोदया । रुद्रचन्द्रदेव कृत । सम्पा०-डा० गौरीनाथ शास्त्री २·००
2737 On the Structuring of Sanskrit drama by B K. Thakkar. 60—00
२७३८ कर्णकुतूहलम् । भोलानाथ विरचित १—५०
२७३९ कर्णभारम् । 'इन्दुकला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेतम् । पं० वैद्यनाथ झा ३—००
2740 Karnabharam. With Eng. Trans. & Notes by T. K Ramachandra Aiyer. 6--00
२७४१ कर्पूरमंजरी । 'सुधा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्या०—पं० परमेश्वरदीन पाण्डेय १०—००
2742 Comic Element in Sanskrit Drama by Dr. L. R. Singh In the Press
२७४३ कालिदास के नाटक । अनुवादक—रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री १६—००
२७४४ कालिदासीयोपरूपकाणां समुच्चयः । ५—००
२७४५ कुन्दमाला । दिङ्नागविरचित । जगदीश शास्त्री कृत संस्कृत टीका तथा आचार्य सरनदासकृत अंग्रेजी टीका एवं टिप्पणी आदि सहित ८५—००, ५०—००
२७४६ कृषकाणां नागपाशः । (रूपकम्) । डा० भागीरथप्रसाद त्रिपाठी ४ ००
२७४७ गङ्गदासप्रतापविलासनाटकम् । गङ्गाधरकृत । सम्पा० बी० जे० सन्देशरा १२—००
२७४८ गरीबी या अमीरी । सेठ गोविन्ददास ५·००
२७४९ गीतगौराङ्गं गीतिनाट्यम् । डॉ० वीरेन्द्रकुमार भट्टाचार्य २० ००
२७५० गौरीदिगम्बर-प्रहसनम् । शंकरमिश्रकृत । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या ३—००
२७५१ चण्डकौशिकम् । 'प्रकाश' हिन्दी संस्कृत व्याख्या सहित २०—००
२७५२ चन्द्रकलानाटिका । हिन्दी टीका सहित । डॉ० गंगासहाय प्रेमी ८—००
२७५३ चन्द्रकलानाटिका । विश्वनाथकविराज कृत । बाबूलाल शुक्ल शास्त्री कृत 'प्रभावती' हिन्दी टीका सहित १०—००
२७५४ चन्द्रलेखा नाम सट्टकम् । रुद्रदासकृत । प्राकृतसंस्कृतच्छाया सहित १0—00
२७५५ चारुदत्तम् । सपरिशिष्ट 'सुधा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—परमेश्वरदीन पाण्डेय ६—00

2756 Carudattam. Text with English Translation by C. R. Devadhar. 12-00
२७५७ चैतन्यचन्द्रोदयम् । हिन्दी व्याख्याकार—आचार्य रामचन्द्र मिश्र २५–००
२७५८ जवाहरलालनेहरूविजयनाटकम् । रमाकांतमिश्र कृत हिन्दी टीका ४–००
२७५९ जीवानन्दम् । हिन्दी टीका सहित १०–००
2760 Two Plays of Ancient India : Mricchakatika and Mudrarakshasa Translated into Engish by J. A. B. Van Buitenen. 20–00
2761 Drama In Sanskrit Literature by AdyaRanga charya 60–00
2762 Dramas or A Complete Account oft he Dramatic Literature of the Hindus, By H. H. Wilson. 25–00
२७६३ तापसवत्सराज नाम नाटकम् । अनङ्गहर्ष मातृराज प्रणीत । हिन्दी टीका सहित । डॉ० देवीदत्तशर्मा एवं प्रो० इन्द्रदत्त उनियाल १५-००
२७५४ दूतघटोत्कचम् । 'कल्याणी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेतम् ३–००
2765 Dutaghatotkacam. Text With English Translatson by C. R. Devadhar. 6-00
2766 Dutavakyam. Text with Engish Trans. & Notes by T. K. R. Aiyar. 6-00
2767 Dutavakyam. Text with English Translation by C. R. Devadhar. 6-00
२७६८ दूतवाक्यम् । 'प्रकाश' संस्कुत-हिन्दी व्याख्योपेतम् ५–००
२७६९ दूताङ्गद-नाटकम् । 'दूताङ्गचन्द्रिका' संस्कृत-हिन्दी टीकोपेतम् १-५०
२७७० नागानन्दनाटकम् । सविवरण 'कल्याणी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेतम् १५-००
२७७१ नागेशः । आचार्य वामदेव भट्ट १–५०
२७७२ नाटक और यथार्थवाद । डॉ० कमलिनी मेहता ५०–००
२७७३ नाटकचन्द्रिका । रूपगोस्वामीकृत 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित २५–००
२७७४ नाटकलक्षणरत्नकोशः । सागरनन्दीप्रणीत । 'प्रभा' हिन्दी व्याख्या समाप्त
२७७५ नाटचशास्त्रम् । मूलमात्र । पं० बटुकनाथ शर्मा, पं० बलदेव उपाध्याय संशोधित सम्पूर्ण १००–००
२७७६ नाटचशास्त्रम् । भरतमुनिप्रणीत । अभिनव गुप्ताचार्य प्रणीत व्याख्या सहित । १-७ अध्याय प्रथम भाग ५८–००
२७७७ नाटचशास्त्रम् । भरतमुनिकृत । अभिनव गुप्ताचार्य विरचित 'अभिनवभारती' संस्कृत व्याख्या सहित । सम्पादक—डा० रविशंकर नागर । १-४ भाग १-३७ अध्याय ४५०–००

२७७८ नाट्यशास्त्रम् । भरतमुनि । 'मधुसूदनी' 'बालक्रीडा' संस्कृत-हिन्दी टीका । आचार्य मधुसूदन शास्त्री । ३रा भाग मात्र ६०-००
२७७९ नाट्यशास्त्रम् । १--२ अध्याय । संस्कृत हिन्दी टीका सहित ६-००
2780 Nataka Laksana Ratna Kosa by S. Chattopadhyay. 80-00
२७८१ हिन्दी नाट्यशास्त्र । सचित्र शोधपूर्ण संस्करण । हिन्दी व्याख्याकार श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री । १-२७ अध्याय १-३ भाग २२५-००
२७८२ नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक । (धनिक की वृत्ति सहित) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी २२-५०
2783 Natya Shastra Sangraha. Edited with Translation by K. Vasudeva Shastry, Row Sahib & G. N. Row. Vols. 1-2 41-50
२७८४ नारीजागरण नाटकम् । पं० गोपालशास्त्री दर्शनकेसरी ४-००, ७-५०
२७८५ पञ्चरात्रम् । सपरिशिष्टम् 'विमला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेतम् ६-००
२७८६ पाणिनिप्रशस्तिनाटकम् । गोपालशास्त्री दर्शनकेसरी ५-००
२७८७ पाणिनीयनाटकम् । पं० गोपालशास्त्री दर्शनकेसरी ७-५०
२७८८ पार्वतीपरिणयम् । महाकवि बाणभट्ट प्रणीत । डॉ० रमापतिमिश्रकृत 'कमला' हिन्दी व्याख्या सहित १५-००
२७८९ पृथ्वीराजरासो । मथुराप्रसाद दीक्षित १-००
२७९० प्रचण्डपाण्डवं नाटकम् । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित ८-००
२७९१ प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् । 'इन्दुकला' संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतम् ६-००
2792 Pratijnayaugandharayanam. Text with English Translation by Devadhar. 12-00
२७९३ प्रतिमानाटकम् । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेतम् १०-००
2794 Pratimanatakam Text with English Translation by T. K. Ramachandra Aiyar 20-00
2795 Pratimanataka of Bhasa by M. K. Kale. 16-00
२७९६ प्रबोधचन्द्रोदयनाटकम् । 'कल्याणी' संस्कृत-हिन्दी टीकोपेतम् । व्याख्याकार—पं० रामनाथ त्रिपाठी १२-००
2797 Prabodhacandrodaya of Krishnamishra. With English Translation by S. K. Nambiar. 20-00
२७९८ प्रभावतीपरिणयम् । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्योपेतम् १५-००
२७९९ प्रसन्नराघवम् । 'विभा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, नोट्स सहित । व्याख्याकार—पं० रामनाथ त्रिपाठी शास्त्री । हिन्दी व्याख्याकार—डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी २५-००

२८०० प्रियदर्शिका। 'कल्याणी' संस्कृत-हिन्दी टीकोपेता। व्याख्याकार—पं० रामनाथ त्रिपाठी शास्त्री ६—००

२८०१ बालचरितम्। 'कल्याणी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेतम् ५—००

२८०२ बालरामायणम्। राजशेखर कृत। हिन्दी अनुवाद सहित। डा० गङ्गासागर राय १००—००

२८०३ बालरामायणम्। मूलमात्र। सम्पा०—डॉ० गङ्गासागर राय ६०—००

२८०४ बृहद्देशी। मतङ्गमुनिकृत १५—००

2805 Bhavabhuti by V. V. Mirashi. 4[illegible]—00

२८०६ भरतनाटयशास्त्र तथा आधुनिक प्रासंगिकता। सम्पा०—डॉ० भानुशंकर मेहता २५·००

२८०७ भरतनाट्यशास्त्र में नाट्यशालाओं के रूप। राय गोविन्दचन्द्र ८—००

२८०८ भरतनाट्यदर्शनम्। डॉ० एन० गोपाल पणिक्कर १५०—००

२८०९ भारतीय नाट्यपरम्परा और अभिनयदर्पण। वाचस्पति गैरोला २५—००

२८१० भारतीय नाट्यसाहित्य। सम्पा०— डॉ० नगेन्द्र ५०—००

२८११ भारतीय नाट्य-सिद्धान्त : उद्भव और विकास। डॉ० रामजी पाण्डेय ५०—००

२८१२ भारतीय संगीत का इतिहास। उमेश जोशी ३[illegible]—००

2813 Bhasa's Balacharitam. Edited by Dr. S. R. Sehgal. 35--00

२८१४ भासनाटकचक्रम्। आचार्य बलदेव उपाध्याय सम्पादित भूमिकादि विभूषित प्रकाश संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। सम्पूर्ण १५०—००

२८१५ भीमविक्रमव्यायोगः। व्यासमोक्षादित्य विरचित। धर्मोद्धरणम् नाम नाटकम्। दुर्गेश्वर पं० विरचित। उमाकांत प्रेमचन्दशाह सम्पा. ५२—००

२८१६ मत्तविलासप्रहसनम्। श्रीमहेन्द्रविक्रमवर्मकृत। हिन्दी व्याख्या ४—००

२८१७ मध्यकालीन संस्कृत नाटक। रामजी उपाध्याय १००—००

२८१८ मध्यमव्यायोगः। 'ज्योत्स्ना' संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतः। व्याख्याकार—डॉ० सुधाकर मालवीय ३--५०

२८१९ मध्यमव्यायोगरहस्यम्। (मध्यमव्यायोग-प्रश्नोत्तरी)। पं० अशोकचन्द्र गौड़ शास्त्री ६--००

२८२० मलयजाकल्याणम्। वीरराघव प्रणीत। सं०-बाबूलाल शुक्ल शास्त्री १०--००

२८२१ महावीरचरितम्। अनुवादक—रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री ११—००

२८२२ महावीरचरितम्। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेतम् ३०—००

२८२३ मालतीमाधवं नाटकम्। 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी टीकोपेतम् ३५—००

2824 Malatimadhava. With English Translation by M. R. Kale. 55--00, 35--00

२८२५ मालविकाग्निमित्रम् । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीकोपेतम् २०--००
2826 Malavikagnimitra with Eng. Trans. by C.R. Devadhar 12--00
२८२७ मुदितमदालसनाटकम् । मैथिलमहामहोपाध्याय गोकुलनाथ प्रणीत । सम्पा०—डॉ० त्रिलोकीनाथ शर्मा १३--२६
२८२८ मुद्राराक्षस-नाटकम् । डा. सत्यव्रतसिंहकृत 'शशिकला' संस्कृत-हिंदी टीका, परीक्षोपयोगी परिशिष्ट भूमिकादि सहित २०--००
२८२९ मुद्राराक्षस-नाटकम् । सान्वय संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजी व्याख्या, नोट्स सहित । व्याख्याकार डा० जगदीशचन्द्र मिश्र ४५--००
2830 Mudrarakshasa with English Translation by M. R. Kale. 45--00
२८३१ मृच्छकटिकम् । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । डा०रमाशंकर त्रिपाठी ४०--००
२८३२ मृच्छकटिकम् । 'प्रबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीकोपेतम्
२८३३ मृच्छकटिकम् । सविमर्श 'भावप्रकाशिका' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—डा० जयशंकरलाल त्रिपाठी शीघ्र
२८३४ मृच्छकटिक : आलोचनात्मक अध्ययन । प्रो० चुन्नीलाल शुक्ल ३--००
२८३५ मृच्छकटिकरहस्यम् । (प्रश्नोत्तरी) डा० त्रिलोकीनाथ द्विवेदी ८--००
२८३६ मृच्छकटिक : शास्त्रीय, सामाजिक एवं राजनीतिक अध्ययन । डा० शालग्राम द्विवेदी ५०--००
2837 Mrichchakatika of Sudraka. With English Translation by M. R. Kale. 50--00
२८३८ मेनकाविश्वामित्रम् । डा० हरिनारायण दीक्षित ४०--००
२८३९ ययातिचरितम् । सम्पा० सी० आर० देवधर २०--००
२८४० यूथिका । (शेक्सपियर रचित रोमयो जूलियट का संस्कृत रूपान्तर) । डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी द्वारा रुपान्तरित ४--००
२८४१ रत्नावली नाटिका । 'कमलेश्वरी' संस्कृत हिन्दी टीका सहित । टीकाकार—डा० बालगोविन्द झा १२--००
२८४२ रत्नावली नाटिका । 'प्रकाश' संस्कृत-हिंदी टीकोपेता ९--००
२८४३ रत्नावली नाटिका : आलोचनात्मक अध्ययन । चुन्नीलाल शुक्ल ३--००
२८४४ रामलीला दर्पण नाटक । आठो काण्ड सम्पूर्ण (नाटक) ४४--००
२८४५ रूपषट्कम् । वत्सराजप्रणीत । सं. सी. डी. दलाल २५--००
२८४६ लटकमेलकम् । (प्रहसन) 'प्रकाश' हिंदी व्याख्योपेतम् ४--००
२८४७ ललितमाधवनाटकम् । रूपगोस्वामिप्रभुपादप्रणीत । नारायणप्रणीत टीका सहित । सम्पादक— प्रो० बाबूलाल शुक्ल शास्त्री २५--००

2848 Laws and Practise of Sanskrit Drama : by Dr. S. N. Shastri. Vol. I 125--00

2849 Works of Kalidasa. With English Trans. by C. R. Devadhar. Vol. I—Dramas, 200--00
Vol. II—Kavyas 250--00

2850 Vasavadutta of Subhandhu. English translation by L. H. Gray. 7--50

२८५१ वांग्लोदेशोदयम् । रामकृष्ण शर्मा ३०--००

२८५२ विंशशताब्दिकं संस्कृत नाटकम् । प्रो० रामजी उपाध्याय १५--००

2853 Vikramorvasi : A Drama by Kalidasa Translated into English Prose from the Sanskrit of Kalidasa by Edward Byles Cowell and Text edited by M. Williams. Combined in One Volume. 50--00

२८५४ विक्रमोर्वशीयम् । 'विनोद' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, भावार्थ, नोट्स, परिशिष्ट, समालोचनात्मक भूमिका सहित । व्या०— विन्ध्येश्वरी-प्रसाद मिश्र १६--००

२८५५ विक्रमोर्वशीयम् । आंग्लानुवाद सहित । सी० आर० देवधर १६- ००

२८५६ विक्रान्तकौरवम् । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित २०--००

२८५७ विदग्धमाधवम् । रूपगोस्वामी कृत । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्योपेतम् ३०--००

२८५८ विद्धशालभञ्जिका । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित १५--००

२८५९ विद्धशालभञ्जिका-नाटिका । राजशेखर प्रणीत । नारायण दीक्षित रचित संस्कृत व्याख्या 'दीप्ति' हिन्दी व्याख्या । १५--००

२८६० विद्यापरिणयनम् । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित १५--००

२८६१ विरही भरत । (वा० रामायण से) 'सतीमन्थरा' प्रहसन सहित २--००

२८६२ विवेकचन्द्रोदयनाटकम् । शिवकवि विरचित ७--००

२८६३ वेणीसंहारनाटकम् । सान्वय 'कमलेश्वरी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, टिप्पणी नोट्स, समीक्षात्मक परीक्षोपयोगी भूमिका, परिशिष्ट सहित । व्या०—डॉ० बालगोविन्द झा २०--००

२८६४ वेणीसंहारनाटकम् । आंग्लानुवाद सहित । एम. आर. काले. २५--००

२८६५ वेणीसंहार : आलोचनात्मक अध्ययन । प्रो० चुन्नीलाल ३--५०

२८६६ वेणीसंहाररहस्यम् । (प्रश्नोत्तरी) सम्पा०—त्रिलोकीनाथ द्विवेदी ८--००

2867 Venisamhar. Sanskrit Text with English Notes and Translation by C. Shankar Ram Sastri. 10--00

२८६८ शंखपराभवव्यायोगः । हरिहर विरचित । भोगीलाल जयचन्द भाई सदेशरा सम्पादित २०--००

२८६९ शाकुन्तल-दर्पण : (अभिज्ञानशाकुन्तल प्रश्नोत्तरी)। पं० रामगोविन्द शुक्ल ९--००
२८७० शृङ्गारमञ्जरीसट्टकम्। श्री विश्वेश्वर पांडेय प्रणीत। श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्रीकृत संस्कृत छाया हिंदी टीका सहित १०--००
2871 Sanskrit Drama by A. B. Keith. 45--00
2872 Sanskrit Drama and Dramaturgy by Dr. Vishwanath Bhattacharya. 50--00
2873 Sanskrit Drama of 20th Century by Usha Satyavrat. 65--00
२८७४ संस्कृतनाटक। कीथ। हिन्दी अनुवाद। डा० उदयभानु सिंह समाप्त
२८७५ संस्कृत नाटकों में करुण अभिव्यञ्जना। डा० पुष्पेन्द्र कुमार १००--००
२८७६ संस्कृत नाटककार। कांतिकिशोर भरतिया ४--५०
२८७७ संस्कृत नाटक-समीक्षा। डा० इन्द्रपाल सिंह २५--००
२८७८ संस्कृत भाण-साहित्य की समीक्षा। डा० श्रीनिवास मिश्र ४०--००
२८७९ संकल्पसूर्योदयनाटकम्। वेङ्कटनाथकृतम्। प्रभाविलास-प्रभावली व्याख्याद्वय सहित। दूसरा भाग २२--५०
२८८० संकल्पसूर्योदयः। संस्कृत-द्रविड़ानुवाद। सम्पा०—वीरराघवाचार्य ३०--००
२८८१ सत्यहरिश्चन्द्रनाटक। (छात्र-संस्करण) समालोचना, टिप्पणी सहित। शुभाशंसक पं० बाबूराव विष्णु पराड़कर ४--००
२८८२ समुद्रमन्थनम्। अमात्यवत्सराज विरचित। सं० प्रभात शास्त्री ५--००
२८८३ सामवतम् (नाटकम्)। अम्बिकादत्त व्यास कृत १५--००
२८८४ सिद्धार्थचरितम्। वीरेन्द्रकुमार भट्टाचार्य प्रणीत २५--००
२८८५ सुभद्राहरणम्। सान्वय 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्योपेतम् ५--००
२८८६ सुसंहतभारतम्। संस्कृत नाटकम्। डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी ८--००
२८८७ सौगन्धिकाहरणम्। 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्योपेतम् १०--००
2888 Studies in Natya Shastra by H. G. Tarlankar. 70--00
2889 Studies in Sanskrit Dramatic Criticism by T. G. Manikar. 15--00
२८९० स्वप्नवासवदत्तम्। 'कमलेश्वरी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या परीक्षोपयोगी समीक्षात्मक भूमिका पात्रालोचन सहित। व्याख्याकार—डा० बालगोविन्द झा १०--००
२८९१ स्वप्नवासवदत्तम्। (प्रश्नोत्तरी) विजयमिश्र ६--००
२८९२ स्वप्नवासवदत्तरहस्यम्।(प्रश्नोत्तरी गाइड)अशोकचन्द्र गौड़ शास्त्री १२--००
2893 Svapnavasavadattam. With English Translation and Notes by T. K. Ramchandra. 15--00

२८९४ हनुमन्नाटकम् । 'विभा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित २०--००
२८९५ हास्यचूडामणिप्रहसनम् । अमात्यवत्सराजकृत । सं०जयशंकरत्रिपाठी ३--५०
२८९६ हास्यार्णवप्रहसनम् । 'प्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित ७--५०
२८९७ हिंसा या अहिंसा । सेठ गोविंददास ५--००
२८९८ हिन्दी के पौराणिक नाटक । डा० देवर्षि सनाढ्य ५८--००

संगीत-ग्रन्थाः

२८९९ अप्रकाशित राग । १--३ भाग ३७--००
२९०० आलाप तान अंक । लक्ष्मीनारायण गर्ग २०-००
२९०१ आवाज सुरीली कैसे करें । १५--००
2902 Indian Dance and Music Literature : A Select Bibliography by Gowry Kuppuswamy & M. Hariharan. 50--00
२९०३ उत्तर भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास । भातखण्डे १५--००
२९०४ औमापतम् । २--१२
२९०५ कथकनृत्य । लक्ष्मीनारायण ३५--००
२९०६ कथाकली नृत्यकला । १५--००
२९०७ कर्नाटक संगीत अंक । २०--००
२९०८ कव्वाली अंक । २०--००
२९०९ काकदूत । 'काका' हाथरसी ४--००
२९१० काका हाथरसी अभिनन्दन ग्रन्थ । सं०-डा० गिरिराजशरणअग्रवाल ८०--००
२९११ कायदा और पेशकार । १५--००
२९१२ काव्य संगीत अंक । २०--००
2913 Kautilya on Love and Morals by P. C. Chunder. 60--00
२९१४ क्रमिकपुस्तकमालिका । १--३, ५--६ भाग २७२--००
२९१५ ख्याल अंक । सम्पा०—लक्ष्मीनारायण गर्ग २०--००
२९१६ गजल अंक । सम्पा० लक्ष्मीनारायण गर्ग २०-००
२९१७ गन्धर्वसंगीत प्रवेशिका । देवकीनन्दन धवन २०--००
२९१८ गिटार मास्टर । चिन्तामणि जैन १०--००
२९१९ जैमिनीयं सामगानम् । सम्पा०—विभूतिभूषण भट्टाचार्य ४५--००
२९२० ठुमरी गायकी । २५--००
२९२१ ठुमरी तरङ्गिणी ! राजाभैया पूंछवाले ४--००
2922 Dance of India by Ragini Devi. 40 00
२९२३ तबलाकौमुदी । रामशंकर पागलदास । १—२ भाग २४--००
२९२४ तबले पर दिल्ली और पूरब । सत्यनारायण वशिष्ठ २५--००

२९२५ तराना अंक । २०—००
२९२६ तानमालिका । राजाभैया पूंछवाले । २-३ भाग १८—००
२९२७ ताल अंक । २०—००
२९२८ तालप्रकाश । ३८—८०
२९२९ ताल प्रभाकर-प्रश्नोत्तरी । गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव ३—५०
२९३० तालमार्तण्ड । २०—००
२९३१ तुकान्त कोश । कविता बनाने के लिए बत्तीस हजार आठ सौ बावन तुकें काका हाथरसी १०—००
२९३२ तोड़ी ठाठ अंक । लक्ष्मीनारायण गर्ग २०—१०
२९३३ दत्तिलम् । दत्तिलकृत । हिन्दी टीका सहित ९—००
२९३४ दत्तिलम् । दत्तिलकृत । हिन्दी व्याख्याकार—श्री देवदत्तशास्त्री यन्त्रस्थ
२९३५ ध्रुपद धमार अंक । २०—००
२९३६ ध्रुपद धमार गायन । राजाभैया पूंछवाले १०—००
२९३७ ध्वनि और संगीत । ललितकिशोर सिंह ७—००
२९३८ नारदकृत पञ्चमसार संहिता तथा दामोदरकृत संगीत दामोदर । हिन्दी अनुवादक—डा० लालमणि तिवारी ३०—००
२९३९ निबन्ध संगीत । लक्ष्मीनारायण गर्ग ४०—००
२९४० नृत्य-नाटिका अंक । १०—००
२९४१ नृत्यभारती । आचार्य सुधाकर । प्रथम भाग ८—००
२९४२ नृत्यरत्नकोश । कुम्भकर्णप्रणीत । १-२ भाग १०—५०
२९४३ नृत्तसंग्रहः । अज्ञात कर्तृक । सम्पा०—डा० प्रियबाला शाह १—९५
२९४४ नृत्याध्याय । अशोकमल्लकृत । हिन्दी टीकाकार—वाचस्पति गैरोला ४०—००
२९४५ पाठ्यरत्नकोश । श्रीकुम्भकर्ण । सम्पा०—गोपालनारायण बहुरा ३—५०
२९४६ पाश्चात्य संगीत शिक्षा । २५—००
२९४७ पूर्वी ठाठ अंक । लक्ष्मीनारायण गर्ग २०—००
२९४८ फिल्मी उल्लास गीत अंक । २०—००
२९४९ फिल्मी गजल अंक । २०—००
२९५० फिल्मी प्रणय गीत अंक । २०—००
२९५१ फिल्मी प्रेम गीत अंक । २०—००
२९५२ फिल्मी युगल गान अंक । २०—००
२९५३ फिल्मी विरह गीत अंक । २०—००
२९५४ फिल्मी विविध गीत अंक । १, ३ भाग ४०—००
२९५५ फिल्मी शास्त्रीय गीत अंक । २५—००

२९५६ फिल्मी संगीत। २०—००
२९५७ फिल्मी सांस्कृतिक गीत अंक। २०—००
2958 Female Images in the Museums of U. P. & Their Social Background by Dr. Padma Upadhyaya. 125—00
२९५९ बाल-संगीत शिक्षा। २०—००
२९६० बाल संगीत शिक्षा। १—३ भाग १२—००
२९६१ बिलावल ठाठ अंक। महेशनारायण सक्सेना २०—००
२९६२ बेला विज्ञान। वेणीप्रसाद श्रीवास्तव २५—००
2963 Basic Concepts of Indian Dance by Projesh Banerji. 65—00
२९६४ बैंजो मास्टर। बैंजोवादन की सरल व सचित्र विधि। चिन्तामणिजैन १०—००
२९६५ भक्ति संगीत अंक। सं० लक्ष्मीनारायण गर्ग २०—००
२९६६ भरत नाट्य मञ्जरी। आंग्लानुवाद सहित। जी० के० भट्ट ९०—००
२९६७ हिन्दी भरतार्णव। श्री नन्दिकेश्वर विरचित। हिन्दी व्याख्याकार—वाचस्पति गैरोला १००—००
२९६८ भारत का संगीत-सिद्धान्त। कैलाशचन्द्रदेव बृहस्पति ६—५०
२९६९ भातखण्डे संगीत पाठमाला। प्रथम भाग १०—००
२९७० भातखण्डे संगीतशास्त्र। १—३ भाग १४५—००
२९७१ भारत के लोकनृत्य। लक्ष्मीनारायण गर्ग २०—००
२९७२ भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच। पं० सीताराम चतुर्वेदी २२—५०
२९७३ भारतीय संगीत का इतिहास। (वैदिककाल से गुप्तकाल तक) डा० शरच्चन्द श्रीधर परांजपे ८०—००
२९७४ भारतीय संगीत का इतिहास। भ० श० शर्मा १५—००
२९७५ भैरवी ठाठ अंक। लक्ष्मी नारायण गर्ग २०—००
२९७६ मणिपुरी नर्तन। दर्शना झवेरी-कलावती देवी १५—००
२९७७ मारवा ठाठ अंक। लक्ष्मीनारायण गर्ग २०—००
२९७८ मारिफुन्नगमात। १, ३ भाग ५०—००
२९७९ मीरा संगीत अंक। लक्ष्मीनारायण गर्ग ३५—००
२९८० मृदंग-तबला-प्रभाकर। १-२ भाग २७—००
2981 Music of Eastern India by S. Ray. 45—00
२९८२ म्यूजिक मास्टर। हारमोनियम तबला और बांसुरी मास्टर। नन्दलाल शर्मा विशारद १०—००
2983 Musical Instruments of India by S. Bandyopadhyaya 40-00
2934 Music Systems in India by V. N. Bhatkhande. 45—00
2985 Museum Studies by Dr. V. S. Agrawala. 50—00

2986 Univer sal History of music by S. M. Tagore 100-00
२९८७ रविशंकर के आरकेस्ट्रा । २२-००
२९८८ रवीन्द्र संगीत । २०-००
२९८९ रसकौमुदी । श्रीकण्ठ विरचित । ए० एन० जानी सम्पादित १३-००
२९९० राग अंक । ८-००
२९९१ रागकोष । सम्पादक- लक्ष्मीनारायण गर्ग १५-००
२९९२ रागतत्त्वविबोध । श्रीनिवास विरचित ४-००
२९९३ राग-रागिनी अंक । २०-००
२९९४ राग-परिचय । प्रो० हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव । १-४ भाग ३९-७५
२९९५ राग विज्ञान । १-७ भाग २४०-००
२९९६ राजस्थान का लोकसंगीत । देवीलाल सामर ३-००
२९९७ राष्ट्रीय संगीत । सम्पादक—ज० दे० पल्की २०-००
२९९८ लक्षण गीत अंक । बालकृष्ण गर्ग २०-००
२९९९ लोक संगीत अंक । सं० लक्ष्मीनारायण गर्ग २०-००
३००० वंदना संगीत । डा० जगदीशसहाय कुलश्रेष्ठ १०-००
३००१ वाद्यवादन अंक । लक्ष्मीनारायण गर्ग २०-००
३००२ वाद्य शास्त्र । प्रो० हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव ४-००
३००३ वैष्णव संगीत शास्त्र । घनश्यामदास विरचित । संस्कृत तथा हिन्दी अनुवाद । अनुवादक—गजानन रानाडे शास्त्री ६०-००
३००४ शंकरीसङ्गीतम् । जयनारायण प्रणीत । (जगदम्बाचरित्रम्) १-२५
३००५ संस्कृत नाटच कला । रामलखन शुक्ल १०-००
३००६ संगीतअर्चना । २५-००
३००७ संगीत अष्टछाप । १५-००
३००८ संगीत आसावरी ठाठ अङ्क । लक्ष्मीनारानण गर्ग २०-००
३००९ संगीत कल्याणअङ्क । २०-००
३०१० संगीत कादम्बिनी । २५- ०
३०११ संगीत काफी ठाठ अङ्क । २०-००
३०१२ संगीतकिशोर । जगदीशसहाय कुलश्रेष्ठ ७-००
३०१३ संगीत का विकास और विभूतियाँ । श्रीपद बन्द्योपाध्याय १०-००
३०१४ संगीत खमाज अङ्क । २०-००
३०१५ संगीत-चिन्तामणि । ५०-००
३०१६ संगीतचूडामणि: । जगदेवमल्ल प्रणीत ६-५०
३०१७ संगीत दर्पणम् । दामोदर कृत । हिन्दी टीका सहित १५-०

३०१८ संगीत निबन्ध । आर० एस० अग्निहोत्री ८—००
३०१९ संगीत निबन्ध संग्रह । हरिचन्द्र श्रीवास्तव १०—००
३०२० संगीत निबन्धावली । सं० लक्ष्मीनारायण गर्ग । प्रथम भाग १५—००
३०२१ संगीत नृत्य अङ्क । २०—००
३०२२ संगीत पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन । १५—००
३०२३ संगीत पारिजात । २२—००
३०२४ संगीत बोध । डा० शरच्चन्द श्रीधर परांजपे १०—००
३०२५ संगीत भैरव ठाठ अङ्क । २०—००
३०२६ संगीत मृदंग अङ्क । २०—००
३०२७ संगीतरघुनन्दनम् । विश्वनाथदेव प्रणीत । व्यङ्ग्यार्थचन्द्रिका व्याख्या १५—२५
३०२८ संगीत रजत जयन्ती अङ्क । २२—०
३०२९ संगीतरत्नाकरः । शार्ङ्गदेवकृत । चतुर कल्लिनाथ विरचित टीका सहित । १—२ भाग १०८—००
३०३० संगीतरत्नाकरः । शार्ङ्गदेव कृत । चतुर कल्लिनाथ एवं सिंहभूपाल कृत व्याख्याद्वय सहित । द्वितीय व चतुर्थ भाग ६५— ०
३०३१ संगीत रत्नाकरः । हिन्दी टीका सहित प्रथम भाग ४५—००
३०३२ संगीतराज । नृपति कुम्भकर्ण प्रणीत । प्रथम खण्ड ६०—००
३०३३ संगीतलता । स० शा० महाडकर । प्रथम भाग ५—००
३०३४ संगीत-विशारद । ३५—००
३०३५ संगीतशास्त्र । के० वासुदेव शास्त्री ८—५०
३०३६ संगीतशास्त्र । डा० जगदीश सहाय कुलश्रेष्ठ ७—००
३०३७ संगीतशास्त्रदर्पण । शान्ति गोवर्धन । १—२ भाग १०—००
३०३८ संगीतशास्त्र बोध । शशिधर २—५०
३०३९ संगीतसागर । ३०—००
३०४० संगीत सुधासागर । ८—००
३०४१ संगीत स्वर परिचय । कु० उमा अग्रवाल ६, ७, ८ के लिए ३—००
३०४२ संग्रह चूडामणि । गोविन्दाचार्य कृत १५—००
३०४३ सितार मार्ग । श्रीपदवन्द्योध्याय । प्रथम भाग ८—००, २-३ भाग १८—००
३०४४ सितार मालिका । २५—००
३०४५ सितार शिक्षा । २०—००
३०४६ सूर संगीत । १—२ भाग ३०—००
३०४७ Studies in Nayaka-Nayika Bheda. By D. Rakesh Gupta. 100—00

३०४८ स्वर और रागों के विकास में वाद्यों का योगदान । डा. इन्द्राणी चक्रवर्ती ३५–००

३०४९ स्वरमालिका । पं० विष्णुनारायण भातखण्डे २०–००

३०५० स्वरमेलकलानिधिः । रामामात्य । हिन्दी टीका सहित १२–००

३०५१ स्वरलिपि । रवीन्द्रनाथ ठाकुर के सौ गीतों का स्वरलिपिबद्ध संकलन । प्रथम खण्ड २०–००

३०५२ हमारा आधुनिक संगीत । डॉ० सुशीलकुमार चौबे १९–००

३०५३ हमारे संगीतरत्न । लक्ष्मीनारायण गर्ग १२५–००

3054 Hindu Music From Various Authors. By Raja Sir Souriodro Mohan Tagore. 100--00

3055 Historical Development of Indian Music : A Critical Study by Swami Prajnananda. 65--00

नीति-अर्थशास्त्र-ग्रन्थाः

३०५६ अकबर-बीरबल विनोद । (वृहद्) पं० रामलखन पाण्डेय ११·००

३०५७ अपराध और दण्डशास्त्र । कौशलकुमार राय ३५ ००

3058 Indian Nitisastra in Tibet by S. K. Pathak. 25--00

३०५९ कथासंवर्तिका । (बालोपयोगी मनोरम कथानक संग्रह) २–००

३०६० कहावतरत्नाकर । हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत १०–००

३०६१ कांट का नीतिदर्शन । डॉ० छापाराम १०–००, १५–००

३०६२ कामन्दकीयनीतिसारः । सव्याख्या । १–३ भाग दो जिल्दों में ४७·००

३०६३ कामन्दकीयनीतिसार । हिन्दी टीका सहित १५–००

3064 Kamandakiya Nitisar or the Element of Polity (in English) by M N. Dutt. 60--00

३०६५ कौटिलीयम् अर्थशास्त्र । (सटिप्पण शोधपूर्ण संस्करण) अनुवादक एवं भाष्यकार—डा० रघुनाथ सिंह । प्रथम भाग १-३ अधिकरण १२५–००

३०६६ हिन्दी कौटिलीय-अर्थशास्त्र । (उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत) हिन्दी व्याख्याकार—वाचस्पति शास्त्री गैरोला १२५–००

3067 Kautilya's Political Ideas and Institutions. By Pro. Radha Krishna Choudhary. 80--00

३०६८ ज्ञानविलासः । चैतन्यानन्दमुनिविरचित । संस्कृत हिन्दी टीका सहित सम्पादक—स्वामी नारायणप्रसाद ७–००

३०६९ घाघभड्डरी की कहावतें । पं० रामलगन पाण्डेय ७–००

३०७० चाणक्य-चरितम्। (चाणक्य चर्चा) इस पुस्तक में चाणक्य के जीवन का सारा इतिवृत्त सरल सुबोध संस्कृत भाषा में वर्णित है। ले०—डा० ठाकुरप्रसाद मिश्र १०–००

३०७१ चाणक्यनीतिदर्पणम्। भाषा टीका सहित ७–५०, ४–५०

३०७२ चाणक्यनीति शाखा सम्प्रदाय। एल० स्टर्नबाक सम्पादित १–५ भाग ३७५–००

३०७३ चाणक्यसप्ततिः। के. बी. शर्मा सम्पादित ८–००

३०७४ चाणक्यसूत्रम्। (प्रथमोऽध्यायः)। 'बालबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका १–८०

३०७५ चाणक्यसूत्रम्। हि० टी० सहित। अनुवादक - वाचस्पति गैरोला ३–००

३०७६ चाणक्यसूत्राणि। रामावतार कृत हिन्दी टीका सहित २५–००

3077 Chanakya And the Arthshastra by S. N. Dhar. 1–50

३०७८ दर्पदलन। (क्षेमेन्द्रकृत दर्पदलन का अध्ययन एवं हिन्दी अनुवाद)। डा० ब्रह्ममित्र अवस्थी एवं डा० कु० सुषमा अरोरा २०–००

३०७९ दृष्टान्तदर्पण अर्थात् दृष्टान्त का सागर। रामलग्न पाण्डेय १०–००

३०८० दृष्टान्त मंजूषा। (शिक्षामय २१३ दृष्टान्त) १५–००

३०८१ दृष्टान्त महासागर। प्रेमवल्लभ व्यास ५–००

३०८२ दृष्टान्तसरितसागर। १५–००

३०८३ नीतिकल्पतरुः। व्यासदेव क्षेमेन्द्र। वी० पी० महाजन सम्पादित ३०–००

३०८४ नीतिमञ्जरी। श्री द्याद्विवेदविरचित सभाष्या ३०–००

३०८५ नीतिमुक्तावली। डॉ० रवीन्द्र कुमार सेठ १००–००

३०८६ नीतिवाक्यामृतम्। सोमदेव सूरि विरचित। हिन्दी टीका सहित। रामचन्द्र मालवीय २५–००

३०८७ नीतिशतकम्। 'ललिता' 'बाला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित ५–५०

३०८८ नीतिशतकम्। हरिदास कृत विस्तृत हिन्दी-अंग्रेजी टीका सहित २०–००

३०८९ पञ्चतन्त्रम्। (अपरीक्षितकारक नाम पञ्चमतन्त्रम्) 'सरला' संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतम्। व्या०—डा० गङ्गासागर राय ६–५०

३०९० पञ्चतन्त्रम्। 'सरला' हिन्दी व्याख्या सहित। सम्पूर्ण ३५–००

३०९१ पञ्चतन्त्रम्। (अश्लीलांशवर्जित) बोधिनीविवृति सहित सम्पूर्ण १०–००

३०९२ पञ्चतन्त्र-मित्रभेदः। (प्रथमतन्त्रम्) 'बोधिनी' विवृति सहित २–००

३०९३ पाश्चात्यनीतिशास्त्रम्। विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि विरचित –००

३०९४ पुरुषपरीक्षा। हिन्दी टीका सहित १५–००

३०९५ पुरुषार्थोपदेशः। भर्तृहरिकृत। के० बी० शर्मा सम्पादित ६–००

3096 Politics and Ethics in Ancient India (As depicted in Mahabharata) by Manorama Jauhari 50–00

३०९७ प्रश्नोत्तर-मणिमाला । श्रीमदाद्यशंकराचार्य विरचिता । 'प्रदीप' हिन्दी टीका सहित । टीकाकार—श्री प्रदीप झा 'सुमन' १–५०
३०९८ प्रश्नोत्तर सागर । स्वामी योगानन्दमुनि प्रणीत । संस्कृत हिन्दी व्याख्या । सम्पादक—हरिप्रकाश शास्त्री ४–००
३०९९ प्राचीन भारत में राज्य और न्यायपालिका । हरिहरनाथ त्रिपाठी १०–००
३१०० बार्हस्पत्यराज्य-व्यवस्था । डॉ० राघवेन्द्र वाजपेयी ६०–००
३१०१ बुद्धभूषण । शंभु विरचित १५–००
३१०२ भर्तृहरिशतकत्रयम् । (नीति-शृङ्गार-वैराग्य) हिन्दी गद्य-पद्यानुवाद १२–५०
३१०३ भर्तृहरिशतकत्रयम् । विवृत्तिनामक टीकोपेतम् १२–००
३१०४ भर्तृहरिशतकत्रयम् । (सचित्र) हिन्दी टीका सहित ८०–००
३१०५ भारतीय नीतिशास्त्र का इतिहास । डॉ० भीखनलाल आत्रेय २०–००
३१०६ महाकवि-कालिदास-प्रश्नोत्तर-मणिमाला । 'प्रदीप' हिन्दी टीका सहित । 'महाकवि कालिदास का सम्प्रदाय' नामक निबन्ध विभूषित । टीकाकार–श्री प्रदीप झा 'सुमन' (अद्य यावत् अप्रकाशित ग्रन्थ) १–५०
३१०७ राजनय के सिद्धान्त और व्यवहार । श्रीमती कृष्णाराय १५–००
३१०८ राजनीतिरत्नाकरः । श्री चण्डेश्वरविरचितः । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्योपेतः, व्याख्याकार—वाचस्पति शास्त्री गैरोला ४०–००
३१०९ राजनीतिरत्नाकरः । चण्डेश्वर विरचित । जायसवाल सम्पादित १२–००
३११० विदुरनीतिः । 'तत्वार्थदर्शिनी' संस्कृत हिन्दी टीका सहित यन्त्रस्थ
3111 Vidura Niti and Vidula-Putra-Samvad. Edited with English Translation & Notes by Hem Raj Shastri. 25--00
३११२ वैराग्यशतकम् । पद्य-गद्यात्मक हिन्दी भाषानुवाद विभूषितम् । अनु०—डा० देवर्षि सनाढ्य शास्त्री ३–५०
३११३ वैराग्यशतकम् । हिन्दी अंग्रेजी अनुवाद सहित । वैद्य हरिदास २०–००
३११४ वैशम्पायन नीतिप्रकाशिका । सीताराम कृत तत्त्वविवृत्ति सहित ४–१०
3115 Sukraniti. A Nineteeth century Text by Lallan Ji Gopal 35--00
३११६ शुक्रनीतिः । (शोधपूर्ण संस्करण) 'विद्योतिनी' हिन्दी व्याख्या सहित ५०–००
३११७ शुक्रनीतिसारः । आर्यभाषा व्याख्या सहित । व्या०—स्वामी जगदीश्वरानन्द सरस्वती ४५–००
३११८ शृङ्गारशतकम् । हरिदास कविराजकृत विस्तृत हिन्दी-अंग्रेजी टीका १५–००
३११९ शृङ्गारशतकम् । गद्यपद्यात्मक हिन्दी भाषानुवाद विभूषित । डा० देवर्षि सनाढ्य शास्त्री ३–५०

३१२० सफलता का रहस्य। मूल लेखक—मिस्टर वर्नार। अनुवादक—
ठाकुर शिवनाथ सिंह ६—००
३१२१ सुभाषितनीवी। वेदान्तदेशिक विरचित। हृद्यार्थदीपिका-नानार्थदर्शनी
व्याख्याद्वय सहित १५—००
३१२२ सुभाषितरत्नभाण्डागारम्। नारायणराम आचार्य १००—००
३१२३ सूक्तिमुक्तावली। श्रीभीमराज-सत्यनारायण विरचिता। हिन्दी
व्याख्या सहित। व्या०—श्रीकृष्णमोहन ठाकुर २०—००
३१२४ सूक्तिमुक्तावली। हरिहर प्रणीत। सं०—रामनाथ झा ८—००
3125 Studies in the Political and Administrative System of
Ancient and Medieval India by D. C. Sircar 50—00
३१२६ हितोपदेशः। सटिप्पण सम्पूर्ण ६—००
३१२७ हितोपदेशः। 'किरणावली' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित सम्पूर्ण ३५—००
सुहृद्‌भेद १०—००, मित्रलाभ ६—५०, विग्रहसन्धि रूपात्मको भाग १०—००

कोश--ग्रन्थाः

३१२८ अंग्रेजी-हिन्दी कोश। फादर कामिल बुल्के ४२—५०
३१२९ अज्ञेय काव्य कोशः। डॉ० देवराज सिंह भाटी ६०—००
३१३० अनेकार्थध्वनिमञ्जरी। द्विरूपकोश-एकाक्षरकोश सहिता ०—७५
३१३१ अनेकार्थसंग्रहः कोशः। हेमचन्द्र विरचितः २५—००
३१३२ अभिधर्मकोशः। (सभाष्य स्फुटार्थ व्याख्या)। १--२ भाग। सम्पा०—
स्वामी द्वारिकादास शास्त्री। सम्पूर्ण १५०—००
३१३३ अभिधर्मकोश। आचार्य वसुबन्धु कृत। अनु० नरेन्द्रदेव १-३ भाग १०५—००
३१३४ अभिधानचिन्तामणिः। हेमचन्द्रकृत। 'मणिप्रभा' हिन्दी टीका १००—००
३१३५ अभिधानराजेन्द्रकोशः। विजयराजेन्द्र सूरीश्वर विरचित। (अर्धमागधी प्राकृत संस्कृत कोश)। १--७ भाग १००००—००
३१३६ अमरकोशः। 'मणिप्रभा' हिन्दी व्याख्या टिप्पणी सहित प्रथम काण्ड ४—००
द्वितीयकाण्ड ८—००. १-३ काण्ड सम्पूर्ण ५०—००
३१३७ अमरकोश—रामाश्रमी (क्षेपक श्लोकों सहित शोधपूर्ण संस्करण)
'प्रकाश' नामक हिन्दी व्याख्या विभूषित। पं० हरगोविन्द
शास्त्री २५०—००, १५०—००
३१३८ अमरकोशः। मूल। प्रथम काण्ड १—००
द्वितीय काण्ड २—५०, तृतीय काण्ड २—५०
३१३९ अमरकोशः। (गुटका सम्पूर्ण) 'प्रभा' टीका सहित ५—००
३१४० अमरकोशः। आंग्लानुवाद सहित। डा० एन० जी० सरदेसाई १६—००

३१४१ अमरकोशः । आचार्य कृष्णमित्र कृत व्याख्या सहित । With Notes in English. समाप्त
३१४२ अमरकोशः । लिङ्गयसूरिकृत अमरपद विवृति, मल्लिनाथकृत अमर-पदपारिजात, बोम्म गन्टी अप्पयाचार्यकृत विवरण सहित । १--२ भाग १००--००
३१४३ अमरकोशः । संक्षिप्त माहेश्वरी व्याख्या सहित १५--००
३१४४ अमरकोशः । 'चन्द्रिका' हिन्दी अंग्रेजी टिप्पणी सहित । सम्पा०--चन्द्रधारी सिंह १५०--००
३१४५ अमरकोषः । श्रीमदमरसिंहविरचित विद्वद्वरभानुजी दीक्षित कृत 'सुधा' व्यया 'रामाश्रमी त्यपरनामधेयया व्याख्या सहित १२५--००
३१४६ अमरकोष का कोषशास्त्रीय तथा भाषाशास्त्रीय अध्ययन । कैलाशचन्द्र त्रिपाठी ४०--००
३१४७ अमरकोषसंग्रह । १--२ भाग ५--९०
३१४८ अव्ययकोश । श्रीवत्साङ्काचार्य १२--००
३१४९ आख्यात चन्द्रिका नाम क्रियाकोषः । श्रीभट्टमल्लविरचितः १००--००
३१५० आख्यानकमणिकोशः । नेमिचन्द्रसूरि विरचित, आम्रदेवसूरिकृत वृत्ति सहित । मुनि पुण्यविजय सम्पादित २५--००
३१५१ आदर्श हिन्दी शब्दकोष । रामचन्द्र पाठक । संक्षिप्त २४--००, बड़ा ८--००
३१५२ आदर्श हिन्दी-संस्कृतकोशः । प्रो० रामस्वरूप शास्त्री संपादित १२--००
३१५३ उपनिषदवाक्यकोष । कर्नल जी० ए० जेकब सम्पादित १५०--००
३१५४ उपनिषदुद्धार-कोष । विश्वबन्धु सम्पादित ३०--००
३१५५ उर्दू हिन्दी कोश । सं० मुहम्मद मुस्तफा खाँ 'मदाह' ६०--००
3156 English Sanskrit Dictionary by M. Williams. 200--00
3157 Index to the Names in the Mahabharata by S. Sorensen. 150--00
३१५८ एकाक्षरनाम-कोषसंग्रह । सं मुनि रमणीकविजय ८--००
३१५९ ऐत्तरेय ब्राह्मण-आरण्यकोश । केवलानन्द सरस्वती सम्पादित ८--००
3160 Kalidasa Kosha : A Classified Register of the Flora Fauna, Geographical Names, Musical Instruments aud Legendary Figures in Kalidasa's Works by Suresha Chandra Banerji. 50--00
३१६१ कन्नड-हिन्दी शब्दकोश । सम्पा०--एन. एस. दक्षिणामूर्ति ६०--००
३१६२ कहावत कोश । डॉ० भुवनेश्वरनाथ मिश्र 'माधव' विक्रमादित्यमिश्र २२--५०

३१६३ कालिदासकोशः । (A Comprehensive Dictionary of Kalidasa) डा० हीरालाल शुक्ल १५०–००
3164 Classical Dictionary of Hindu Mythology & Religion, Geography, History & Culture by John Dowsan 30–00
३१६५ कृषि-कोष । सम्पा० विश्वनाथ प्रसाद । १–२ खण्ड १८–७५
३१६६ केशवकोश । डा० विजयपाल सिंह । १–२ भाग १७१–२५
३१६७ कौषितकिब्राह्मणारण्यक विषयककोशः ।सं. केवलानन्द सरस्वती १०–००
३१६८ गणितीयकोश । गणितीय परिभाषा तथा शब्दावली ।डा०व्रजमोहन ३५–००
3169 Tibetan-English Dictionary by A. C. Dass. 150–00
3170 A Descriptive Dictionary of the Indian Island & Adjacent Countries by John Crawfurd 100–00
3171 Dictionary of Early Buddhist monastic Terms (Based on Pali Literature) by C. S. Upasak. 125–00
3172 Dictionary of Indian Biography by C. W. Buchland 75–00
3173 Dictionary of Pali Proper Names by G. P. Malalasekera. Vol. I-II 600–00
३१७४ तुकान्त कोश । काका हाथरसी १०–००
३१७५ तुलसी-रामायण-शब्द सूची । डॉ० सूर्यकान्त १० –००
३१७६ तुलसी शब्दसागर । हरगोविन्द तिवारी ४०–००
३१७७ तेलगु हिन्दी शब्दकोश । सम्पा० हनुमच्छास्त्री आयाचित ६०–००
३१७८ त्रिकाण्डशेष कोषः । प्राचीन । सारार्थचन्द्रिका संस्कृत टीका सहित ३५–००
३१७९ दोहा कोश । (हिन्दी छायानुवाद सहित) सम्पादक राहुल सांस्कृत्यायन ३९–७५
३१८० धरणीकोशः । धर्मदेवकृत १५–००
३१८१ धर्मकोशः । श्रीलक्ष्मणशास्त्री सम्पादित । व्यवहारकांड १-३ भाग २५० ००
उपनिषदकाण्ड १–४ भाग ४५०–००, संस्कारकांड १-३भाग ५२५–००
राजनीतिकाण्ड १–६ भाग ६३०–००
3182 Nalanda Adyatan Kosh. New Edition 35–50
३१८३ नालन्दा कान्साइज डिक्शनरी । अंग्रेजी-हिन्दी ५१–००
३१८४ नालन्दा विशाल शब्दसागर । सं. नवलजी १११–००
३१८५ नीति-सूक्ति कोष । डॉ० रामस्वरूप ५०–००
३१८६ पहेली-कोश । सम्पा० विक्रमादित्य मिश्र २०–००
३१८७ पाउअकोसः । पहराअ विरचित । सम्पा० डॉ० महाप्रभुलाल गोस्वामी ४–००
३१८८ पारसीकप्रकाश । बिहारीकृष्णदास । सम्पा० विभूतिभूषण भट्टाचार्य ५–५०
३१८९ पालिसद्दनिदस्सिका । पाली-संस्कृत-हिन्दी कोश ३०–००

३१९० पालि-हिन्दी कोश । भदन्त-आनंद कौसल्यायन ५०-००
3191 Puranic Encyclopaedia. A Comprehensive Dictionary with Special Reference to the Epic & Puranic Literature by Vettan Mani. 400-00
३१९२ पुस्तकालय-विज्ञान कोश । प्रभुनारायण गौड़ १३-५०
३१९३ पौराणिक कोश । राणाप्रसाद शर्मा ५०-००
३१९४ प्रसाद काव्य कोश । सुधाकर पाण्डेय ७५-००
3195 Practical Sanskrit English Dictionary by V. S.Apte Edited by P. K. Gode & C. G. Karve. 3 Vols. 375-00
3196 Practical Vedic Dictionary by Suryakanta 200-00
3197 Practical Sanskrit English Dictionary by V. S. Apte. 240-00
३१९८ बाल हिन्दी-संस्कृत कोशः । रामजीलाल शर्मा १०-००
३१९९ बृहत् संस्कृत-हिन्दी शब्दकोश । पं०गोपालचन्द्र शास्त्री । प्रथम खण्ड५०-००
३२०० बृहत् हिन्दी कोशः । सम्पा.—कालिका प्रसाद १२०-००
३२०१ ब्राह्मणोद्धार कोषः । विश्वबन्धु सम्पादित ७५-००
३२०२ भरतकोशः । सम्पा॰ एम रामकृष्ण कवि ३५०-००
३२०३ भारतवर्षीय प्राचीन चरित्र कोश । सिद्धेश्वर शास्त्री २००-००
३२०४ भारतीय साहित्य कोश । डॉ० नगेन्द्र ३५०-००
३२०५ भारतीय पुरा-इतिहास कोश । अरुण १५०-००
३२०६ भारतीय व्यक्तिकोशः । भगवतशरण उपाध्याय सम्पादित २५-००
३२०७ भारतीय संगीत कोश । विमलाकान्त रायचौधरी २५-००
३२०८ भारतीय साहित्य शास्त्र कोश । डॉ. राजवंश सहाय हीरा ५०-००
३२०९ भार्गव आदर्श हिन्दी शब्दकोश । संक्षिप्त २४-००
३२१० भार्गव अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश । गुटका १६-००
३२११ भार्गव हिन्दी-अंग्रेजी शब्दकोश । गुटका १६-००
३२१२ भार्गव अंग्रेजी हिन्दी शब्दकोश । बड़ा ४५-००
३२१३ भार्गव हिन्दी-अंग्रेजी शब्दकोश । बड़ा ४५-००
३२१४ भार्गव पर्यायवाची शब्दकोश । ९-००
३२१५ भाषाविज्ञान कोश । भोलानाथ तिवारी सम्पादित ६५-००
३२१६ मञ्जुकोश । मञ्जुकोश टीका सार सहित । सम्पा० थियोडोर जकारिया४०-००
३२१७ महाभारतकोश । (महाभारत के नामों और विषयों की अनुक्रमणिका) डॉ० रामकुमार राय । प्र. भाग (अ-क.) ८०-००, द्वि. भाग (ख-द) ८०-००, तृतीय भाग (द-भ) ८०-००, चतुर्थ भाग (भ-व)८० ००, पंचम भाग (वृक्ष से ह्लादनम्) ८०-००, सम्पूर्ण४००-००

३२१८ मानक हिन्दी कोश। सम्पा० रामचन्द्र वर्मा। १–५ भाग २५०–००
३२१९ मानविकी पारिभाषिक कोश। डा० नगेन्द्र। दर्शन खण्ड, मनो- ४०–००
विज्ञान खण्ड। ३५–००
३२२० मानस चरित्र कोश। भगतसिंह राजूरकर ८०–००
३२२१ मानससूक्तिकोष। वचनदेव कुमार
३२२२ मीमांसा कोषः। केवलानन्द सरस्वती सम्पादित। ५–७ भाग १६५–००
३२२३ मेदिनकोशः। (शोधपूर्ण तृतीय संस्करण) १५–००
३२२४ राजतरंगिणी कोशः। कल्हणकृत राजतरंगिणी में आने वाले नामों और विषयों की व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका। डॉ० रामकुमार राय ५०–००
३२२५ वाङ्मयार्णवः (संस्कृत पद्यबद्ध विश्वकोश)। म० म० रामवतार शर्मा विरचित १००–००
३२२६ वाचस्पत्यम्। (बृहत्संस्कृताभिधानम्) तर्कवाचस्पति श्री तारानाथ भट्टाचार्येण संकलितम्। सम्पूर्ण १–६ भाग ६०००–००
३२२७ वाल्मीकीय रामायण कोश। डा० रामकुमार राय। इसमें रामायण में आने वाले सभी नामों और प्रसङ्गों का व्याख्या सहित ससन्दर्भ उल्लेख है। ५०–००
३२२८ विशिष्टाद्वैतकोश। संस्कृत। प्रथम भाग २०८–००, १५०–००
३२२९ विश्वप्रकाशकोषः। महेश्वररचितः। सम्पा० रत्नगोपालभट्टः सम्पूर्ण ५०–००
३२३० विश्वज्ञान संहिता हिन्दी विश्वकोश। हिन्दी विकास समिति द्वारा संयोजित प्रकाशित। पहला खण्ड : सामाजिक विज्ञान खण्ड (मनोविज्ञान, समाजविज्ञान, मानवविज्ञान, शिक्षाविज्ञान) १२५–००
3231 Dictionary of the Economic Products of India by George Watt. Vols. I–V, VI Parts I–IV and Index Vol. 1500–00
३२३२ वैजयन्तीकोशः। आचार्य यादवप्रकाशविरचित। सम्पा०–हरगोविन्द शास्त्री (शोधपूर्ण संस्करण) ७५–००
३२३३ वैदिकपदानुक्रम कोषः। विश्वबन्धुशास्त्री सम्पादित। १-१६भाग १६००–००
३२३४ शब्दकल्पद्रुमः। राजा राधाकान्तदेव बहादुर विरचित। संस्कृताभिधान ग्रन्थः। तृतीय संस्करण १–५ भाग सम्पूर्ण ५०००–००
३२३५ शब्दरत्नाकरः। बाणभट्टकृत। सम्पा० डा० वेल्लिकोठ रामचन्द्रशर्मा २७–००
३२३६ शब्दरत्नावली। सम्पा० मनीन्द्रमोहन चौधरी ४०–००
३२३७ शब्दसागर। संस्कृत-अंग्रेजी कोश। जीवानन्द विद्यासागर संकलित १५०–००
३२३८ शब्दस्तोममहानिधिः। तारानाथ तर्कवाचस्पतिभट्टाचार्यविरचित ४०–००

३२३९ श्रीकोषः । (बालकोपयोगी हिन्दी से संस्कृत जेबी कोश) ६–००
३२४० श्रौतकोशः । बापट सी. दातार, डा० बी. नाने, सी. जी. काशीकर सम्पादित । १–५ भाग ३१०–००
3241 A Sanskrit English Dictionary. Based upon the St. Petersburg Lexicon. By Carl Cappeller. Ordinary Edition. 100–00. Library Ed. 150–00
3242 Sanskrit-English Dictionary by Monier Williams. Indian Ed. 300–00
३२४३ संस्कृतसाहित्यकोष । डा० राजवंशसहाय 'हीरा' १२५–००
३२४४ संस्कृत-हिन्दी-इंगलिश कोश । डा० सूर्यकान्त संपादित २५०–००
३२४५ संस्कृत-हिन्दी कोश । वी. एस. आप्टे सम्पादित ८०–००
३२४६ संक्षिप्त हिन्दी शब्दसागर । (ना प्र. सभा) १३–७५
३२४७ सांख्ययोगकोश । केदारनाथ त्रिपाठी १०–००
3248 Students Sanskrit-English and English-Sanskrit Dictionary by C J. Bhatt. 20–00, 30–00
3249 Student's English - Sanskrit Dictionary by V. S. Apte. 50–00, 30–00
3250 Student's Sanskrit - English Dictionary by V. S. Apte. 60–00, 40–00
३२५१ हलायुधकोशः । (अभिधान रत्नमाला) सम्पा० जयशंकर जोशी २५–००
३२५२ हिन्दी आलोचना कोश । सम्पा० यशपाल महाजन ७०–००
३२५३ हिन्दी कथा कोश । १०–००
३२५४ हिन्दी मुहावरा कोश । सम्पा० डा० भोलानाथ तिवारी ७५–००
३२५५ हिन्दी विश्वकोश । सम्पा०—धीरेन्द्र वर्मा, भगवतशरण उपाध्याय, गोरखप्रसाद आदि । १–१२ खण्ड सम्पूर्ण ५५६–२५
३२५६ हिन्दी विश्वकोश स्मारक ग्रन्थ । सं०—त्रिपाठी, पांडेय १००–००
३२५७ हिन्दी शब्दसागर । सं. श्यामसुन्दरदास । १–१० भाग । प्रति भाग ५५–०० ११वाँ भाग ३८–७०
३२५८ हिन्दूधर्मकोश । डॉ० राजबली पाण्डेय ४५–००

कामशास्त्र-ग्रन्थाः

३२५९ अनङ्गरङ्गः । कल्याणमल विरचितः । हिन्दी व्याख्या सहित (सचित्र) २०–००
3260 Kalyanamala's Anangaranga : An Indian Erotic Sanskrit Text with English Translation by S. N. Prasad. 400–00, 300–00

३२६१ कामकलाविलासः । टीका सहित ५—००
३२६२ कामकुंज । संस्कृत मूल सहित हिन्दी रूपान्तर । लेखक—विजय बहादुर सिंह १५—००
३२६३ कामकुंजलता । सम्पादक-पं० ढुण्ढिराज शास्त्री ५०—००
३२६४ कामसूत्र का समाजशास्त्रीय अध्ययन । पं० देवदत्त शास्त्री ८०—००
३२६५ कामसूत्र परिशीलन । (वात्स्यायन कृत कामसूत्र का प्रामाणिक शास्त्रीय विवेचन) वाचस्पति गैरोला २०—००
३२६६ हिन्दीकामसूत्र । वात्स्यायन मुनि कृत (यशोधर कृत जयमङ्गला टीका सहित) हिन्दी व्याख्याकार—देवदत्त शास्त्री १५०—००
३२६७ केलिकुतूहलम् । मूलमात्र २—००
३२६८ कोकशास्त्र । १२—००, १०—००
३२६९ पञ्चसायकः नर्मकेलिकौतुकसंवादश्च । कविशेखर ज्योतीश्वराचार्य तथा कविराज मुकुटेन दण्डिना विरचितः यन्त्रस्थ
३२७० माधवानल-कामकंदला-प्रबन्धः । कविश्रीगणपति विरचितः । परिशिष्टत्रय सहित । सम्पादक—डॉ० एम. आर. मजुमदार । प्रथम खण्ड ४४—६०
३२७१ रतिमंजरी । हिन्दी गद्य-पद्यानुवाद सहित १—५०
३२७२ रतिरत्नप्रदीपिका । प्रौढदेवराज विरचित । 'कामेश्वरी' हिन्दी व्याख्योपेता । व्याख्यकार— वैद्यशंकरदत्त शास्त्री १२—००
3273 Social Life and Ancient India : Studies in Vatsyayan's Kamasutra by Haran Chandra Chakladar. 65—00
३२७४ सुखीजीवन । लेखक—विजयबहादुर सिंह ५—५०

तन्त्रशास्त्र-ग्रन्थाः

3275 Abhinavagupta : An Historical & Philosophical Study. By. Dr. Kanti Chandra Pandey. 150—00
3276 Abhinavagupta And His Works by Dr. V. Raghavan. 75—00
३२७७ अक्षयवट । ०—५०
३२७८ अघोरी का उपदेश । १—००
३२७९ अघोरी तंत्र । ५—००
३२८० अथर्ववेदीय तंत्रविज्ञान । पं० देवदत्त शास्त्री ७०—००
३२८१ अष्टसिद्धि । हिन्दी टीका सहित १५—००
३२८२ अष्टसिद्धि । राजेश दीक्षित १२—००
३२८३ आगमरहस्य । सरयूप्रसाद द्विवेदी प्रणीत । १—२ भाग २७—००

३२८४ आगम और तन्त्रशास्त्र। व्रजवल्लभ द्विवेदी ७०—००
३२८५ आरतिमाला। ०—७५
३२८६ आसुरीकल्प। हिन्दी टीका सहित १—००
३२८७ इन्द्रजाल। १५—००
३२८८ इन्द्रजाल। (बृहत्) अर्थात् कौतुकरत्न भाण्डागार। हिन्दी। २०—००,१४—००
३२८९ ईश्वरप्रत्यभिज्ञा। अभिनवगुप्ताचार्य विरचित। 'विमर्शिनी' तथा 'शिवरञ्जनी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित ११०—७५
३२९० ईश्वरप्रत्यभिज्ञाः। उत्पलदेव कृत। अभिनवगुप्त कृत विमर्शिनी सहित। १—२ भाग २००—००
3291 Iconography of Sakti (A study based on Sri Tattvanidhi) by Dr. Balram Srivastava. 100—00
3292 Introduction to the Pancaratra and the Ahirbudhnya Samhita by F. Otto Schrader. 20—00
3293 Introduction to Tantra Shastra by S. J. Woodroffe. 15—00
३२९४ उच्छिष्टगणपतिपंचांग। मूलमात्र १२—००
३२९५ उड्डीशतन्त्रम्। 'शिवदत्ती' हिन्दी व्याख्या सहित। व्याख्याकार— पं० शिवदत्त मिश्र शास्त्री ६—००
३२९६ उपदेशमुक्तावली। रहस्यभरा भजन-संग्रह। १—२ भाग ६—००
३२९७ उल्लू यंत्र मन्त्र तन्त्र सिद्धि। राजेश दीक्षित १०—००
३२९८ कंकालमालिनीतन्त्रम्। पं० रमादत्त शुक्ल ४—००
३२९९ कमला-नित्यार्चनम्। ३—००
३३०० कर्पूरस्तवः। महाकाल विरचितः। दीपिका तथा परिमलटीकायुतः यन्त्रस्थ
३३०१ कर्पूरस्तवराजः। महाकाल कृत। रुचिरा व्याख्या सहित ८—००
३३०२ कामधेनुतन्त्रम्। सम्पादक—रमादत्त शुक्ल ५—००
३३०३ कामरत्नम्। हिन्दी टीका सहित ३०—००
३३०४ कामरत्नतन्त्रम्। हिन्दी टीका सहित। सम्पादक एवं व्याख्याकार— रामकुमार राय ३२—०० २४—००
३३०५ कामाक्षामन्त्र। १०—००
३३०६ काली उपासना। राजेश दीक्षित १०—००
३३०७ कालीकर्पूरस्तवः। सविधि। पुण्यशील शर्मा ३—००
३३०८ कालीनित्यार्चनम्। ५—००
३३०९ काली-रहस्यम्। 'शिवदत्ती' हिन्दी टीका सहित। (कालीपञ्चाङ्ग-कालीतंत्र-काली-उपासना-कालीपूजा-प्रद्धतिरूपात्मकम्) सम्पा०— आचार्य पं० शिवदत्त मिश्र शास्त्री १५—००

३३१० कालीसिद्धि। डा० चमनलाल गौतम ७–५०
3311 Concept of God in Saiva Tantra by R. K. Upadhyaya. 50–00
3312 Kularnava Tantra. Text with English Translation by Ramkumar Rai. 60–00
३३१३ कृष्णउपासना। राजेश दीक्षित १८–००
३३१४ कृष्ण नामसिद्धि। डा० चमनलाल गौतम ५–००
३३१५ कौलकीर्तनम्। सत्यान्वेषी १–२५
३३१६ कौवा यन्त्र मन्त्र तन्त्र। १०–००
३३१७ क्रमदीक्षा-पूर्वकपूर्णाभिषेकः। ४–००
३३१८ क्रमदीपिका। जगद्विजयी केशवभट्टाचार्य प्रणीता। विद्याविनोद गोविन्दभट्टकृत विवरणोपेता। 'गुरुभक्तिमन्दाकिनी' व्याख्यासहिता 'लघुस्तवराजस्तोत्र' विभूषिता च यन्त्रस्थ
३३१९ क्रियोड्डीशतन्त्रम्। हिन्दी टीका सहित ५–००
३३२० क्या रामचरितमानस तन्त्र है ? १२–००
३३२१ गणेश उपासना। राजेश दीक्षित १८–००
३३२२ गणेश सिद्धि। डा० चमनलाल गौतम ९–००
3323 Guide to Shaktipat by Swami Shivom Tirth Maharaj. 18–00
३३२४ गायत्री और चरित्र निर्माण। डा० चमनलाल गौतम ४–५०
३३२५ गायत्री उपासना। राजेश दीक्षित १८–००
३३२६ गायत्री का अर्थचिन्तन। डा० चमनलाल गौतम ५–००
३३२७ गायत्री का मन्त्रार्थ। ३–५०
३३२८ गायत्री की उच्च साधनाएँ। डा० चमनलाल गौतम ६–००
३३२९ गायत्री चित्रावली। ४–००
३३३० गायत्री तत्त्व विमर्श। अपने विषय में बेजोड़ २–००
३३३१ गायत्री तन्त्रम्। 'तत्त्वदीपिका' हिन्दी व्याख्या विभूषित। सानुवाद-गायत्रीशापोद्धार, कवच, दशमहाविद्यास्तोत्र सहित) २०–००
३३३२ गायत्रीपुरश्चरणपद्धतिः। शंकराचार्यविरचित १२–००
३३३३ गायत्रीपुरश्चरण विधान। अमोलचन्द्र शुक्ल ३–००
३३३४ गायत्रीपुरश्चरण विधिः। १–००
३३३५ गायत्री शक्ति उपासना। अमोलचन्द्र शुक्ल १२–००
३३३६ गायत्री की सहस्र शक्तियाँ। हिन्दी टीका। चमनलाल गौतम ६–००
३३३७ गायत्रीपूजापद्धतिः। विभाकराचार्यसंग्रहिता २–००
३३३८ गायत्री महाविद्या। हिन्दी टीका। डा० चमनलाल गौतम ८–००

३३३९ गायत्री महाविज्ञान । १-३ भाग २७-००
३३४० गायत्री महासाधना । डा० चमनलाल गौतम ८-००
३३४१ गायत्री यज्ञविधान । १-२ भाग ६-००
३३४२ गायत्री रत्नावली । डा० चमनलाल गौतम ३-५०
३३४३ गायत्रीरहस्य अर्थात् गायत्रीपञ्चांग । भाषा टीका सहित २२-००
३३४४ गायत्रीरहस्य । डा० चमनलाल गौतम ७-५०
३३४५ गायत्री साधना के चमत्कार । डा० चमनलाल गौतम ४-००
३३४६ गायत्री-सिद्धिः । हिन्दी टीका सहित १०-००
३३४७ गुह्यसमाजतन्त्रम् । (तथागत गुह्यक) शीतांशुशेखर बागची संपादित समाप्त
३३४८ गोरक्ष संहिता । सम्पा०-जनार्दन पाण्डेय । १-२भाग ८४-१०
३३४९ गोरक्ष सिद्धान्त संग्रहः । जनार्दन पाण्डेय १०-५०
३३५० गौतमीयतंत्रम् । पं०भगीरथ झा, प्रस्तावना-पं०शेषराज शर्मा रेग्मी २०-००
३३५१ चक्रपूजा के स्तोत्र । निशापूजा के सभी स्तोत्रों अपूर्व संग्रह ४-००
३३५२ श्रीचक्र लेखा । (Construction of Srichakra) श्रीयंत्र प्रकरणम्,
भावनोपनिषद् एवं श्रीललितासहस्रनामस्तोत्र सहित । पूर्णचन्द्र रथ ४-००
३३५३ चण्डिकामाहात्म्यम् । १-००
३३५४ चण्डीचरितावली । २-००
३३५५ चण्डी मंत्र-तंत्र एवं शाक्तधर्म की सचित्र मासिक पत्रिका वर्ष २८
संवत् २०२६ । २०-००
३३५६ चौबीस गायत्री साधना । डा० चमनलाल गौतम ३-५०
३३५७ जपयोग । चमनलाल गौतम ४-००
३३५८ जपसूत्रम् । प्रथम खण्ड । प्रणेता—स्वामी प्रत्यगात्मानन्द सरस्वती ।
अनु०—कु० प्रेमलता शर्मा २०-००
३३५९ जयाख्यसंहिता । पाञ्चरात्रागमान्तर्गत । सम्पा०-एम्बरकृष्णमाचार्य ५०-००
३३६० ज्ञानसंकलनीतंत्र । सम्पा०-भद्रशील शर्मा ३-००
३३६१ ज्ञानार्णवतंत्र । ईश्वरप्रोक्त ८-००
3362 Dictionaries of Tantrasastra or The Tantrabhidhanam.
Text with English Transltaion by Ramkumar Rai. 60–00
3363 Doctrine of the Tantrayukti's by Dr. W. K. Lale 75–00
३३६४ तंत्र और आगम शास्त्रों का दिग्दर्शन । म० म० गोपीनाथ
कविराज । अनुवादक - हंसकुमार तिवारी १३-५०
३३६५ तन्त्रकल्पतरुः । सम्पादक—कुलभूषण पं० रमादत्त शुक्ल ८-००
३३६६ तन्त्रकौमुदी । देवनाथ ठक्कुर कृत । रामनाथ झा सम्पादित ८-००
३३६७ तंत्रदर्शन । (तंत्र शास्त्रों का सार ग्रन्थ) गोविन्द शास्त्री ४०-००

३३६८ तंत्रमहाविद्या । पं० श्रीराम शर्मा एवं डॉ० चमनलाल गौतम १०-००
३३६९ तन्त्रमहाविज्ञान । १-२ भाग २८-००
३३७० तन्त्रमहासाधना । १४-००
३३७१ तंत्र महासिद्धि । श्रीरामशर्मा व चमनलाल गौतम १०-००
३३७२ तन्त्र-यात्रा । व्रजवल्लभ द्विवेदी ६०-००
३३७३ तन्त्रसंग्रहः । नीलकण्ठ सोमयाजिविरचितः । 'युक्तिदीपिका' 'लघु-
विवृत्ति' व्याख्याद्वय सहित । अध्याय १-८ प्रथम भाग ५०-००
३३७४ तंत्रसंग्रहः । सम्पादक—डॉ० रामप्रसाद त्रिपाठी । तृतीय भाग ९२-२०
" " पं० व्रजवल्लभ द्विवेदी । चतुर्थ भाग ३२-००
3375 Tantra-Their Philosophy & Occult Secrets. 40–00
३३७६ तन्त्र सिद्धान्त और साधना । देवदत्त शास्त्री ५०-००
३३७७ तन्त्ररहस्य । श्रीराम शर्मा व चमनलाल गौतम ८-००
३३७८ तंत्रराजतंत्रम् । मनोरमा टीका सहित । सम्पा० म० म० लक्ष्मण
शास्त्री १००-००, १२०-००
३३७९ तन्त्रविज्ञान । (तन्त्र के सिद्धान्तों का वैज्ञानिक निरूपण) श्रीरामशर्मा ८-००
३३८० तन्त्रशक्ति । डॉ० रुद्रदेव त्रिपाठी १०-००
३३८१ तन्त्रसाधनासार । पं० देवदत्त शास्त्री २०-००
३३८२ तन्त्रसारः । म० म० कृष्णानन्द वागीश भट्टाचार्य विरचित यन्त्रस्थ
३३८३ तंत्रसारः । अभिनवगुप्त कृत । सम्पा०—म०म० मुकुन्दराम शास्त्री ७०-००
३३८४ श्रीतन्त्राभिधानम् । मन्त्राभिधान-बीजनिघण्टु-मातृकानिघण्टु-वर्ण-
निघण्टु-बीजाभिधान-मन्त्रार्थाभिधान-मुद्रानिघण्टु-वर्णबीजकोष
सहित । सम्पा० पं० पञ्चानन भट्टाचार्य ७९-००
३३८५ तन्त्रालोकः । अभिनवगुप्त कृत । जयरथ कृत व्याख्या सहित ।
१-२ भाग, १-१४ आह्निक ३५०-००
३३८६ तान्त्रिक गुरु अर्थात् तन्त्र और साधनपद्धति । स्वामी निगमानन्द
सरस्वतीदेव । हिन्दी टीका ५-००
३३८७ तान्त्रिक पञ्चाङ्ग संग्रह । सम्पा०-सर्वेश्वर शास्त्री 'तान्त्रिक' २५-००
३३८८ तान्त्रिक पञ्चांग । स्वामीजी महाराज दतिया ७-००
३३८९ तान्त्रिक साधना और सिद्धान्त । म० म० गोपीनाथ कविराज ।
अनुवादक—पं० हंसकुमार तिवारी २३-००
३३९० तान्त्रिक वाङ्मय में शाक्तदृष्टि । म० म० गोपीनाथ कविराज १६-००
३३९१ तांत्रिक साहित्य । म० म० गोपीनाथ कविराज ३०-५०
३३९२ तांत्रिक सिद्धियाँ । डॉ० नारायणदत्त श्रीमाली १८-००

३३९३ तारातन्त्रम् । गिरीशचन्द्र वेदान्ततीर्थ सङ्कलितम् ३२-००
३३९४ ताराहस्यम् । सटिप्पण हिन्दी व्याख्या विभूषित २०-००
3395 Tripura-Rahasya (Jnanakhanda) English Translation and A Comparative Study of the process of Individuation. By A. U. Vasavada. 60-00
३३९६ त्रिपुरसुन्दरी साधना । पं० देवदत्त शास्त्री २०-००
३३९७ त्रिपुरातापिन्युपनिषद् एवं त्रिपुरोपनिषद् । हिन्दी टीका सहित ३-००
३३९८ त्रिपुरारहस्य-ज्ञानखण्डम् । 'ज्ञानप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—स्वामी सनातनदेवजी महाराज ३५-००
३३९९ त्रिपुरारहस्य का तंत्रविश्लेषण । (प्राचीन भारतीय तंत्रसाधना एवं आधुनिक यूंगीय मनोविश्लेषण शास्त्र का तुलनात्मक विवेचन) लेखक—डॉ० अरविन्द यू० वसावडा, हिन्दी रूपान्तकार–डॉ० भवानीशंकर उपाध्याय २०-००
३४०० त्रिपुरासारसमुच्चय । नागभट्टविरचित । गोविन्दाचार्य कृत संस्कृत टीका सहित ८-००
३४०१ दकारादिदुर्गासहस्रनामस्तोत्रम् । कुलार्णवतन्त्रोक्तं । दुर्गाद्वात्रिंशन्नाम माला सहित·दुर्गाऽष्टोत्तरशतनामावली विभूषिता । सम्पा०–आचार्य मधुसूदनप्रसाद मिश्र १-५०
३४०२ दत्तात्रेयतन्त्रम् । 'शिवदत्ती' हिन्दी टीका सहित व्याख्याकार—पं० शिवदत्त मिश्र शास्त्री ९-००
३४०३ दुर्गाउपासना । राजेश दीक्षित १०-००
३४०४ दुर्गार्चनपद्धतिः अर्थात् दुर्गारहस्यम् । भाषा टीका। शिवदत्त मिश्र ३८-००
३४०५ दुर्गापञ्चाङ्गम् । सम्पादक—श्रीमातृप्रसाद पाण्डेय ४-००
३४०६ दुर्गापूजा । हिन्दी टीका । दौलतराम गौड़ १२-००
३४०७ दुर्गासप्तशती । (सचित्र) 'सर्वमङ्गला' हिन्दी व्याख्या, पूजाविधान सहित । व्याख्याकार—पं० हरेकान्त मिश्र । सप्तशत्यंगषट्क पूजाविधि, मन्त्रकोश, नवचण्डी, नवदुर्गा, शतचण्डी, सहस्रचण्डी विधानादि विविध पाठान्तर सहित (शोधपूर्ण संस्करण) १४-००
३४०८ दुर्गासप्तशती । हिन्दी व्याख्या सहित । व्या०—डॉ० सत्यव्रत सिंह ४०-००, २५-००
३४०९ दुर्गासप्तशती । (सचित्र मूल) । गुटका । सं०–पं० हरेकान्त मिश्र ६-००
३४१० दुर्गासप्तशती । (स्थूलाक्षर) मूल १२-००
३४११ दुर्गासप्तशती । स्थूलाक्षर । पत्रात्मक ६-००

३४१२ दुर्गासप्तशती । (दुर्गाप्रदीप-गुप्तवती-चतुर्धरी-शान्तनवी-नागोजीभट्टी-जगच्चन्द्र चन्द्रिका दशोद्धार) सात टीका सहित ८०–००, १४०–००

३४१३ दुर्गासिद्धि । डा० चमनलाल गौतम ७–५०

3414 Devatma Shakti by Vishnutirtha. 12–00

३४१५ धनदातन्त्र । (शीघ्र धनप्राप्ति और दरिद्रतानाश का सर्वश्रेष्ठ साधन) मूल एवं भाषानुवाद सहित ५–००

३४१६ धनप्राप्ति के प्रयोग । भद्रशील शर्मा ४–००

३४१७ धन्वन्तरि तंत्र शिक्षा । हिन्दी टीका १५–००

३४१८ धर्ममार्ग पर । ४–००

३४१९ नारदपञ्चरात्रम् । मूल एवं प्रथम बार हिन्दी टीका सहित । अनु०–डा० रामकुमार राय १००–००

३४२० नारदीयसंहिता । राघवप्रसाद चौधरी सम्पादित २४–००

३४२१ नित्यषोडशिकार्णवः । भास्कररायोन्नीत सेतुबन्ध व्याख्या सहित ३५–००

३४२२ नित्यषोडशिकार्णवः । ऋजुविमर्शिनीसार्थरत्नावली व्याख्या द्वयोपेत ७६–००

३४२३ निरुत्तरतन्त्रम् । सम्पादक—भद्रशील शर्मा ६–००

३४२४ निर्वाणतन्त्रम् । सम्पादक—भद्रशील शर्मा ५–००

३४२५ निष्पन्नयोगावली । विनयतोष भट्टाचार्य २५–००

३४२६ नेत्रतन्त्रम् (मृत्युञ्जयभट्टारकः) । क्षेमराजकृत व्याख्या सहित । सम्पा०—व्रजवल्लभ द्विवेदी १००–००

३४२७ पञ्चदशीतंत्रम् । हिन्दी टीका सहित १–००

३४२८ पञ्चमकार तथा भावत्रय । ८–००

3429 Principles of Tantra by S. J. Woodroffe. 2 Vols. 80–00

३४३० परमानन्दतंत्र । महेश्वरानन्दनाथकृत सौभाग्यानन्द सन्दोह व्याख्या । सम्पा०–पं० रघुनाथ मिश्र ९६–००

३४३१ परशुरामकल्पसूत्रम् । रामेश्वर प्रणीत व्याख्या सहित । सम्पादक–महादेव शास्त्री ११६–००

३४३२ पराशुरामतन्त्र । सम्पादक—भद्रशील शर्मा २–००

३४३३ परातंत्रम् । श्रीधन शमशेर जंगबहादुर राणा ३–००

३४३४ परात्रिंशिका । महामहेश्वर अभिनवगुप्त विरचित विवृति सहित । आचार्यनीलकण्ठ गुटूकृत हिन्दी टीका सहित १००–००, ७०–००

३४३५ पुरश्चर्यार्णवः । (सचित्र) श्री ५ महाराजाधिराज प्रताप सिंह साहदेव-विरचित । सम्पा०—पं० मुरलीधर झा महोदय ४००–००

३४३६ प्रपञ्चसारतंत्रम् । शङ्कराचार्य कृत । पद्मपादाचार्य कृत विवरण तथा प्रयोगक्रमदीपिका नाम की विवरण विवृत्ति सहित १००-००, ७५–००

३४३७ पुराणसंहिता। श्रीमद्वेदव्यास विरचिता। आलमंदार सहिता बृहद सदाशिव संहिता सनत्कुमारसंहिता संवलिता समाप्त
३४३८ पूजा रहस्य। डॉ० चमनलाल गौतम ६–५०
३४३९ पौराणिक नवरात्र पूजापद्धति। ३–००
३४४० प्रत्यङ्गिरापञ्चाङ्गम्। मूल १०–००
३४४१ हिन्दी प्रत्यभिज्ञाहृदयम्। डॉ० शिवशंकर अवस्थी २०–००
३४४२ प्रत्यभिज्ञाहृदयम्। सटिप्पण हिन्दी टीका सहित। ठाकुर जयदेवसिंह १२–००
3443 Pratyabhijnahridayam with English Transtation and Notes by Thakur Jaideva Singh. 30–00
३४४४ प्राणतोषिणीतन्त्र (सर्गकाण्ड एवं धर्मकाण्ड)। प्रथम भाग। सम्पा०—पं० रमादत्त शुक्ल। (संस्कृत) ५०–००
३४४५ प्राणतोषिणीतन्त्र (हिन्दी)। (सर्गकाण्ड, धर्मकाण्ड, अर्थकाण्ड, काम्य काण्ड) १–२ भाग ५५–००, ३५–००
३४४६ बगलातन्त्र-मंत्रसिद्धिः। १२–००
३४४७ बगलामुखीरहस्यम्। स्वामीजी महाराज दतिया। संस्कृत में १८–००
३४४८ बगलामुखीसिद्धिः। चमनलाल गौतम ७–५०
३४४९ बगलोपासनापद्धतिः। हिन्दी टीका सहित। शिवदत्त मिश्र १६–००
३४५० बटुकभैरवोपासनाध्याय। मूलमात्र २०–००
३४५१ बृहत्साबरतन्त्र। भाषा ५–००
३४५२ बृहन्नीलतन्त्रम्। मूलमात्र। सम्पादक—मधुसूदन कौल ९०–००
३४५३ भारतीय संस्कृति और साधना। म० म० गोपीनाथ कविराज १–२ भाग ७४–५०
३४५४ भैरव उपासना। राजेश दीक्षित १०–००
३४५५ मंत्र और मातृकाओं का रहस्य (तन्त्रानुसार) डॉ० शिवशंकर अवस्थी ६५–००
३४५६ मंत्रकौमुदी। देवनाथ ठक्कुर कृत ६–००
३४५७ मन्त्रमहार्णवः। मूलमात्र। सजिल्द १००–००
३४५८ हिन्दी मन्त्रमहार्णवः। मूल एवं हिन्दी अनुवाद सहित। अनुवादक—डा० रामकुमार राय। देवी खण्ड १७५–०० देवता खण्ड १७५–००
(मिश्र खण्ड) शीघ्र
३४५९ मंत्रभागवतम्। नीलकण्ठ प्रणीत। संस्कृत। मन्त्ररहस्यप्रकाशिका व्याख्या सहित। सम्पादिका—सुश्री श्रद्धाकुमारी चौहान १–७५
३४६० मंत्रमहाविज्ञानम्। १–४ भाग ५६–००
३४६१ मंत्रमहोदधिः। 'नौका' 'मोहिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। टीकाकार—डा० शुकदेव चतुर्वेदी १५०–००

3462 Mantramahodadhi. English Translation by A Board of Scholars, 200–00
३४६३ मंत्रमहोदधिः। संस्कृत टीका सहित ६०-००
३४६४ मंत्रमहोदधिः। हिन्दी टीका सहित २१-००
3465 Mantra - Yoga Samhita. Text edited with English Translation by Dr. Ramkumar Rai. 65–00
३४६६ मंत्रयोगः। हिन्दी टीका सहित। चमनलाल गौतम १०-००
३४६७ मंत्रशक्तिः। डा० रुद्रदेव त्रिपाठी १२-००
३४६८ मंत्रशक्ति से विपत्ति निवारण। चमनलाल गौतम १०-००
३४६९ मंत्र-विद्या। करणीदान सेठिया ६०-००
३४७० मंत्रशक्ति के अद्भुत चमत्कार। चमनलाल गौतम ५-५०
३४७१ मंत्रशक्ति से कामना सिद्धि। डॉ० चमनलाल गौतम १०-००
३४७२ मंत्रशक्ति से रोग निवारण। डॉ० चमनलाल गौतम १०-००
३४७३ मंत्रसागर। ३०-००
३४७४ मंत्रसिद्धि। राजेश दीक्षित १२-००
३४७५ मंत्रसिद्धि का उपाय। मन्त्र-साधना की सर्वोत्तम पुस्तक ३-००
३४७६ महाकालसंहिता। १-३ भाग १७८-००
३४७७ महाकालीपञ्चाङ्गम्। सम्पा०-पं० सर्वेश्वर शास्त्री 'तान्त्रिक' ८-००
३४७८ महाचीनाचार-सारतन्त्र। सम्पा०-भद्रशील शर्मा २-५०
३४७९ महानिर्वाणतन्त्रम्। आर्थर एवेलेन सम्पादित ३५-०० ५०-००
३४८० हिन्दी महानिर्वाणतन्त्र। अनुवादक—पं० रमादत्त शुक्ल २०-००
३४८१ महानिर्वाणतन्त्र। हिन्दी टीका सहित ८०-००
3482 Mahanirvana Tantra. A Prose English Translation By M. N. Dutt. 85–00
३४८३ महामन्त्र गायत्री। ८-००
३४८४ महामायात्रयी। हिन्दी। नर्मदेश्वरप्रसाद उपाध्याय ८-००
३४८५ महामृत्युंजयपञ्चाङ्गम्। ५-००
३४८६ महामृत्युंजयसाधना। डॉ० चमनलाल गौतम। हिन्दी टीका ४-००
३४८७ महार्थमञ्जरी। महेश्वरानन्द। स्वोपज्ञपरिमलाख्य व्याख्या सहित। सम्प०-व्रजवल्लभ द्विवेदी १७-५०
३४८८ महालक्ष्मीपञ्चाङ्ग। सम्पा०—पं० सर्वेश्वर शास्त्री 'तान्त्रिक' ८-००
३४८९ महासरस्वतीपञ्चाङ्गम्। सम्पा०-आचार्य श्रीकृष्ण भगवान'तान्त्रिक' ८-००
३४९० मातृ-उपासना। मातृ-उपासना का रूप एवं माहात्म्य ३-००

३४९१ मातृकाचक्रविवेकः। सिद्धस्वतन्त्रानन्दकृत। संस्कृत-हिन्दी टीकासहित १५—००
३४९२ मातृकाभेदतन्त्रम् । सम्पा०—डा० रामकुमार राय १५—००
३४९३ महाविद्याचतुष्टयम् (तारा - धूमावती - भुवनेश्वरी - मातङ्गी)। स्वामीजी महाराज दतिया ८—००
३४९४ मानस-पूजनम् । १—००
३४९५ मानसमन्त्रसिद्धिः । डा० चमनलाल गौतम ५—००
३४९६ माहेश्वरतन्त्रम् । एतत्तन्त्रशास्त्रपाठभेदादिपुरःसरं यन्त्रस्थ
३४९७ माहेश्वरतन्त्रम् । हिन्दी टीका सहित । सम्पा०—डॉ० रुद्रदेव त्रिपाठी ५—००
३४९८ माहेश्वरीयतन्त्रम् । भाषा टीका सहित १—५०
३४९९ मुद्रायें एवं उपचार । सम्पादक—भद्रशील शर्मा १८—००
३५०० मृगेन्द्रतन्त्रम् (विद्यापाद-योगपाद) । भट्टनारायणकण्ठ कृत वृत्ति सहित । सम्पा०—मधुसूदन कौल शास्त्री ८०—00
३५०१ यज्ञमन्त्र-संग्रहः । पं० वेणीराम शर्मा गौड़ ५८—00
3502 Yugaraddha (The Tantric View of Life) By Dr. Herbert V. Guenther. 50—00
३५०३ यन्त्रचिन्तामणिः । हिन्दी टीका सहित १०—00
३५०४ यन्त्रमहासिद्धिः । डॉ० चमनलाल गौतम ७—00
३५०५ यंत्रशक्तिः । रुद्रदेव त्रिपाठी । १—२ भाग ८०—00
३५०६ यंत्रसिद्धिः। राजेश दीक्षित १२—00
३५०७ योगतंत्रविमर्शिनी । गोपीनाथ कविराज ५—00
३५०८ योगतारावली । श्रीशङ्कराचार्य प्रणीत । 'भावप्रकाश-शाङ्करी' संस्कृत हिन्दी टीका सहित । स्वामी दयानन्द शास्त्री ८—00
३५०९ योगिनीतन्त्रम् । हिन्दी टीका सहित ३०—00
३५१० यक्षिणी भैरव सिद्धि। राजेश दीक्षित १२—00
३५११ योगिनीहृदयम् । अमृतानन्द योगी कृत दीपिका, भास्करराय कृत सेतुबंध व्याख्यायुत । सम्पा०—म० म० गोपीनाथ कविराज ३३—४0
३५१२ राम-उपासना। राजेश दीक्षित १०—00
३५१३ रामनामसिद्धि । डॉ० चमनलाल गौतम ६—५0
३५१४ रुद्रयामलतन्त्रम् (संक्षिप्त) । हिन्दी टीका सहित ४—00
३५१५ रुद्राक्षधारणविधि । हिन्दी टीका १—५0
३५१६ रेणुकातंत्रम् । स्वामीजी महाराज दतिया ६—00
३५१७ लक्ष्मी-उपासना । राजेश दीक्षित १०—00
३५१८ लक्ष्मीतंत्रम् (पंचरात्रआगम) । वी० कृष्णमाचार्य सम्पादित ६०—00
३५१९ लक्ष्मीतंत्रम् । हिन्दी टीका सहित १२—00

3520 Lights on the Tantra by M. P. Pandit. 10–00
३५२१ लक्ष्मी सिद्धि। चमनलाल गौतम १०–००
३५२२ लुप्तागमसंग्रहः। सम्पा०–पं० व्रजवल्लभ द्विवेदी। दूसरा भाग ७६–००
३५२३ लेखसंग्रहः। शाक्तमत के २४लेखोंका संग्रह। स्वामीजी महाराज दतिया १२–००
३५२४ लेखसंग्रहः। स्वामी दिव्यानन्द सरस्वती ४–००
३५२५ वशीकरण। रामलगन पाण्डेय ८–००
३५२६ वशीकरण मोहिनी विद्या। (हिप्नोटिज्म) शक्तिचक्रसिद्धि के प्रयोग २१–००
३५२७ वरिवस्यारहस्यम्। भास्कररायमखिना कृत; 'प्रकाश' संस्कृत व्याख्या एवं 'शक्ति' हिन्दी व्याख्या। हिन्दी व्याख्याकार-आचार्यविश्वनाथपाण्डेय २५–००
३५२८ वरिवस्यारहस्यम्। संस्कृत टीका तथा आंग्लानुवाद सहित। सम्पा० एस० सुब्रह्मण्य शास्त्री २५–००
३५२९ वशीकरण मन्त्र। राजेश दीक्षित १०–००
३५३० वाञ्छाकल्पलता। 'जयन्ती' हिन्दी टीका सहित। शिवदत्त मिश्र १०–००
३५३१ वातूलनाथसूत्राणि। अनन्तशक्तिकृत वृत्ति तात्पर्यार्थ हिन्दी टीका सहित २–००
३५३२ वाममार्ग। परिचय नाम ही से प्रकट है ८–००
३५३३ वाराहीपञ्चाङ्गम्। सम्पा०—पं० सर्वेश्वर शास्त्री 'तान्त्रिक' ८–००
३५३४ विनयसुधा। १–२५
3535 Vinasikhatantra : A Saiva Tantra of the Left current. Translation by Teun Goudriaan. 75–00
३५३६ विश्वामित्रसंहिता। सम्पादक—यू० शंकर भट्ट २२–००
३५३७ विष्णुउपासना। राजेश दीक्षित १२–००
३५३८ विष्वक्सेनसंहिता। सम्पा०–लक्ष्मीनारायण भट्ट २९–००
३५३९ वैदिक नवरात्रपूजा पद्धतिः। २–००
३५४० वैदिक मंत्रविद्या। १०–००
३५४१ शक्तिभाष्य का अध्ययन। डॉ० श्रीमती सुशीला 'कमलेश'। ग्रन्थ में शक्तिमतों को दर्शनों की परम्परा में स्थान दिया गया है। ७५–००
३५४२ शक्तिसंगमतन्त्रम्। तृतीय भाग। सुन्दरी खण्ड ३५–००
३५४३ शक्तिसंगमतन्त्रम्। चतुर्थ भाग। छिन्नमस्ताखंड। सम्पा०–बी० भट्टाचार्य ४९–००
३५४४ शक्तिसंगमतन्त्र। काली खण्ड। सम्पा०-पं०रमादत्त शुक्ल ३५–००, २५–००
3545 Sakti and Sakta by S J. Woodroffe. 50–00
३५४६ शाक्तदर्शनम्। पं० चक्रेश्वर भट्टाचार्य २०–००
३५४७ शाक्तदर्शनम्। कालीचरण पन्त ३–००

३५४८ शाक्तधर्म क्या है ? देवीदत्त शुक्ल ३—००
३५४९ शाक्तधर्म विशेषाङ्क । २०—००
३५५० शाक्तप्रमोदः । दशमहाविद्याओं का पञ्चांग और पाँचों देवताओं का पंचांग । मूलमात्र । सजिल्द ६०—००
३५५१ शारदातिलकतन्त्रम् । श्रीमद्राघवभट्टकृत 'पदार्थादर्शटीका' सहितम् । सम्पा०—आर्थर एवलॉन १७५—०० १२—००
३५५२ शारदातिलकम् । हिन्दी व्याख्याकार—डॉ० चमनलाल गौतम १४—००
३५५३ शारदातिलकम् । लक्ष्मणदेशिकेन्द्रकृत । राघवभट्टकृत 'पदार्थादर्श व्याख्या सहित १००—००
३५५४ शाबरचिन्तामणिः । पार्वतीपुत्र नित्यनाथसिद्धमत्स्येन्द्र विरचितः । (शाबर मंत्रों का अद्भुत चमत्कार) । हिन्दी टीका सहित ५—००
३५५५ शाबरमन्त्रसिद्धि । डॉ० चमनलाल गौतम ६—००
३५५६ शिव उपासना । राजेश दीक्षित १२—००
३५५७ शिवरहस्यम् । हिन्दी टीका सहित । पं० शिवदत्त मिश्र २२—००
३५५८ शिवरहस्य । डॉ० चमनलाल गौतम ६—५०
३५५९ शिवलीलामृत । पं० जगन्नाथ भसीन २१—००
३५६० शिवसूत्र-स्पन्दकारिका । ऋज्वर्थबोधिनी वृत्ति, हिन्दी टीका सहित १—५०
३५६१ श्रीकमला नित्यार्चन । भद्रशील शर्मा ३—००
३५६२ श्रीकल्पद्रुमः । 'गुप्तावतार' बाबा मोतीलालजी । प्रथम भाग ३—५०
३५६३ श्रीकालीकल्पतरुः । पं० रमादत्त शुक्ल २५—००
३५६४ श्रीछिन्नमस्तानित्यार्चनम् । ८ ००
३५६५ श्री तारास्तवमञ्जरी । ३—००
३५६६ श्रीतारास्वरूपतत्त्वम् । ४·००
३५६७ श्रीमहात्रिपुरसुन्दरीपूजापद्धतिः । स्वामीजी महाराज दतिया ५ ००
३५६८ श्रीदुर्गाकल्पद्रुमः । (सप्तशती पाठ सहित) संग्रहकर्ता—जगन्नाथ परशुराम चतुर्वेदी १५—००
३५६९ श्रीदेवीरहस्यम् । ज्वालामुखीसहस्रनामादि बृहद् परिशिष्ट सहित । सम्पा०—पं० रामचन्द्र काक हरिभट्ट शास्त्री १९०—००
३५७० श्रीनाथादिगुरुत्रयम् । 'गुप्तावतार' बाबा मोतीलाल ३ ५०
३५७१ श्रीपञ्चरात्ररक्षा । वेदान्तदेशिक विरचित २०—००
३५७२ श्रीप्रश्नसंहिता । सम्पा०-सीतापद्मनाभ ३६—००
३५७३ श्रीबगलानित्यार्चनम् । ४—००
३५७४ श्रीबटुकभैरव साधना । डा० इन्द्रदेव त्रिपाठी ४०—००

३५७५ श्रीबालानित्यार्चनम् । ८—००
३५७६ श्रीबालास्तवमञ्जरी । ८—००
३५७७ श्रीभगवती गीता । पद्यानुवाद व व्याख्या सहित ६—००
३५७८ श्रीमहालक्ष्मीपूजापद्धतिः । सर्वदेवपूजा विधान, पूजनमीमांसा, सम्पुटित श्रीसूक्त आदि विविध परिशिष्टयुक्त। हिन्दी टीका सहित ५—००
३५७९ श्रीमालिनीविजयोत्तरतन्त्रम् । मूलमात्र । सम्पा०—पं० मधुसूदन कौल शास्त्री ८०—००
३५८० श्रीरामरहस्यम् । (रामपंचांगम्) । हिन्दी टीका सहित १२—००
३५८१ श्रीललितानित्यार्चन । ४—००
3582 Srivatsa : The Babe of Goddess Sri by Dr. P. K. Agrawala. 75—00
३५८३ श्री विद्याखड्गमाला । सविधि ६—००
३५८४ श्रीविद्यास्तवमञ्जरी । १५—००
३५८५ श्रीशान्तिकल्पद्रुमं । (वास्तुशान्ति सहित) ३—२५
३५८६ श्रीश्यामासपर्यावासना । ४—५०
३५८७ श्रीषोडशीनित्यार्चन । ४—००
३५८८ षट्चक्रनिरूपणम् । स्वामी हंसस्वरूप महाराज ३—००
3589 Serpent Power by S. J. Woodroffe. 50—00
३५८९ संक्षिप्त तान्त्रिकमाह्निकं । भद्रशील शर्मा सम्पादित ४५—००
३५९० सनत्कुमारसंहिता । (पांचरात्रागम) सम्पा०—वी० कृष्णमाचार्य ४०—००
३५९१ सन्तानसुखप्राप्ति के प्रयोग । भद्रशील शर्मा २—००
३५९२ सरल गायत्री साधना । डॉ० चमनलाल गौतम ५—५०
३५९३ सरस्वती उपासना । राजेश दीक्षित १०—००
३५९४ सविधि आपदुद्धारबटुकभैरवस्तोत्रम् । ०—७५
३५९५ सांख्यायनतन्त्रम् । गोस्वामी लक्ष्मीनारायण दीक्षित सम्पादित ४—००
३५९६ सांवरीतंत्र । सेवड़े का जादू । सन्तराम १५—००
३५९७ सात्वततंत्रम् । (वैष्णवतन्त्रम्) समाप्त
३५९८ सात्वतसंहिता । अलशिंगभट्टकृत व्याख्या सहित १२०—००
३५९९ साधन पथ । स्वामी शिवोम् तीर्थ १—५०
3600 Significance of the Tantric Tradition by Kamalakar Mishra. 50—00
३६०१ सार्थ सौन्दर्यलहरी । ५—५०
३६०२ सिद्धशंकरतंत्र । ५—००

३६०३ सौन्दर्यलहरी । लक्ष्मीधरा-सौभाग्यवर्धनी-अरुणामोदिनी-आनन्दगिरीया-तात्पर्यदीपिनी-पदार्थचंद्रिका-डिण्डिमभाष्य-गोपालसुन्दरी-आनंद-लहरी आदि नौ व्याख्याओं से सुशोभित तथा आंग्लानुवाद टिप्पणी, द्रविड़ानुवाद, द्रविड़-हिन्दी पद्यानुवाद, द्रविडांग्लभाषागत प्रयोग, यन्त्रपूजाविधान सहित । ए. कुप्पूस्वामी सम्पादित ६५—००
३६०४ सौन्दर्यलहरी । हिन्दी टीका सहित ८·००
३६०५ सौभाग्यलक्ष्मी । हिन्दी टीका सहित ४-००
३६०६ सौभाग्योदयः । गौडपादाचार्य विरचित, सुभगोदय स्तुति की व्याख्या सहित । हिन्दी टीका । डॉ० ताराचंद्र गर्ग ६—००
३६०७ स्फुटनिर्णयतंत्र । अच्युत कृत स्वव्याख्या । के० वी० शर्मा १०—००
३६०८ स्त्रियाँ गायत्री उपासना क्यों करें ? डॉ० चमनलाल गौतम ४—००
३६०९ स्वच्छन्दतन्त्रम् । क्षेमराजकृत उद्योत व्याख्या सहित । सम्पादक—पं० व्रजवल्लभ द्विवेदी । १—२ भाग १५०—००
३६१० हनुमद्रहस्यम् । शिवदत्त मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित २२—००
३६११ हनुमत सिद्धि । डॉ० चमनलाल गौतम ९—००
३६१२ हनुमदुपासना । मूल २०—००
३६१३ हनुमान उपासना । रामकृष्णदास रसिक १०—००
३६१४ हिन्दी कुलार्णव तंत्र । १५—००
३६१५ हिन्दी तंत्रसार । रमादत्त शुक्ल । १—५ भाग २०—००
३६१६ हिन्दी शाक्तानन्दतरंगिणी । (शाक्तधर्मके सिद्धांतों का परिचय) ३ ५०
३६१७ हिन्दुओं की पोथी । जेबी पुरोहित २—००
३६१८ हिप्नोटिज्म । (सम्मोहन विज्ञान) । डॉ० चमनलाल गौतम ६-००
३६१९ हिप्नोटिज्म और मेस्मेरिज्म । १८—००

वैदिक-ग्रन्थाः

३६२० अथर्वप्रातिशाख्यम् । सूर्यकान्त शास्त्री सम्पादित । स्वोपज्ञ भूमिका आंग्लभाषानुवाद सहित समाप्त
३६२१ अथर्ववेद-परिशिष्ट । सम्पादक—जार्ज मेलवील बोलिङ्ग तथा जुलियस फॉन नेजलीन । हिन्दी टिप्पणियों सहित । सम्पादक—रामकुमार राय १००—००
३६२२ अथर्ववेदः । (शौनकीयः) पदपाठ-सायणभाष्य पाठभेद-टिप्पणी सहित । १—४ भाग, ५ जिल्दों में ३००—००
३६२३ अथर्ववेद-ऋषिदेवता छन्दोनुक्रमणिका । सम्पा०—विश्वबन्धु १५-००
३६२४ अथर्ववेद-पदपाठानुक्रमणी । (अकारादिवर्णक्रमानुसारिणी) ३६-००

३६२५ अथर्ववेद-वैयाकरण-पदसूची। (A Grammatical Word Index to Atharvaveda) विश्वबन्धु सम्पादित ८५—००
३६२६ अथर्ववेदसंहिता। मूलमात्र (स्थूलाक्षर)। सातवलेकर ८०—००
३६२७ अथर्ववेदसंहिता। सातवलेकर प्रणीत सुबोध हिन्दी भाष्य सहित। १—५ भाग २५०—००
३६२८ अथर्ववेद संहिता। श्रीराम शर्मा आचार्य कृत सरल हिन्दी भावार्थ सहित। १—२ भाग ३०-००
३६२९ अथर्ववेद संहिता। भाषा टीका सहित। गोपालप्रसाद कौशिक। १—२ खण्ड ३२—००
३६३० अथर्ववेदसंहितायाः मन्त्राणां वर्णानुक्रमसूची। १-५०
३६३१ अथर्ववेद एक साहित्यिक अध्ययन। मातृदत्त त्रिवेदी ५०—००
३६३२ अथर्ववेदसंहिता। वेदार्थबोधिनी हिन्दी व्याख्या सहित। डॉ० रामकृष्ण शास्त्री। प्रथम खण्ड १—१० काण्ड पर्यन्त ४०—००
३६३३ अथर्ववेदसंहिता। मूलमात्र। सम्पा०—वेणीराम शर्मा गौड। प्रथम खंड १—१० काण्ड २०—००
३६३४ अथर्ववेदसंहिता। भाषा भाष्य। जयदेव शर्मा। १—४ भाग १२०—००
३६३५ अथर्ववेदसंहिता। मूलमात्र। अजमेर ३०—००
3636 Atharvaveda Samhita by W. D. Whitney. 2 Vols. 200—00
3637 Atharvaveda. Sanskrit Text with English Translation by Devichand. 300-00
३६३८ अथर्ववेद एवं गोपथब्राह्मण। M. Bloomfield सम्पादित संस्करण का अविकल हिन्दी रूपांतर। सूर्यकान्त शास्त्री ५०—००
3639 Atharvaveda Pratisakhya or Saunkiya Caturdhayika Text, Translation and Notes by W. D. Whitney. 60—00
३६४० अथर्ववेदीय बृहत् सर्वानुक्रमणिका। विश्वबंधु सम्पादित १८—००
३६४१ अथर्ववेदीय वैतान श्रौतसूत्रम्। विश्वबन्धु ३०—००
३६४२ अथर्ववेदीयज्योतिषम्। (काश्यप-प्रजापति-संवाद) हिन्दी टीकासहित। १—००
३६४३ अथर्ववेद शान्तिपुष्टिकर्माणि। डॉ० माया मालवीया विरचित ८—००
३६४४ आपस्तम्बश्रौतसूत्रम्। धूर्तस्वामिभाष्योपेतम्। रामाग्निचिद्वृत्तिसहितम् (१०३ सम्पुटानि, १—१० प्रश्नाः) २८—००
३६४५ आर्षेयकल्पः। बी. आर. शर्मा सम्पादित १२५—००
३६४६ आर्षेयब्राह्मणम्। सायणभाष्य सहित। सम्पा०—बी. आर. शर्मा ४७—००
३६४७ आश्वालायनगृह्यसूत्र। अनाविला वृति सहित। वृत्तिकार—हरदत्ताचार्य। सम्पा०—म. म. टी. गणपति शास्त्री १००—००

३६४८ आश्वलायनहगृह्यसूत्रम् । नारायण कृत संस्कृत व्याख्या तथा डा० नगेन्द्रनाथ शर्मा कृत आंग्लानुवाद सहित ७०-००

३६४९ आश्वलायनगृह्यसूत्रम् । नारायणप्रणीत वृत्ति गृह्यपरिशिष्टम् कुमारिल भट्ट विरचितं च । १५-००

३६५० आश्वलायनगृह्यसूत्रभाष्यम् । देवस्वामिकृत । पं० के. पी. रैथल ७०-००

३६५१ आश्वलायनसूत्रप्रयोगदीपिका। भट्ट मञ्जनाचार्य विरचित १·२ खण्ड ७५-००

६652 Etymolcgies cf Yaska by S. Varma. 45-00

३६५३ उहगानम्-उह्यगानम् । उत्तरार्चिक पदपाठोपेतम् । सम्पादक—पं० ए. एम. रामनाथ दीक्षित ६०-००

३६५४ ऋक्तन्त्रम् । विवृत्ति सहित । डॉ० सूर्यकान्त संपादित ६०-००

३६५५ ऋक्सूक्तचयनम् । सायण भाष्य-हिन्दी टीका सहित । व्याख्याकार—डॉ० कमलाप्रसाद सिंह - डॉ० वीरेन्द्रकुमार वर्मा ६-००

३६५६ ऋक्सूक्तवैजयन्ती । १०८ सूक्तों का संहितापाठ पदपाठ-सटिप्पण अनुवाद सहित । सम्पादक—वेलणकर, पराड़कर, जोशी ४०-००

३६५७ ऋक्सूक्तसंग्रहः । सायणभाष्यानुसारी—पिटर्सन की हिन्दी व संस्कृत व्याख्या सहित २२-००

३६५८ ऋक्सूक्तसमुच्चयः । डॉ० रामकृष्ण आचार्य २०-००

३६५९ ऋक्सूक्तसुधा । मंत्र पदपाठ-सायण-भाष्य-हिन्दी आंग्लानुवाद सहित ५-००

३६६० ऋक्सूक्तसुधाकर । व्याख्याकार—डॉ० कृष्णकुमार १८-००

३६६१ ऋग्वेद कविविमर्शः । डॉ० मधुकर गो. माईणकर ३-००

३६६२ ऋग्वेद में इन्द्र । डॉ० सुधा रस्तोगी ३५-००

३६६३ ऋग्वेदसंहिता । जयदेव विद्यालङ्कारकृत भाषा-भाष्य सहित । १—७ भाग २१०-००

3664 Rigveda Repetitions by Maurice Bloomfield. 200-00

3665 Rigveda Samhita. English Translation by H. H. Wilson. Comp. in 7 Vols. 665-00

3666 Rigveda and Vedic Religion with Readings from the Vedas by A. C. Clayton. 110-00

3667 Rigvedadi Bhasya-Bhumika. With English Translation by Dr. Parmanand. 200-00

३६६८ ऋग्वेदभाष्यभूमिका । सायणाचार्यकृत । 'शारदीय' हिन्दी व्याख्या, परीक्षोपयोगी विवरण सहित । व्याख्यात्री—डॉ० शारदा चतुर्वेदी १.-००

३६६९ ऋग्वेद मण्डल-मणिसूत्र । स्वामी समर्पणानन्द । पं० बुद्धदेव विद्यालंकार १००-००

३६७० ऋग्वेदसंहिता । मूलमात्र । सजिल्द । अजमेर ५०—००
३६७१ ऋङ्मणिमाला वेदसंकलन । डॉ० हरिदत्त शास्त्री ७—५०
३६७२ ऋगर्थसारः । दिनकरभट्टकृत । सं०—आर्येन्द्र शर्मा । प्रथम भाग ४—००
३६७३ ऋग्भाष्यसंग्रहः । सायण-स्कन्द स्वामी वेंकटमाधव भाष्यानुवाद ४५—००
३६७४ ऋग्वेद ऋषिदेवता छन्दोऽनुक्रमणी । विश्वबन्धु सम्पादित १०—००
३६७५ ऋग्वेद का सुबोध भाष्य । सातवलेकर । १—४ भाग ३००—००
३६७६ ऋग्वेदः पदपाठः । स्कन्दस्वामिकृत उद्गीथभाष्य, वेंकटमाधवकृत व्याख्या, सायणभाष्यानुसरिणी मुद्गलीयवृत्ति सहित । विश्वबन्धु सम्पादित । १—८ भाग, सम्पूर्ण ४८०—००
३६७७ ऋग्वेद-पदपाठानुक्रमणिका । विश्वबन्धु सम्पादित ६०—००
३६७८ ऋग्वेद-प्रतिशाख्य : एक परिशीलन । डॉ० वीरेन्द्रकुमार वर्मा ४५—००
३६७९ ऋग्वेद भाषा भाष्य । युधिष्ठिर मीमांसक कृत (ऋषि दयानन्द भाष्य का अनुवाद सहित) । १—३ भाग १००—००
३६८० ऋग्वेद-मंत्रानुक्रमणी । विश्वबन्धु सम्पादित २०—००
३६८१ ऋग्वेद-व्याकरण पदसूची । (A Grammatical Word Index to Rigveda) विश्वबन्धु सम्पादित ८५—००
३६८२ ऋग्वेदसर्वानुक्रमणी । महर्षि कात्यायन विरचित । (शौनककृतानुवाकानुक्रमणी च) सम्पा०—उमेशचन्द्र शर्मा २०—००
३६८३ ऋग्वेदसंहिता । सायणभाष्यसहित । सम्पादक—श्रीमन्मोक्षमूलर भट्ट (मैक्समूलर) सम्पूर्ण १—५ भाग १०५०—००
३६८४ ऋग्वेदमन्त्राणां वर्णानुक्रमसूची । भूमिका-डॉ०सुधाकर मालवीय२०—००
३६८५ ऋग्वेदसंहिता । (स्थूलाक्षर) मूलमात्र। सातवलेकर १८५—००
३६८६ ऋग्वेदसंहिता । (प्रथम अध्याय, सूत्र १—१९) सम्पा०-प्रो. उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' ४५—००
३६८७ ऋग्वेदसंहिता । भा०टी० सहित । गोपालप्रसाद कौशिक । १-३ खंड ४८—००
३६८८ ऋग्वेदसंहिता । श्रीराम शर्मा आचार्यकृत सरल हिन्दी भावार्थ सहित । १-४ भाग ५६—००
६३८९ ऋग्वेद सूक्त विकास अथवा ऋग्वेद सूक्तों का कालक्रमानुसार दर्शन । प्रो० ह. रा. दिवेकर २४—००
३६९० ऋग्वेदानुक्रमणी । वेंकटमाधव कृत । हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—विजयपाल विद्यावारिधि २०—००
३६९१ ऋग्वेदीय-आप्रीसूक्त (अध्ययन और व्याख्या) । शशि तिवारी ७५—००
३६९२ ऐतरेय ब्राह्मण आरण्यक कोश । केवलानन्द सरस्वती सम्पादित ८—००
३६९३ ऐतरेयब्राह्मणम् । सायण भाष्य सहित । १—२ भाग ७०—००

३६९४ ऐतरेय ब्राह्मणम् । सायण भाष्य और हिन्दी अनुवाद सहित । डा० सुधाकर मालवीय । १–२ भाग १७०–००
३६९५ ऐतरेय आरण्यक—एक अध्ययन । डॉ० सुमन शर्मा ४०–००
३६९६ कनकावली । नारायणाचार्य विरचित । डॉ० राघवन सम्पादित ३–००
३६९७ कपिष्ठलकठसंहिता । सम्पादक—डा० रघुवीर ९५–००
३६९८ काठकसंकलनम् । पाठसमीक्षात्मक संस्करण । सम्पादक—डा० सूर्यकान्त १००–००
३६९९ कात्यायनीयं श्रौतसूत्रम् । (कर्कभाष्यसार सहितम्) डा० अल्वेर्तेन वेवरेण शोधितम् । बड़ा आकार, डिमाई ४ पेजी, पृ०सं०११३० । ५०–००
३७०० कात्यायनश्रौतसूत्रम् । श्रीकर्काचार्य विरचित कर्कभाष्य सहित । १२–२६ अध्याय, दूसरा भाग मात्र ५०–००
३७०१ कौशिकसूत्रम् । (अथर्ववेद) । दरलियाब केशव व्याख्या सहित । ब्लूमफील्ड सम्पादित ३०–००
३७०२ कौषीतकिब्राह्मणपर्यालोचनम् अथवा कौषीतकिब्राह्मण आचार-विचार । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री १५–००
३७०३ क्षुद्रकल्पसूत्रम् । मसक गार्ग्य कृत । श्रीनिवासकृत भाष्य सहित । सं०—डॉ० बी० आर० शर्मा ४२–००
३७०४ गणेशाथर्वशीर्षम् । सभाष्य ३–२५
३७०५ गोपथब्राह्मम् । (अथर्ववेदीय) । सम्पादक—राजेन्द्रलाल मिश्र ५०–००
३७०६ गोपथब्राह्मणम् । हिन्दी भाष्यकार—क्षेमकरणदास त्रिवेदी ४०–००
३७०७ गोपथब्राह्मणम् । मूलमात्र । सम्पा०—डा० विजयपाल विद्यावारिधि ४०–००
३७०८ चतुर्वेदसूक्त-सुधाकर । डा० कृष्णकुमार २२–००
३७०९ चतुर्वेदभाष्यभूमिकासंग्रहः । (सायणाचार्यविरचितानां स्ववेदभाष्य भूमिकानां संग्रहः) सं० आचार्य बलदेव उपाध्याय ५०–००
३७१० चतुर्वेद-वैयाकरण-पदसूची । (A Grammatical Word Index to all the four Vedas) विश्वबन्धु सम्पादित । १–२ भाग १५०–००
३७११ चरणव्यूहसूत्रम् । महर्षि-शौनक प्रणीतम् । आचार्य महिदासकृत भाष्य सहित । सम्पा० उमेशचन्द्र शर्मा १२–००
३७१२ चरणव्यूहसूत्रम् । महर्षिशौनकप्रणीत । आचार्य महिदासकृत भाष्ययुक्त ६–००
३७१३ जैमिनीयार्षेय ब्राह्मण जैमिनीय उपनिषत् ब्राह्मण । स०—बी. आर. शर्मा ५५–००
३७१४ जैमिनीयोपनिषद् ब्राह्मण । (सामवेदीय) ६–००
३७१५ जैमिनीय सामगानम् । सं०—विभूतिभूषण भट्टाचार्य ४५–००

३७१६ तैत्तिरीयप्रातिशाख्यम् । सोमाचार्यविरचित त्रिभाषारत्न तथा गार्ग्य-गोपालयज्व कृत वैदिकाभरण व्याख्या सहित । सम्पादक—आर. रामशास्त्री १२५–००, १००–००

३७१७ Taittiriya Pratisakhya by W. D. Whitney. 40–00

३७१८ तैत्तिरीयब्राह्मणम् । कृष्णयजुर्वेदीय । सायण भाष्य सहित । १-३भाग १००–००

३७१९ तैत्तिरीयब्राह्मणम् । भट्टभास्कर विरचित भाष्य सहित । सम्पा०—ए. महादेव शास्त्री । १-४ भाग ५६०–००

३७२० तैत्तिरीयारण्यकम् । कृष्णयजुर्वेदीय । सायण भाष्य सहित । १–२ भाग ६०–००

३७२१ तैत्तिरीयारण्यक । भट्टभास्करकृत भाष्य सहित । सम्पादक—ए. महादेवशास्त्री १५०–००, १२०–००

३७२२ तैत्तिरीयसंहिता । (कृष्णयजुर्वेदीय) मूलमात्र ४०–००

३७२३ तैत्तिरीयसंहिता भाष्यभूमिका एवं ऋग्वेद भाष्यभूमिका । हिन्दी टीका सहित । टीकाकार—डा० कमलनयन शर्मा १८–००

३७२४ तैत्तिरीय संहिता । कृष्णजुर्वेदीय । सायण भाष्य पदपाठ सहित । १–८ भाग १७६–००

३७२५ तैत्तिरीयसंहिता । (कृष्णयजुर्वेदीय) सायणभाष्य तथा सटिप्पण हिन्दी अनुवाद सहित । अनुवादक—पं० परमेश्वरानन्द शास्त्री । प्रथम भाग ३२–००

३७२६ तैत्तिरीय संहिता । पदपाठयुता भट्टभास्कर मिश्र । सायणाचार्य कृत भाष्य सहित । १–२ भाग, ४ जिल्द में ३२०–००

३७२७ तैत्तिरीय-संहिता-वैयाकरण पदसूची । विश्वबन्धु संपादित ८५–००

३७२८ देवताध्यायसंहितोपनिषद्-वंश ब्राह्मण । सायणभाष्य सहित । सं०–बी. आर. शर्मा ३४–००

३७२९ दैवम् । देवकृत । कृष्णलीला शुकमुनिविरचित सटिप्पण 'पुरुषकार' वार्तिकोपेतम् १०–००

3730 Non–Rigvedic Citations in the Asvalayana : A Study. By Dr. K. Parameswara Aithal. In the Press

३७३१ नारदीय शिक्षा । (सामवेदीय) भट्ट शोभाकर विरचित शिक्षा विवरण संस्कृत व्याख्या सहित ९–५०

3732 Nighantu and the Nirukta. Sanskrit Text with English Translation by Lakshman Sarup. 130–00

३७३३ निघण्टु तथा निरुक्त । मूल हिन्दी अनुवाद तथा परिशिष्टों सहित । हिन्दी भाषान्तरकार—सत्यभूषण योगी १३०–००, १००–००

३७३४ निदानसूत्रम् । पतञ्जलिकृत । छन्दोविरचित प्रकरण व्याख्या सहित ७५–००

३७३५ निरुक्तम् । १–२, ७ अध्याय हिन्दी टीका । टीका० – शिवनारायण शास्त्री १५–००
३७३६ निरुक्तम् । (काश्यपप्रजापतिकृत निघण्टुभाष्यरूपकम्) स्वामी ब्रह्मलीनमुनि विरचित 'निरुक्तिविवृति' सहित । १–३ भाग ८०–००
३७३७ निरुक्तम् । (१–२ एवं ७ अध्याय) । हिन्दी व्याख्या । डॉ० कपिलदेव १५–००
३७३८ निरुक्त । (प्रश्नोत्तर रूप में) चुन्नीलाल शुक्ल ४–००
३७३९ निरुक्तम् । छज्जूराम शास्त्री कृत हिन्दी अनुवाद सहित ८०–००
३७४० निरुक्तम् । 'निरुक्तविवृति' सहित । सम्पादक--म०म०मुकुन्दझा बक्शी ८५–००
३७४१ हिन्दी निरुक्त । व्याख्याकार—गो० उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' प्रथम खंड, १–७ अध्याय ४०–००
३७४२ निरुक्त-मीमांसा । शिवनारायण शास्त्री ६०–००
३७४३ निरुक्तशास्त्रम् । यास्कविरचितम् । भगवद्दत्तकृतभावार्थहिन्दीटीका ४०–००
३७४४ निरुक्त-श्लोकवार्त्तिकम् (संस्कृत) । सम्पादक —डा० विजयपाल विद्यावारधि १००–००
३७४५ निरुक्त-समुच्चयः । वररुचिप्रणीत । युधिष्ठिर मीमांसक सम्पादित १५–००
३७४६ निरुक्तसार निदर्शन । डा० कुंवरलाल 'व्यासशिष्य', प्राक्कथन-डा० कृष्णलाल १५–००
३७४७ नीतिमंजरी । सभाष्य । श्रीद्याद्विवेदी विरचित भूमिका सटिप्पणी ३०–००
३७४८ न्यू वैदिक सलेक्शन । अन्वय, सायणभाष्य, शब्दार्थ, हिन्दी-आंग्लानुवाद नोट्स सहित । प्रथम भाग २२–००, द्वितीय भाग ६०–००
३७४९ पञ्चविधिसूत्रम् तथा मात्रालक्षणम् । सटीक । सम्पादक—डा० वी आर. शर्मा ७–००
3750 Pañcavimsa Brahmana English Translation by W. Caland. 300–00
३७५१ पञ्चसूक्तम् । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । (पुरुषसूक्त, नारायणसूक्त, श्रीसूक्त, लक्ष्मीसूक्त और विष्णुसूक्त) ६–००
३७५२ पाणिन्यादि (द्वात्रिंशत्) शिक्षासंग्रहः । समाप्त
३७५३ पितृसंहिता-पितृकल्पः । रामगीता सहित ३–००
३७५४ पुष्पसूत्रम् । (सामप्रातिशाख्य) पुष्पर्षिप्रणीतम् । श्रीमदजातशत्रुकृतभाष्य सहितम् ७५–००
३७५५ पुरुषसूक्त का विवेचनात्मक अध्ययन । डॉ० कुसुमलता आर्या ७५–००
३७५६ पुरुषसूक्तम् । सायण-महीधर-मंगल तथा निम्बार्क भाष्य सहित १२–००
३७५७ पुरुषसूक्तम् । उत्तरनारायणसूक्त सहित । 'सिद्धान्तदीपिका' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार —वैष्णव स्वामी नारायणदास शास्त्री १–५०

३७५८ प्रतिहारसूत्रम्। वरदराजकृत दशतयीवृत्त्याख्यया समन्वितम्। सम्पा०—बी. आर शर्मा २५—००
३७५९ प्रातिशाख्यों में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दों का आलोचनात्मक अध्ययन। डॉ० इन्द्रा २५—००
३७६० बृहद्देवता। (शौनकीय)। (ऋग्वेदिक देवताओं और पुराकथाओं का सारांश) हिन्दी व्याख्या विभूषित। डॉ० रामकुमार राय १—२ अध्याय १०—००
३७६१ बृहद्देवता। आंग्लानुवाद सहित। ए. ए. मैकडोनेल १—२ भाग १५०—००
३७६२ बोधायनशुल्वसूत्रम्। डॉ० सत्यप्रकाश तथा पं० रामस्वरूप शर्मा ८०—००
३७६३ बोधायनश्रौतसूत्रम्। (तैत्तिरीय संहिता) सम्पादक—डा० डब्ल्यू. कैलेण्ड। १—३ भाग, दो जिल्द में ३५०—००
३७६४ भारती निरुक्ति। (वेदस्वरूप दर्शन) हरिसोदर प्रणीत। हिन्दी अनुवादक—जनस्वामी सुब्रह्मण्य शास्त्री ४१—००
३७६५ भारद्वाज ऋषि का दर्शन। २५—००
३७६६ भारद्वाजगृह्यसूत्रम्। पाठसमीक्षात्मक संस्करण। सम्पादक—एच. जे. डब्ल्यू सालोमॅन्स ६०—००
३७६७ भारद्वाज श्रौतसूत्रम्। पैतृमेधिक परिशेष सूत्र आंग्लानुवाद सहित। सी. जी. काशीकर सम्पादित। १—२ भाग १५०—००
३७६८ मन्त्रार्थदीपिका। म०म० श्रीशत्रुघ्न मिश्रविरचिता। सटीक २५—००
३७६९ मन्त्रसंहिता। शुक्लयजुर्वेदीय ५२३ मन्त्रों का संग्रह २०—००
३७७० माध्यनदिन संहितायाः पदपाठः। पदपाठ, तुलनात्मक अध्ययन, विविध परिशिष्ट सहित। सम्पा०—युधिष्ठिर मीमांसक २५—००
३७७१ मूल-यजुर्वेद-संहिता। संकलयिता—महर्षि देवरात ५५—००
३७७२ मूल संस्कृत उद्धरण। (ओरिजनल संस्कृत टेक्स्ट) लेखक—प्रो० जे. मूइर। संपादक और हिन्दी अनुवादक—डा० रामकुमार राय १—५ भाग। प्रत्येक भाग ५०—०० सम्पूर्ण ४००—००
३७७३ यजुर्वेदीय संहिता। भाषा भाष्य। जयदेव शर्मा। १—२ भाग ६०—००
३७७४ यजुर्वेदसंहिता। मूल। अजमेर ६—००
३७७५ यजुर्वेदसंहिता। मूल। सातवलेकर १२—००
३७७६ यजुर्वेद। (स्थूलाक्षर) मूलमात्र। सातवलेकर ३५—००
३७७७ रजावाद। मधुसूदन ओझा विरचित ६—००
३७७८ रावण-भाष्यम्। (रावण के ऋग्वेद भाष्य का उपलब्ध अंश) भूमिका, हिन्दी अनुवाद और परिशिष्ट आदि सहित। सम्पा०—डा० सुधीन्द्र कुमार गुप्त २२—५०

3779 Religion of Veda by M. Bloomfield 65–00
३७८० रुद्रयागहवनमन्त्रविधिः । सम्पादक—पं० वेणीराम शर्मा ५–५०
३७८१ रुद्राध्यायः । (कर्मपरः सायण तथा भट्टभास्करभाष्य सहित) १२–००
३७८२ रुद्रस्वाहाकारपद्धतिः । १–५०
३७८३ वशिष्ठ ऋषि का दर्शन । २५–००
३७८४ वाराहश्रौतसूत्रम् । सम्पा०—डॉ० डब्ल्यू. केलेंड एवं डॉ० रघुवीर ५०–००
३७८५ वेद और जीवन । नाथूराम गुप्त । अजिल्द १०–००, सजिल्द १२–००
३७८६ वेदेऽश्विनौ । डॉ० तृ० कृ० कृष्णस्वामी (अय्यर) शर्मा २०–००
३७८७ वेदकालीनजनतन्त्रस्थानानि । सम्पादक—रामानुजताताचार्य १३–००
३७८८ वेद का स्वयंशिक्षक । दामोदर सातवलेकर । १–२ भाग ११–००
३७८९ वेद का स्वरूप और प्रामाण्य । श्री स्वामी करपात्रीजी । १-२भाग ७–५०
३७९० वेददिग्दर्शन । माधवाचार्य शास्त्री १०–००
३७९१ वेदमहाविज्ञान । पन्नालाल परिहार १४–००
३७९२ वेदचयनम् । हिन्दी टीका सहित । विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी १५–००
३७९३ वेदरश्मि । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल ५–००
३७९४ वेदमीमांसा । आचार्य लक्ष्मीदत्त दीक्षित ४०–००
३७९५ वेदस्य व्यावहारिकत्वम् । संस्कृत में । ज्योत्स्ना शास्त्री ७५–००
३७९६ वेदस्वरूप विमर्श । स्वामी करपात्रीजी ७–००
३७९७ वेदशास्त्रसंग्रहः । (साहित्यरत्नकोशे प्रथमखण्डः) सं०-विश्वबन्धु १५–००
३७९८ वेदविकृतिलक्षणसंग्रहः । सं०-के० वी० अभ्यंकर ५०–००
३७९९ वेदसंचयनम् । सं०—डॉ० यदुनन्दन मिश्र । सायणभाष्य हिन्दी व्याख्या विभूषित । गोरखपुर विश्वविद्यालय के बी०ए०परीक्षार्थी १५–००
३८०० वेददशमुल्लासः। सत्यभूषण योगी । कु०-वन्दिता मधुहासिनी योगी १४–००
३८०१ वेदार्थचन्द्रिका । डॉ० मुन्शीराम शर्मा ३०–००
3802 Veda of the Black Yajus School. (Eng. Trans. of Taittiriya Samhita) Trans. by A. Keith 1–2 Vols. 150–00
3803 Vedas by Max Muller. 50–00
३८०४ वेदार्थ-कल्पलता । पूर्वपीठिका सहिता । वेदमन्त्राणां श्लोकाख्य भाष्येण संवलिता मन्त्रपाठेन पदपाठेन च युक्ता । रचयिता देवराज ३७–५०
३८०५ वेदार्थपारिजातः । स्वामी करपात्रीजी । हिन्दी अनुवाद सहित । १–२ भाग १८०–००
३८०६ वेदार्थदीपक निरुक्तभाष्य । भाष्यकार चन्द्रमणि विद्यालंकार । हिन्दी अनुवाद सहित ६०–००
३८०७ वेदान्तसूत्रवैदिकवृत्तिः । स्वामी हरिप्रसाद वैदिकमुनि विरचित १५०–००

3808 Vedic Bibliography by R. N. Dandekar. Vol. ii. 120–00
Vol. iii. 150–00
Vol. iv. 300–00

3809 Vedic Grammar by A. A. Macdonell. 125–00

3810 Vedic Index of Names and Subjects by Macdonell & Keith. 2 Vols. 200–00

3811 Vedic Religion. by K. S. Macdonald. 75–00

३८१२ वेदों की वर्णन शैलियाँ । डॉ० रामनाथ वेदालंकार ५०–००

३८१३ वेदों का तुलनात्मक और समीक्षात्मक अध्ययन । डॉ० रघुवीर वेदालंकार । प्रथमभाग १००–००

३८१४ वेदोक्त-पुराणोक्त सर्वदेवपूजाप्रयोगः । यजुर्वेद रुद्राष्टाध्यायी । पंडित दुर्गाशंकर शास्त्री ५–००

३८१५ वेदों में अध्यात्मविद्या । ८–००

३८१६ वैखानसश्रौतसूत्रम् । मूलमात्र । डॉ० कैलण्ड सम्पादित १०–००

३८१७ वैखानसस्मार्तसूत्रम् । आंग्लानुवाद, सं० डॉ० डब्ल्यू कैलेण्ड ९०–००

३८१८ वैदिक इतिहास विमर्श । वैद्यनाथ शास्त्री १२–००, १०–००

३८१९ वैदिक उपदेश । स्वामीजी महाराज दतिया । १–२ भाग, एक जिल्द में ५–००

३८२० वैदिक एवं वेदोत्तर भारतीय संस्कृति । गङ्गाधर मिश्र ३०–००

३८२१ वैदिक कहानियाँ । आचार्य बलदेव उपाध्याय १०–००

३८२२ वैदिक खिल सूक्त : एक अध्ययन । डा० ओमप्रकाश पाण्डेय ५०–००

३८२३ वैदिक छन्दोमीमांसा । युधिष्ठिर मीमांसक २५–००

३८२४ वैदिक दर्शन । डा० कुँवरलाल व्यासशिष्य २०–००

३८२५ वैदिक देवशास्त्र । सूर्यकान्त ५५–००

३८२६ वैदिक देवता : उद्भव और विकास । गयाचरण त्रिपाठी । १–२ खण्ड १००–००; १५०–००

३८२७ वैदिक व्याख्यानमाला । ११-४० व्याख्यान । सातवलेकर । २-४भाग ४५–००

३८२८ वैदिक शब्दार्थ विचार । डा० रामनाथ वेदालंकार २०–००

३८२९ वैदिकसूक्तसंग्रह । डा० कृष्णकुमार ६–५०

३८३० वैदिकसूक्तसंग्रह । पं० वीरसेन वेदश्रमी ४–००

३८३१ वैदिक इण्डेक्स । मैकडोनेल और कीथ । हिन्दी रूपान्तर । अनुवादक– डा० रामकुमार राय । १–२ भाग, सम्पूर्ण २५०–००

३८३२ वैतानश्रौतसूत्रम् । गोआदित्य विरचित आक्षेपानुभवी संज्ञक व्याख्या १०–००

३८३३ वैदिक आख्यान । डा० गंगासागर राय ७–५०

३८३४ वैदिक निबन्धावली । डा० मुन्शीराम शर्मा १५–००

३८३५ वैदिक माइथोलोजी। (वैदिक पुराकथाशास्त्र)। मैकडोनल (हिन्दी रूपान्तर) अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय ६५-००
३८३६ वैदिक योगसूत्र। पं० हरिशंकर जोशी ६०-००
३८३७ वैदिक वाङ्मय में भाषा-चिन्तन। पं० शिवनारायण शास्त्री ५०-००
३८३८ वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति। म०म० गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी १६-७५
३८३९ हिन्दी वैदिक व्याकरण। डा० उमेशचंद्र पाण्डेय ५-००
३८४० वैदिक-संग्रहः। हिन्दी अनुवाद तथा टिप्पण्यादि समलंकृत। डा० कृष्णलाल १५-००
३८४१ वैदिक साहित्य का इतिहास। डा० पारसनाथ द्विवेदी २५-००
३८४२ वैदिक साहित्य और संस्कृति। डा० बलदेव उपाध्याय ४५-००
३८४३ वैदिक साहित्य और संस्कृति। वाचस्पति गैरोला २५-००
३८४४ वैदिकसूक्तपञ्चकम्। वाचस्पतिसूक्तं, कृषिसूक्तं, सहृदयतासूक्तं, 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्योपेतम्। सम्पा०—डा० रायकृष्ण शास्त्री २-००
३८४५ वैदिकसूक्तमंजरी। पदपाठ, सान्वय, भाषार्थ, ऋज्वर्थ, निरुक्त, व्याकरण, हिन्दी-अंग्रेजी व्याख्या सहित। सम्पादक—डा० रामकृष्ण शास्त्री ७-५०
३८४६ वैदिकसूक्तसंग्रह। संस्कृत हि. टी. सहित। पं० वेणीराम शर्मा २-५०
३८४७ वैदिक-स्वर-मीमांसा। युधिष्ठिर मीमांसक २५-००
३८४८ शतपथब्राह्मणम्। (शुक्लयजुर्वेदमाध्यन्दिनीयां शाखामनुसृत्य) सायणाचार्य-हरिस्वामीद्विवेदगङ्गकृतभाष्येभ्यः सारमुद्धृत्य। डा० अल्बेर्तेन वेबरेण शोधितम् १०००-००
३८४९ शतपथब्राह्मणम्। (सस्वरम्) सम्पादक—म.म. चिन्नस्वामी शास्त्री। प्र. भाग १-७ काण्ड ७५-००, द्वि. भाग, ८-१४ काण्ड १७५-००
सम्पूर्ण २५०-००
3850 Śatapatha Brahmana. English Translation by J. Eggeling. 5 Vols. 400-00
३८५१ शतपथब्राह्मणम्। सायण भाष्य सहित। प्रथम कांड २००-००
३८५२ शतपथब्राह्मणम्। सायण भाष्य सहित। सम्पूर्ण १-५ भाग
३८५३ शतपथब्राह्मणम्। हिन्दी अनुवाद सहित। संपादक—चमनलाल गौतम समाप्त
३८५४ शतपथब्राह्मण—एक सांस्कृतिक अध्ययन। डा० उर्मिला देवी शर्मा ४०-००
३८५५ शांख्यायनारण्यकम्। ऋग्वेदांतर्गत १-२५
३८५६ शांख्यायनारण्यकम्। (ऋग्वेदीय) मूलमात्र। सम्पादक—भीमदेव ४५-००
३८५७ शाङ्ख्यायनब्राह्मण अथवा कौषीतकिब्राह्मणम्। (ऋग्वेदीय बाष्कलशाखायाः) ८-००

३८५८ शाङ्ख्यानश्रौतसूत्रम् । वरदत्तसूतानर्तीयभाष्यसहितम् । गोविंदकृत महाव्रतभाष्य समेत । परिशिष्ट तथा शब्दानुक्रमणिका सहित । सम्पादक—आल्फ्रेड हिल्लेब्रांड्ट । १–४ भाग; दो जिल्द में ३००—००

३८५९ शुक्लयजुर्वेद काण्वसंहिता । सायणभाष्योपेता । (उत्तरविंशति) सम्पादक—चिंतामणि मिश्र शर्मा २२—००

३८६० शुक्लयजु.प्रातिशाख्यम् । अंग्रेजी अनुवाद सहित । अनुवादिका—श्रीमती इन्द्रा रस्तोगी १५—००

३८६१ शुक्लयजुर्वेद-प्रातिशाख्यम् अथवा वाजसनेयि-प्रातिशाख्यम् । भाष्यद्वयसहिता । टीकाकार—डा० वीरेन्द्रकुमार वर्मा ६५—००

३८६२ श्रीशुक्लयजुर्वेद-वाजसनेयिसंहिता । (महीधरभाष्य सहिता) डा० अल्बेर्तन वेबरेण शोधिता । आकार डिमाई ४ पेजी, पृष्ठ संख्या १०१५ । ५०—००

३८६३ शुक्लयजुर्वेदीयसंहिता । वर्णानुसारं मंत्रानुक्रमणिका-याज्ञवल्क्यशिक्षा-प्रतिज्ञासूत्र-सर्वानुक्रमसूत्र सहित । पत्राकार । काशी संस्करण ३०—००

३८६४ शुक्लयजुर्वेदसंहिता । पत्राकार । सम्पादक—दौलतराम गौड़ । ग्लेज ८०—००

३८६५ शुक्लयजुर्वेदसंहिता । उव्वट महीधरभाष्य सहित ५०—००, ७०—००

३८६६ शुक्लयजुर्वेदसंहिता । गुटका । सम्पा०—दौलतराम गौड़ २०—००

३८६७ शुक्लयजुर्वेदसंहिता । श्रीराम शर्मा आचार्य कृत सरल हिन्दी भावार्थ सहित १५—००

३८६८ शुक्लयजुर्वेदीयरुद्राष्टाध्यायी । रुद्राभिषेकमाहात्म्य, स्वस्तिप्रार्थना, मंत्राध्याय, शांत्यध्यायादि विविध परिशिष्ट सहित १—७५

३८६९ शुक्लयजुर्वेदीय रुद्राष्टाध्यायी । सटिप्पण 'रुद्रद्रिया' हिन्दी व्याख्या अनुष्ठानविधान सहित । विशुद्ध संस्करण ९—००

३८७० शुक्लयजुर्वेदीय रुद्राष्टाध्यायी । वेणीराम शर्मा ८—००

३८७१ शुक्लयजुःसर्वानुक्रमसूत्रम् । कात्यायनप्रणीतम् । याज्ञिकानंददेव विरचित भाष्यसहितम् । १–४ खण्ड । सम्पूर्ण २४—००

३८७२ शुल्वसूत्रम् । कर्कभाष्य-महीधरवृत्तिसहितम् ४—००

३८७३ श्रीसूक्तम् । विद्यारण्य, पृथ्वीधर तथा श्रीकण्ठाचार्यकृत भाष्यत्रय सहित । सम्पादक—पं० ढुण्ढिराज शास्त्री ३—००

३८७४ श्रौतसूत्रम् । लाट्यायनकृत अग्निस्वामिविरचित भाष्य सहितम् । सम्पादक—आनंदचंद्र वेदांतवागीश २४०—००

३८७५ षड्विंशब्राह्मणम् । सायणभाष्य सहित । सम्पादक—बी.आर. शर्मा ४१—००

३८७६ सत्याषाढश्रौतसूत्रम् । गोपीनाथ भट्ट विरचित वैजयन्ती, ज्योत्स्ना व्याख्या समेत, १–१० भाग ५३—३५

3877 Success Motivating Vedic Lores. Selected Hymns From Rigveda. Devendra Kumar Kapoor. 35–00

३८७८ सांख्यायनगृह्यसंग्रहः। पं० वासुदेवकृतः तथा कौषीतकिगृह्यसूत्राणि च १५–००

३८७९ सामविधान ब्राह्मणम् । सायण तथा भारतस्वामिन भाष्य सहित । सम्पादक—बी. आर. शर्मा ४०–००

३८८० सामवेदः। स्वामी भगवदाचार्यकृत सामसंस्कार भाष्य नामक हिन्दी अनुवाद सहित । १–३ भाग १७–००

३८८१ सामवेदसंहिता । (स्थूलाक्षर) मूल । मातवलेकर ३५–००

३८८२ सामवेदसंहिता । श्रीराम शर्मा कृत सरल हिन्दी भावार्थ सहित १३–००

३८८३ सामवेदसंहिता । भाषा-भाष्य । जयदेव शर्मा ३०–००

३८८४ सामवेदसंहिता । सायणाचार्यविरचित भाष्य सहित । सं०-सत्यव्रत सामाश्रमी भट्टाचार्य । १–५ भाग ८००–००

३८८५ सामवेदसंहिता । भा. टी. सहित । गोपालप्रसाद कौशिक ९–००

३८८६ सामवेदार्षेयदीपः । भट्ट भास्करश्वरीन्द्र प्रणीत । सं०-बी.आर. शर्मा १३–५०

३८८७ सामवेदीय आह्निकम् । उपाकर्मपद्धति । श्रावणी सहितम् समाप्त

३८८८ सामवेदीयत्रिकालसन्ध्यातर्पणप्रयोगः । भा. टी. समाप्त

३८८९ सामवेदीयरुद्रजपविधिः । पञ्चवक्त्रपूजनम्, लघुरुद्रविधानयुतञ्च समाप्त

३८९० सामवेदीय-रुद्रजपविधिः । (सचित्र) । आचार्य ऋषिशंकर अग्निहोत्री श्रीमालीकृत हिन्दी भाष्य आंग्लानुवाद, गायन, पदपाठ सहित ६–००

३८९१ सामवेदीयसुबोधिनीपद्धति । शुक्लविश्रामात्मज शिवरामविरचित ५०–००

3892 Studies in Vedic Interpretation by Sri A. B. Purani 70–00

३८९३ स्वस्त्ययनकलशप्रतिष्ठापूजनविधिः । ०–३०

३८९४ हरिश्चन्द्रोपाख्यानम् । सायणभाष्य सहित । 'प्रकाश' हिन्दी टीका । डा० उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' १२–५०

३८९५ हाइमन्स फ्राम दि ऋग्वेद । पिटर्सन । प्रथम-द्वितीय सीरीज ८०–००

3896 Hymns of the Atharva–Veda. Translated into English with a popular commentary by Ralph T H. Griffith. 2 Vols.

3897 Hymns of the Rig-Veda. Translated into English with a popular commentary. By Ralph T. H. Griffith. 2 Vols Library Ed. 200–00, Ordinary Edition. 150-00

3898 Hymns of the Sama-Veda. Translated into English with a popular commentry By Ralph T. H. Griffith 85–00

3899 Hymns of the Yajurveda. By Ralph T. H. Griffith. 75—00

3900 A History of Vedic Literature By Sambhu Nath Sharma 30—00

पाकशास्त्र-ग्रन्थाः

३९०१ पाकदर्पणम् । नलकृत । सं०—वामाचरण भट्टाचार्य । डॉ० इन्द्रदेव त्रिपाठी कृत 'माधुरी' हिन्दी व्याख्या सहित २५—००

३९०२ पाकविज्ञान । ४—००

३९०३ बृहत् पाकसंग्रहः । ४—००

३९०४ बृहत् पाकावली । हिन्दी टीका सहित ३—००

शिल्पशास्त्र—ग्रन्थाः

३९०५ काश्यपशिल्पम् । महेश्वरोपदिष्टम् ६—००

3906 Manasara Series by P. K. Acharya. Vols. I—VII 1775—00

३९०७ रूपमण्डनम् । सूत्रधारमण्डन विरचित । हिन्दी टीका सहित ७—००

समालोचनात्मक-इतिहास-ग्रन्थाः

३९०८ अक्षर अमर रहें । (निबन्ध संग्रह)। वाचस्पति शास्त्री गैरोला २०—००

3909 On the Vedas by William Dwight Whitney. 15—00

३९१० अपभ्रंश और हिन्दी में जैन-रहस्यवाद । डॉ० वासुदेव सिंह १२—००

३९११ अपभ्रंश-काव्य परम्परा और विद्यापति । पं० अम्बादत्त पंत ६२—००

३९१२ अपभ्रंश-साहित्य । परम्परा और प्रवृत्तियाँ । डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा' ७—५०

३९१३ अभिधान-अनुशीलन । (पुरुषों के हिन्दी व्यक्तिवाचक नामों का वैज्ञानिक विवेचन) डॉ० विद्याभूषण विभु ३५—००

3914 Antiquities of India. An Account of the History and Culture of Ancient Hindustan by L. D. Barnett. 90—00

३९१५ अभिधाविमर्शः । योगेश्वर दत्त शर्मा ४०—००

३९१६ अम्बिकादत्त व्यास की रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन । (शोध ग्रन्थ) । कृष्णकुमार विद्यालङ्कार ६०—००

३९१७ अलंकार मीमांसा । डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा' १०—००

३९१८ अलंकारशास्त्र की परम्परा । डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा' २५—००

३९१९ अलंकारानुशीलन । डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा' ६०—००

३९२० अवन्तिकुमारियाँ । पं० देवदत्त शास्त्री ७—५०

३९२१ अशोक के अभिलेख । संशोधित संस्करण हिन्दी रूपान्तर के साथ पाठ टिप्पणियाँ तथा ऐतिहासिक टिप्पणियाँ सहित । सम्पा०—डा० राजबली पाण्डेय । साधारण संस्करण १००—००, राज संस्करण १५०—००

३९२२ अहंकार विजय । डा० रामस्वरूप 'रसिकेश' ८–००
3923 Ancient Indian Erotic and Erotic Literature by S. K. De. 10–00
3924 Anciet Indian Weights by Edward Thomas. 75–00
3925 Ancient Geography of Gandhar by A. Foucher. 200–00
3926 An Outline of Sanskrit Poetics by Dr. G. Vijayavardhana. (–00
3927 The Archaeology of Kumaon (Including Dehradun) By Sri K. P. Nautiyal. 200–00
3928 The Astral Divinities of Nepal by Dr. Pratapaditya Pal & D. C. Bhattacharya, 60–00
३९२९ आचार्य आनन्दवर्धन और उनका ध्वन्यालोक । मोहनानन्द मिश्र .–००
३९३० आचार्य क्षेमेन्द्र । मनोहरलाल गौड़ ४–००
३९३१ आचार्य विज्ञानभिक्षु और भारतीय दर्शन में उनका स्थान । डा० सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव १६–००
३९३२ आचार्य राजशेखर । डा० श्यामा वर्मा १०–००
३९३३ आचार्य हेमचन्द्ररचित देशीनाममाला का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन । डा० शिवमूर्ति शर्मा ६० -००
3934 Age of Kushanas. A Numismatic Study by Dr. Bhaskar Chattopadhyay. 110–00
3935 Age of the Mahabharata war by N. J. Rai. 35–00
3336 Aspects of Ancient Indian Life form Sanskrit Sources by S. C. Chatterjee. 50–00
3937 Aspirations of Indian Youth by Dr. Sudarshana Kumari. 65 00
३९३८ आदिपुराण में प्रतिपादित भारत । डा० नेमिचन्द्र शास्त्री १५–००
3939 Idea of an Indian Literature. Edited by Sujit Mukherjee. 11–00
3940 Avestan : A Historical and Comparative Grammar (Linguistics). By Dr.Satya Swarupa Misra. 40–00, 60–00
३९४१ आधुनिक काव्यधारा । डॉ० केशरीनारायण शुक्ल १०–००
३९४२ आधुनिक भाषा विज्ञान । डा० राजमणि शर्मा ५०–००, २९–००
३९४३ आधुनिक संस्कृत नाटक । सोलहवीं से बीसवीं शती तक । रामजी उपाध्याय । १–२ भाग ९०–००

३९४४ आधुनिक हिन्दी काव्य में रहस्यवाद। डॉ० विश्वनाथ गौड़ १२–५०
३९४५ आपस्तम्बकल्प में यज्ञविद्या। डॉ० कुवरलाल व्यासंशिष्य ५०–००
3946 Origin of Devanagari Alphabets by R. Shama Shastry. 60–00
3947 Iconography of Gaj-Laksmi by O. P. Singh. 120–00
3948 Economic Gleanings from Early Indian coins by O. P. Singh. 100–00
3949 India As Told by The Muslims by Dr. Ramkumar Chaube. 50–00
3950 India As Described by Manu by Dr. V. S. Agrawala 25–00
3951 An Interpretative Study of Kalidas. By Dr. Dimbeswar Sharma. 30–00
3952 Indian Heritage by D. V. Raghavan. 65–00
3953 Indian Logic by Dr. B. N. Singh. 85–00
3954 Individual in Modern Indian thought by Dr. (Mrs.) Kanak Dwivedi. 60–00. 45–00
3955 Indo-Aryan Literature and Culture (Origins). By Nagendranath Bose. 75–00
3956 Inscriptions of Asoka by Sri Naresh Prasad Rastogi. Shortly
3957 In Woods of God Realization. The Complete works of Swami Ram Tirtha. Vols. 1–5. 104–00
3958 Indian Studies Abroad by Dr. Manohar Prabhakar 40–00
3959 Image of Society by Dr. Ramdutt. 90–00
3960 Imagery of Kalidasa by Dr. Vinod Agrawal. 125–00
३९६१ इतिहास एवं इतिहास लेखन। डा० अशोककुमार श्रीवास्तव २५–००, १८–५०
३९६२ इतिहास पुराण का अनुशीलन। डॉ० रमाशङ्कर भट्टाचार्य ५०–००
३९६३ इतिहास पुराण साहित्य का इतिहास। डा० कुंवरलाल १०–००
3964 Ethnology of Ancint Bharata by Ramchadra Jain. 75–00
३९६५ उत्तर वैदिक समाज एवं संस्कृति। डा० विजयबहादुर राव १५–००
३९६६ उत्तररामचरित की शास्त्रीय समीक्षा। डॉ०सत्यनारायण चोधरी ३०–००
३९६७ उपनिषद्कालीन समाज एवं संस्कृति। डा०राजेन्द्र कुमार त्रिवेदी ९०–००
3968 Upanisadic Symbolism by Dr. Satyaprakash. 150–00
३९६९ उपवन विनोदः। कृष्णानन्द झा कृत। 'श्यामलालं' व्याख्या सहित १२–००

3970 An Introduction to Indian Philosophy by Dr. S C. Chatterjee & Dr. A M. Dutta. 25–00

3971 An Introduction to Sanskrit by Madusudan Mishra. 80–00

3972 Ancient Geography of India. By Alexander Cuningham. 100–00

3973 The Aesthetic Experience According to Abhinavagupta. By Raniero Gnoli. Second Edition. Revised Enlarged and Re-elaborated by the Author. 200–00

3974 Education in Ancient India by Dr. A. S. Altekar. 25–00

3975 Early of History of Kalinga. A Socio–Economic and Cultual History of coastal Orissa by Dr.D.N.Das. 130–00

3976 Early Medival History of Kasmir by Dr. Krishna Mahan. 150–00

3977 Eastern and Westetn Philosophy by V. N. K. Reddy. 80–00

3978 Elements of Indian Aesthetics by Dr. S. N. Ghoshal Sastri Vol.I in 4 Parts. Bound in one, 150–00, 350–00

Vol II Part i	150–00,	250–00
Vol II Part ii	150–00,	250–00
Vol. II part iii	150–00,	250–00
Vol. II Part iv	150–00	250–00

3979 Elements of Hindu Iconography. 2 Vols in 4 parts by T. A. Gopinath Rao. 450–00

3980 Elements of the Science of Language by I. J. Sorabji Taraporewala. 60–00

3981 Ascetics of Kashi. An Anthropological Explora ion by Surajit Sinha Baidyanath Saraswati. 80–00

3982 Essays in Philosophy of Religion by D.B. Gangahara. 23–00

3983 Evolution of the Nyaya–Vaisesika Categoriolcgy by Harsh Narain. Vol. I Early Nyaya–Vaisesika Categoriology. 55–00

3984 On Karttikeya by Upendra Thakur. 125–00

3985 Origin of Brahmi Script. The Beginning of Alphabet in India by Dr. Naresh Prasad Rastogi. Delux Edition. With Plates. 125–00

3986 Origin and Evolution of Religion by E. W. Hopkins. 75-00
३९८७ औचित्य सम्प्रदाय का हिन्दी काव्यशास्त्र पर प्रभाव। (प्रत्यक्ष तथा परीक्षा। डॉ० चन्द्रहंस पाठक। प्राचीन और नवीन उभय-विध विचारों में औचित्य-विवेचन ७५-००
3988 A Comparative Study of the Concepts of Space and Time in Indian Thought. By Dr. Kumar Kishore Mandal. 75-00
3989 Contribution of Appaya Dixit to Indian Poetics by Ram Rajan Mukherji. 25-00
3990 Concept of Gods in Ancient World by Sir William Jones. 40-00
3991 Conceptions of God in Vaisnava Philosophical Systems by Dr Manju Dube 80-00
3992 Comprehensive History of Vedic Literature Brahmana and Aranyaka Works. By Satya Shrava. 100-00
3993 The Cult of Brahma. By Dr. T. P. Bhattacharya. 75-00
3994 Cult of Skanda Kartikeya in Ancient India by A. K. Chatterjee. 40-00
3995 Critical Study of Dandin and His Works by D. K. Gupta. 75-00
3996 Kapalikas. A Critical study of the Religion, Philosophy and Literature of a Tantric sect by Dr. A. C. Barthakuria. 20-00
३९९७ कबीर। आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी १४-००; १८-००
३९९८ कबीर और रैदास एक तुलनात्मक अध्ययन। डॉ० चन्द्रदेव राय ३५-००
३९९९ कबीर जीवन और दर्शन। डा० रामनिवास चांडक ५०-००
४००० कबीर जीवन-चरित्र। गंगाशरण शास्त्री २०-००
४००१ कबीरपन्थी शब्दावली (बड़ी) ६०-००
४००२ कबीर बीजक (कबीर साहब का मुख्य ग्रन्थ)। कबीरपन्थी महात्मा पूरणसाहब। टीका सहित ५५-००
४००३ कबीर मन्शूर। पं० माधवाचार्यकृत हिन्दी अनुवाद १५०-००
४००४ कबीर शब्दावली। सम्पा०—गंगाशरण शास्त्री १०-००, ८-००
४००५ कबीर सागर। सम्पूर्ण ११ भाग, एक जिल्द में १००-००

४००६ कबीर साहब । गंगाशरण शास्त्री व डॉ० शुकदेव सिंह ५५-००
४००७ कवि कर्णपूर और उनके महाकाव्य—एक अध्ययन।
डॉ० कृष्णलता सिंह ५०-००
४००८ कवियों की लोकदृष्टि। (संस्कृत साहित्य के कुछ रससिद्ध कवियों के चिरन्तन साहित्य का परिमन्थन)। शिवशंकर त्रिपाठी २०-००
४००९ कविवर डॉ० रामकुमार वर्मा और उनका काव्य। प्रो० दशरथराज १०-००
४०१० कलासृजन-प्रक्रिया और निराला। डॉ० शिवकरण सिंह ६०-००
४०११ कालसिद्धान्तदर्शिनी। म० म० हाराणचन्द्र भट्टाचार्य कृत।
सम्पा०—गौरीनाथ शास्त्री २५-००
4012 Kalidasa : A Critical Study by Dr. Amaldhari Singh. 75-00
4013 Kalidasa Apocrypha By Dr. S. C. Benerji. In the Press.
४०१४ कालिदास। वासुदेव विष्णु मिराशी २५-००
४०१५ कालिदास और उनका युग। डॉ० भगवतशरण उपाध्याय ३-००
४०१६ कालिदास का भारत। डॉ० भगवतशरण उपाध्याय। प्रथम भाग १०-००
४०१७ कालिदास की कला और संस्कृति। डॉ० देवीदत्त शर्मा २५-००
४०१८ कालिदासकी कृतियों पर मल्लिनाथ की टीकाओं का विमर्श।
डॉ० प्रभुनाथ द्विवेदी ५०-००
४०१९ कालिदास की कृतियों में भौगोलिक स्थलों का प्रत्यभिज्ञान।
डॉ० कैलाशनाथ द्विवेदी ६५-००
४०२० कालिदास की लालित्य योजना। डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी २०-००
४०२१ कालिदास के सुभाषित। डॉ० भगवतशरण उपाध्याय ७-००
४०२२ कालिदास-भवभूति के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन।
सुरेन्द्रदेव शास्त्री २५-००
४०२३ कालिदास : मानवशिल्पी महाकवि। डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी ५-००
४०२४ कालिदाससाहित्यम्। डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र २-००
४०२५ कालिदास—एक अनुशीलन। देवदत्त शास्त्री ७-५०
४०२६ कालिदासके रूपकोंका नाट्यशास्त्रीयविवेचन। डॉ० कुसुमभूरिया ५०-००
4027 Classical Sanskrit Literature by A. B. Keith. 5-00
4028 Critical Study of Indian Poetics by Dr. Brahmanand Sharma. 20-00
4029 Complete Works of Swami Vivekanand. Vols. 1-8 160-00
४०३० काव्य-चिन्तन। डॉ० रमाशंकर तिवारी। काव्यचिन्तन की आधुनिक परम्परा का सपरिष्कार अनुशीलन १५-००

४०३१ काव्यात्ममीमांसा । रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति तथा औचित्य तत्त्वों का विश्लेषणात्मक रूप-निर्देश । डा०जयमन्त मिश्र ५०—००

४०३२ काशी का इतिहास । डॉ० मोतीचद्र १००—००

४०३३ काशी का सांस्कृतिक एवं पुराणैतिहासिक स्वरूप । डा० जगदीश नारायण दूबे १०—००

४०३४ काशी की सारस्वत साधना । म० म० गोपीनाथ कविराज ३—७५

४०३५ श्रीकाशी विश्वनाथ : आस्था और व्यवस्था का प्रश्न । डा० वैद्यनाथ सरस्वती १५—००, १०—००

4036 Kushana Numismatics by Satya Shrava 300–00

4037 Krishna and Orphens by Edouard Schure F. Rothwell. 130–00

4038 Critical Approach to Classical Indian Poetics by R. S. Tiwari. 100–00

4039 A Critical Study of thc Bhagavat Purana. With Special Reference to Bhakti. By Dr. T. S. Rukmani. 75–00

4040 A Critical Study of Sanskrit phonetics. By Dr, Vidhata Mishra. Ordinary Edition 65–00
Library Edition 80–00

4041 Critical Studies on the Mahabhasya by V. P. Limaye 125–00

४०४२ कृष्णभक्ति काव्य में सखीभाव । (सचित्र गोपीतत्व और सखीतत्व पर गम्भीर विचार तथा सखीसम्प्रदाय की उपासनापद्धति का समीक्षात्मक अध्ययन । श्रीशरणबिहारी गोस्वामी १२५—००

४०४३ केशव-ग्रन्थावली । सं०—विश्वनाथप्रसाद मिश्र । १—३ भाग ७०—००

4044 Concept of Mind as Depicted in the Upanisad by Kashinath Jha 50-00

4045 Concept of Sat Advaita Vedanta by K. Karunakaran. 90–00, 50–00

४०४६ क्षेमेन्द्र और उनका समीक्षा सिद्धान्त । डॉ० शिवशेखर मिश्र १०—००

4047 Chronology & History of Nepal by K. P. Jaiswal. 50–00

4048 Chronology of India. From the Earliest Time to the Beginning of the Sixteenth Century. By G. Medel Doff. 75–00

४०४९ क्रोध विजय । डॉ० रामसरूप 'रसिकेश' १०—००

4050 Dr. Ganganath Jha Commemoration Volume. Edited by Dr. S. N. Dasgupta & Dr. S. K. Belvalker. 80–00
४०५१ गुरुवाणी (शतोपदेश)। स्वामी श्रीमच्छङ्कर पुरुषोत्तम तीर्थ ४–५०
४०५२ गोरखनाथ। डॉ० नागेन्द्रनाथ उपाध्याय ४७–००
४०५३ गोस्वामी तुलसीदास। आचार्य सीताराम चतुर्वेदी १०–००
४०५४ गोस्वामी तुलसीदास। श्यामसुन्दर दास ५–००
४०५५ गोस्वामी तुलसीदास की समन्वय साधना। ब्योहार राजेंद्रसिंह ४८–००
4056 Games in Indian Miniatures. (Bharat Kala Bhavan Collection) 125–00
4057 Great Tradition and Little Tradition : Indological Investigations in Cultural Anthropology. By Swami Agehananda Bharati. 100-00
4058 Grace in Saiva Siddhanta by Rama Ghose. 100-00
४०५९ ग्यारहवीं सदी का भारत। अलबीरूनी के आधार पर एक सांस्कृतिक अध्ययन–डॉ० जयशंकर मिश्र १८–००
४०६० चतुर्वेदचरितचम्पूः। म. म. गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी का जीवन चरित एवं संस्मरण। ले०–डा० रुद्रदेव त्रिपाठी ८–७५
4061 Chandragupta II Vikramaditya. By Dr. Rajbali Pandey. 75–00
४०६२ चम्पूकाव्य का आलोचनात्मक एवं ऐतिहासिक अध्ययन। डॉ० छबिनाथ त्रिपाठी ५०–००
४०६३ चित्र और चिन्तन। शांतिप्रिय द्विवेदी ९–५०
४०६४ चिन्तन के नये चरण। श्री देवदत्त शास्त्री। भाषाविज्ञान, मनोविज्ञान, इतिहास, पुराण-उपनिषद्, नृत्य-नाटक-अभिनय इसके विषयस्तम्भ हैं। ४५–००
४०६५ घनानन्द और स्वच्छन्द काव्यधारा। मनोहरलाल गौड़ ५५–००
4066 Charudeva Shastri Felicitation Volume. Sanskrit and Hindi Part. 50–00 English Part. 35-00, Set. 85–00
4067 Chhavi (Golden Jubilee Volume) Vol. I Ed. by Prof. Anand Krishna 500–00
4068 Chhavi (Rai Krishnadasa Felicitation Volume) Vol. II Ed. by Prof. Anand Krishna. 700–00
४०६९ जयदेव-आचार्य एवं नाटककार के रूप में : आलोचनात्मक अध्ययन। डॉ० विनोदचन्द्र विद्यालंकार ३५–००
४०७० जवाहर लाल नेहरू-विजयनाटक। (हिन्दी रूपान्तर) २–००

4071 German Scholars on India : Contributions to Indian Studies. Edited by the Cultural Department of the Embassy of the Federal Republic of Germany. New Delhi. Vol. I 75–00

४०७२ जायसी ग्रन्थावली। सम्पा०—डॉ० माताप्रसाद गुप्त ३०–००

४०७३ जीवन दर्शन। डा० मुन्शीराम शर्मा ५–००

४०७४ जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज। जैनागम साहित्य में भारतीय समाज की ऐतिहासिक स्थिति का पर्यालोचन। डॉ० जगदीशचन्द्र जैन ८०–००

४०७५ जैनराजतरङ्गिणी। श्रीवरकृत। हिन्दी भाष्य तथा अनुवाद सहित। अनुवादक एवं भाष्यकार—डॉ० रघुनाथ सिंह। १–२ भाग ३००–००

4076 Temples of Baroli by L. K. Tripathi. 110–00

4077 Trade and Commernce in Ancient India. From Earliest Time to A. D. 300. By Dr. Balaram Srivastava 75–00

4078 Tradition of Tirthas in India by Dr. B. N. Saraswati. 50–00

4079 Tribes and Indian Civilization by Surjit Singh. 30–00

4080 Tragic Comedies of Shakespear, Kalidasa and Bhavabhuti by P. B. Acharya. 80–00

४०८१ तिलकमञ्जरी : एक समीक्षात्मक अध्ययन। डॉ० हरिनारायण दीक्षित १००–००

४०८२ तुलसी ग्रन्थावली। सम्पा०–माताप्रसाद गुप्त। भाग १, खण्ड १–२ २०–००

४०८३ तुलसीदास की दोहावली का विवेचनात्मक अध्ययन। डॉ० गौरीशंकर मिश्र ४०–००

४०८४ दर्शन-दिग्दर्शन। राहुल सांस्कृत्यायन ४०–००

4085 Descriptive catalogue of Sankrit Manuscripts in Gaekwad Library, Bharatakala Bhavan and Sankrit Mahavidyalaya Library. B. H. U. by Dr Rama Shankar Tripathi. 100–00

4086 Descriptive Dictionary of the Indian Islands and Adjacent Countries by John Crawfurd. 100–00

4087 Dictionary of World Chronology Vol. I (Ancient Period B. C. 8300 to B. C. 1) by Raghunath Singh. 100–00

4088 Development of Geographic Knowledge in Ancient India by M. P. Tripathi. 45–00

४०८९ दिनकर की उर्वशी। डा० रमाशंकर तिवारी १५–००
४०९० देवतार्चानुकीर्त्तन हिन्दू देवप्रतिमा विज्ञान। डॉ०दीनबन्धु पांडेय ४५–००
४०९१ The Deeds of Harsha by Dr. V. S. Agrawala. 200–00
४०९२ The Dhvani Theory in Sanskrit Poetics by Dr. Mukunda Madhava Sharma. 75–00
४०९३ दक्षिण भारत। डॉ० बलराम श्रीवास्तव ६०–००
४०९४ ध्वनिप्रस्थान में आचार्य मम्मट का अवदान। डॉ० जगदीश-चन्द्र शास्त्री ६४–००
४०९५ नगरीय समाजशास्त्र। कौशलकुमार राय ३०–००
४०९६ नाटयशास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक। धनिक वृत्ति सहित। डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी, पृथ्वीनाथ द्विवेदी २२–५०
४०९७ नाथसम्प्रदाय। डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी ३८–००
4098 Nature of Indian Aesthetics by Balaram Srivastava 100–00
४०९९ नेपाली संस्कृत अभिलेखों का हिन्दी अनुवाद। डॉ० कृष्णदेव अग्रवाल 'अरविन्द' ७०–००
4100 New Vedanta and Modernity by Bithika Mukherji. 80–00
4101 New Approach to Some Important Aspects of Indology by Dr. S. N. Sharma. 80–00
4102 Panditaraja Jagannatha on Aesthetic Problems by Dr. Anantalal Gangopadhyaya. 60–00, 80–00
४१०३ पतञ्जलिकालीन भारत। प्रभुदयाल अग्निहोत्री ३४–५०
४१०४ परिक्रमा। शान्तिप्रिय द्विवेदी। सम्पूर्ण समाप्त
४१०५ पल्लव इतिहास और उसकी आधार सामग्री। दक्षिण भारत के पल्लव राजवंश का इतिहास। डॉ० बलराम श्रीवास्तव ३५–००
४१०६ पाणिनीकालीन भारतवर्ष। (पाणिनीकृत अष्टाध्यायी का सांस्कृतिक अध्ययन) डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल १००–००
४१०७ पारसी धर्म एवं सेमिटिक धर्मों में मोक्ष की धारणा। डॉ० श्रीमती अरुणा बनर्जी ८०–००
४१०८ पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धान्त। लीलाधर गुप्त २०–००
४१०९ पुराणकी लोक-भारती। डा० जयशंकर त्रिपाठी ७–५०
४११० पुराणगत वेदविषयक सामग्री का समीक्षात्मक अध्ययन। डा० रामशंकर भट्टाचार्य ४०–००
४१११ पुराणे तहासयो : सांख्ययोगदर्शनविमर्शः। डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ३२–००

४११२ पुराणों में इतिहास विवेक। डा० कुंवरलाल व्यासशिष्य ५०-००
४११३ पुरुदेवचम्पू का आलोचनात्मक परिशीलन। डा० कपूरचन्द जैन १००-००
४११४ पुरुषार्थ। भारतरत्न डा० भगवानदास ७५-००
४११५ पृथ्वीराज रासो में चारित्रिक परिकल्पना। डा० शम्भूनाथ तिवारी ५०-००
4116 Palaeography of India (भारतीय प्राचीन लिपिमाला) By G. H. Ojha. 150-00
4117 Political thought in Sanskrit Kavya by Dr. Geeta Upadhyaya. 75-00
4118 (The) Political and Socio Religious Condition of Bihar (185 D. C. to 319 A. D.) By Dr. Hari Kishore Prasad. 70-00
4119 P. V. Kane (Professor) Commemoration Volume. Edited by Dr. S. M. Katre & Dr. P. K. Gode. 80-00
४१२० प्रयोगवाद के सन्दर्भ में अज्ञेय और उनका काव्य। डा० सदानन्द सिंह ५०-००
४१२१ प्रतिभा दर्शन (भाषा तत्व शास्त्र)। आचार्य हरिशंकर जोशी ८०-००
४१२२ प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास। नेमिचन्द्र शास्त्री ३५-००
४१२३ प्राकृत भाषाएँ एवं भारतीय संस्कृति में उनका अवदान। एस० एम० कत्रे। अनु०—डा० रमाशंकर जैतली ६०-००
४१२४ प्रमुख स्मृतियों का अध्ययन। लक्ष्मीदत्त ठाकुर ६-५०
४१२५ प्रयोगवादी काव्य-धारा। (तथोक्त नई कविता) डा० तिवारी मू० ले०—श्री लक्ष्मीनारायण सुधांशु ७०-०
४१२६ प्राचीन नेपाल का राजनीतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास। डा० रामगोयल १०-०
४१२७ प्राचीन भारत। प्रथम भाग (आदिकाल से ३२० से १२०६ ई०तक) डा० उपेन्द्र ठाकुर एवं महेशकुमार शरण। १-२ भाग ७०-०
४१२८ प्राचीन भारत। रमेशचन्द्र मजुमदार ३०-०
४१२९ प्राचीन भारत का इतिहास। रमाशंकर त्रिपाठी। छात्र संस्करण १६-०
४१३० प्राचीन भारत का इतिहास। बी० पी० सिन्हा २०-०
४१३१ प्राचीन भारत का इतिहास। अवधबिहारीलाल अवस्थी २०-०
४१३२ प्राचीन भारत की सामाजिक संस्कृति। डा० रामजी उपाध्याय १२-०

४१३३ प्राचीन भारत में राज्य और शासन व्यवस्था। मनोरमा जौहरी २०-००
४१३४ प्राचीन भारतीय अभिलेख। डा० वासुदेव उपाध्याय। प्र० भाग ४०-००
४१३५ प्राचीन भारतीय वास्तुकला। डा० रूदल प्रसाद यादव २२-५०
४१३६ प्राचीन भारतीय भाषा और धर्म। एच० ओल्डेनवर्ग। अनु०-डा० उमेशचन्द्र ६-००
४१३७ प्राचीन भारतीय मुद्राएँ। डा० वासुदेव उपाध्याय ३५-००
४१३८ प्राचीन भारतीय लिपिशास्त्र और अभिलेख। अवधकिशोर नारायण ६-००
४१३९ प्राचीन भारतीय साहित्य का इतिहास। एम० विण्टरविट्ज। भाग १, खण्ड १, प्रस्तावना, वेद तथा वेदाङ्ग १६-००
४१४० प्राचीन भारतीय संस्कृति। डा० शिवस्वरूप सहाय १८-००
४१४१ प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता। सत्यप्रकाश शर्मा १२-००
४१४२ प्राचीन सभ्यतायें। शिवस्वरूप सहाय ११-००
4143 Primer of Hinduism. By J. N. Farquar. 30-00
4144 Philosophy of Nimbarka by Madan Mohan Agrawal 75-00
४१४५ प्राकृत साहित्य का इतिहास। प्रो० जगदीशचन्द्र जैन १२५-००
४१४६ प्राचीन भारत में अपराध और दण्ड। डा० हरिहरनाथ त्रिपाठी २०-००
४१४७ प्राचीन भारतीय अभिलेखों का अध्ययन। डा० वासुदेव उपाध्याय प्रथम भाग १५-००
४१४८ प्राचीन भारतीय मूर्ति-विज्ञान। डा० नीलकण्ठ पुरुषोत्तम जोशी ४८-००
४१४९ प्राचीन भारतीय मूर्ति विज्ञान। डा० वासुदेव उपाध्याय। प्रामाणिक तथा ऐतिहासिक रीति से देवमूर्ति-विवरण के लिए पठनीय १००-००
४१५० प्राचीन भारतीय मिट्टी के बर्तन। डा० राय गोविन्दचन्द्र। खोदाई में प्राप्त मिट्टी-बर्तन के आधार पर भारतीय सभ्यता का पर्यालोचन ५०-००
४१५१ प्राचीन हिन्दू विधि। डा० अच्छेलाल ६०-००, ४०-००
4152 Fine Arts and Technical Sciences in Ancient India. With Special Reference to Someswara's Manasollasa By Dr. Shiva Shekhar Misra. 95-00
4153 Philosophy of Ancient India. Ed. by K. N. Mishra 10-00
4154 Philosophy of Sadhana by Dr. D. B. Sen Sharma 11-00
4155 Female Images in the Museums of U. P. and Their Social Background by Dr. Padma Upadhyaya 125-00

4156 Fresh Light on Indo-European classification & chro no-logy by Satya Swarup Misra. 35-00
4157 Fall of Mughal Empire. By Sidney J. Owen. 35-00
४१५८ बघेलखण्ड के संस्कृत काव्य । डा० राजीवलोचन अग्निहोत्री ६०-००
4159 Banabhatt. A Literary Study. By Dr. Neeta Sharma. 50-00
4160 The Bhakti Cult in Ancient India. By Mr. Bhagabat Kumar Goswami Shastri. 100-00
४१६१ बाणभट्ट और उनका हर्षचरित—एक आलोचनात्मक अध्ययन। डा० महेशचन्द्र भारतीय २०-००
४१६२ बाणभट्ट और उनकी कादम्बरी— एक आलोचनात्मक अध्ययन। डा० महेशचन्द्र भारतीय २०-००
४१६३ बाणभट्ट का आदान-प्रदान। डा० अमरनाथ पाण्डेय १५-००
४१६४ बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन। डा० अमरनाथ पाण्डेय ४०-००
४१६५ बीजकग्रन्थः। कबीरदासकृत। स्वामी हनुमद्दास षट्शास्त्री विरचित संस्कृत–हिन्दी व्याख्या सहित। सम्पादक–स्वामी सुभद्रदास २५-००
४१६६ बृहत्त्रयी-एक तुलनात्मक अध्ययन। डा० सुषमा कुलश्रेष्ठ १५०-००
4167 Burial Practices in Ancient India by Dr. Purushottam Singh. 90-00
४१६८ ब्राह्मण-ग्रन्थों में सृष्टिविचार। डा० नित्यानन्द शुक्ल १२५-००
४१६९ ब्राह्मण तथा बौद्ध विचारधारा का तुलनात्मक अध्ययन। डा० जगदीशदत्त दीक्षित ७५-००
4170 Brahmins Through the Agses by R. N. Shrma. 60-00
4171 Bhakti Cult in Ancient Indian Geography. Ed. by D. C. Sircar. 12-50
४१७२ भक्ति का विकास। डा० मुन्शीराम शर्मा १००-००
४१७३ श्रीभगवान्नारायणवचनसुधा। सं०—डा० चरणदास शर्मा २५-००
4174 Bhavabhuti by V. V. Mirashi. 45-00
४१७५ भ्रष्टाचार का संहार अर्थात् लोभविजय। डा०रामस्वरूप'रसिकेश' ८-००
४१७६ भामती : एक अध्ययन। डा० ईश्वर सिंह ९५-००
४१७७ भामती प्रस्थान तथा विवरण प्रस्थान का तुलनात्मक अध्ययन। डा० सत्यदेव शास्त्री ५०-००
४१७८ भारतवर्ष का इतिहास। एक इतिहास प्रेमी (भाई परमानन्द) १५-००
४१७९ भारतवर्ष का सामाजिक इतिहास। (६०० ई० पू०—१००)। विमलचन्द्र पाण्डेय २५-००

४१८० भारतवर्ष में विवाह एवं परिवार । के० एम० कपाड़िया १५–००
४१८१ भारत की चित्रकला । रायकृष्णदास २५–००
४१८२ भारत की संस्कृति और कला । राधाकमल मुखर्जी २०–००
४१८३ भारत की संस्कृति-साधना । डा० रामजी उपाध्याय १०–००
४१८४ भारत के महान साधक । प्रमथनाथ भट्टाचार्य । १–८ भाग १९०–००
४१८५ भारत मंजरी (क्षेमेन्द्रकृत)का समीक्षात्मक परिशीलन । डा० देवशर्मा वेदालंकार ७८–००
४१८६ भारत में प्रतीक पूजा का आरम्भ और विकास । सांवलिया बिहारीलाल शर्मा ११–००
४१८७ भारत में संस्कृत की अनिवार्यता क्यों ? प्रणेता–डा० भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी वागीश १०–००
४१८८ भारतस्य सांस्कृतिक दिग्विजयः । हरिदत्त वेदालङ्कार । अनु० एवं सम्पा० -कालिकाप्रसाद शुक्ल १०–००
४१८९ भारतस्य सांस्कृतिकनिधिः । (संस्कृत) डा० रामजी उपाध्याय १००–००
४१९० भारत और एशिया के अन्य देश । श्रीमती सुदर्शना सिंहल ४०–००
४१९१ भारतीय अभिलेख । एस० एस० राणा ३०–००, ५०–००
४१९२ भारतीय अभिलेख संग्रह । ले०–जे० फ्लीट । अनुवादक–गिरजा शंकरप्रसाद मिश्र १००–००
४१९३ भारतीय आलोचना शास्त्र । डा० राजवंशसहाय 'हीरा' ३१–००
४१९४ भारतीय इतिहास के स्रोत :सिक्के । (ई० जे० रैपसन के 'इण्डियन काएन्स' का हिन्दी रुपान्तर)–अनुवादक डा० राजकुमार राय ६०–००
४१९५ भारतीय इतिहास पुनर्लेखन क्यों ? तथा पुराणों में इतिहास विवेक । डा० कुंवरलाल व्यासशिष्य ५०–००
४१९६ भारतीय इतिहास परिचय । डा० राजबली पाण्डेय ४५–००
४१९७ भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि-सिद्धान्त । डा० राजवंश सहाय 'हीरा' । ग्रन्थ में रस, ध्वनि एवं अलङ्कार को प्रतिनिधि-सिद्धान्त मानकर उन्हीं का विवेचन किया गया है । ६०–००
४१९८ भारतीय चिन्तन की परम्परा में नवीन सम्भावनाएँ । सम्पा०-राधेश्यामधर द्विवेदी । १–२ भाग ६९–००
४१९९ भारतीय दर्शन । (प्रश्नोत्तर रूप में) । राधेश्याम शर्मा ३–५०
४२०० भारतीय दर्शन की रुपरेखा । एम० हिरियन्ना २०–००
४२०१ भारतीय दर्शन में चेतना का स्वरूप । श्रीकृष्ण सक्सेना । (स्थावर-जङ्गमात्मक चेतना का व्यक्तित्व और स्वरूप) २५–००

४२०२ भारतीय दर्शन में प्रामाण्यवाद । डा० शारदा गांधी ५०—००
४२०३ भारतीय दर्शन में योग । डा० मंगला ६५—००
४२०४ भारतीय धर्म और दर्शन का अनुशीलन । आचार्य बलदेव उपाध्याय ७०—००
४२०५ भारतीय पुरालिपिशास्त्र । मङ्गलनाथ सिंह २५—००
४२०६ भारतीय प्रज्ञा । (मोनियर विलियम्स कृत इण्डियन विजडम का हिन्दी अनुवाद) । अनुवादक—डा० रामकुमार राय १००—००
४२०७ भारतीय मूर्तिकला । रामकृष्णदास १५—५०
४२०८ भारतीय न्यायशास्त्र : एक अध्ययन । डा० ब्रह्ममित्र अवस्थी ४०—००
४२०९ भारतीय भाषाविज्ञान । पं० किशोरीदास वाजपेयी समाप्त
४२१० भारतीय वाङ्मय में श्रीराधा । आचार्य बलदेव उपाध्याय ३१—५०
४२११ भारतीय वास्तुकला । डा० परमेश्वरीलाल गुप्त १५—००
४२१२ भारतीय संस्कृति । सातवलेकर १०—००
४२१३ भारतीय संस्कृति । डा० देवराज १४—००
४२१४ भारतीय संस्कृति । भा० टी० । डा० कुंवरलाल १५—००
४२१५ भारतीय संस्कृति । शिवदत्त ज्ञानी १२—००
४२१६ भारतीय संस्कृति और कला । वाचस्पति गैरोला १७—००
४२१७ भारतीय साधना और सूर-साहित्य । डा० मुन्शीराम शर्मा ७५—००
४२१८ भारतीय संस्कृति और साधना । म० म० गोपीनाथ कविराज । १—२ भाग ७४—५०
४२१९ भारतीय संस्कृति में जैनधर्म का योगदान । डा० हीरालाल जैन ३५—००
४२२० भारतीय संस्कृति और इतिहास । डा० बैजनाथ पुरी ५—००
४२२१ भारतीय संस्कृति का उत्थान । डा० रामजी उपाध्याय ७—५०
४२२२ भारतीय संस्कृति का विकास । डा० मंगलदेव शास्त्री । औपनिषद् धारा । द्वितीय भाग १२—००
४२२३ भारतीय संस्कृति के मूलतत्त्व । डा० सत्यनारायण पाण्डेय ४—५०
४२२४ भारतीय साहित्य का अनुशीलन । आचार्य बलदेव उपाध्याय ८०—००
४२२५ भारतीय साहित्य की रूपरेखा । डा० भोलाशंकर व्यास ४०—००
४२२६ भारतीय साहित्य और काव्यालंकार । डा० भोलाशंकर व्यास ४०—००
४२२७ भारतीय साहित्य दर्शन । डा० राममूर्ति त्रिपाठी १०—००
४२२८ भारतीय साहित्य शास्त्र । गणेश त्र्यंबक देशपांडे ३०—००
४२२९ भारतीय साहित्य शास्त्र । बलदेव उपाध्याय । १—२ भाग ६५—००
4230 Bharavi and Kiratarjuniyam-A Critical Study by Saktipada Har. 60—00, 75—00

४२३१ भारवि काव्य में अर्थान्तर न्यास। उमेशप्रसाद रस्तोगी ३५–००
४२३२ भाषा-विश्लेषण। डा० मोतीलाल गुप्त २५–००
4233 Bhasa : A Study. By Dr. A. D. Pusalker. With a Foreword by Dr. A. B. Keith. 100–00
४२३४ मगध का राजनैतिक इतिहास। ४५५–१२००ई०। डा० विन्ध्येश्वरी प्रसाद सिन्हा ३५–००
४२३५ मधुपर्क। देवीरत्न अवस्थी 'करील'। ब्रजभाषा के ललित पद्यों में कृष्ण-चरित वर्णन के माध्यम से यह काव्य बड़े कौशल से रचा गया है। २५–००
४२३६ मध्यकालीन रामकाव्य धारा पर कृष्णभावना का प्रभाव। डॉ० तपेश्वरनाथ प्रसाद ६५–००
४२३७ मध्यकालीन साहित्य में अवतारवाद। डॉ० कपिलदेव पाण्डेय। (वैदिक साहित्य से उत्तर-मध्यकालीन साहित्य तक के अवतारवाद का विवेचन) १५०–००
४२३८ मध्यभारतीय भाषा-चयन। डा० वीरमणिप्रसाद उपाध्याय १५–००
४२३९ मध्ययुगीन हिन्दी कृष्ण-भक्तिधारा और चैतन्य सम्प्रदाय। डा० मीरा श्रीवास्तव ३०–००
४२४० मनीषी की लोकयात्रा। डा० भागवतप्रसाद सिन्हा ५५–००
४२४१ मराठी का भक्ति साहित्य। प्रो० भी० गो० देशपांडे ५०–००
४२४२ मराठों का उत्कर्ष। महादेव गोविन्द रानाडे। अनु० रमेश तिवारी १२–००
४२४३ महर्षि वेदव्यास। (एक ऐतिहासिक व सांस्कृतिक पर्यालोचन) पं० उमाशंकर दीक्षित ७–५०
४२४४ महाकवि कालिदास। (देवपुरस्कार पुरस्कृत)। डा०रमाशंकर तिवारी ५०–००
४२४५ महाकवि अश्वघोष और उनका काव्य। डा० हरिदत्त शास्त्री ५–७५
४२४६ महाकवि भवभूति। डा० गङ्गासागर राय ४०–००
४२४७ महाकवि विभूति और उनका उत्तरामचरितम्। डॉ० कृष्णकान्त त्रिपाठी ८–७५
४२४८ महाकवि भासः एक अध्ययन। आचार्य बलदेव उपाध्याय १५–००
४२४९ महाकवि शूद्रक। रमाशंकर तिवारी ५०–००
४२५० महाकवि स्वयंभू। डा० संकठाप्रसाद उपाध्याय १२–५०
४२५१ महाकवियों की अमर रचनाएँ। चक्रधर शर्मा १५–००
४२५२ महाभारत की कथाओं पर आधारित हिन्दी काव्य। डॉ० राघव प्रसाद पाण्डेय ४५–००
४२५३ महाभारत में लोककल्याण की राजकीय योजनाएँ। के०एन०मिश्र २०–००

४२५४ महाभारत में शान्ति पर्व का आलोचनात्मक अध्ययन। डा० सुमेधा विद्यालंकार ७५-००
४२५५ महुआ के फूल। (कहानी)। डा० सुरेन्द्रनाथ मिश्र 'अगम' ४-००
४२५६ सोमेश्वरकृत मानसोल्लास : एक सांस्कृतिक अध्ययन। डॉ०शिवशेखर मिश्र। धर्मशास्त्रीय ग्रन्थ मानसोल्लासके परिशीलन माध्यम से तत्कालीन संस्कृति-रीति-नीति का सुस्पष्ट परिचायक ग्रन्थ ८०-००
4257 My Autobiography–A Fragment by F. Max Muller. 60-00
4258 Mythology of the Aryan Nations : By Sri George W. Cox. 75-00
4259 Mythological and Ritual Symbolism by Dipak Bhattacharya. 80-00
4260 Mind and Art of Bhavabhuti by Vimla Gera. 60-00
4261 Mind and Art of Virginia Woolf by Shaheen Warsi. 75-00
4262 Mithila in the Age of Vidyapati. (C. 1230–1525 A. C.) A Study in Cultural History. By Prof. Radha Krishna Choudhary. 100-00
4263 Mints and Minting in India. By Dr. Upendra Thakur. 50-00
४२६४ मुँहता नैणसीरी ख्यात। मुँहता नैणसीकृत। सं० बदरीप्रसाद साकरिया, तीसरा भाग ८-००
४२६५ मृगया। श्री नन्दन कृत। डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी, रायकृष्णदास ४०-००
४२६६ मैला आँचल। फणीश्वरनाथ 'रेणु' ११-५०, २०-००
4267 Mathematics in Ancient and Mediaeval India By Dr. A. K. Bag. 60-00
४२६८ मोह-विजय। डॉ० रामसरूप 'रसिकेश' ८-००
4269 Yantras or Mechanical Contrivances in Ancient India by V. Raghavan. 2-00
४२७० युगाराध्य निराला। पं० गंगाधर मिश्र १०-००
४२७१ यूरोप और वहाँ के संग्रहालय। डॉ० सतीशचन्द्र काला ५-००
४२७२ रज्जब बानी। (संतकवि रज्जब की मौलिक रचनाओं का सम्पूर्ण संग्रह) सम्पा०—डॉ० व्रजलाल वर्मा २०-००
४२७३ रसगंगाधर : एक समीक्षात्मक अध्ययन। कु०चिन्मयी माहेश्वरी २५-००
४२७४ रस सिद्धान्त। डॉ० नगेन्द्र ५०-००

४२७५ राजतरङ्गिणी तथा राजतरङ्गिणी संग्रह। श्री शुक विरचित। आलोचनात्मक भूमिका, ऐतिहासिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक अध्ययन, अनुवाद तथा तुलनात्मक काल-गणना सहित। डॉ० रघुनाथ सिंह १२-००

४२७६ राजतरङ्गिणी। कल्हण कृत। हिन्दी अनुवाद, भाष्य एवं टिप्पणी सहित। डॉ० रघुनाथ सिंह। १-४ भाग ५५०-००

४२७७ राजनीति रा कवित्त। देवीदासकृत। सं० नारायणदत्त श्रीमाली ५-००

४२७८ राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण। (मन्दिर के हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची)। सम्पा०-गोपालनारायण बहुरा। १-२ भाग १२-५०

४२७९ राजस्थानी वीर-गीत संग्रह। सम्पा०—सौभाग्य सिंह शेखावत। १-३ भाग २२-००

४२८० राजस्थानी साहित्यसंग्रहः। सं० नरोत्तमदास जी। १-२ भाग ५-००

४२८१ राजस्थानी हस्तलिखित ग्रन्थसूची। सं० मुनि जिनविजयजी। १-३ भाग २२-७५

४२८२ राजेन्द्रकर्णपूरः। महाकवि शम्भू विरचित। हिन्दी भाषानुवाद तथा काव्यमर्मबोधिनी टिप्पणी सहित। डा० वेदकुमारी ५ ००

४२८३ राठौर वंश री विगत एवं राठोडा री वंशावली। २ १५

४२८४ राष्ट्रदर्पण। लछमन सिंह अग्रवाल ३ ००

४२८५ रामायण और महाभारत में प्रकृति। डॉ०कान्तिकिशोर भारतिया१० २५

४२८६ रामायण-मीमांसा। स्वामी करपात्रीजी महाराज ६०-००

४२८७ रीतिकालीन काव्यशास्त्र और पदुमनदास। डा० कुबेर राय ३० ००

४२८८ रीतिकालीन लक्षण-ग्रन्थों में भाषा-भूषण का स्थान। डा० सावित्री श्रीवास्तव ३० ००

४२८९ रुद्राक्ष और रुद्राक्षारण्य-चित्रावली पथप्रदर्शक। ले०-पथिक कवि लक्ष्मीआचार्य ३-५०

४२९० रुद्राक्षारण्यमाहात्म्यम्। लक्ष्मी ललिता हिन्दी टीका सहित। श्री लक्ष्मीआचार्य 'पथिक' कवि २५ ००

4291 Rupa Pratirupa Alice Boner Commemoration Volume. Edited by Bettina Baumer 180-00

4292 Rural Urban Economy & Social Changes in Ancient India (300 B. C.-600 A. D.) Jaimal Rai. 75-00

४२९३ रोगी मन। (असामान्य मनोविज्ञान अथवा व्यक्तित्व विकार)। सूरजनारायण मुन्शी तथा श्रीमती सावित्री १५ ००

4294 Life in Mediaeval Orissa (Cir. A. D. 600–1200) by Ayoddhya Prasad Shah. 60–00

4295 Linguistic Survey of India. By G. A. Grierson 1–XI Vols. In 19 Parts. 5000–00

4296 The Licchavis of Vaisali. By Dr. Hitnarayan Jha. With a Foreword by Dr. A. L. Basham. 75–00

4297 Language by L. Bloomfield. 40–00

4298 Laryngeal theory-A Critical Evoluation by Dr. Satya Swarup Misra. 10–00

4299 Light and Might (Biographical Sketches) by K. S. Namboothiri. 12–00

4300 Life in Ancient India by M. P. Singh. 100–00

4301 Laments in Sanskrit Literature by S. C. Banerji. 125–00

४३०२ लोलिम्बराज और उनकी कृतियाँ : एक अध्ययन । (ग्रंथावली सहित) डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ४०–००

४३०३ लौकिक संस्कृत साहित्य । (Classical Sanskrit Literature by A. B. Keith) अनुवादक—चारुचन्द्र शास्त्री २५–००

४३०४ लौकिक संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास । (हिन्दी रूपान्तर) मूल लेखक : डॉ० गौरीनाथ शास्त्री २५–००

४३०५ वर्णव्यवस्था का संक्षिप्त इतिहास । आचार्य सीताराम शर्मा ६–००

४३०६ वाकाटक-गुप्त-युग । आर० सी० मजुमदार एवं एस० ए० अलतेकर १४–००

४३०७ वाकाटक राजवंश का इतिहास एवं अभिलेख । वी०वी०मिराशी २०–००

४३०८ वाग्विज्ञान । (भाषाशास्त्र) आचार्य सीताराम चतुर्वेदी । (मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भाषा के विभिन्न स्वरूपों का विवरण) ५०–००

४३०९ वाङ्मय विमर्श । विश्वनाथ प्रसाद मिश्र १७–५०

४३१० वाराणसी (एक परम्परागत नगर) । रामबचन सिंह २५–००

4311 Varanasi Down the Ages by K. N. Sukul. 40–00

४३१२ वाराणसी-वैभव । पं० कुबेरनाथ सुकुल ५२–५०

४३१३ वाल्मीकिरचनामृत । आचार्य कुबेरनाथ शुक्ल । प्रथम भाग ५६–००

४३१४ विक्रमादित्य (संवत् प्रवर्तक) । डा० राजबली पाण्डेय ५०–००

४३१५ विचार और विवेचन । डा० वामन केशव लेले २५–००

४३१६ विद्यापति । डा० शिवप्रसाद सिंह २७–५० १५–००

४३१७ विद्यापति । कुँवर सूर्यबली सिंह ८–००

४३१८ विद्यापति पदावली । प्रथम भाग (नेपाल में प्राप्त विद्यापति के पदों का संग्रह) १९–५०, द्वितीय भाग (मिथिला में उपलब्ध विद्यापति के पदों का संग्रह) २२–५०, तृतीय भाग (बंगाल में उपलब्ध विद्यापति के पदों का संग्रह) १८–५०

४३१९ विविधार्थ । भारतरत्न डा० भगवानदास ३०–००

4320 Visnudhvaj or Qutab Minar. By D. S. Trivedi. 20–00

४३२१ विश्व की प्राचीन सभ्यता । डा० श्रीराम गोयल २०–००

४३२२ विश्व सभ्यताओं का इतिहास । डा० राय गोविन्दचन्द्र १५–००

४३२३ विष्णुपुराण का भारत । डा० सर्वानन्द पाठक ६०–००

4324 Women in Ancient India by M. E. Martin. 75–00

४३२५ वेदकालीन समाज । डा० शिवदत्त ज्ञानी । (वेदों के समय में समाज की स्थिति या आचार विवेचन) ६०–००

४३२६ वेदव्यास परम्परा । डा० कुंवरलाल व्यासशिष्य २०–००

४३२७ वैज्ञानिक विकास की भारतीय परम्परा । डा० सत्यप्रकाश २४–००

४३२८ वैदिक ऋषि : एक परिशीलन । डा० कपिलदेव शास्त्री ५०–००

४३२९ वैदिक युग के भारतीय आभूषण । डा०रायगोविन्दचन्द्र । (वैदिक युग में आभूषण के भेदोपभेद का प्रकार) ६०–००

४३३० वैदिक योगसूत्र । हरिशंकर जोशी । प्राचीन योगदर्शन का चूड़ान्त विवेचन ६०–००

४३३१ वैदिक वाङ्मय का इतिहास । श्री रमाकान्त शास्त्री ७–५०

४३३२ वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति । म० म० गिरधर शर्मा चतुर्वेदी १६–७५

४३३३ वैदिक साहित्य का इतिहास । डा० राममूर्ति शर्मा ५–००

४३३४ वैदिक साहित्य का इतिहास । डा० कृष्णकुमार ८–५०

४३३५ वैदिक साहित्य का इतिहास । (प्रश्नोत्तर) डा० सुरेन्द्रदेव शास्त्री ४–५०

४३३६ वैदिक साहित्य की रूपरेखा । डा० जोशी एवं डा० खण्डेलवाल १२–५०

४३३७ वैदिक साहित्य की रूपरेखा । प्रो० हंसराज अग्रवाल १०–००

४३३८ वैदिक साहित्य का इतिहास । डॉ० कुंवरलाल जैन ८–००

४३३९ वैदिकसाहित्यचरित्रम् । (संस्कृत) के० एल० व्यास शास्त्री ३–००

४३४० वैष्णव धर्म । आचार्य परशुराम चतुर्वेदी १५–००

४३४१ वैशेषिकसिद्धान्तानां गणितीयपद्धत्या विमर्शः । डा० नारायण-गोपाल डोंगरे २४–६०

४३४२ वैष्णव, शैव और अन्य धार्मिक मत । आर० जी० भंडारकर । अनु०-महेश्वरी प्रसाद १५–००

४३४३ वैष्णव सम्प्रदायों का साहित्य और सिद्धान्त। आ० बलदेव उपाध्याय ४०—००
४३४४ व्यञ्जना : सिद्धि और परम्परा। डा० कृष्णकुमार शर्मा १५—००
४३४५ व्यञ्जना प्रपञ्चसमीक्षा (तुलनात्मक प्रतीक तत्त्वविमर्शः। डा० मुकुन्द माधव शर्मा २५—००
४३४६ व्याकरणशास्त्रेतिहासः। डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ६—००
४३४७ व्यावहारिक मनोविज्ञान। डा० रामकुमार राय २०—००
४३४८ व्याकरण की दार्शनिक भूमिका। डा० सत्यकाम वर्मा ५२—००
४३४९ व्यावहारिक मनोविज्ञान की रूपरेखा। डा० रामकुमार राय १५—००
4350 Vratyas in Ancient India. By Prof. Radhakrishna Choudhary. 50—00
4351 Sri Aurobindo and The Theories of Evolution. A Critical and Comparative Study. By Dr. Rama Shanker Srivastava. 100—00
4352 Sanskrit Compound. A Philosophical Study. By Dr. M. Srimannarayana Murti. 80—00
४३५३ शकुन्तला उपाख्यान। डा० सुशीला खार ५०—००
४३५४ श्रीकविपुष्कर अभिनन्दन ग्रन्थ। सम्पा०—पं० श्रीनारायण चतुर्वेदी १०१—००
४३५५ श्रीमद्भागवत-तत्त्वसमीक्षा। डॉ० श्री कृष्णमणि त्रिपाठी १०—००
४३५६ श्रीमद्भागवत पुराण में प्रेमतत्त्व। डॉ० रामचन्द्र तिवारी १००—००
४३५७ श्रीमन्महादेवशास्त्रि-अभिनन्दनग्रंथः। सं०—म०म० मथुराप्रसाद दीक्षित १५ ०
४३५८ श्रीरामावतारशर्मा निबन्धावली। म० म० रामअवतार शर्मा २६—५०
४३५९ श्रीशंकराचार्य। आचार्य बलदेव उपाध्याय २५—००
४३६० शृङ्गाररस का शास्त्रीय विवेचन। डॉ० इन्द्रपालसिंह। शृङ्गार रस से सम्बन्धित सिद्धान्तों का समीक्षात्मक एकत्रीकरण ४०—००
४३६१ श्रेण्ययुग (भारतीय जनता का इतिहास और संस्कृति)। सम्पा०—आर. सी. मजुमदार १२०—००, १५०—००
4362 Some Aspects of Social & Economic History of Ancient India & Combodia by R. K Chaudhary. 250—00
4363 Some Problems of Sanskrit Poetics by S. K. De. 50—00
४३६४ संस्कृत आयोग का प्रतिवेदन। (१९५६–५७) अनुवादक—अलखनिरंजन पाण्डेय। सम्पा०—डॉ० पारसनाथ द्विवेदी ३२—००

४३६५ संस्कृत और संस्कृति । भू. पू. राष्ट्रपति डॉ० राजेन्द्रप्रसाद १५–००
४३६६ संस्कृत के ऐतिहासिक नाटक । डॉ० श्याम शर्मा ९०–००
४३६७ संस्कृत काव्यधारा । राहुल सांकृत्यायन २०–००
४३६८ संस्कृत काव्यशास्त्रीय भावों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन । डॉ० हरिदत्त शर्मा ५०–००
४३६९ संस्कृत काव्यों में पशु-पक्षी । (कालिदास एवं कालिदासोत्तर काव्यों में पशु-पक्षी) डॉ० रामदत्त शर्मा ५०–००
४३७० संस्कृत नाटकों में अति प्राकृत तत्त्व । डॉ० मूलचन्द्र पाठक ९०–००
४३७१ संस्कृत भाषा विज्ञान । डॉ० राजकिशोर सिंह १२–००
४३७२ संस्कृत साहित्य का इतिहास । (प्रश्नोत्तर रूप में) डॉ० जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल १०–००
४३७३ संस्कृत साहित्य में करुण रस-सिद्धान्त तथा प्रयोग । डॉ० प्रीतिसिन्हा ८५–०
४३७४ संस्कृत साहित्य में शब्दालङ्कार । डॉ० रुद्रदेव त्रिपाठी ४०–००
४३७५ संस्कृत आलोचना । आचार्य बलदेव उपाध्याय ५–५०
४३७६ संस्कृत कविता में रोमाण्टिक प्रवृत्ति । डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा २५–००
४३७७ संस्कृत कवियों के व्यक्तित्व का विकास । राधावल्लभ त्रिपाठी २९–००
४३७८ संस्कृत कवि समीक्षा । अमरनाथ पाण्डेय १२–००
४३७९ संस्कृत-कवि-दर्शन । डा० भोलाशंकर व्यास ६५–००
४३८० संस्कृत काव्यकार । डॉ० हरिदत्त शास्त्री २५–००
४३८१ संस्कृत-काव्य में शकुन । (शोधग्रन्थ) । डॉ० दीपचन्द्रशर्मा २५–००
४३८२ संस्कृत काव्य के विकास में जैन कवियों का योगदान । डॉ० नेमिचन्द्र ३०–००
४३८३ संस्कृत-काव्यशास्त्र का इतिहास । एस. के. डे । हिन्दी अनुवाद- १–२ भाग २५–००
४३८४ संस्कृत काव्यशास्त्र में व्यावहारिक समीक्षा । डॉ० देवदत्त कौशिक ८०–००
४३८५ संस्कृत के महाकवि और काव्य । डॉ० रामजी उपाध्याय ८–००
४३८६ संस्कृत के विद्वान् और पण्डित । श्री रामचन्द्र मालवीय ४–००
४३८७ संस्कृत के सन्देश काव्य । डॉ० रामकुमार आचार्य २५–००
४३८८ संस्कृत नाटक । ए. बी. कीथ । अनुवादक—डॉ० उदयभानु सिंह २०–००
४३८९ संस्कृत नाटक एवं नाटककार । डॉ० विश्वनाथ भट्टाचार्य० ५०–०
४३९० संस्कृत नाटक समीक्षा । इन्द्रपाल सिंह 'इन्द्र' २५–००
४३९१ संस्कृत नाटकों में समाज-चित्रण । (भास, कालिदास एवं शूद्रक के नाटकों के आधार पर) । चित्र शर्मा २५–००

४३९२ संस्कृत नाट्यसिद्धान्त । डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी ३५-००
४३९३ संस्कृत भाषा । मूल लेखक-टी. बरो । हिन्दी रूपान्तर-डॉ० भोला-शंकर व्यास १२५-००
४३९४ संस्कृत-भाषा-विज्ञानम् । श्री रामाधीन चतुर्वेदी २५-००
४३९५ संस्कृत महाकाव्य की परम्परा । (कालिदास से श्रीहर्ष तक) डॉ० केशवराज मुसलगांवकर ७५-००
४३९६ संस्कृत महाकवियों के सम्बन्ध में प्रचलित लोकोक्तियाँ : एक विश्लेषण । श्री पं० रामचन्द्र झा १-५०
४३९७ संस्कृत व्याकरण की रूपरेखा । डॉ० यज्ञवीर २५-००
४३९८ संस्कृत वाङ्मय का विवेचनात्मक इतिहास । डॉ० सूर्यकान्त २५-००
४३९९ संस्कृत शास्त्रों का इतिहास । आचार्य बलदेव उपाध्याय ६०-००
४४०० संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास । डॉ० बाबूराम त्रिपाठी १६-००
४४०१ संस्कृत साहित्य का इतिहास । डॉ० राजवंशसहाय हीरा ११-००
४४०२ संस्कृत साहित्य का इतिहास । (प्रश्नोत्तर में) । डॉ० द्वारिका प्रसाद सक्सेना ११-००
४४०३ संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास । डॉ० सत्यनारायण पाण्डेय ११-५५
४४०४ संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास । १—२ भाग । डॉ० रामजी उपाध्याय २२-००
४४०५ संस्कृत साहित्य का इतिहास । डॉ० बलदेव उपाध्याय । प्रथम भाग ४५-००
४४०६ संस्कृत साहित्य का इतिहास । सेठ कन्हैयालाल पोद्दार ३०-००
४४०७ संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास । श्रीवाचस्पति शास्त्री गैरोला ६०-००
४४०८ संस्कृत साहित्य का बृहत् इतिहास । वैदिक वाङ्मय, इतिहास और पुराण) । डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा' । प्रथम खण्ड ३०-००
४४०९ संस्कृत साहित्य का इतिहास । (बृहत् संस्करण) श्रीवाचस्पति शास्त्री गैरोला समाप्त
४४१० संस्कृत साहित्य का इतिहास । (वैदिक साहित्य की रूपरेखा सहित) हंसराज अग्रवाल ३५-००
४४११ संस्कृत साहित्य का इतिहास । आर्थर मैकडॉनल । (हिन्दी संस्करण) अनुवादक-श्री चारुदत्त शास्त्री । द्वितीय भाग यन्त्रस्थ, प्रथमभाग ६५-००
४४१२ संस्कृत साहित्य का इतिहास । ए. बी. कीथ । अनुवादक — डॉ० मंगलदेव शास्त्री ४५ ००, ६०-००

४४१३ संस्कृत साहित्य का नवीन इतिहास। अनु०–डॉ०विनयकुमारराय ७५–००
४४१४ संस्कृत साहित्य का सुबोध इतिहास। रामबिहारी लाल ३–००
४४१५ संस्कृत साहित्य का सुबोध इतिहास। डॉ० राजकिशोर सिंह १२–००
४४१६ संस्कृत साहित्य की रूपरेखा। पं० चन्द्रशेखर पाण्डेय एवं डॉ० एस० एन० व्यास १७–५०
४४१७ संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास। (प्रश्नोत्तर रूप में) डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी ७–५०
४४१८ संस्कृत साहित्य में नीतिकथा का उद्गम एवं विकास। डॉ० प्रभाकर नारायण कवठेकर ६०-००
४४१९ संस्कृत साहित्य में मौलिकता एवं अनुसरण। उमेश प्रसाद रस्तोगी ३५–००
४४२० संस्कृत पत्रकारिता का इतिहास। डॉ० रामगोपाल मिश्र ५०–००
४४२१ संस्कृत साहित्य में सादृश्यमूलक अलङ्कारों का विकास। डॉ० ब्रह्मानन्द शर्मा ३२–००
४४२२ संस्कृतसाहित्येतिहासः। प्रो० हंसराज अग्रवाल ३०–००
४४२३ संस्कृत-साहित्येतिहासः। (संस्कृत) आचार्य रामचन्द्र मिश्र २५–००
४४२४ संस्कृतसाहित्येतिहास कुञ्जिका। आचार्य परमानन्द शास्त्री ७–५०
४४२५ संस्कृत सुकवि समीक्षा। आचार्य बलदेव उपाध्याय। (वाल्मीकि से बाण तक के ३० कवि तथा कवियित्रियों का अध्ययन) ८०–००
4426 Dr. Satkari Mukherji Felicitation Volume. A Scholarly Felicitation to Renowned Scholar. Edited by Dr. S. Bhattacharya etc. 200–00
४४२७ संस्कृत वाङ्मय में त्रैगुण्य। (सत, रज, तम गुणों का विशद विवेचन) डॉ० ईश्वरप्रसाद चतुर्वेदी २५–००
४४२८ संस्कृते नारि शब्द चित्रावलिः। डॉ०शिवदत्त शर्मा चतुर्वेदी १२–००
४४२९ सचित्र ऋषिकल्पन्यासः। (पण्डित राजेश्वरशास्त्रि-अभिनन्दन-ग्रन्थः) इसमें पुराण, दर्शन, न्याय, सांख्य, वैशेषिक तथा योगादि दर्शनों की देवमूलकता का विववेचन तथा जैन, बौद्धादि दर्शन भी तरह-तरह से आलोड़ित हुए हैं। १००–००
४४३० संत साहित्य। डॉ० राधेश्याम दूबे ३०–००
४४३१ सत्य का रहस्य। केशवदेव आचार्य ६–५०
४४३२ सरूप भारती। सं०–जगन्नाथ अग्रवाल भीमदेव ५०–००
4433 Survey of Indo-European Languages by Batekrishna Ghosh. 120–00
4434 Sakas in India and Their Impact in Indian Life and Culture by Dr. Vishwamitra Mohan. 60–00

4435 Sakas in India by Satya Shrava. 300–00
४४३६ सब धर्मों की बुनियादी एकता। डॉ० भगवानदास ४५–००
४४३७ समन्वय। डॉ० भगवानदास। परिवर्धित संस्करण १०–००
४४३८ समीक्षाशास्त्र। आचार्य सीताराम चतुर्वेदी (शोधपूर्ण द्वि०संस्करण) १००–००
४४३९ सम्राट हर्षवर्धन। सत्यनारायण कस्तूरिया ७–००
4440 Samkhya Thought in the Brahmanical Systems of Indian Philosophy by Dr. Shiv Kumar. 150–00
४४४१ सागरिका। सं०–डॉ० रामजी उपाध्याय। १–१९ भाग ५००–००
४४४२ सामान्य भाषाविज्ञान। बाबूराम सक्सेना ३०–००
4443 Sarnth : Past and Present by J. R. Singh. 30–00
४४४४ सार्थवाह। (प्राचीन भारत की रथपद्धति) डॉ० मोतीचन्द्र १६–५०
४४४५ सावित्री-सत्यावान। प्रा० बिहार मध्यमा पाठ्य-स्वीकृत ७–५०
४४४६ साहित्य और संस्कृति। पं० देवेन्द्रमुनि शास्त्री १२–००
४४४७ साहित्य और संस्कृति। डॉ० देवराज १०–००
४४४८ साहित्य का समाजशास्त्र : मान्यता और स्थापना। श्रीराम मेहरोत्रा २५–००
४४४९ साहित्य विवेक। विश्वनाथ भट्टाचार्य १२–००
४४५० साहित्यशास्त्र सार। हंसराज अग्रवाल तथा श्रुतिकान्तजी ७–५०
४४५१ साहित्यशास्त्रीय तत्त्वों का आधुनिक समालोचनात्मक अध्ययन। पं० मधुसूदन शास्त्री ४०–००
४४५२ साहित्यानुशासनम्। आचार्य सीताराम चतुर्वेदी ६०–००
४४५३ साहित्यलोक। डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा' १०–००
४४५४ सिक्खों का इतिहास। कनिंघम्। अनु०रमेशतिवारी, सुरेशतिवारी १८–००
4455 Six Ways of Knowing A Critical Study of the Advaita Theory of Knowledge by M. N. Dutta. 15–00
४४५६ सुबोध संस्कृत भाषा विज्ञान (प्रश्नोत्तरमें)। जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल ७५–००
४४५७ सूरदास की प्रतिभा। डा० भगवतीप्रसाद राय ३५–००
४४५८ सूर-सौरभ। डा० मुन्शीराम शर्मा ५०–००
४४५९ सूर साहित्य सन्दर्भ। सम्पा०–डा० रामस्वरूप आर्य ६०–००
४४६० सूर का शृङ्गारवर्णन। रमाशंकर तिवारी २०–००
४४६१ सूर विविध सन्दर्भों में पारदर्शक। डा० बचनदेव कुमार २५–००
४४६२ सूरसागर शब्दावली : एक सांस्कृतिक अध्ययन। निर्मला सक्सेना ३०–००

4463 Society & Culture in the Time of Dandin by D K. Gupta. 75–00

4464 Short History of Sanskrit Literature by H. R. Agarwal. 35–00

4465 Studies in Early Indian Thought by D. J. Stephen. 40–00

4466 Sanskrit Civilisation by G. R. Josyer 20-00

4467 Studies in Gunadhya by Dr. S. N. Prasad. 50–00

4468 Studies in Indian Logic and Metaphysics by R. V. Joshi. 60–00

4469 Studies in Indian Poetics by S. P. Bhattacharya. 45–00

4470 Studies in Vedic and Indo-Iranian Religion and Literature by V. N. Misra. 2 Vols. 100 00

4471 Studies in Kautilya by Dr. Asoke Chatterjee Sastri. 40–00

4472 Study in Language and Meaning by Bisnupoda Bhattacharya. 100·00

4473 Studies in Some Aspects of Hindu Samskaras in Ancient India in the Light of Samskaratattva of Raghunandana by Dr. Heramba Chatterjee Sastri. 75–00

4474 Studies in Sanskrit and Indian Culture in Thailand by S. V. Shastri. 80–00

4475 Studies in Sanskrit Sahitya Sastra by V. M. Kulkarni 60–00

4476 Semi Divines in the Amarakosha by Dr. D. B. Pandey. 20–00

4477 Short History of Sanskrit Literature (Covering the whole Range of Vedic Sutras and Classical Periods) by T. K. Ramachandra Iyer. 12–00

4478 Socio-Religious Condition of North India. Based on Archaeological Sources by Dr. Vasudeva Upadhyaya. 75–00

4479 Studies in History and Culture of Kashmir by M. L. Kapur. 45–00

4480 Studies in the History and Culture of Nepal by Lallanji Gopal & Thakur Prasad Verma 45–00

4481 Study of Hindu Criminology. By Dr. Vasudeva Upadhyaya. 75–00

4482 The Study of Indian Art. By S. K. De, B. Codrington. In the Press

4483 Social Play in Sanskrit by V. Raghavan. 1-50

4484 सौन्दरानन्द : साहित्यिक एवं दार्शनिक गवेषणा। डा० ब्रह्मचारी ब्रजमोहन पाण्डेय 'नलिन' ३०-००

4485 Specimens of English Prose with Notes and Exercise by Ramawadh Dwivedi etc 3-50

4486 A study of Hindu Art and Architecture : With Special Reference to Terminology. By Dr. Lalit Kumar Sukla. With Several Illustrations. 250-00

4487 Studies in Jainism and Buddihsm in Mithila by Dr. Upendra Thakur. 50-00

4488 Studies in the Development of Ornament and Jewellery in Proto-Historic India. By Dr. Rai Govind Chandra. 200-00

4489 Studies In Nayaka-Nayika-Bheda. By Dr. Rakesa Gupta. 100-00

4490 Survey of Maithili Literature. By Radhakrishna Chaudhury. 1976. 25-00

4491 Studies in the Philosophy of Madhusudana Saraswati by Dr. Sanjukta Gupta. 75-00

४४९२ स्मृति के हस्ताक्षर। देवदत्त शास्त्री २०-००

४४९३ स्मृतियाँ और कृतियाँ। शान्तिप्रिय द्विवेदी १०-००

४४९४ स्वतन्त्र कलाशास्त्र। डा० कान्तिचन्द्र पाण्डेय। प्रथम भाग भारतीय १००-००
द्वितीय भाग पाश्चात्य १००-००

४४९५ हमारे आधुनिक कवि और उनकी कविताएँ। व्यथित हृदय १५-००

४४९६ म० म० हरिहरकृपालु द्विवेदी-विशेषांक। (महामहोपाध्याय हरिहरकृपालु द्विवेदी स्मृतिग्रन्थ) १५-००

४४९७ हरिवंश पुराण का सांस्कृतिक अध्ययन। पी० सी० जैन ६०-००

४४९८ हर्षकालीन समाज। पारसनाथ सिंह ३०-००

४४९९ हर्षचरित : एक सांस्कृतिक अध्ययन। डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल २८-५०

4500 Harsha and His Times. A Glimpses of Political History During the Seventh Century A.D. By Dr. Bireshwar Nath Srivastava. 150-00

४५०१ हिन्दी अव्यय शब्दों का भाषाशास्त्रीय अध्ययन। डॉ० जयनारायण तिवारी ४०–००
४५०२ हिन्दी कृष्णभक्ति-काव्य पर पुराणों का प्रभाव। डॉ० शशि अग्रवाल १२–००
४५०३ हिन्दी गद्य शैली का विकास। डॉ० जगन्नाथ प्रसाद शर्मा १२–००
४५०४ हिन्दी में लिंग-भेद का अध्ययन। डॉ० पूरनगिरि गोस्वामी ३०–००
४५०५ हिन्दी साहित्य और साहित्यकार। सुधाकर पाण्डेय १०–००
४५०६ हिन्दी साहित्य का इतिहास। आचार्य रामचन्द शुक्ल ४५–००
४५०७ हिन्दी साहित्य का इतिहास। लक्ष्मीशंकर वार्ष्णेय २१–००
4508 History of Indian Literature by M. Winternitz. 2 Vols. 200–00
४५०९ हिन्दी उपन्यास कला। डॉ० प्रतापनारायण टंडन ६–५०
४५१० हिन्दी और मराठी का निर्गुण सन्त काव्य। डॉ० प्रभाकर माचवे ६०–००
४५११ हिन्दी काव्य की सामाजिक भूमिका। डा० शम्भूनाथ सिंह। (आदिकाल से लेकर अब तक के हिन्दी काव्य का इतिहास) ३५–००
४५१२ हिन्दी के पौराणिक नाटक। डा० देवर्षि सनाढ्य। पुराण की दिव्य कथाओं का प्रामाणिक विवरण इसमें उपस्थित किया गया है। ५०–००
४५१३ हिन्दी साहित्य का आदिकाल। आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ८–००
४५१४ हिन्दी साहित्य पर संस्कृत साहित्य का प्रभाव। डा० सरनाम सिंह शर्मा ६–००
४५१५ हिन्दू राज्यतंत्र। रामचन्द्र वर्मा। १-२ भाग ३७–५०
४५१६ हिन्दुओं की प्रबुद्ध रचनाएँ। थि० गोल्डस्टकर। अनुवादिका—डा० रमा शास्त्री १०–००
४५१७ हिन्दू सभ्यता। डा० राधाकुमुद। अनु०-डा० वासुदेवशरण अग्रवाल १८–००
4518 Hindu Marriage : Past and Present by Dr. K. N. Chatterjee. 45–00
4519 History and Culture of the Indian People. Ed. by R. C. Majumdar.

Vol. I Vedic Age. (upto 600 B. C.) Shortly
Vol. II Age of Imperial Unity. (600 B. C. to 320 A. D.) 125–00
Vol. III Classical Age (320–750 A. D.) Shortly
Vol. IV Age of Imperial Kanauj (750-1000 A.D.) 125–00
Vol. V Struggle for Empire (1000–1300 A.D.) 100–00
Vol. VI Delhi Sultanate (1300–1526 A. D.) 120–00

Vol. VII Mughal Empire (1526–1707 A. D.) 160–00

Vol. VIII Maratha Supermacy (1707-1818 A.D. 90–00

Vol. IX British Paramountcy & Indian Renaissance. Part I (1818–1905 A. D.) 80–00

Vol. X British Paramountcy & Indian Renaissance Part II (1818–1905 A. D.) 125–00

Vol. XI Struggle for Freedom (1905–1947) 120–00

4520 Historical Grammar of Ardhamagadhi by Dr. S. S. Misra. 45–00

4521 History From the Puranas by A. B. L. Awasthi. 30–00

4522 History of Indian Literature. By A. Weber. Translated from the Second German Edition by John Mann M. A. And Theodor Zacheriae. 70–00

4523 History of Indian Literature by M. Winternitz.

Vol. I 100–00

Vol. II 125–00

Vol. III Parts i ii

4524 History of Ancient Sanskrit Literature By F. Max Muller. Third Edition. 100–00

4525 History of the Gurjara Pratiharas. By Dr. Baij Nath Puri. 50–00

4526 History of Rupaka in the Alankara Sastra by Dr. B. Bhattacharya. 250–00

4527 History of Sanskrit Literature by A. A. Macdonell. 25–..., 40–00, 50–00

4528 History of Sanskrit Literature by A. B. Keith. 45–00

4529 History of Muslim Rule in Tirhut (1206-1765 A. D.) By Prof. Radhakrishna Choudhary. 80–00

४५३० हिस्ट्री एण्ड पालियोग्राफी आफ मौर्यन ब्राह्मी स्क्रिप्ट्स। डा० सी० एस० उपासक १२-००

4531 Historical Mahakavyas in Sanskrit by Chandra-Prabha. 96–00

4532 Heroines of the Plays of Kalidas by S. Ramachandra Rao. 1–00

4533 The Hunas in India : By Dr. Upendra Thakur. 80–00

४५३४ हेमचन्द्राचार्य जीवनचरित्र । (सचित्र) अनु०-कस्तूरमल बांठिया १५-००

ART, ARCHITECTURE, ETC, ETC.

4535 Epigraphia Indica by James Burgess. Vol. II 100–00
4536 Erotic Sculpture of Khajuraho by Kanwar Lal. With Plates. 75–00
4537 The Archaeology of Kumaon (Including Dehradun) by Sri K. P. Nautiyal. 200–00
4538 Asiatic Researches or Transactions of the Society Instituted in Pengal for enquiring into the History and Antiquities. The Arts, Sciences and Literature of Asia. Vols. 1–XXIV Each Vol. 190–00
4539 Indian Epigraphy by D. C. Sircar. 60–00
4540 An Outline of Cambodian Architecture by L. Kimlong. 30–00
४५४१ खुजराहो के जैन मन्दिरों की मूर्तिकला। रत्नेश कुमार वर्मा २५-००
4542 Jaina Art and Architecture. Published on the Occasion of the 25th Aniversary of Tirthankara Mahavira. Edited by A. Ghosh. 3 Vols. 550 00
4543 Jain Iconography by B. C. Bhattacharya 70–00
4544 Jain Iconography in Rupamandana of Mandan. Translated by R. P. Hingorani. 25–00
4545 Dravidian Architecture by G. J. Dubreuil. 75–00
4546 Nepalese Miniatures by Dr. Rajatanand Dass Gupta, 40–00
4547 Notes on Indian Iconography by Dr. D. B. Pandey. 25–00
४५४८ प्राचीन भारत की कला । डा० गयाचरण त्रिपाठी १०–००
4 49 New Light on the Sun Temple of Konarka. By Dr. Alice Boner, Sadasiva Rath Sarma and Rajendra Prasad Das. With 110 Pages Plates. De-Luxe Edition. 300–00
४५५० प्राचीन भारत में लक्ष्मी प्रतिमा । डा० रायगोविन्दचन्द्र २५–००
4551 Fine Arts and Technical Sciences in Ancient India. With Special Reference to Someswara's Manasollasa By Dr. Shiva Shekhar Misra. 95–00

4552 Mints and Minting in India. By Dr. Upendra Thakur. 50–00

४५५३ रूपमंडन। संस्कृत तथा हिन्दी) बलराम श्रीवास्तव ७–००

4554 Visit to Somnath Girnar in May 1869 by J. Burgess Edited by R. P. Hingarani. 40–00

4555 South India & Its Architecture by Dr. Manorama Jauhari. 35–00

4556 Studies in Indian Coins by D. C. Sircar. 60–00

4557 The Study of Indian Art. By S. K. De, B. Codrington. In the Press

4558 A Study of Hindu Art and Architecture. By Dr. Lalit Kumar Sukla. With Several Illustrations. 250–00

4559 History of Sanskrit Literature. Classical Period. Edited by S. N. Das Gupta & S. K. De, Vol. I. 60 00

4560 Heart of Virashaivism by By B. M. Chamke Swami. 40–00

बौद्ध–ग्रन्थाः

४५६१ अभिधम्मत्थसंगहो। भावानुवाद सहित। १–२ भाग ३५–००

४५६२ अभिधर्मकोषभाष्य। स्फुटार्थ व्याख्या सहित। सम्पादक- स्वामी द्वारिकादास शास्त्री। १–२ भाग। सम्पूर्ण १५०–००

४५६३ अभिधर्मकोशभाष्यम्। वसुवन्धु कृत। सम्पा०–प्रह्लाद प्रधान ४२–००

४५६४ अभिधर्मदीपः। विभाषाप्रभावृत्तिसहित। सम्पा०–पद्मनाम स० जैनी ४२–००

४५६५ अभिधर्मसमुच्चयभाष्यम्। सम्पा०–नथमल टाटिया १६–००

४५६६ अभिधानप्पदीपिका एवं एकक्खरकोस (पालिशब्दकोश, संस्कृत-हिन्दी अर्थ सहित)। सम्पा०—स्वामी द्वारिकादास शास्त्री ४०–००

४५६७ अभिसमयालंकारवृत्तिः स्फुटार्थं। हरिभद्रकृत। सं०—आचार्य रमाशंकर त्रिपाठी ७५–००, ८५–००

४५६८ अमिताभ बुद्ध। भाषा। डा० सुरेन्द्रनाथ दीक्षित ६५–००

४५६९ अर्थविनिश्चयसूत्राम्। भिक्षुवीर्य श्रीदत्त कृत 'निबन्धन' व्याख्या सहित। एन० एच० साम्ताणी सम्पादित २५–००

४५७० अवदानकल्पलता। क्षेमेन्द्रविरचित। तृतीयपल्लवः १–००

४५७१ अवदान-शतकम्। सम्पा०—पी० एल० वैद्य १०–००

४५७२ अशोकनिबन्धौ अवयविनिराकरणं सामान्यदूषणं च। ३–००

४५७३ अशोकावदानम्। सुजीतकुमार मुखोपाध्याय सम्पादित १८–००

४५७४ अष्टसाहस्रिका प्रज्ञापारमिता। आलोक व्याख्या सहित। सं०–परशुराम शर्मा २०–००

4575 Ashtasahasrika Prajnaparamita. English Translation by Edward Conze 40–00

४५७६ आर्यशालिस्तम्बसूत्रं, प्रतीत्यसमुत्पादविभङ्ग निदेशसूत्रं, प्रतीत्यसमुत्पादगाथासूत्रम् । १–००

4577 Early Buddhism and Christianity by Chai Shinyu 60–00

४५७८ इतिवुत्तकं अट्ठकथा । (परमत्थदीपनी) सं० डा० नथमल टाटिया ३०–००

4579 Introduction to Madhyamaka Philosophy by Jaideva Singh. 6–00

4580 Introduction to the Buddhist Tantric Systems by F. D. Lessing & A. Wayman. 55–00

4581 (An) Introduction to Buddhist Esoterism. By Dr. Benoytosh Bhattacharya.

4582 Introduction to Pali by Anomadorshi Barua. 12–50, 7–50

4583 Introduction to Prakrit by A. C. Woolner. Lib. Ed. 30–00
Paper Back. 25–00

4584 Antiquities of Kapilvastu : Tarai of Nepal. By P. F. Mukherjee. 75–00

4585 Aryamanjusrinama Sangiti. (Sanskrit Tibetan Text) Edited by Durgadas Mukherjee. 15–00

4586 Early Monastic Buddhism by N. Dutt. 40–00

4587 Indian Buddhist Iconography by B. Bhattacharya. 100–00

४५८८ उपसंपदाज्ञप्ति । डा० बी० जिनानन्द सम्पादित ३–००

4589 Comparative Study of Jainism and Buddhism by B. S. Prashad. 80–00

4590 Comparative Study of Bhikkhuni Patimokkha by C. K. Singh. 100–00

4591 Conception of Buddhist Nirvana by Theo. Steherbatsky. 40–00

4592 Kunala Legand and Unpublished Ashokavadanamala. Edited by Bongard Lezvn & Valkova. 16–00

४५९३ गण्डव्यूहसूत्र । सं०–पी० एल० वैद्य १६–००

४५९४ गुह्यसमाज तन्त्र । सम्पा०–स्वामी द्वारिकादास शास्त्री ७५–००

4595 Gautama Buddha Centenary Volume. Edited by N. Dutt. 50–00

४५९६ चतुःशतक। आर्यदेव। चन्द्रकीर्ति वृत्ति तथा हिन्दी अनुवाद सहित। सम्पा०–डा० भागचन्द्र जैन २५--००

४५९७ चारियापिटक। हिन्दी अनुवाद सहित। भिक्षु धर्मरक्षित ४--००

4598 Chakkammuvaeso of Amarakirti. Edited by M. S. C. Modi 35–00

4599 Chinese Buddhism. A Volume of Sketches – Historical, Descriptsve and Critical by Rev. Joseph Edkins. 75–00

४६०० चौरासी सिद्धों का वृत्तान्त (Biography of Eighty Four Saints) । अभयदत्तश्री कृत। तिब्बती, मूल तथा हिन्दी अनुवाद सहित। आचार्य सेम्पा देरजी १४०--००, १५--००

4601 Dictionary of Early Buddhist Monastic Terms (Based on Pali Literature) by C. S. Upasak. 125–00

४६०२ जातक। भदन्त आनन्द कौशल्यायन। ३--५ भाग १५०--००

४६०३ जातकमाला। आर्यशूरकृत। हिन्दी अनुवाद, भूमिका, नोट्स सहित। सूर्यनारायण चौधरी ३५--००

4604 Jatakamala or Garland of Birth Stories of Aryasura by J. S. Speyer. 70–00

४६०५ जातकसंग्रहः। तुङ्गर सम्पादित ५--००

४६०६ ज्ञानप्रस्थानशास्त्र। कात्यायनी पुत्र विरचित। प्रथम भाग १२--००

4607 Jainism in Buddhist Literature by Bhagchandra Jain Bhasker. 45–00

४६०८ तत्त्वसंग्रहः। शान्तिरक्षित। सम्पा०–स्वामी द्वारिकादास शास्त्री। १--२ भाग १५०--००

4609 Tibetan Reader (Tibbati Pathamala) by Tulku Dhondup. 10–00, 15–00

४६१० थेरगाथा अट्ठकथा (परमत्थदीपनी)। सं०–डा० नथमल टाटिया। १–२ भाग ७१--००

४६११ दशभूमिकसूत्रम्। सम्पा०–पी० एल० वैद्य १५--००

४६१२ दिव्यावदानम्। सम्पा०–पी० एल० वैद्य १६--००

४६१३ दीघनिकाय। राहुल सांस्कृत्यायन ५०--००

४६१४ धम्मपद अट्ठकथा। सं०–डा० सी० एस० उपासक। प्रथम भाग १२--००
द्वितीय भाग ३०--००

४६१५ धम्मपद। मूल पालि, संस्कृत छाया और हिन्दी टीका सहित। भिक्षु धर्मरक्षित १०--००

४६१६ धम्मपद । सटिप्पण 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित १५-००
4617 Dhammapada and the Suttanipata. English trans. by F. Max Muller. 60–00
४६१८ धम्मसंगणि । बापट कृत ४०-००
४६१९ धर्मोत्तरप्रदीपः । दुर्वेक मिश्र प्रणीत (न्यायबिन्दु तथा न्यायबिन्दु टीका सहित) धर्मकीर्ति कृत तथा धर्मोत्तर कृत । ०-१०
४६२० नवनालन्दा महाविहार रिसर्च पब्लिकेशन । सम्पा०-एस० मुखर्जी । १-२ भाग ३०-००
४६२१ नवनालन्दा महाविहार रिसर्च पब्लिकेशन । सम्पादक— डा० सी. एस. उपासक । चतुर्थ भाग २५-००
4622 Nalanda : Past and Present (Silver Jubille Souvenir) Ed. by C. S. Upasak. 30–00
4623 Nagarjuna's Philosophy. As Presented in the Maha-Prajnaparamitasastra by K. Venkata Ramanan. 0–00
४६२४ निदान कथा । अनुवादक— महेश तिवारी । भदन्त बुद्धघोष कृत जातकट्ठकथा का यह भूमिका भाग पालि साहित्य के विद्यार्थियों लिए विशेष महत्वपूर्ण है । ५-०
४६२५ न्यायबिन्दुः । संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतः ०-१०
४६२६ न्यायबिन्दुप्रकरणम् । धर्मकीर्त्ति। 'न्यायबिन्दुविस्तर' टीका एवं 'धर्मोत्तर' टीका द्वय सहित तथा विस्तृत टिप्पणी सहित और हिन्दी अंग्रेजी रूपान्तर । सम्पा०-स्वामी द्वारिकादास शास्त्री ७५ ००
४६२७ पञ्चप्पकरण-अट्ठकथा । मूल टीका सहित । डा० महेशतिवारी शास्त्री सम्पा०–पठमो भागो (धातुकथा-पुग्गलपञ्चतिअट्ठकथा) -३७
,, दुतियो भागो (कथावत्थु अट्ठकथा) १० ००
,, तृतियो भागो (यमक पट्ठान अट्ठकथा) १. ००
४६२८ पतिमोक्खसुत्त । (भिक्खु पतिमोक्ख) १०-००
४६२९ पपंचसूदनी नाम अट्ठकथा । सं०–डा०यू० धर्मरत्न । प्रथम भाग ३. ००
द्वितीय भाग २५ ००
४६३० परमत्थजोतिका । (खुद्दक पाट्ठकथा) सं० डा० चन्द्रिका सिंह 'उपासक' २५ ००
४६३१ परमागमसारो । श्रुतमुनि विरचित -५०
४६३२ परमार्थचिन्तन । सिद्धार्थमहाभिनिष्क्रमणम् -००
४६३३ पातञ्जलयोग पर बौद्ध धर्म का प्रभाव । डा० ब्रह्ममित्र अवस्थी १५-००

४६३४ पालिजातकावलि । सम्पा०–पं० बटुकनाथ शर्मा १०–००
४६३५ पालित्तिपिटकसद्दानुक्कमणी । सम्पा०—डा० भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी । १–२ भाग १३६–६०
4636 Pali Tripitka Series: Complete Texts in Devanagari Characters, 14 Vols. Ordinary Edition. 70–00
४६३७ पालि पल्लवनी । व्याख्यात्री–कु० मुकुलरानी त्रिपाठी १०–००
४६३८ पालि प्रवेशिका । डा० कोमलचन्द्र जैन १०–००
४६३९ पालि प्राकृत संग्रह । हिन्दी टीका सहित ६–००
४६४० पालि-महाव्याकरण । भिक्षु जगदीश काश्यप ६०–००, ८०–००
४६४१ पालि व्याकरण । डा० रामअवध पाण्डेय २०–००
४६४२ पालि साहित्य का इतिहास । डा० भिक्षु धर्मरक्षित ६–००
४६४३ पालि साहित्य का इतिहास । राहुल सांकृत्यायन ५–००
४६४४ प्रमाणवार्तिक । धर्मकीर्ति । सम्पा०–स्वामी द्वारिकादास शास्त्री ७५–००
४६४५ पालि रीडर : पालि पाठ-संकलन । सम्पादक—श्री धर्मानन्द कासाम्बी एवं सी० वी० राजवडे १५–००
४६४६ पालिसद्दनिदस्सिका । (पालिशब्दकोश, संस्कृत-हिन्दी अर्थ सहित) सं० स्वामी द्वारिकादास शास्त्री ३०–००
४६४७ पालिभाषा एवं साहित्य । कैलाशनाथ मिश्र ३५–००
४६४८ प्रतिमोक्षसूत्रम् । सं०–नथमल टाटिया ५–००
४६४९ प्रमाणवार्तिकभाष्य कारिकार्धपदसूची । रूपेन्द्रकुमार १०–००
४६५० प्रमाणवार्तिकान्तर्गत स्वार्थानुमान परिच्छेद । आचार्य धर्मकीर्ति विरचित । दलसुख भाई मालवणिया सम्पादित २२–५०
४६५१ प्रमाणवार्त्तिकम्-स्वार्थानुमान-परिच्छेदः । धर्मकीर्ति कृत । स्वोपज्ञ-वृत्ति आंग्लानुवाद सहित । १–५१ कारिका । सं०–एस० मुकर्जी-नागासाकी ४–००
४६५२ बालावतारो (पालि व्याकरण) धर्मकीर्ति प्रणीत । हिन्दी टीका सहित ७–५०, १०–००
४६५३ बुद्धचरितम् । अश्वघोष कृतम् । संस्कृत मूल श्लोक हिन्दी अनुवाद सहित । अनुवादक–महन्त श्रीरामचन्द्रदास शास्त्री । १–२ भाग–२५–००
४६५४ बुद्धवंस अट्ठकथा । संशोधक–डा० पारसपतिनाथ सिंह ३०–६०
4655 Buddhacarita or the Acts of the Buddha. Text with English trans. & notes by E. H Johnston. 120–00
4656 Buddha, His Life His Order, His Doctrine. By Dr. Hermann Oldenherg. 125–00

4657 Buddhism By Monier Williams. 100–00

4658 Buddhist Philosophy in India & Ceylon. By A B. Keith. Shortly

4659 Buddhist Philosophy as Presented in Mimamsa-Sloka-Varttika by Dr. Vijaya Rani. 100–00

4660 Buddhistic Remains of Bihar by A. M. Broadley 100–00

4661 Buddhist Sects in India by Nalinaksha Dutt. 40–00

4662 Buddhist Hybrid Sanskrit Grammar & Dictionary by F. Edgerton. 2 Vols. 200–00

4663 Buddhist Hybrid Sanskrit Dharmapada by N. S. Shukla. 16–00

४६६४ बोधिचर्यावतार। शान्तिदेवविरचित। अनुवादक—शान्तिभिक्षु शास्त्री ३०–००

४६६५ बोधिसत्वभूमिः। डा० नलिनाक्षदत्त संपादित ३२–००

४६६६ बौद्धतर्कभाषा। मोक्षाकर गुप्त कृत। मूल तथा आंग्लानुवाद सहित। डा० वी० एन० सिंह ६५–००

४६६७ बौद्धतर्कभाषा। मोक्षाकर गुप्त विरचित। हिन्दी टीका सहित ६–००

४६६८ बौद्धदर्शन मीमांसा। आचार्य बलदेव उपाध्याय ६०–००

४६६९ बौद्ध तथा अन्य भारतीय योग साधना। सम्पा०—रामशंकर त्रिपाठी ३२–००

४६७० बौद्धधर्म के विकास का इतिहास। डा० गोविन्दचन्द पाण्डेय ३५–००

४६७१ बौद्धधर्म दर्शन। नरेन्द्रदेव ३७–५०

४६७२ बौद्ध न्याय। मूल लेखक—एफ० टी० शर्बाट्स्की। हिन्दी अनुवाद—डा० रामकुमार राय। प्रथम भाग १००–००

४६७३ बौद्ध संस्कृत काव्यसमीक्षा। डा० रामायणप्रसाद द्विवेदी ६८–००

४६७४ बौद्धालङ्कार शास्त्रम्। सुबोधालङ्कारश्च। भाषालङ्कारात्मक। डॉ० ब्रह्ममित्र कृत हिन्दी अनुवाद सहित १५–००

४६७५ भिक्षुणी विनय। सं०—डा० गुस्ताफ़ रोथ ३०–००

4676 Madhyamika Dialectic and the Philosophy of Nagarjuna by T. R. V. Murti. 40–00, 50–00

४६७७ मध्यमकशास्त्र। नागार्जुनकृत। आचार्य चन्द्रकीर्ति विरचित 'प्रसन्नपद' व्याख्या सहित १०–००

४६७८ मध्यमकशास्त्र। नागार्जुनकृत। चन्द्रकीर्ति कृत प्रसन्नपद व्याख्या—आचार्य नरेन्द्रदेव कृत हिन्दी टीका सहित ७०–००

४६७९ मध्यान्तविभागभाष्यम् । डा० नथमल टाटिया संपादित ४–००
४६८० मनोरथपूरणी (अंगुत्तरनिकाय अट्ठकथा) पठमो भाग । सम्पा०– डा० नथमल टाटिया ३५–००
४६८१ महायानसूत्रसंग्रह । सम्पा०-पी० एल० वैद्य । १–२ भाग ३६–००
४६८२ महायान सूत्रालङ्कार । असङ्गविरचित । सम्पा०–एस० वागची २०–००
४६८३ महावंसटीका । (वंसत्थप्पकासिनी) सम्पादक—श्रीधर वासुदेव सोहोनी । बृहद् हिन्दी भूमिकादि से सुसज्जित २८–००
४६८४ मिलिन्दपञ्होपालि । भदन्त नागसेन । सं०–द्वारिकादास शास्त्री ३०–००
4685 Manual of Indian Buddhism By H. Kern. 45–00
4686 A Manual of Buddhism. By R. Spence Hardy. 125–00
4687 Manual of Pali by C. V. Joshi. 12–00
४६८८ रत्नकीर्तिनिबन्धावली । सं०–अनन्तलाल ठक्कुर ११–००
4689 Religion of Buddha and Its relation to Upanisadic Thought by Bahadur Mal. 6–00
४६९० ललितविस्तर । अनुवादक तथा भोटभाषान्तर के आधार पर पाठशोधनात्मक टिप्पणियाँ । अनुवादक—शान्ति भिक्षु शास्त्री ८४–००
4691 Literary History of Sanskrit Buddhism by J. K. Nariman. 75–00
4692 Licchavis of Vaisali. By Dr. Hitnarayan Jha 75–00
४६९३ वज्रच्छेदिका प्रज्ञापारमितासूत्र तथा आचार्य असङ्गकृत त्रिशतिकाकारिकासप्तति । लालमणि जोशी ४५–००
४६९४ वज्रसूची । अश्वघोषकृत । रामनोद्धरण-पाठभेद सहित सटिप्पण 'मणिमयी' हिन्दी व्याख्या सहित । व्या.—डा० रामायणप्रसाद द्विवेदी ८०–००
४६९५ वादन्यायः सम्बन्धपरीक्षा । धर्मकीर्ति । सम्पा०–स्वामी द्वारिकादास ४०–००
४६९६ विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः । अनु०–डा० महेश तिवारी । आचार्य वसुबन्धु विरचित । यह ग्रन्थ विज्ञानवाद का आधार ग्रन्थ है । २५–००
४६९७ विंशतिका विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिद्वय । आचार्य वसुबन्धु । व्याख्याकार, अनुवादक व सम्पा०-थुवतनछोगडुब शास्त्री तथा रमाशंकर त्रिपाठी ३९–२५
4698 Vijnapti-Matrata-Siddhi. Text with English Translation by K. N. Chatterjee. 45–00
४६९९ विमलकीर्तिनिर्देशसूत्र । भोटीय संस्करण, संस्कृत उद्धार एवं हिन्दी अनुवाद सहित । अनु०–भिक्षु प्रासादिक तथा लालमणि जोशी २००–००

४७०० विशुद्धिमग्गो । भदन्त धर्मपालकृत परमार्थमंजूषा महाटीका से युक्त। सम्पा०-डा० खेतधम्म । प्र० भाग ३६-००, द्वि० भाग ३२-०० तृ० भाग २७-००, १-३ भाग सम्पूर्ण ९५-००

४७०१ विशुद्धिमग्गो । सं० द्वारिकादास शास्त्री ६०-००

४७०२ शिक्षा समुच्चय । शान्तिदेव विरचित । सम्पा०-पी० एल० वैद्य १०-००

४७०३ श्रमणविद्या । (रजतजयन्ती विशेषाङ्क) ३२-००

४७०४ श्रावकभूमि । आर्यसंग कृत । सम्पा०-करुणेश शुक्ल ४५-००

४७०५ श्रीबोधिसत्त्वचरितम् । भाषानुवाद सहित । सत्यव्रत शास्त्री १६-००

4706 Saddharma Pundarika. English Translation by H. Kern. 80-00

४७०७ संखित्त पिटकं । विनय पिटके महावग्गो, चुल्लवग्गो, परिवारो च संशोधको डा० नथमल टाटिया । १-२ भाग ६६-५०

४७०८ सद्धमसंगहो । धम्मकीर्ति महासमी कृत । सं०-डा० महेश तिवारी ३-००

४७०९ सद्धर्मपुण्डरीक । अनुवादक—रामगोहन दास १५-७५

४७१० सद्धर्मपुण्डरीकसूत्रम् । सम्पा०-पी० एल० वैद्य १०-००

4711 Sanskrit Buddhist Literature of Nepal by R. L. Mitra. 100-00

४७१२ समाधिराजसूत्र—पी० एल० वैद्य सम्पादित १२-००

४७१३ समान्तपसादिका नाम विनयट्ठकथा । बीरबल शर्मा सम्पादित । १-३ भाग ४५-००

४७१४ सम्मोहविनोदिनी नाम विभंगट्ठकथा । सं०—डा० यू० धर्मरत्न १५-००

४७१५ सारतमाख्या पञ्जिका । (आर्याष्टसाहस्रिकायाः प्रज्ञापारमितायाः) रत्नाकरशान्ति विरचिता । सं०-डा० पद्मनाभ स० जैनी ३०-००

४७१६ सासनवंसो । सं०-डा० सी० एस० उपासक ६-००

४७१७ सुत्तनिपात-अट्ठकथा । सं०—प्रो० अंगराज चौधरी, प्रथम भाग २०-५० द्वितीय भाग ३०-००

४७१८ सुमंगलविलासिनी (दीघनिकाय-अट्ठकथा) । सम्पा०-डा० महेश तिवारी । प्र० भाग १९-५०, द्वि० भाग ३०-००, तृ० भाग ३५-००

4719 Central Philosophy of Buddhism by T. R. V. Murti. 48-10

4720 Social Philosophy of Buddhism. Ed. by Prof Samdhong Rinpoche. 2-00

४७२१ सौगतसिद्धान्तसारसंग्रह । डा० चन्द्रधर शर्मा १५-००

4722 The Story of King Udayana as Gleaned from Sanskrit Pali and Prakrit Sources. by Dr. Niti Adaval. 75-00

४७२३ स्फुटार्था श्रीघनाचारसंग्रह टीका । संघसेन सम्पादित ८-००

4724 History of Buddhism in Gujarat by M. S. Moray. 40-00

४७२५ हिस्ट्री ऐण्ड पालियोग्राफी आफ मौर्यन ब्राह्मी स्क्रिप्ट्स।
डा० सी० एस० उपासक १२-००

जैन-ग्रन्थाः

4726 Antagada Dasao and Anuttarovaiya Dasaos Two Jaine Canons. Translated from Prakrit into English by Dr. Barnett. 50-00

४७२७ अपभ्रंश और हिन्दी में जैन-रहस्यवाद। डा० वासुदेव सिंह १२-००

४७२८ अपभ्रंशकाव्यत्रयी। जिनदत्तसूरि विरचित। जिनपालोपाध्याय कृत वृत्ति सहित २४-००

४७२९ आचार्य हेमचन्द्ररचित देशीनाममाला का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन। शिवमूर्ति शर्मा ६०-००

४७३० आत्ममीमांसा। दलसुख मालवणिया। (हिन्दी) १०-००

४७३१ आत्मानुशासन। गुणभद्रकृत संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १५-००

४७३२ आनन्दघन का रहस्यवाद। साध्वी श्री सुदर्शनाश्री ४०-००

4733 Early History of Orissa by Dr. Amarchand Mittal 40-00

४७३४ उत्तराध्ययन सूत्र : एक परिशीलन। डा० सुदर्शनलाल जैन ४०-००

4735 Concept of Pancasila in Indian thought by Dr. Kamla Jain. 50-00

4736 Cultural Study of the Nisithcurni by Dr. Madhu Sen 60-00

४७३७ कल्पलता विवेकः। अज्ञातकर्तृक। सम्पा०-मुरारीलाल नागर तथा हरिशंकर शास्त्री ३२-००

४७३८ कुन्द-कुन्द प्राभृत संग्रह। हिन्दी अनुवाद सहित। कैलाशचन्द्र शास्त्री २०-००

४७३९ गोम्मटसारः (जीवकाण्ड) नेमिचन्द्राचार्यकृत। कर्णाटक वृत्ति-संस्कृत हिन्दी टीका सहित। प्रथम भाग ३०-००, कर्मकाण्ड ३५-००

४७४० चन्द्रप्रभचरित्र। अमृतलाल शास्त्री कृत। हिन्दी टीका सहित १६-००

४७४१ जातककालीन भारतीय संस्कृति। मोहनलाल महतो वियोगी १९-५०

४७४२ जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज। डा० जगदीशचन्द्र जैन ८०-५०

४७४३ जैन तर्कभाषा। आचार्य यशोविजय। आंग्लानुवाद सहित। दयानन्द भार्गव २०-००

४७४४ जैनदर्शन। डॉ० महेन्द्र कुमार जैन १८-७५

४७४५ जैनदर्शन में आत्म-विचार। डॉ० लालचन्द जैन ५०-००

४७४६ जैनधर्म की ऐतिहासिक रूपरेखा। डा० झिनकू यादव ६०-००

४७४७ जैनधर्म दर्शन । डा० मोहनलाल मेहता ३०-००

४७४८ जैन धर्म में अहिंसा । डा० वशिष्ठनारायण सिन्हा ३०-००

४७४९ जैनन्यायखण्डखाद्य । विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार आचार्य बदरीनाथ शुक्ल १५-००

४७५० जैन प्रतिमाविज्ञान । डा० मारुतिनन्दन प्रसाद तिवारी १२-००

4751 Jaina Monastic Temples of Western India by Dr Harihar Singh 200-00

४७५२ जैन साहित्य का बृहद् इतिहास । १-७ भाग २९०-००

4753 Jaina Temples of Western India by Dr. Harihar Singh 200-00

4754 Jainism in Rajasthan by R. C. Jain. 15-00

४७५५ जैनाचार्यों का अलङ्कारशास्त्र को योगदान । डा०कमलेशकुमार जैन ५०-००

४७५६ ज्ञानार्णवः । शुभचन्द्र विरचित । हिन्दी टीका सहित ३०-०

4757 Doctral Disserations in Jain and Buddhist Studies. Ed. by Dr. Sagar Mal Jain. 40-00

४७५८ तीर्थवंदन संग्रह । ७-००

४७५९ दक्षिणी भारत में जैनधर्म । कैलाशचन्द्र सिद्धान्ताचार्य ७-००

४७६० दसकालियसुत्तं । सटीक । सम्पा०-मुनि पुण्यविजय ३०-००

4761 Digambara Jain Iconography by James Burgess. 60-00

४७६२ द्व्याश्रम महाकाव्यम् । हेमचन्दसूरिकृत । अभयतिलकगणि विरचित व्याख्या सहित । १-१० सर्ग, एक जिल्द में ६०-००

४७६३ धर्मरत्नाकरः । जयसेन विरचित । हिन्दी टीका सहित २०-००

४७६४ नीतिवाक्यामृत । हिन्दी टीका सहित २५-००

४७६५ न्यायावतारः । सिद्धर्षिगणिकी संस्कृत टीका का हिन्दी भाषानुवाद ६-००

४७६६ पद्मनन्दीपञ्चविंशतिः । अज्ञातकर्तृक । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित २०-००

४७६७ परमात्मप्रकाश-योगसार । योगेन्दुदेवकृत । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १८-००

४७६८ पार्श्वाभ्युदयम् । सं० मो० गो० कोठारी १०-००

4769 Political History of Northern India from Jain Sources by Dr. Gulab Chandra Choudhary. 80-00

४७७० पुण्यास्त्रवकथाकोशम् । श्री रामचन्द्रमुमुक्षु । हिन्दी अनुवाद सहित । अनु०-पं० बालचन्द्र सिद्धान्तशास्त्री २०-००

४७७१ पुहइ चंद चरिय । शान्तिसूरिविरचित । सं०-मुनि श्रीरमणीकविजय ३०-००

4772 Pramana Mimansa. With English Trans. & Notes by S. Mukherji. 30-00

४७७३ प्रमाप्रमेय । ७–००
४७७४ प्रमेयकण्ठिका । शान्तिवर्णीकृत । डा० गोकुलचन्द्र जैन सम्पादित ३–००
४७७५ प्रमेयरत्नमाला । हीरालाल शास्त्री जैन । विशेष थं सहित भाषानुवाद ७५–००
४७७६ प्रवचनसार । कुन्दकुन्दाचार्यकृत । अमृतचन्द्राचार्य–जयसेनाचार्यविरचित संस्कृत व्याख्याद्वय-बालावबोध हिन्दी टीका, आंग्लानुवाद सहित १५–००
४७७७ प्रशमरतिप्रकरणम् । उमास्वामिविरचित । हरिभद्रसूरि कृत संस्कृत व्याख्या—राजकुमार शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित ६–००
४७७८ प्राकृत ग्रामर । हिन्दी । १५–००
४७७९ बौद्ध और जैन आगमों में नारी जीवन । कोमलचन्द्र जैन ३०–००
४७८० बृहद्द्रव्यसंग्रहः । नेमिचन्द्र सिद्धान्तिदेव विरचित । ब्रह्मदेव कृत वृत्ति-जवाहर शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित १२–५०
४७८१ भगवती आराधना । आचार्य शिवार्य । 'विजयोदया' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । १–२ भाग ४५–००
४७८२ भट्टारक–सम्प्रदाय । वी० पी० जोहरापुरकर सम्पादित १०–००
४७८३ भविसयत्तकहा । धनपाल विरचित ३६–००
४७८४ महाकवि हाल और गाथासतसई । हरिराम आचार्य ६५–००
४७८५ मूलशुद्धि प्रकरण । सं०-पं० अमृतलाल मोहनलाल । प्रथम भाग २०–००
४७८६ यशस्तिलक का सांस्कृतिक अध्ययन । डॉ० गोकुलचन्द्र जैन ३०–००
4787 Yasastilaka & Indian Culture or Somadeva's Yasastilaka and Aspects of Jainism and Indian thought & culture in the 10th century by K. K. Handistri. 25-00
४७८८ रईधू ग्रन्थावली । (पासणाह चरिउ) । प्रथम भाग २०–००
४७८९ रत्नाकरावतारिकाद्यश्लोक शातार्थी । जिनमाणिक्य गणि कृत १०–००
4790 Literary Evolution of Paumacariyam by Dr. K. R. Chandra. 10-00
४७९१ लोकविभागः । सिंह सूरर्षि कृत । हिन्दी टीका सहित १५–००
४७९२ वज्जालग्गम् । रत्नदेव कृत संस्कृत वृत्ति सहित २१–००
४७९३ वज्जालग्गम् । हिन्दी अनुवादक—विश्वनाथ पाठक ६०–००, ८०–००
४७९४ वर्द्धमानचरित्रम् । असङ्ग कृत । हिन्दी टीका सहित १२–००
४७९५ विश्वतत्त्वप्रकाशः । भावसेन-त्रैविधकृत । हिन्दी टीका सहित १५–००
४७९६ शान्तिनाथपुराणम् । असङ्ग विरचित । हिन्दी टीका सहित १५–००
४७९७ शास्त्रवार्ता समुच्चय और उसकी व्याख्या । स्यादवाद कल्पलता का हिन्दी विवेचन (स्तवक १) । आ बदरीनाथ शुक्ल २५–००
४७९८ श्रावकाचार संग्रह । हिन्दी टीका सहित । १–४ भाग १०५–००

४७९९ समणसुत्तं (श्रमणसूत्रम्)। अनु०-पं०कैलाशचन्द्रजी शास्त्री २०-००,१६-००
4800 Sarvastivada Literature by A. C. Banerjee. 70-00
४८०१ सिद्धान्तसारसंग्रहः। नरेन्द्रसेनाचार्यकृत। हिन्दी टीका सहित १५-००
४८०२ सुभाषितरत्नसंदोह। अमितगतिविरचित। हिन्दी टीका सहित २०-००
४८०३ सूयगंडसुत्तं। भद्रबाहुनिरुक्ति सहित। सं०-मुनि पुण्यविजय ३०-००
४८०४ स्याद्वादमञ्जरी। मल्लिषेणनिर्मिता। श्रीमदार्हतधुरन्धर श्रीसिद्धि-हेमचन्द्रनिर्मितवीतरागस्तुतिव्याख्या सम्पूर्णा समाप्त
४८०५ स्याद्वादमञ्जरी। मल्लिषेणसूरिप्रणीत संस्कृत टीका। डॉ० जगदीशचन्द्र जैन कृत हिन्दी टीका सहित २१-००
४८०६ स्वामिकार्तिकेयानुप्रेक्षा। स्वामिकार्त्तिकेय। संस्कृत हिन्दी टीका सहित १९-००
४८०७ हेमचन्द्राचार्य जीवनचरित्र। अनु०-कस्तूरमल बाँठिया १५-००

स्तोत्र-माहात्म्य-व्रत-ग्रन्थाः

४८०८ अन्नपूर्णाव्रतकथा। भा० टी० सहित २-००
४८०९ अन्नपूर्णास्तोत्रम्। लक्ष्मीलहरी सहित ०-२५
४८१० अपराजितास्तोत्रम्। १-००
४८११ अष्टोत्तरशतनाममालिका। सम्पादक—युधिष्ठिर मीमांसक ६-००
४८१२ आत्मार्पणस्तुतिः। अप्पयदीक्षित विरचित। श्रीशङ्करनारायणकृत 'भावलेशप्रकाश' टीका सहित। 'चन्द्रिका' हिन्दी भाषान्तर विभूषित। सम्पादक तथा भाषान्तरकार-डा० कामेश्वरनाथ मिश्र ४०-००
४८१३ आदित्यहृदयस्तोत्रम्। नवग्रहस्तोत्र सहित १-००
४८१४ आलवन्दारस्तोत्रम्। ०-२५
४८१५ आषाढ़ माहात्म्य। भाषा १०-००
४८१६ ऋणमोचनमङ्गलस्तोत्रम्। ०-२५
४८१७ ऋषिपञ्चमीव्रतकथा। भा० टी० सहित २-००
४८१८ एकलिङ्गमाहात्म्यम्। एकलिङ्ग मन्दिर का स्थल पुराण एवं मेवाड़ के राजवंश का इतिहास। सम्पा०-डा० कु० प्रेमलता शर्मा २०-००
४८१९ एकादशीमाहात्म्यम्। 'सरला' हिन्दी टीका। रफ १०-००, ग्लेज १२-००
४८२० ककारादिकालीनामसहस्रम्। सं० पुण्यशील शर्मा ३-००
४८२१ कनकधारा लक्ष्मीस्तवराजस्तोत्रम्। धनदा, लक्ष्मी, सिद्धलक्ष्मीस्तोत्र, श्रीसूक्तादि सहित। 'शिवदत्ती' हिन्दी टीका सहित २-००
४८२२ कनकधारास्तोत्रम्। श्रीसूक्त-लक्ष्मीसूक्त सहित। हिन्दी व्याख्या १-५०
४८२३ कालभैरवाष्टकम्। -तीक्ष्णदंष्ट्रकालभैरवाष्टक, दण्डपाण्यष्टक १-००
४८२४ कालीकवचम्। काली-तारा-ध्यान सहित ०-२५

४८२५ कार्तिकमाहात्म्यम् । (कार्तिकव्रतोद्यापनम्, आकाशदीपव्रतोद्यापनं तुलसीव्रतोद्यापनम्, संक्षिप्त व्रतोद्यापनम्, एकादशी व्रतनिर्णयश्च 'शङ्करी' हिन्दी व्याख्या विभूषितम् । सं०-पं० रामचन्द्र झा ८–००

४८२६ कार्तिकव्रतोद्यापनपद्धतिः । 'आशुबोधिनी' नामक टिप्पणी समलङ्कृता । सं०-पं० सुबोध मिश्र १–५०

४८२७ कालभैरवाष्टकम् । प्रत्यक्षफलोपयोगी १–००

४८२८ श्रीरामसहस्रनामस्तोत्रम् । (महारामायणोक्त) सं०-प्रदीप झा 'सुमन' ०–७५

४८२९ श्रीकृष्णजन्माष्टमीव्रतकथा । भा० टी० सहित १–५०

४८३० खण्डप्रशस्तिः । (दशावतार स्तोत्र) हनुमत्कविविरचिता । सटीक ७–००

४८३१ गङ्गालहरी । मूलमात्र ०–२५

४८३२ गङ्गालहरी । पीयूषलहरी व्याख्या सहित ३–००

४८३३ गङ्गालहरी । 'निर्मला' नामक भाषा टीका सहित १–००

४८३४ गणपतिस्तोत्र-संग्रह । वेणीराम शर्मा गौड़ ४–००

४८३५ गणेशमहिम्नस्तोत्रम् । पुष्पदन्त विरचित ०–१०

४८३६ गयामाहात्म्यम् । भा० टी० सहित ६–००

४८३७ गायत्रीरामायणम् । ०–१०

४८३८ गायत्रीसहस्रनाम । हिन्दी टीका सहित । डॉ० चमनलाल गौतम २–००

४८३९ गायत्रीस्तोत्रम् । डॉ० चमनलाल गौतम ४–५०

४८४० गोपालसहस्रनामस्तोत्रम् । (नामावली) २–००

४८४१ गोविन्ददामोदरस्तोत्रम् । (श्रीरामरघुनन्दनस्तोत्र सहित) भावार्थसन्दीपिनी 'प्रदीप' हिन्दी व्याख्योपेतम् । व्या०—श्री प्रदीप झा 'सुमन' १–५०

४८४२ चर्पटमञ्जरी । श्रीमदाद्यशंकराचार्य विरचिता । 'प्रदीप' हिन्दी टीका सहित । टीकाकार-श्री प्रदीप झा 'सुमन' ०–७५

४८४३ चान्द्रायणव्रतकथा । भा० टी० सहित । पं०यायुनन्दन मिश्र १–५०

४८४४ जीवितपुत्रिकाव्रतकथा । व्रतनिर्णय-पूजनविधि सहित । 'जयन्ती'-हिन्दी व्याख्योपेतम् । सम्पादक—आचार्य पं० शिवदत्त मिश्र १–५०

४८४५ तुलसीपूजापद्धतिः । ०–२५

४८४६ त्रिपुरामहिमास्तोत्रम् । दुर्वासा कृत । हिन्दी टीका सहित ३–००

४८४७ त्रिलोकीनाथव्रतकथा । भा. टी. सहित । पं० पारसनाथ पाण्डेय २–५०

४८४८ दकारादिदुर्गासहस्रनामस्तोत्रम् । कुलार्णवतन्त्रोक्तम् । दुर्गाद्वात्रिंशन्नाममाला सहित,दुर्गाऽष्टोत्तर शतनाम नामावली विभूषित । सम्पा०-आचार्य मधुसूदन मिश्र १–५०

४८४९ दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम् । ०–१०

४८५० दुर्गाकवचम् (अर्गलाकीलकस्तोत्रसहितम्) । 'जयमङ्गला' हिन्दी व्याख्या सहित । व्या०—पं० दिवाकर मिश्र २–००

४८५१ दुर्गाकवचम् । अर्गला-कीलक सहित समाप्त

४८५२ दुर्गा चालीसा । (देवीसूक्त, सप्तश्लोकी दुर्गा, देव्यपराधक्षमापनस्तोत्र आरती आदि सहित) । सम्पादक—आचार्य पं० शिवदत्त मिश्र ०—७५

४८५३ देवीपुष्पाञ्जलिः । रामकृष्ण विरचित । रामसहायकृत व्याख्या सहित १—००

४८५४ देवीपुष्पाञ्जलिस्तोत्रम् । शङ्कराचार्यकृत ०—२५

४८५५ नर्मदाष्टकस्तोत्रम् । ०—१०

४८५६ नेपालमाहात्म्यम् । (स्कन्दपुराणान्तर्गतम्) सपरिशिष्ट 'पार्वती' हिन्दी व्याख्योपेतम् । व्याख्याकार–पं० श्री केदारनाथ शर्मा । प्राक्कथन-शास्त्ररत्नाकर पद्मभूषण पण्डितराज श्रीराजेश्वर शास्त्री द्रविड़ । उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत २०—००

४८५७ पादुकासहस्रम् । वेङ्कटरङ्गनाथदेशिकप्रणीत । श्रीनिवासकृत परीक्षाभिधया टीका सहित । सम्पा०—पं० केदारनाथ वासुदेव लक्ष्मण शास्त्री पणशीकर ६०—००

४८५८ पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम् । 'शिवदत्ती' हिन्दी टीका । टीका०—पं० शिवदत्त मिश्र २५—००

४८५९ पुष्टिमार्गीयस्तोत्ररत्नाकरः । ११७ स्तोत्रात्मक । सं०-पं० हरिशंकर शास्त्री । परिवर्धित संस्करण ५—००

४८६० पौषमास माहात्म्य । भाषा ८—००

४८६१ प्रदोषव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित । पं० शिवदत्त मिश्र ३—००

४८६२ फाल्गुन माहात्म्य । भाषा १०—००

४८६३ बटसावित्रीव्रतकथा । भा० टी० सहित २—४०

४८६४ बटुकभैरवस्तोत्रम् । अनुष्ठानविधि सहित ०—७५

४८६५ बृहत्स्तोत्ररत्नाकरः । सम्पादक-पं० शिवराम शर्मा (२९१ स्तोत्रों का संग्रह) २०—००

४८६६ बृहत्स्तोत्ररत्नाकरः । (स्तोत्र सं०४४२) । सम्पा-पं० शिवदत्त मिश्र २८—००

४८६७ बृहत्स्तोत्ररत्नाकरः । (सचित्र) (१८२ स्तोत्र संख्या) १५—००

४८६८ बृहत्स्तोत्ररत्नावली । प्रथम भाग १८—००

४८६९ भारतीय व्रतोत्सव । आचार्य पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी १५—००

४८७० भुवनेश्वरीमहास्तोत्रम् । पृथ्वीधराचार्य विरचित । पद्मनाभकृत बालप्रबोधिनी सद्युक्तिदीपिका वृत्ति सहित ३—७५

४८७१ मंगलागौरीव्रतकथा । पं० दौलतराम गौड़ २—४०

४८७२ महाविद्यास्तोत्रम् । सम्पा०-उमेशकुमार शर्मा गौड़ १—००

४८७३ महालक्ष्मीस्तोत्रम् । महालक्ष्म्यष्टक—अम्बाष्टकद्वयोपेत यन्त्रस्थ

४८७४	महाविद्यास्तोत्रम् ।	समाप्त
४८७५	महिम्नस्तोत्रम् । शिवताण्डवस्तोत्रञ्च । मूल	०–५०
४८७६	महिम्नस्तोत्रम् । पुष्पदन्ताचार्यकृत । मधुसूदनी नारायणपति शर्मा त्रिपाठी कृत पाँच अन्य टीका । 'शक्तिमहिम्नस्तोत्र' सहित	३०–००
४८७७	महिम्नस्तोत्रम् । मधुसूदनी संस्कृत टीका सहित	३–००
४८७८	महिम्नस्तोत्रम् । इन्दु नामक भाषा टीका सहित	१–००
४८७९	माघमास-माहात्म्यम् । भा० टी० सहित	१५–००
४८८०	माघमास-माहात्म्य । भाषा । पं० जगन्नाथ	६–००
४८८१	मृतसञ्जीविनीजपविधि महामृत्युञ्जयजपस्तोत्रादि युत	०–७५
४८८२	मृत्युञ्जयमानसिकपूजनम् ।	समाप्त
४८८३	श्रीयमुनासहस्त्रनामस्तोत्रम् । श्रीयमुनापञ्चाङ्गसहित 'प्रदीप' हिन्दी व्याख्या सहित । व्या०—पं० रामचन्द्र झा	४–००
४८८४	रामनामसहस्रनामस्तोत्रम् । (महारामायणोक्तं) सं०—श्री प्रदीप झा	०–७५
४८८५	रामरक्षास्तोत्रम् । 'शिवदत्ती' हिन्दी टीका सहित । सम्पा०-पं० शिवदत्त मिश्र शास्त्री	२–००
४८८६	रामरक्षास्तोत्रम् ।	०–२५
४८८७	रामार्चामाहात्म्य । भा० टी० सहित	६–००
४८८८	श्रीललितासहस्रनाम । सविधि	२०–००
४८८९	ललितासहस्रनाम (ब्रह्मपुराणान्तर्गत) । नामावली	५–००
४८९०	लक्ष्मीपूजा व्रतकथा । भा० टी० सहित	१–५०
४८९१	विपरीतप्रत्यङ्गिरास्तोत्र । हिन्दी टीका सहित	२–००
४८९२	विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।	०–७५
४८९३	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र । केदारनाथीय विवृत्ति सहितम् । विवृतिकार-श्री केदारनाथ जैतली	१६–००
४८९४	वैशाखमास-माहात्म्य । भा० टी० सहित	१५–००
४८९५	वैशाखमास-माहात्म्य । भाषा । पं० जगन्नाथ	८–००
४८९६	शनिस्तोत्रम् । शङ्कराचार्यकृत कृष्णाष्टकयुत	०–२५
४८९७	शिव-चालीसा । विश्वनाथाष्टक, शिवप्रातःस्मरण, रुद्राष्टकादि सहित	०–७५
४८९८	शिवताण्डवस्तोत्रम् । 'सर्वमङ्गला' भाषा टीका सहित	यन्त्रस्थ
४८९९	शिवमहिम्नस्तोत्रम् । आचार्य मधुसूदन प्रणीत 'मधुसूदनी तथा नारायणपति त्रिपाठी कृत 'पञ्चमुखी' टीका सहित	२०–००
४९००	हिन्दी शिवमहिम्नस्तोत्र । हिन्दी पद्यानुवाद सहित	१–५०
४९०१	शिवरात्रि व्रतकथा । भा० टी० सहित	२–५०

४९०२ शिवसहस्रनामस्तोत्रम् । (नामावली) सम्पा०—वेणीराम गौड़ २–००

४९०३ शिवस्तोत्रम् । शिवकवच-शिवमानसपूजा-शिवमहिम्न-शिवापराध-क्षमापनस्तोत्र सहित यन्त्रस्थ

४९०४ शीतलाष्टकम् । ०–०५

४९०५ श्रावणमास-माहात्म्य । भा० टी० सहित १५–००

४९०६ श्री गोविन्दगीतिः । सम्पा०—केदारनाथ मिश्र १०–००

४९०७ श्रीतरणिस्तोत्रम् । हरिनाथ झा । सं०-रेवतीकान्त झा १–००

४९०८ श्रीलक्ष्मीनारायणहृदयम् । नारायणाष्टोत्तरशतनामस्तोत्र १–००

४९०९ श्रीलक्ष्म्यष्टोतरशतनामस्तोत्रम् । श्यामलादण्डक श्यामलानवरत्न मालिका । श्री वेङ्कटेश्वराष्टोत्तरशतनामस्तोत्रञ्च १–००

४९१० श्रीवल्लभनामस्तोत्रम् । नामावली सहित । गो० श्रीरमणलालजी विरचित ०–५०

४९११ श्रीवैद्यनाथरहस्यम् । हरिनाथ झा । सं० रेवतीकान्त झा ४–००

४९१२ श्रीशिवकर्णामृतस्तोत्रम् । सम्पादक—पं० जगन्नाथ शर्मा २–००

४९१३ श्रीशिवस्तोत्रावली । श्रीमदुत्पलदेवाचार्य विरचित । श्रीक्षेमराजाचार्य निर्मित विवृत्ति समेत । काश्मीरी स्वामी श्री राजानक लक्ष्मण कृत हिन्दी टीका सहित ७५–००

४९१४ श्रीहरिगुरुस्तवमाला । श्री वेंकटेशकल्याणचरितञ्च । वीर राघवाचार्य विरचित । ६–००

४९१५ श्रीहरिरहस्ययाचनस्तोत्रम् । रघुवीराचार्यविरचित । संस्कृत, हिन्दी, गुजराती व्याख्या सहित । सम्पा० —हरिप्रकाश शास्त्री ५–००

४९१६ संकट गणेशचतुर्थी व्रतकथा । (सम्पूर्ण) भाषा । सं०पं०शिवदत्तमिश्र १२–००

४९१७ सत्यनारायणव्रतकथा । 'विष्णुप्रिया' हिन्दी टीका सहित २–००

४९१८ सत्यनारायणव्रतकथा (सप्ताध्यायी) । 'लगना' हिन्दी टीका सहित । टीकाकार—म० म० पं० गोपाल शास्त्री 'दर्शनकेशरी' ५–००

४९१९ सन्तानगोपालस्तोत्रम् । ०–२५

४९२० सन्तोषीव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित १–२५

४९२१ सिद्धसरस्वतीस्तोत्रम् । (गणेशस्तवराजस्तोत्रम्, सरस्वतीस्तोत्रम्, सरस्वत्यष्टकम्, सरस्वतीकवचम्, देव्यपराधक्षमापनस्तोत्रम्) ०–५०

४९२२ सुदर्शनकवचम् । श्रीमद्वल्लभाचार्यचरण विरचितम् ०–३०

४९२३ श्रीसुभगोदयस्तुतिः । गौडपादाचार्य विरचित । हिन्दी परिशीलन सहित । सम्पा०—डॉ० रुद्रदेव त्रिपाठी ३–००

४९२४ सूर्यादिद्वादशस्तवीस्तोत्रम्—अन्नपूर्णादिस्तोत्र सहित समाप्त

४९२५ सोमवती व्रतकथा। भा० टी० सहित २–५०
४९२६ स्तोत्रवल्लरी। रघुनाथ शर्मा विरचित ३–५०
४९२७ स्तोत्र समुच्चयः। के० परमेश्वर ऐयल सम्पादित। १–२ भाग। ५०–००
४९२८ हरतालिका व्रतकथा। भा० टी० सहित २–००
४९२९ हमारे त्योहार। डॉ० ब्रजमोहन ६–००

प्रकीर्ण-ग्रन्थाः

४९३० अर्पण। डॉ० सर्वानन्द पाठक १–५०
४९३१ काशी-दर्शन। १–००
४९३२ तुलसीकृत रामायण सुन्दरकाण्ड। विजयश्री भाषा टीका ४–००
४९३३ दिव्य जीवन-दर्शन। श्री पथिक २–००
४९३४ नागरिकशास्त्र। (सचित्र) प्रो० हनुमानप्रसाद शर्मा २–००
४९३५ पथचिह्न। श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी ५–००
४९३६ प्रारम्भिक भूगोल। (सचित्र) प्रथमा परीक्षापाठ्य, सर्वोत्तम संस्करण ८–००
४९३७ ब्रज और ब्रजयात्रा। सम्पादक-सेठ गोविन्ददास १६–००
४९३८ भक्त-ध्रुव। हर्षवर्द्धन शुक्ल ०–६५
४९३९ Hindu Law on Marriage (विवाह संविधाने हिन्दू धर्मशास्त्राभिप्रायः)। दीवान बहादुर आर० रघुनाथ राव २५–००
४९४० भारत का भूगोल। (सचित्र)। प्रो० रामस्वरूप १–५०
४९४१ भारतीय इतिहास। (सचित्र)। प्रो० रामस्वरूप २–००
४९४२ भारतीय इतिहास की रूपरेखा। डॉ० बलराम श्रीवास्तव (वाराणसी की प्रथमा परीक्षा पाठ्य स्वीकृत) १२–००
४९४३ महारास। नरेशचन्द्र मिश्र 'भञ्जन' १२–००
४९४४ महावीर वर्धमान। डा०जगदीशचन्द्र जैन। अजिल्द ०–७५, सजिल्द १–२५
४९४५ मानव-जीवन। पाण्डेय रामावतार ४–००
४९४६ राष्ट्रभारती। श्री कमलापति त्रिपाठी। वाराणसी की प्रथमा परीक्षा में पाठ्य स्वीकृत ३–५०
४९४७ रासलीला : एक परिचय। सं०-सेठ गोविन्ददास, रामनारायण अग्रवाल १२–००
४९४८ वंदनीय भारतीय। व्यथित हृदय ०–८५
४९४९ वरदपुत्र। व्यथित हृदय २–२५
४९५० विरही भरत (नाटक)। 'सती मन्थरा' प्रहसन सहित १–५०
४९५१ विश्लेषणात्मक मनोविज्ञान। अरविन्द वड़ावडा ४–००
४९५२ शरतचन्द्र। श्रीमती लावण्यप्रभा राय २–००

४९५३ शिक्षामयी कहानियाँ। लक्ष्मीनारायण उपाध्याय २–००
४९५४ संस्कृत काव्य कथाएँ। श्री बच्चा पाण्डेय शर्मा। बाल्मीकि से लेकर बिल्हण तथा भट्टि तक का ज्ञान कराना पुस्तक का मुख्य उद्देश्य है। ३–५०
४९५५ संस्कृत की नाट्यकथाएँ। प्रो० कान्तानाथ पाण्डेय। इसमें महाकवि भास, शूद्रक, कालिदास, श्रीहर्ष, भवभूति, विशाखदत्त, भट्टनारायण क्षेमीश्वर, कृष्णमिश्र तथा महाकवि जयदेव, दस नाटककारों की नाट्यकृति का संक्षिप्त समीक्षात्मक परिचय दिया गया है। ५–००
४९५६ संक्षिप्त सामाजिक ज्ञान। श्री जगदीशसहाय विसारिया। (वाराणसी की प्रथमा परीक्षा पाठ्य स्वीकृत) ७–००
४९५७ सतरंगी कहानियाँ। पं० रामबालक शास्त्री १–००
४९५८ सदाचार-सोपान। पं० रामबालक शास्त्री २–००
४९५९ सर्वलक्षणसंग्रह। पदार्थलक्षणकोशः। स्वामी गौरीशंकर भिक्षु १३–००
४९६० सुनो कहानी। (सचित्र) उदयन १–४०
४९६१ हिन्दी निबन्धादर्श। आचार्य रमाशंकर पाण्डेय। पूर्वार्द्ध ३–५०
४९६२ हिन्दी पाठशाला। ०–३०

आचार्य बलदेव उपाध्याय साहित्य

४९६३ पुराणविमर्श। ८०–००
४९६४ बौद्धदर्शन मीमांसा। ६०–००
४९६५ भारतीय धर्म और दर्शन। ३५–००
४९६६ भारतीय दर्शन। ६०–००
४९६७ महाकवि भास : एक अध्ययन। १५–००
४९६८ वैदिक साहित्य और संस्कृति। ४५–००
४९६९ वैष्णव सम्प्रदायों का साहित्य और सिद्धान्त। ४०–००
४९७० संस्कृत वाङ्मय। ३५–००
४९७१ संस्कृत शास्त्रों का इतिहास। ६०–००
४९७२ संस्कृत साहित्य का इतिहास। ४५–००
४९७३ संस्कृत सुकविसमीक्षा। ८० ००
४९७४ सूक्तिमञ्जरी। २५–००

नवनालन्दा महाविहार के प्रकाशन

४९७५ इतिवुत्तकं अट्ठकथा (परमत्थदीपनी)। सं०–डा० नथमल टाटिया ३०–००
४९७६ थेरगाथा अट्ठकथा (परमत्थदीपनी)। सं०–डा० नथमल टाटिया। १–२ भाग ७०–००

४९७७ धम्मपद-अट्ठकथा। सं०–डा० सी० एस० उपासक। १–२ भाग ४२–५०

४९७८ नवनालन्दा महाविहार रिसर्च पब्लिकेशन। सम्पादक—एस० मुखर्जी। १–२ भाग ३०–००

४९७९ नवनालन्दा महाविहार रिसर्च पब्लिकेशन। सं०-डा० सी० एस० उपासक। चतुर्थ भाग २५-००

४९८० पच्चप्पकरण-अट्ठकथा। सम्पादक—डा० महेश तिवारी। मूल टीका सहित
पठमो भागो (धातुकथा-पुग्गल-पञ्ञत्ति-अट्ठकथा) ८–३७
दुतियो भागो (कथावत्थु अट्ठकथा) १०–००
ततियो भागो (यमक-पट्ठान अट्ठकथा) १०–००

४९८१ पपञ्चसूदनी नाम अट्ठकथा। सं०-डा० यू० धर्मरत्न। १–२ भागो ५५–००

४९८२ परमत्थजोतिका। (खुद्दक पाठट्ठकथा) सं०–डा० चन्द्रिका सिंह 'उपासक' २५–००

४९८३ प्रमाणवार्तिकम्। धर्मकीर्ति। आंग्लानुवाद सहित। १-५१ कारिकापर्यन्त दुतियो भागो। एस० मुखर्जी ४–००

४९८४ बुद्धवंस अट्ठकथा। संशोधक डा० पारसपतिनाथ सिंह ३०–००

४९८५ मनोरथपूरणी अंगुत्तरनिकाय अट्ठकथा। पठमो भागो। सं०–डा० नथमल टाटिया ३५–००

४९८६ महावंसटीका (वंसत्थप्पकासनी)। सम्पादक – श्रीधर वासुदेव सोहोनी (बृहद् भूमिकादि से सुसज्जित) २० ००

४९८७ संखित्त-पिटकं। विनयपिटके महावग्गो, चुल्लवग्गो, परिवारो, पाराजिककण्डो, पाचित्तियकण्डो। सं०-डा०नथमल टाटिया। १-२भाग ६६–५०

४९८८ सद्धम्मसंगहो। सम्पादक—डा० महेश तिवारी ३–००

४९८९ समन्तपासादिका नाम विनयट्ठकथा। सम्पादक–श्री बीरबल शर्मा
प्रत्येक भाग का मूल्य १५–००, सम्पूर्ण १–३ भाग ४५–००

४९९० सम्मोहविनोदिनी नाम विभंगट्ठकथा। सम्पा०-डॉ० यू०धर्मरत्न १५–००

४९९१ सासनवंसो। सम्पादक—डा० सी० एस० उपासक ६–००

४९९२ सुत्तनिपात-अट्ठकथा। सं०–अंगराज चोधरी। १–२ भाग ५०–५०

४९९३ सुमंगलविलासिनी (दीघनिकाय अट्ठकथा)। सं -महेश तिवारी। १–३ भाग ८४–५०

४९९४ हिस्ट्री ऐण्ड पालियोग्राफी आफ मोर्यन ब्राह्मी स्क्रिप्ट्स। लेखक-डा० सी० एस० उपासक १२–००

4995 Nalanda : Past and Present. Silver Jubilee Souvenir. Editor. C S. Upasak. 30–00

स्वामी अखण्डानन्द-साहित्य

4996	Ideal and Truth	5–25
४९९७	अपरोक्षानुभूतिप्रवचन ।	समाप्त
४९९८	आत्मबोध ।	३–००
५०९९	आनन्दवाणी । सातवाँ भाग	१–५०
५०००	ईशावास्य-प्रवचन ।	४–००
५००१	कठोपनिषद् प्रवचन । प्रथम भाग ९–००, द्वितीय भाग	१२–००
५००२	कपिलोपदेश ।	३–७५
५००३	कर्मयोग ।	६–००
५००४	गीतादर्शन । १–७ भाग	३६–५०
५००५	गोपीगीत ।	१०–००
५००६	गोपियों के पाँच प्रेम गीत ।	०–४०
5007	Glimpses of Life Divine.	1–50
५००८	ज्ञान निर्झर ।	१–५०
५००९	ज्ञान-विज्ञान-योग ।	६–००
५०१०	ध्यानयोग ।	६-००
५०११	नारदभक्तिदर्शन ।	९–००
५०१२	पद्माम्बा स्तुति-कुसुमाञ्जलि । पं० रघुनाथ शर्मा विरचित	०–७५
५०१३	ब्रह्मज्ञान और उनकी साधना ।	९–७५
५०१४	ब्रह्मसूत्र-प्रवचन । १–३ भाग	३०–००
५०१५	भक्तियोग ।	८–००
५०१६	भक्ति सर्वस्व ।	१०–००
५०१७	भागवत-विचार-दोहन ।	३-००
५०१८	भागवत दर्शन । १–२ भाग	२००–००
५०१९	भागवतामृत ।	१५–००
५०२०	महाराज श्री । (एक परिचय)	३–००
५०२१	माण्डूक्य-प्रवचन । (आगम प्रकरण)	समाप्त
५०२२	माण्डूक्य-प्रवचन । (वैतथ्य प्रकरण)	१२–००
५०२३	माण्डूक्य-प्रवचन । (अद्वैत-प्रकरण)	४ ५०
५०२४	माधुर्य मञ्जूषा ।	३–००
५०२५	माधुर्य मयंक । सनातनदेवजी	३–००
५०२६	माधुर्य-लहरी । सनातनदेवजी	२–००
५०२७	मानव-जीवन और भागवत-धर्म	८–००

५०२८ मुण्डक-सुधा। ३–७५
५०२९ राम-शताब्दी-स्मृति। २०–००
५०३० विभूतियोग। ६–००
५०३१ विवेक कीजिए। १–२ भाग १४–५०
५०३२ वेणुगीत। ४–००
५०३३ व्यवहार और परमार्थ। ३–७५
५०३४ श्री पुरुषोत्तम योग। ५–००
५०३५ श्रीभक्तिरसायनम्। संस्कृत १२–००
५०३६ श्रीभक्तिरसायन-प्रथा। संस्कृत ३–००
५०३७ श्रीमद्भागवत-रहस्य ३–७५
५०३८ सांख्ययोग ९–७५
५०३९ साधना और ब्रह्मानुभूति। ५–२५
५०४० स्पन्दन तत्व। ०–४५

Publications of PRITHIVI PRAKASHAN and Others

5041 Evolution of The Hindu Temple and other Essays by Dr. V. S. Agrawala. 55–00
5042 Vision in Long Darkness by Dr. V. S. Agrawala. 200–00
5043 India as described by Manu by Dr. V. S. Agrawala. 25–00
5044 The Deeds of Harsha by Dr. V. S. Agrawala. 200–00
5045 Ancient India Folk Cults by Dr. V. S. Agrawala. 50–00
5046 Prachina Bharatiya Loka Dharm (in Hindi) by Dr. V. S. Agrawala 15–00
5047 The Song Celestial (Gita's Trans. By Arnold) Ed. by Dr. V. S. Agrawala. 10–00
5048 Brahma Vinaya of Madhusudan Ojha. Ed. By Dr. V. S. Agrawala. 20–00
५०४९ भारतीय कला। वासुदेवशरण अग्रवाल। सं०–डॉ० पृथ्वीकुमार अग्रवाल। १९७७ १००–००
5050 Aesthetic Principles of Indian Art by P. K. Agrawala. 80–00
5051 Akhanda Bharata Men Sanskriti ka Ushakala (अखण्ड भारत में संस्कृति का ऊषाकाल) by H. D. Sankalia. 24–00
5052 Ancient Indian Textile Designs. Part I. By Jai Shankar Mishra. Edited by P. K. Agrawala. 100–00

5053 On the Sadanga Canons of Painting by P. K. Agrawala 80–00
५०५४ इतिहास दर्शन । वासुदेवशरण अग्रवाल ४५–००
5055 Chakradhvaja : The Wheel-Flag of India by V. S. Agrawala. 120–00
5056 Cloud Messenger (Meghaduta's Translation of Wilson) by V. S. Agrawala. 10–00
५०५७ भारतीय धर्ममीमांसा । वासुदेवशरण अग्रवाल ४५–००
5058 Mathura Railing Pillars by Dr. P. K. Agrawala. 45–00
5059 Mathura Terracottas by V. S. Agrawala 50–00
5060 Temples of Tripura. By Shri Adris Banerji. 30–00
5061 Terracotta Figurines of Ahichchhatra by V. S. Agrawala. 240–00
5062 The Astral Divinities of Nepal by Dr. Pratapaditya Pal and Shri D. C. Bhattacharya. 60–00
5063 Archaeological History of S. E. Rajasthan by Shri Adris Banerji. 50–00
5064 Gupta Temple Architecuture by Dr. P. K. Agrawala. 225–00
5065 India as Told by the Muslims by Dr. Ram Kumar Chaube. 50–00
5066 Ancient Indian Weights by Edward Thomas. 75–00
5067 Coins of Southern India by Sir Walter Elliot. 120–00
5068 Burial Practices in Ancient India by Dr. Purushottam Singh. 90–00
5069 Vyakarana-Varttika : Ek Samikshatmak Adhyayana (In Hindi) by Dr. Vedpati Mishra. 20–00
5070 A Notes on the Amaravati Stupa by Dr. James Burgess. 45–00
5071 Purna Kalasa or The Vase of Plenty by P. K. Agrawala 85–00
5072 Pre-Kushana Art of Mathura by V. S. Agrawala. 50–00
5073 Indian Serpent Lore or The Nagas in Hindu Legend and Art. By J. Ph. Vogel. Ph. D. 120–00
5074 Masterpieces of Mathura Sculpture by V.S. Agrawala 115–00
5075 Report on the Antiquities in the district of Lalitpur N. W. Provinces, India. By P. C. Mukhreji. 100–00

5076 Chalukyan Architecture, Including Examples from the Bellari district, Madras. By Alexandar Rea. 120–00
5077 Hymn of Creation by Dr. V. S. Agrawala. 30–00
5078 Record of the Buddhistic Kingdom. By Herbert A. Giles. 30–00
5079 Gupta Art by V. S. Agrawala. (Indian Art, Vol. II) 120–00
5080 Gangetic Valley of Terracotta Art by Dr. P. L. Gupta 50 00
5081 India-A Nation by Dr. V. S. Agrawala. 150–00
5082 Antagada-dasao and Anuttarovavaiy dasao-Two Jaina Canons translated from Prom Prakrit into English by Dr. L. D. Barnett. 50–00
5083 Brahatkathaslokasamgraha—A study by Dr. V. S. Agrawala. 80–00
5084 Early Indian Bronzes by P. K. Agrawala. 200–00
5085 Vedic Lectures by V. S. Agrawala. 70–00
5086 Srivatsa : The Babe of Goddess Sri. By Dr. P. K. Agrawala. 75–00
5087 Siva-Mahadeva. The Great God by Dr. V.S. Agrawala 275–00
5088 A Museum Studies. By Dr V S. Agrawala. 50–00
5089 Subhagodayastuti of Sri Gaudapadacharya With Bhavabodhini Commentary of Sri Paripurna Prakasanand Bharati Mahasvami Edited by Dr. P. K. Agrawala & Dr. Ramadhar Pathak. 20–00
5090 Varanasi Seals and Sealings by V. S. Agrawala. 175–00
5091 Approaches to the study of Indian Civilization by Dr. M. Jha. 1979 40–00
5092 Aspects of a Great Traditional City in Nepal by Dr. Makhan Jha. 60–00
5093 Beggars of a Pilgrim's City by Dr. M. Jha. 40–00
5094 Born Criminals by Dr. Gauri Shankar. 1979. 55–00
5095 Devatarchanukirtana. Study of a Text on Hindu Iconography by D. B Pandey. 45–00
5096 Disposal of the Dead in the Mahabharata by J. N. Tiwari. 1979. 35–00

5097 Genealogies and the Genealogists of *Mithila* by Dr. Ugra Nath Jha. 1979. 60-00

5098 Nyaya Kusumanjali. Text with Haridasi Sanskrit Comm. and English Translation by E. B. Cowell. 1979. 55-00

५०९९ भारतीय सभ्यता का स्वरूप । डा० माखन झा, १९७९ । ४०-००

5100 Readings in Nepali Economic History by Mahesh C. Regmi 1979. 35-00

५१०१ वैदिक वर्णव्यवस्था और श्राद्ध । सं० शिवदत्त शर्मा चतुर्वेदी १९७९, २०-००

प्राच्य प्रकाशन, वाराणसी के प्रकाशन

५१०२ अद्‌भुत रामायण । हिन्दी टीका सहित । डा० रामकुमार राय समाप्त

5103 Encyclopaedia of yoga by Dr. Ramkumar Rai. 100-00

५१०४ कामरत्नतन्त्रम् । हिन्दी टीका सहित । ३२-०० २४-००

5105 Dictionaries of Tantra Sastra or Tantrabhidhanam. Text Edited and Translated into English by R K. Rai. 50-00

5106 Kularnava Tantra. Text With English Translation by Dr. Ramkumar Rai. 60-00

5107 Complete Works of Gosvami Tulsidas. A Metrical English Translation by S. P. Bahadur.

Vol. i Dohavali. 30-00

Vol. ii Vinaya Patrika. 50-00

Vol. iii Gitavali. 50-00

Vol. iv Ramayana. 50-00

Vol. v Kavitavali. 40-00

Vol. vi Miscellaneous works. 30-00

५१०८ धनदातन्त्र । हिन्दी टीका सहित ५-००

5109 Sringaratilak of Rudrata and Sahridayalila of Ruyyaka. With Introduction and Notes. Edited by Dr. R. Pischel and Hindi Translation by K. D. Pandey. 12-00

5110 Sivasvarodaya. Text, English Translation, Comprehensive Introduction and Glossary by Dr. Ramkumar Rai. 15-00

५१११ औद्योगिक मनोविज्ञान । विनयकुमार राय १५-००

5112 Encyclopedia of Indian Erotics. 80–00

५११३ त्रिपुरातापिन्युपनिषद् एवं त्रिपुरोपनिषद् । हिन्दी टीका सहित ३–००

५११४ त्रिपुरासारसमुच्चय । नागभट्ट विरचित । गोविन्दाचार्य कृत संस्कृत टीका सहित ८–००

५११५ नारदपञ्चरात्रम् । मूल एवं प्रथम बार हिन्दी टीका सहित । अनुवादक- डॉ० रामकुमार राय १००–००

५११६ प्रगत समाजशास्त्रीय सिद्धान्त । कौशकुमार राय १३–५०

५११७ बौद्ध-तर्कभाषा । मोक्षाकर गुप्त विरचित तथा अनेकान्तवादनिरास जितारिपादविरचित हि० टी० सहित । डा० रघुनाथ गिरि ६–००

५११८ हिन्दी मन्त्रमहार्णवः । मूल एवं हिन्दी अनुवाद सहित । अनुवादक– डॉ० रामकुमार राय । देवता खण्ड १७५–००, देवी खण्ड १७५–०० (मिश्र खण्ड छप रहा है)

५११९ मन्त्रमहोदधिः । 'नौका' 'मोहिनी' संस्कृत हिन्दी टीका सहित । टीकाकार–डा० शुकदेव चतुर्वेदी १५०–००

५१२० मातृकाभेदतन्त्रम् । सम्पा०—डा० रामकुमार राय १५–००

५१२१ वंगसेनसंहिता । (चिकित्सासार संग्रह) मूल एवं भाषानुवाद सहित । सम्पादक एवं टीकाकार–डा० राजीवकुमार राय एवं डा० राम कुमार राय १५०–००

५१२२ वामनपुराणकोश । शीघ्र

५१२३ शनिस्तोत्रावलि । शनैश्चरस्तवराज, शनैश्चरस्तोत्र, शनिकवच, महाकालशनिमृत्युञ्जयस्तोत्र, पञ्चमुखहनुमत्कवच, एकादशमुख- हनुमत्कवच सहित । सम्पादक—रामकुमार राय २–००

५१२४ सामुद्रिकशास्त्रम् । मूल एवं भावार्थबोधिनी टीका सहित । टीकाकार- डा० शुकदेव चतुर्वेदी २०–००

५१२५ स्कन्दपुराणकोश । प्रथम भाग, माहेश्वर खण्ड शीघ्र

५१२६ स्वप्नकमलाकर । मूल एवं टीका हिन्दी सहित । टीका०-रामकुमार राय ६–००

5127 Dictionary of Indian Philosophy शीघ्र

५१२८ बृहत्तन्त्रसार । कृष्णानन्द आगम वागीश कृत । संस्कृत व्याख्या सहित १००–००

५१२९ हारीतसंहिता । हिन्दी टीका सहित ७५–००

५१३० शिवकवच—नीलकण्ठ वाडवानलस्तोत्र ०–५०

५१३१ हनुमद्वाडवानलस्तोत्र—हनुमल्लांगुलस्तोत्र १–००

हिन्दी साहित्य कुटीर के प्रकाशन

५१३२ अधखिला फूल । हरिऔध ५-००
५१३३ अनासक्ति योग । महात्मा गांधी ४-००
५१३४ अनुभवामृत । ज्ञानेश्वर दर्शन । अनुवादक–प्रभाकर सदाशिव पंडित २०-००
५१३५ अभिनव शिक्षणशास्त्र । सीताराम चतुर्वेदी ७-००
५१३६ आदर्श राम । ब्रजरत्नदास ३-५०
५१३७ आधुनिक हिन्दी साहित्य । कृष्णशङ्कर शुक्ल ५-००
५१३८ उपन्यासकला । विनोदशङ्कर व्यास २-५०
५१३९ उर्दू साहित्य का इतिहास । ब्रजरत्नदास ४-५०
५१४० कहानीकला । विनोदशङ्कर व्यास २-५०
५१४१ कामकला । विजयबहादुर सिंह समाप्त
५१४२ खड़ी बोली हिन्दी साहित्य का इतिहास । ब्रजरत्नदास ४-००
५१४३ चुभते चौपदे । अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ५-०० ४-००
५१४४ चोखे चौपदे । अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ४-००
५१४५ ठंडे छींटे । वियोगी हरि २-५०
५१४६ ठेठ हिन्दी का ठाठ । अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ३-००
५१४७ दो पौराणिक नाटक । क० मा० मुन्शी ३-५०
५१४८ पारिजात । अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ६-००
५१४९ पुष्पविज्ञान । हनुमानप्रसाद शर्मा ३-५०
५१५० प्रसाद और उनका साहित्य । विनोदशंकर व्यास ४-५०
५१५१ प्रसाद और उनके समकालीन । विनोदशंकर व्यास ५-००
५१५२ प्राणायाम मीमांसा । विजयबहादुर सिंह ५-००
५१५३ प्रियप्रवास । अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' १२-००
५१५४ बाल कवितावली । अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' २-००
५१५५ बोलचाल । अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ७-५०
५१५६ भारतीय और योरोपीय शिक्षा का इतिहास । सीताराम चतुर्वेदी ५-००
५१५७ भाषाभूषण । विश्वनाथप्रसाद मिश्र २-५०
५१५८ भाषालोचन । सीताराम चतुर्वेदी ६-००
५१५९ मर्मकथा । विनोदशङ्कर व्यास २-५०
५१६० महाप्रभु श्रीवल्लभाचार्य और पुष्टिमार्ग । सीताराम चतुर्वेदी समाप्त
५१६१ महाराष्ट्र प्रांत के पंच संतरत्न । द्वारकादास गुप्त ३-००
५१६२ मानस शास्त्र और समाज । सीताराम चतुर्वेदी ४-००
५१६३ मीरा माधुरी । ब्रजरत्नदास

५१६४ योगवाशिष्ठसार। डा० क्षितीशचन्द्र चक्रवर्ती १०–००
५१६५ रसकलश। अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ८–००
५१६६ रसतरङ्गिणी। भानुदत्त मिश्र विरचित। सीताराम चतुर्वेदी कृत विस्तृत हिन्दी टीका सहित ९–००
५१६७ वाङ्मय विमर्श। विश्वनाथप्रसाद मिश्र ५०–००
५१६८ वैदेही वनवास। अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ९–००
५१६९ शैली और कौशल। सीताराम चतुर्वेदी ७–५०
५१७० सफलता के मन्त्र। वेणीमाधव शर्मा २–५०
५१७१ हरिऔध और उनका साहित्य। मुकुन्ददेव शर्मा ९–००
५१७२ हरिऔध जी के संस्मरण। वेणीमाधव शर्मा २–००
५१७३ हरिऔध पद्यामृत। सं० किशोरीलाल गुप्त। प्रथम भाग ३२–००
५१७४ हरिऔध सतसई। अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' २–००
५१७५ हरिपाठ। सन्त ज्ञानेश्वर समाप्त
५१७६ हिन्दी उपन्यास साहित्य। ब्रजरत्नदास ६–००
५१७७ हिन्दी ज्ञानेश्वरी। रामचन्द्र वर्मा समाप्त
५१७८ हिन्दी दासबोध। रामचन्द्र वर्मा २२–००
५१७९ हिन्दी नाट्य साहित्य। ब्रजरत्नदास ५–००
५१८० हिन्दी मनोबोध। समर्थ स्वामी रामदास। अनु०–द्वारकादास गुप्त
५१८१ हिन्दी शिक्षण विधान। सीताराम चतुर्वेदी ३–००
५१८२ हिन्दी साहित्य का इतिहास। ब्रजरत्नदास ३–००
५१८३ हिन्दी साहित्य सर्वस्व। सीताराम चतुर्वेदी १३–००

प्रो० रामजी उपाध्याय की कृतियाँ

५१८४ आधुनिक संस्कृत नाटक। भाग १ में १६ वीं से १८ वीं शती तक के और भाग २ में १९ वीं और २०वीं शती के ५०० नाटकों का शास्त्रीय विवेचनात्मक इतिहास है। १—२ भाग ९०–००
५१८५ दशरूपकम्। सावलोक। डा०रामजी उपाध्याय कृत नान्दी हिन्दीटीका २५–००
५१८६ नाट्यशास्त्रीयानुसंधानम्। डा० रामजी उपाध्याय १००–००
५१८७ नाट्यशास्त्रीय प्रयोगविज्ञान। २०–००
५१८८ नाट्यशास्त्रीय परिभाषिक शब्दानुक्रमणिका। १५–००
५१८९ प्राचीन संस्कृत नाटक। प्रथम शती से आठवीं शती तक के संस्कृत नाटकों का समीक्षात्मक अनुशीलन १५–००
५१९० मध्यकालीन संस्कृत नाटक। नवीं शती से १५ वीं शती तक के २०० नाटकों का अनुशीलन १००–००
५१९१ महाभारतीय संस्कृत कोष। २५–००

५१९२ विंशशताब्दिकं संस्कृतनाटकम् । २० वीं शती के २०० नाटकों का परिचयात्मक इतिहास १५–००
५१९३ भारत की संस्कृति-साधना । भारतीय संस्कृति के कलात्मक, बौद्धिक और दार्शनिक पक्ष का सर्वाङ्गीण विकास १०–००
५१९४ भारत की सामाजिक संस्कृति । भारतीय समाज के राजनैतिक, आर्थिक और मनोरंजनात्मक विकास का विशद विवरण १२–००
५१९५ भारतीय संस्कृति का उत्थान । ७–५०
५१९६ भारतस्य सांस्कृतिकनिधिः । १०–००
५१९७ महाकवि कालिदासः । ४०–००
५१९८ द्वा सुपर्णा । ६–००
५१९९ Sanskrit and Prakrit Mahakavyas. 50–00
५२०० धम्मपद मूल हिन्दी अनुवाद । व्याख्या और भाषा वैज्ञानिक टिप्पणी तथा संस्कृत छाया सहित ७–००
५२०१ प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका । १–२ भाग २८८–००
५२०२ दशरूपक-तत्त्वदर्शनम् । २५–००

विवेक घिल्डियाल बन्धु प्रकाशन

५२०३ प्राचीन राजवंश और बौद्ध-धर्म । डॉ० अच्युतानन्द घिल्डियाल ४८–००
५२०४ प्राचीन भारतीय स्मृतिकार और नारी । ,, ,, (उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत) २५–००
५२०५ प्राचीन भारतीय आर्थिक विचारक । (द्वितीय संस्करण) डॉ० अच्युतानन्द घिल्डियाल २५–००
५२०६ प्राचीन भारतीय राजनैतिक विचारक । डॉ० अच्युतानन्द घिल्डियाल १५–००
५२०७ प्राचीन भारतीय सामाजिक विचारक । (द्वितीय संस्करण) डॉ० अच्युतानन्द घिल्डियाल (उत्तर-प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत) १५–००
५२०८ प्राचीन भारतीय सामाजिक संस्थायें । डा० अच्युतानन्द घिल्डियाल १५–००
५२०९ आधुनिक भारतीय सामाजिक विचारक । ,, ,, १९–००
५२१० आधुनिक भारतीय आर्थिक विचारक । ,, ,, ८–००
५२११ धर्म समाजशास्त्र । ,, ,, २५–००
५२१२ औपनिषदिक परम सत एवं मूल्य सिद्धान्त । डा० उमा पाण्डेय २५–००
५२१३ राममोहन राय एवं आधुनिक भारत । डा० आभा उनियाल ५–५०
5214 Tristram Shandy and Ulysses. A Comparative Study in Technique. Dr. Prem Prakash. 25–00

५२१५ तुलसीदास और उनका जनकल्याणकारी मानस। डा० अच्युतानन्द घिल्डियाल २५-००

५२१६ कालिदास और उनका मानवीय साहित्य। डा० अच्युतानन्द घिल्डियाल यन्त्रस्थ

५२१७ अध्यापन कार्य और भारतीय महिलायें। डा० अच्युतानन्द घिल्डियाल २५-००

परिमल पब्लिकेशन्स

५२१८ अद्वैतब्रह्मसिद्धिः। सदानन्द कृत। संस्कृत व्याख्या सहित। सम्पा०-पं० वामन शास्त्री ८०-००

५२१९ अद्वैतसिद्धिः। मधुसूदनसरस्वती कृत। विट्ठलेशीयव्याख्योपबृंहित गौडब्रह्मानन्दी व्याख्या तथा न्यायामृत-अद्वैतसिद्धि-तरङ्गिणी-लघुचन्द्रिकासंग्रहात्मक चतुर्ग्रन्थी सहित। सटिप्पण, सम्पा०-अनन्तकृष्ण शास्त्री ३००-००

५२२० अनुप्रयुक्त संस्कृत व्याकरण। मधुसूदन मिश्र ५५-००

5221 Avesta-The Sacred Book of the Parsis—K. F. Geldner. 3 Vols. 1000-00

5222 Archoic Words in Paninis Astadhyayi by A. Kumar. 65-00

5223 Alamkaras in the Works of Banabhatta by Dr. Raj-Kumari Tikha. 135-00

५२२४ अलंकारकौस्तुभः। कविकर्णपूरविरचित। लोकनाथचक्रवर्ति कृत संस्कृत टीका तथा शिवप्रसाद भट्टाचार्य कृत टिप्पणी सहित। सम्पा०—डॉ० रविशंकर नागर १५०-००

५२२५ आगम और तन्त्रशास्त्र। (दार्शनिक एवं सांस्कृतिक विवेचन) पं० व्रजवल्लभ द्विवेदी ७०-००

५२२६ काव्यप्रकाशः। मम्मटाचार्य विरचित। माहेश्वराचार्य कृत 'आदर्श' संस्कृत व्याख्या सहित। सम्पा०—पं० थानेशचन्द्र उप्रेती। १—२ भाग २५०-००

५२२७ काव्यप्रकाश—एक अध्ययन। पं० थानेशचन्द्र उप्रेती ५०-००

5228 Compendium of the Rajayoga Philosophy by Rajaram Tookaram. 55-00

५२२९ छन्दः शास्त्रम्। पिङ्गलाचार्य विरचित। हलायुधवृत्ति सहित 'छन्दो-निरुक्ति' विभूषित। निरुक्तिकार श्रीमधुसूदन विद्यावाचस्पति ६०-००

5230 Jinacarita or the Career of the Conqueror. A Pali Poem. Edited and Translated With Notes by Charles Duroiselle. 80–00

5231 Daya-Bhaga and Mitaksara. Two Treatises on the Hindu Law of Inheritance by H. T. Colebrooke. 130–00

५२३२ नाट्यशास्त्रम् । भरतमुनिकृत । अभिनवगुप्ताचार्य विरचित 'अभिनव भारती' संस्कृत व्याख्या सहित । सम्पा०—डॉ० रविशंकर नागर । १–३७ अध्याय, १–४ भाग ४५०–००

५२३३ नेत्रतन्त्रम् (मृत्युञ्जयभट्टारकः) । क्षेमराजविरचित उद्योत व्याख्या सहित । सम्पा०–पं० व्रजवल्लभ द्विवेदी १००–००

5234 Pancadasi—A Critical Study by Dr. Shakuntala Punjani. 135–00

5235 Paribhasendusekhara of Nagojibhatta. Text, English Translation & Notes by F. Kielhorn. 160–00

५२३६ पुरुदेवचम्पू का आलोचनात्मक परिशीलन । डॉ०कपूरचन्द जैन १००–००

5237 Buddhist Philosophy as Presented in Mimansa Sloka-Varttika by Dr. Vijaya Rani. 100–00

५२३८ श्रीमद्भगवद्गीता । शाङ्करभाष्यादि एकादश टीका सहित । १–३ भाग ५५०–००

५२३९ भारतमंजरी का समीक्षात्मक परिशीलन । डॉ० देव शर्मा वेदालंकार ७०–००

५२४० महाभारतवचनामृतम् । (उपदेशसाहस्री) हिन्दी टीका सहित । डॉ० चारुदेव शास्त्री ५५–००

5241 Yoga Sutra of Patanjali by J. R. Ballanlyne. 50–00

५२४२ रसजलनिधिः । (संस्कृत) मूल तथा अंग्रेजी अनुवाद सहित । भूदेव मुखर्जी । १–५ भाग ७५०–००

५२४३ श्रीमद्वाल्मीकिरामायणम् । तिलक–रामायणशिरोमणि–भूषण व्याख्या त्रयोपेतम् । १–८ भाग १५००–००

५२४४ शक्तिभाष्यम् । (ब्रह्मसूत्रभाष्य) भाष्यकार–पंचाननतर्करत्न भट्टाचार्य । १–२ भाग (१–४ अध्याय) १४५–००

5245 Studies in Sanskrit and Indian Culture in Thailand by Satyavrat Shastri. 80–00

५२४६ स्वच्छन्दतन्त्रम् । क्षेमराजकृत 'उद्योत' व्याख्या सहित । सम्पा० — पं० व्रजवल्लभ द्विवेदी । १–२ भाग १५०–००

Sri Satguru Publications —Delhi

५२४७ आश्वालायनगृह्यसूत्र । अनाविला वृत्ति सहित । वृत्तिकार–हरदत्ताचार्य । सम्पा०–म० म० टी० गणपति शास्त्री १००–००

5248 Analysis of the Kanjur by Alexander Csoma de Koros. 100–00

5249 Ardha Magadhi Reader by B. D. Jain. 60–00

५२५० ब्रह्मसिद्धिः । आचार्य मण्डन मिश्र । संस्कृत व्याख्या शङ्खपाणि । सम्पा०—म० म० एस० कुप्पूस्वामी शास्त्री २५०–००

5251 Buddha Mimansa. The Buddha Relation to Vedic Religion. Ed. by Swami Maharaj Yogiraja. 75–00

5252 Buddhist Concepts. Old and New. Ed. by Buddhadasa P. Kirthisinghe. 85–00

5253 Catalogue Index of the Tibetan Buddhist Canons. (Bkah-Hgyur and Bstan-Hgyur.) 115–00

5254 Comparative Study of Jainism and Buddhism by B. S. Prashad. 80–00

5255 Dharma and G spel : Two ways of Seeing. Ed. by G. W. Houston. 70–00

5256 Early Inscriptions. Ed. by S. S. Sastri. Vol I 300–00

5257 Epigraphical Glossary in three Sections. Vol. 6 Part II 475–00

5258 Gheranda Samhita. Translated into English by S. C. Vasu. 30–00

5259 Gilgit Manuscripts. Ed. by Nalinaksha Dutt. 4 Vols. in 9 Parts. 1080–00

5260 Grammar of the Tibetan Language by Alexander Csoma de Koros. 300–00

5261 Handbook of Indian Medicine. The Gems of Siddha System by T. G. Ramamurthi Iyer. 150–00

5262 Hatha Yoga Pradipika. Translated into English by Pancham Sinha. 30–00

5263 Inscriptions of Achyutaraya's Time from 1530 A.D. to 1542 A.D. by Pt. V. Vijayaraghavacharya. Vol. IV. 475–00

5564 Inscriptions of Krishnaraya's Time from 1590 A D. to 1531 A.D. by V. Vijayaraghavacharya Vol. III 475–00

5265 Inscriptions of Sadasivaraya's time from 1541 A. D. to 1574 by Pt. V. Raghvachraya Vol. V 475–00

5266 Inscriptions of Saluva Narasimha's time from 1445 A.D. to 1504 A.D. by Sadhu Subrahmanya Sastry. Vol. II 475–00

5267 Inscriptions of Venkatapatiriya's Time by Pt. V. Vijayaraghvacharya. Vol. 6, Part I 475–00

5268 Kachayano's Pali Grammar with Chrestomathy & Vocabulary by Francis Masson. 70–00

5269 Mantramahodadhi. English Translation by A Board of Scholars. 200–00

5270 Manava Srautasutra Belonging to the Maitrayani Samhita Text & Translated by J. M. Van Gelder, 2 Vols. 500–00

5271 Mantrapatha or the Prayer Book of the Apastamba. Ed. by M. Winternitz. 75–00

5272 Nadagama—The First Sri Lankan Theatre by M H. Goonatilake. 200–00

५२७३ न्यायसूत्र। गौतम प्रणीत। वात्स्यायन भाष्य सहित तथा न्याय-वार्तिक एवं तात्पर्यटीका सहित। सम्पा०—म० म० गंगाधर शास्त्री तैलङ्ग १२०–००

5274 Pancavimsa Brahma. English Translation by W. Caland 300–00

5275 Report on the Inscriptions by S. S. Sastry. Vol VII 400–00

5276 Samghrakkhita's Vuttodaya. A Study of Pali Metre. Pali Text and Translated into English by R. Siddhartha. 50–00

5277 Sanskrit–Tibetan-English Vocabulary. Alexander Cosma de Koros. Vol. I Enlarged by Anil Gupta. 600–00

5278 Sri Saraswati in Indian Art and Literature by Dr. Niranjan Ghosh. 200 00
5279 Shiva Samhita. Translated into English by S. C. Vasu. 30–00
5280 Slokavartika. With the Commentaries-Karika and Nyayaratnakar. Translated by M.M. Ganganath Jha. 200–00
5281 Studies in Eastern Religions by S. Geden Alfred. 70–00
5282 Studies in South Indian Jainism by M. S. Ramaswami Ayangar. 2 Vols. 150–00
5283 Tantravarttika. Kumarila Bhatt. A Commentary on Sabra's Bhasya Translated by M. M Ganganath Jha. 2 Vols. 500–00
५२८४ उदयन निराकरणम् । रत्नकीर्ति । सम्पा०—आर० एन० पांडेय ७५–००
5285 Way of Nirvana by L. De La Vallee Poussin. 70–00
5286 Yoga Sutras of Patanjali. Sanskrit Text with English Translation by M. N. Dwivedi. 50-00

मिथिला-ग्रन्थमाला तथा मैथिल साम्प्रदायिक-ग्रन्थाः

५२८७ वाजसनेयिक तथा छन्दोगक । जूटिकाबन्धन-मातृकापूजापूर्वक आभ्युदयिकश्राद्धपद्धति । मैथिली टीका सहित समाप्त
५२८८ छान्दोगानां नामकरणपद्धतिः । सम्पा०—पं० रामचन्द्र झा १–५०
५२८९ वाजसनेयिक विवाहपद्धति । मैथिली टीका सहित ८–००
५२९० छन्दोगक विवाहपद्धति । स्थूलाक्षर, मैथिली टीका सहित ८–००
५२९१ वाजसनेयिक उपनयनपद्धति । मैथिली टीका ८–००
५२९२ छन्दोगक उपनयनपद्धति । ,, ,, ८–००
५२९३ वाजसनेयिक एकोद्दिष्टपद्धति । ,, ,, १–५०
५२९४ छन्दोगक एकोद्दिष्टपद्धति । ,, ,, १–००
५२९५ वाजसनेयिक पार्वणपद्धति । ,, ,, १–५०
५२९६ छन्दोगक पार्वणपद्धति । ,, ,, १–५०
५२९७ वाजसनेयिक सन्ध्यातर्पणपद्धति । ,, १–५०
५२९८ छन्दोगक सन्ध्यातर्पणपद्धति । वैतरणी सहित मैथिली टीका सहित १–००
५२९९ वाजसनेयिक संक्षिप्त आह्निकपद्धति । मैथिली टीका सहित । १–००
५३०० छन्दोगक संक्षिप्त आह्निकपद्धति । मैथिली टीका १–००
५३०१ सत्यनारायणपूजापद्धति । 'इन्दुमती' नामक मैथिली टीका २-५०

५३०२ सत्यनारायणपूजापद्धतिः । मूल यन्त्रस्थ
५३०३ आह्निक पञ्चदेवपूजापद्धति । १–५०
५३०४ एकादशीव्रतोद्यापनपद्धति । पं० रामचन्द्र झा १–५०
५३०५ कार्तिक-तुलसी-आकाशदीपव्रतोद्यापनपद्धति । १–५०
५३०६ कूपोत्सर्गपद्धति । १–००
५३०७ गृहोत्सर्गपद्धति । १–००
५३०८ तिथिनिर्णयः । म० म० रजेमिश्र विरचित । सं० रामचन्द्र झा २–००
५३०९ दुर्गापूजा-श्यामापूजापद्धतिः । (मैथिल साम्प्रदायिक शारदीय) संस्कर्ता—पं० बुद्धिधारी सिंह 'रमाकर' ५–००
५३१० दुर्गासप्तशती । (पत्राकार, स्थूलाक्षर) सं०-श्री कनकलाल ठक्कुर २–५०
५३११ बृहत्सामान्योत्सर्गपद्धति-दशगात्रपिण्डदानपद्धति । १–५०
५३१२ संक्षिप्त दीक्षापद्धति-तुलादान सहित । ०–५०
५३१३ अनन्तचतुर्दशी व्रतपूजाकथा । यन्त्रस्थ
५३१४ जीमूतवाहनव्रतपूजाकथा । यन्त्रस्थ
५३१५ प्रतिहारषष्ठी (विवस्वत्षष्ठी) व्रतकथा । १–५०
५३१६ बहुलाचतुर्थीव्रतकथा । ०–५०
५३१७ भाद्रशुक्लचतुर्थीचन्द्रपूजा । चतुर्थी चन्द्रव्रतकथा सहित ०–५०
५३१८ रामनवमीव्रतपूजापद्धति । जानकी नवमी व्रतपूजा कथा सहित यन्त्रस्थ
५३१९ श्रीकृष्णजन्माष्टमीव्रतपूजाकथा । १–००
५३२० सरस्वतीपूजापद्धतिः । (मूर्तिपूजा सहित) १–००
५३२१ सिद्धविनायकचतुर्थीव्रतपूजाकथा । ०–५०
५३२२ वा० छ० श्राद्धपद्धतिः । (युग्म संस्करण) 'इन्दुमती' टिप्पणी, श्राद्धसमीक्षा, अशौचादि निर्णय सहित । सम्पादक-पं० रामचन्द्रझा १०–००
५३२३ अशौचनिर्णयः । म० म० वाचस्पति रुद्रधरकृत । युग्म संस्करण, भाषा टीका २–००
५३२४ पितृकर्मनिर्णयः (निबन्धसंग्रह) । श्री त्रिलोकनाथ मिश्र १०–००
५३२५ मिथिला भाषामय इतिहास । म० म० मुकुन्द झा बखशी २०–००
५३२६ रामार्चापद्धतिः । (शिवपुराणोक्त) २–००
५३२७ सूर्यादिद्वादशस्तवी । अन्नपूर्णादिस्तोत्रसहित । १–००
५३२८ वर्षकृत्य—प्रथमभागः । सम्पादक—पं० रामचन्द्र झा २५–००
५३२९ वर्षकृत्य— द्वितीयभागः । सम्पादक—पं० रामचन्द्र झा २५–००
५३३० छ० श्राद्धपद्धतिः । सटिप्पण 'इन्दुमती' मैथिली टीका । पं० रामचन्द्र झा १०–००

५३३१ वा० श्राद्धपद्धतिः। स्त्री - कुमार - कर्तृकश्राद्धपद्धति सहित। पं० रामचन्द्र झा १०—००

५३३२ हरितालिका। व्रतपूजाकथा। सम्पादक—पं० रामचन्द्र झा ०—५०

चिकित्सा-ग्रन्थाः

५३३३ [चिकित्सा-सम्बन्धी सभी स्थान की छपी पुस्तकों के लिए 'चिकित्सा साहित्य' (प्राच्य-पाश्चात्य) नामक विशाल सूचीपत्र पृथक् छपा है, मँगवाकर अवलोकन करें।]

५३३४ अंग्रेजी-हिन्दी मेडिकल डिक्शनरी (चौखम्बा चिकित्सा विज्ञान कोश)। डा० अवधविहारी अग्निहोत्री। सम्पादक—डा० गङ्गा-सहाय पाण्डेय ७५—००

५३३५ अगदतन्त्र। डा० रमानाथ द्विवेदी ४—००

५३३६ अजीर्णमञ्जरी। हिन्दी टीका सहित। डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी २—००

५३३७ अञ्जननिदानम्। सान्वय 'विद्योतिनी' हिन्दी टीका सहित ४—००

५३३८ अनङ्गरङ्ग। कल्याणमल्ल विरचित। हिन्दी टीका सहित। सचित्र २०—००

५३३९ अनुभूत चिकित्सा दर्शन। रघुवीरशरण शर्मा १५—००

५३४० अभिनन्दन-ग्रन्थ। सत्यनारायण शास्त्री १५०—००

५३४१ अभिधानरत्नमाला। (षड्रसनिघण्टु) डा० प्रियव्रत शर्मा १५—००

५३४२ अभिनव बूटी दर्पण। (सचित्र) श्रीरूपलालजी वैश्य। १-२ भाग १००—००

५३४३ अभिनव विकृति विज्ञान। (सचित्र) आचार्य श्रीरघुवीरप्रसाद त्रिवेदी समाप्त

५३४४ अरिष्ट विज्ञान। डा० रमानाथ द्विवेदी ५०—००

५३४५ अशोक। श्रीरमेश बेदी १—००

५३४६ अष्टाङ्गसंग्रह। आयुर्वेद बृहस्पति श्रीगोवर्द्धन शर्मा छांगाणी कृत 'अर्थ-प्रकाशिका' हिन्दी टीका, वक्तव्य सहित। सूत्रस्थान ४०—००

५३४७ अष्टाङ्गसंग्रह। (शारीर स्थान) सुबोधिनी हिन्दी व्याख्या, विमर्श टिप्पणी सहित। व्याख्याकार पक्षधर झा, सम्पा०प्रियव्रत शर्मा ३०—००

५३४८ अष्टाङ्गहृदय। (गुटका) 'भागीरथी' बृहद् टिप्पणी सहित ३०—००

५३४९ अष्टाङ्गहृदय। सविमर्श 'विद्वन्मनोरञ्जिनी' हिन्दी व्याख्या सहित व्याख्याकार—कविराज काशीनाथ शास्त्री। सूत्रस्थान २५—००

५३५० अष्टाङ्गहृदय। 'विद्योतिनी' हिन्दी टीका विमर्श सहित। टीकाकार—श्री अत्रिदेवगुप्त विद्यालंकार। सम्पादक-वैद्य यदुनन्दन उपाध्याय ६०—००

५३५१ अष्टाङ्गहृदय। (सूत्रस्थान)। अरुणदत्त कृत सर्वाङ्गसुन्दरा-विद्योतिनी हिन्दी व्याख्या सहित। सम्पा०-प्रियव्रत शर्मा २५—००

५३५२ अष्टाङ्गहृदयम् । सटिप्पण । 'सर्वाङ्गसुन्दरा' 'आयुर्वेदरसायन' व्याख्या द्वय सहित । सम्पादक --वैद्य हरिशास्त्री पराड़कर १५०—००
५३५३ आचार्य प्रियव्रत शर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व । गुरुप्रसाद शर्मा ३—००
५३५४ आधुनिक इंजेक्शन चिकित्सा (सचित्र) । डा० शिवदयाल गुप्त २०—००
५३५५ आधुनिक सूचीवेध । सचित्र माडर्न इन्जेक्शन । डा० प्रियकुमार चौबे २२—००
५३५६ आयुर्वेद का इतिहास (सचित्र) । कविराज वागीश्वर शुक्ल । प्र० भाग २०—००
५३५७ आयुर्वेद का इतिहास । डा० सूरमचन्द । प्रथम भाग ६—००
५३५८ आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास । डॉ० प्रियव्रत शर्मा ५०—००
५३५९ आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास । (संक्षिप्त) डा० प्रियव्रत शर्मा २५—००
५३६० आयुर्वेद प्रवर्तक देवता । रघुवीरशरण शर्मा १२—००
५३६१ आयुर्वेद का मूल सिद्धान्त । मूल लेखक—डा० प्राणजीवन मेहता । (गुजराती का हिन्दी अनुवाद) अनुवादक श्री वागीश्वर शुक्ल ६५—००
५३६२ आयुर्वेद की कुछ प्राचीन पुस्तकें (आयुर्वेद वाङ्मय-शोध का एक विवरण) । आचार्य प्रियव्रत शर्मा ३—००
५३६३ अथर्व चिकित्सा विज्ञान । डा० हीरालाल विश्वकर्मा, नि०-डा० रमानाथ द्विवेदी ८५—००
५३६४ आयुर्वेदप्रकाश । श्री गुलराज शर्मा कृत 'अर्थविद्योतिनी' संस्कृत, 'अर्थ-प्रकाशिनी' हिन्दी व्याख्याद्वय सहित । परिष्कृत द्वितीय संस्करण समाप्त
५३६५ आयुर्वेद प्रदीप (आयुर्वेदिक-एलोपैथिक गाइड) । श्री राजकुमार द्विवेदी । सम्पादक—श्री गङ्गासहाय पाण्डेय । परिवर्धित संस्करण ६०—००
५३६६ आयुर्वेद विज्ञानसार । विद्योतिनी हिन्दी टीका, परिशिष्ट सहित १० ००
५३६७ आयुर्वेद शिक्षा । धर्मदत्त वैद्य ६—००
५३६८ आयुर्वेद शिक्षा पर विचार । डा० घाणेकर ५—००
५३६८ क आयुर्वेदीय अनुसन्धान पद्धति । (सचित्र) प्रियव्रत शर्मा २० ००
५३६९ आयुर्वेदीयगृह्यवस्तु चिकित्सा । (सचित्र) डा० ओ० पी० वर्मा ३—००
५३७० आयुर्वेदीय निदान चिकित्सा के सिद्धान्त । डा० रामहर्ष सिंह १-२ भाग ८०—००
५३७१ आयुर्वेदीय परिभाषा । 'अभिनवप्रकाशिका' हिन्दी टीका परिशिष्ट सहित ५—००
५३७२ आयुर्वेदीय यन्त्रस्थ परिचय । सुरेन्द्रमोहन वी० ए० ६—००
५३७३ आयुर्वेदीय रसशास्त्र । सिद्धिनन्दन मिश्र ४०—००
५३७४ आयुर्वेदीय रसशास्त्र का उद्भव एवं विकास । (सोना बनाने की विधि) डा० सत्येन्द्रकुमार आर्य ३५—००

५३७५ आयुर्वेदीय विकृति विज्ञान। डा० रवीन्द्रकुमार सिन्हा ७–००
५३७६ आसवारिष्ट विज्ञान। श्री पक्षधर झा १०·००
५३७७ आयुर्वेदीय रोगों का वर्गीकरण। डा० रमानाथ द्विवेदी १०–००
५३७८ आयुर्वेदोपयोगी पदार्थविज्ञान। आचार्य निरञ्जनदेव आयुर्वेदालंकार ६०–००
5379 Indian Medicine in the Classical Age. By P. V. Sharma. 65–00
5380 Introduction to Dravyaguna by Dr. P. V. Sharma. 30–00
५३८१ एक्सरे डायग्नोसिस। (सचित्र) डा० प्रियकुमार चौबे ५०–००
५३८२ एलोपैथी की पेटेण्ट औषधियाँ (एलोपैथिक पेटेण्ट मेडिसिन)। डा० शिवनाथ खन्ना ३०–००
५३८३ एलोपैथी चिकित्सादर्श। डा० शिवदयाल गुप्त ६०–००
५३८४ एलोपैथिक चिकित्सा विज्ञान। (सचित्र) अवधबिहारी अग्निहोत्री समाप्त
५३८५ एलोपैथिक डायग्नोसिस निदान तथा चिकित्सा। डा० शिवनाथ खन्ना ६५–००
५३८६ एलोपैथिक पाकेट प्रेस्क्राइबर। (एलोपैथिक गाइड) डा० शिवनाथ खन्ना १०–००
५३८७ एलोपैथिक मिक्श्चर्स। डा० राजकुमार द्विवेदी। नवीन संस्करण ६–५०
५३८८ एलोपैथिक मेटीरिया मेडिका-भैषजिकी एवं चिकित्सा विज्ञान। डा० शिवनाथ खन्ना ७५–००
५३८९ एलोपैथिक सफल औषधियाँ (सचित्र)। डा० हीरालाल आर० शिवहरे १५–००
५३९० औपसर्गिक रोग। डा० घाणेकर। १–२ भाग ६०–००
5391 Concept of Agni in Ayurveda with special Reference to Agnibala Pariksha. By Vaidya Bhagwan Dash. 75–00
५३९२ कर्ण चिकित्सा विज्ञान। (सचित्र) डा० रवीन्द्रचन्द्र चौधुरी ८–००
५३९३ काकचण्डीश्वरकल्पतन्त्रम्। हिन्दी टीका सहित १२·००
५३९४ कामकुञ्जलता। मूलमात्र ५०–००
५३९५ कस्तूरी। चन्द्रशेखर यादव, छोटेलाल यादव ५–००
५३९६ हिन्दी कामसूत्र। वात्स्यायन मुनिकृत। यशोधरकृत जयमङ्गला टीका सहित। हिन्दी व्याख्याकार–देवदत्त शास्त्री १५०–००
५३९७ कायचिकित्सा। रामरक्ष पाठक। १–३ भाग, ४ जिल्द में १९०–००
५३९८ कायचिकित्सा। डा० गङ्गासहाय पाण्डेय ६०–००

५३९९ काश्यपसंहिता। श्री सत्यपाल आयुर्वेदालंकार कृत विद्योतिनी हिन्दी टीका एवं राजगुरु हेमराजजी कृत संस्कृत-हिन्दी उपोद्घात सहित १५०–००
५४०० केरलीय पञ्चकर्म चिकित्साविज्ञान। डा० टी. एल. देवराज १५–००
५४०१ कैयदेव निघण्टु। आचार्य प्रियव्रत शर्मा ८०–००
५४०२ कैंसर डायग्नोसिस तथा चिकित्सा। (सचित्र) डा० प्रिय कुमार चौबे १५०–००
५४०३ कौमारभृत्य। (नव्यबालरोग सहित) श्री रघुवीरप्रसाद त्रिवेदी। नवीन संशोधित परिवर्धित संस्करण ४८–००
५४०४ क्रियात्मक औषधि परिचय विज्ञान। सचित्र। श्री विश्वनाथ द्विवेदी २५–००
५४०५ क्लिनिकल पैथोलाजी। (बृहत् मल-मूत्र-रक्तादि परीक्षा) सचित्र ५०–००
५४०६ क्लिनिकल शल्य विज्ञान। (सचित्र) अखिलानन्द शर्मा २५–००
५४०७ क्वाथमणिमाला। हिन्दी टीका सहित ५–००
५४०८ क्षेमकुतूहलम्। क्षेमशर्म विरचित। 'मञ्जुला' हिन्दी व्याख्या सहित। व्या०-इन्द्रदेव त्रिपाठी १४–००
५४०९ गदनिग्रहः। सोढल विरचित। डा० इन्द्रदेव त्रिपाठी कृत 'विद्योतिनी' हिन्दी व्याख्या सहित। १–३ भाग २५०–००
५४१० गर्भरक्षा तथा शिशु-परिपालन। डा० मुकुन्दस्वरूप वर्मा १५–००
५४११ गूलर गुण विकास। वैद्यभूषण चन्द्रशेखर मिश्र २–००
5412 Glossary of Vegetable Drugs in Brhattrayi. By Thakur Balwant Singh. 100–00
५४१३ डॉ० भास्कर-आत्मनिवेदन। (सचित्र) सम्पादक-डा० वासुदेव भास्कर घाणेकर ७५–००
५४१४ चक्रदत्त। नवीन वैज्ञानिक 'भावार्थसन्दीपनी' हिन्दी टीका एवं विविध परिशिष्ट सहित। टीकाकार—जगदीशप्रसाद त्रिपाठी ७५-००
५४१५ चरक चिन्तन। (चरक अध्ययन) आचार्य प्रियव्रत शर्मा १२–००
५४१६ चरकसमीक्षा। आचार्य प्रियव्रत शर्मा १०–००
५४१७ चरकसंहिता। मूल (गुटका)। सम्पा०—प्रियव्रत शर्मा ६०–००
५४१८ चरकसंहिता। मूल। भागीरथी टिप्पणी सहित समाप्त
५४१९ चरकसंहिता। चक्रपाणि कृत 'आयुर्वेददीपिका' व्याख्या सहित, सटिप्पण 'विद्योतिनी' हिन्दी व्याख्या विभूषित। सम्पूर्ण, १–२ भाग ३००–००
५४२० चरकसंहिता। सविमर्श 'विद्योतिनी' हिन्दी व्याख्योपेता। १–२ भाग १५०–००

5421 Charaka Samhita. With English Translation and Critical Notes based on Cakrapani's Ayurveda Dipika. By Dr. Ram Karana Sharma and Dr. Bhagwan Dash. Vol. I. Sutra Sthan. 125–00
Vol. II. Nidana Sthana to Indriya Shana. 125 00
Sharira Sthan. 30–00

५४२२ चरकसंहिता का निर्माण-काल। (काश्यपसंहिता का निर्माणकाल सहित)। वैद्य रघुवीरशरण शर्मा १–५०

५४२३ चरकसंहिता। चक्रपाणिदत्तप्रणीत 'आयुर्वेददीपिका' व्याख्या समलंकृत। सं० वैद्य यादवजी विक्रमजी आचार्य (नि. सा. बम्बई संस्करण) २५०–००

५४२४ चरकसंहिता। 'चरक चन्द्रिका' हिन्दी व्याख्या सहित। व्याख्या— डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी। पूर्वार्द्ध १००-००, सूत्रस्थान ६०–००

५४२५ चरकसंहिता। श्रीमच्चतुर्पाणिदत्तकृत आयुर्वेददीपिकाख्य टीका, म. म. गंगाधर कविराज विरचित जल्पकल्पतरू सभाष्य सूत्रस्थान १–१२ अध्याय, प्रथम भाग ७५–००

5426 Current Trends in the Study of Sharira by D.G. Thatte & G P. Tiwari. 40–00

५४२७ चर्मरोग विज्ञान। डॉ० शिवनाथ खन्ना १०–००
५४२८ चिकित्सादर्श। वैद्य राजेश्वरदत्त शास्त्री। १–३ भाग, एक जिल्द में ६०–००
५४२९ जीवाणु विज्ञान। डॉ० घाणेकर। सशोधित, परिवर्धित, संस्करण ३०–००
५४३० ज्वरविवेचन। (ज्वर निदान चिकित्सा)। लीलाधर शास्त्री ३०–००
५४३१ तापमापन। (थर्मामीटर) डॉ० राजकुमार द्विवेदी १–००
५४३२ तुलसी। श्री रमेश वेदी २–००
५४३३ तुलसी विज्ञान। विविध रोगो पर तुलसी के ३४३ सफल प्रयोग संग्रह ३–००
५४३४ तुवरक और चालमोग्रा। श्री रमेश वेदी ०–७५
५४३५ त्रिदोषविज्ञानम्। कविराज श्री उपेन्द्रनाथदासकृत हिन्दी टीकासहित १०–००
५४३६ त्रिदोषसंग्रह। श्री धर्मदत्त वैद्य कृत विद्योतिनी हिन्दी टीका सहित ६–००
५४३७ त्रिफला। श्री रमेश वेदी ३–२५
५४३८ देहात की दवाएँ। श्री रमेश वेदी ०–७५
५४३९ दोष-कारणत्व मीमांसा। हिन्दी टीका सहित। आचार्य प्रियव्रतशर्मा ४–००
५४४० द्रव्यगुण मंजूषा। आचार्य शिवदत्त शुक्ल। प्रथम भाग ५–००
५४४१ द्रव्यगुण-विज्ञान। आचार्य प्रियव्रत शर्मा। प्रथम भाग ५०–००
द्वितीय भाग ८५–००, तृतीय भाग ४०–००, चतुर्थ भाग ४०–००
पंचम भाग ४५–००, सम्पूर्ण २६०–००

५४४२ द्रव्यगुण हस्तामलक। वैद्य वनवारीलाल मिश्र १०८-००
५४४३ नवपरिभाषा। कविराज श्री उपेन्द्रनाथदास कृत हिन्दी टीका सहित ८-००
५४४४ नव्य चिकित्सा विज्ञान। डॉ० मुकुन्दस्वरूप वर्मा। १—२ भाग ३०-००
५४४५ नव्य रोग-निदानम्। (माधवनिदान-परिशिष्टम्) यन्त्रस्थ
५४४६ नाड़ी परीक्षा। श्री ब्रह्मशंकर मिश्र कृत वैद्यप्रिया हिन्दी टीका सहित १-००
५४४७ नाड़ीविज्ञानम्। श्री प्रयागदत्त जोशी कृत विबोधिनी हिन्दीटीका सहित २-००
५४४८ नासाचिकित्सा विज्ञान। (सचित्र)। डॉ० रवीन्द्र चौधरी ८-००
५४४९ नासा, गला एवं कर्ण रोग चिकित्सा। डॉ० प्रियकुमार चौबे १६-००
५४५० निघण्टु आदर्श। (गुजराती का हिन्दी रूपान्तर) वैद्य बापालाल म. शाह। १—२ भाग २००-००
५४५१ नेत्रचिकित्सा विज्ञान। (सचित्र) डॉ० रवीन्द्र चौधुरी ३५-००
5452 Panchakarma Therapy in Ayurveda. By. Dr. Divakar Ojha and Dr. Ashok Kumar. 50-00
५४५३ पंचभूतविज्ञानम्। कविराज उपेन्द्रनाथ दास कृत हिन्दी टीका सहित १५-००
५४५४ पंचविध कषाय कल्पना विज्ञान। डॉ० अवधविहारी अग्निहोत्री ५-००
५४५५ पदार्थ विज्ञानम्। आचार्य सत्यनारायण शास्त्री (संस्कृत) ४-००
५४५६ पदार्थ विज्ञान और चिकित्सा। कविराज अम्बिका चक्रवर्ती ४-००
५४५७ पदार्थविनिश्चय। दत्तात्रेय अनन्त कुलकर्णी ४-००
५४५८ परिभाषाप्रबन्ध। पं० जगन्नाथ प्रसाद शुक्ल ८-००
५४५९ पाकदर्पणम्। नलकृत। सं० वामाचरण भट्टाचार्य। इन्द्रदेव त्रिपाठी कृत हिन्दी व्याख्या सहित २५-००
५४६० पेटेण्ट प्रेस्क्राइबर या पेटेण्ट मेडिसिन्स। डॉ० रमानाथ द्विवेदी संशोधित, परिवर्धित संस्करण ३०-००
५४६१ पेठा-कद्दू। श्री रमेश वेदी ०-७५
५४६२ पेनिसिलिन व स्ट्रेप्टोमाइसिन विज्ञान तथा मूत्र परीक्षा। १-२५
५४६३ प्रतापोदय सरल चिकित्सा। श्री मदनमोहन जैन 'पवि' १-५०
५४६४ प्रत्यक्षशारीरम्। (संस्कृत)। गणनाथसेन कृत। प्रथमभाग यन्त्रस्थ
तृतीय भाग यन्त्रस्थ, द्वितीय भाग ४०-००
५४६५ प्रत्यशरीर (हिन्दी)। गणनाथ सेन कृत। प्रथम भाग ३५-००
द्वितीय भाग ५०-००
५४६६ प्रसूति विज्ञान। डॉ० रमानाथ द्विवेदी ५०-००
५४६७ प्रसूति तन्त्र। (सचित्र) डॉ० शिवनाथ खन्ना ७५-००
५४६८ प्राकृत दोष विज्ञान। निरञ्जनदेव आयुर्वेदालङ्कार १५-००

५४६९ प्रारम्भिक उद्भिद् शास्त्र। प्रो० बलवंत सिंह २५—००
५४७० प्रारम्भिक पदार्थविज्ञान। डॉ० अयोध्या प्रसाद 'अचल' २०—००
5471 Fruits and Vegetables in Ancient India by Dr. P. V. Sharma. 35–00
५४७२ प्रारम्भिक भौतिकी। श्री निहालकरण रेठी ३५—००
५४७३ प्रारम्भिक रसशास्त्र। सिद्धिनन्दन मिश्र २५—००
५४७४ प्रारम्भिक रसायन। प्रो० फूलदेवसहाय वर्मा ३५—००
५४७५ प्रारम्भिक वनस्पति विज्ञान। (सचित्र)। कैलाशचन्द्र मिश्र २५—००
५४७६ प्रियनिघण्टुः। आचार्य प्रियव्रत शर्मा प्रणीत। स्वरचित पद्याख्य हिन्दी व्याख्या सहित २०—००
5477 Principles of General Surgery. By K. N. Udupa. 20–00
५४७८ प्लीहा के रोग और उनकी चिकित्सा। कविराज ब्रह्मानन्द चन्द्रवंशी २—००
५४७९ फलसंरक्षण विज्ञान (Fruit Preservation)। डॉ० युगलकिशोरगुप्त ५—००
५४८० बरगद। श्री रमेश बेदी २—००
५४८१ बस्तिशलाका प्रवेश। (एनीमा और कैथेटर) १—००
५४८२ बालतन्त्र (सचित्र)। डॉ० शिवनाथ खन्ना ७५—००
५४८३ बीसवीं शताब्दी की औषधियाँ। डॉ० मुकुन्दस्वरूप वर्मा १५—००
५४८४ भारतीय जीवाणु विज्ञान। रघुवीरशरण शर्मा ६—००
५४८५ भारतीय रसपद्धति। कविराज अत्रिदेव गुप्त ५—००
५४८६ भारतीय भैषज्य कल्पना विज्ञान। आचार्य विश्वनाथ द्विवेदी २०—००
५४८७ भावप्रकाश। मूल। पूर्वार्द्ध १०—००
५४८८ भावप्रकाश। नवीन वैज्ञानिक विद्योतिनी हिन्दी टीका सहित पूर्वार्द्ध भाग १२५—००, उत्तरार्द्ध भाग १२५-००
५४८९ भावप्रकाश ज्वराधिकार। नवीन वैज्ञानिक विद्योतिनी हिन्दी टीका २०—००
५४९० भावप्रकाश निघण्टु। हिन्दी टीका सहित। सम्पा०—डॉ० गङ्गासहाय पाण्डेय ६०—००
५४९१ भाषण लेख संग्रह। (डॉ० भा. गो. घाणेकर) सं० वी.वी. घाणेकर १६—००
५४९२ भिषक्कर्मसिद्धि। डॉ० रमानाथ द्विवेदी ६०—००
५४९३ भेलसंहिता। सटिप्पण शोधपूर्ण सम्पादित संस्करण यन्त्रस्थ
५४९४ भैषज्यरत्नावली। विद्योतिनी हिन्दी टीका विमर्श टिप्पणी परिशिष्ट सहित। टीकाकार—कविराज अम्बिकादत्त शास्त्री १२५—००

५४९५ मदनपाल निघण्टु । मूल टिप्पणी सहित १–५०

५४९६ मर्म-विज्ञान सचित्र । आचार्य रामरक्ष पाठक १०–००

५४९७ महौषध निघण्टु । (द्रव्यनामगुणहस्तपुस्तिका) आर्यदास कुमार सिंह वैद्य कृत । विद्योतिनी हिन्दी टीका विमर्श सहित १०–००

५४९८ माधव द्रव्यगुण । सम्पा०–डॉ० प्रियव्रत शर्मा २५–००

५४९९ माधवनिदानम् । सुधालहरी संस्कृत टीका सहित यन्त्रस्थ

५५०० माधवनिदानम् । सम्पा०–वैद्य यदुनन्दन उपाध्याय । मधुकोष संस्कृत तथा विद्योतिनी हिन्दी टीका, टीकाकार–सुदर्शन शास्त्री । १–२ भाग ९०–००

५५०१ माधवनिदानम् । सविमर्श कुसुम व्याख्या सहित । वैद्य आशुतोष मालवीय २५–००

5402 Materia Medica of the Hindus by Uday Chand Dutt. With a Glossary of Indian Plants by George King. 50–00

५५०३ माँ और शिशु । (सचित्र) डा० प्रियम्वदा तिवारी ५–००

५५०४ मानस मन्दता और चिकित्सक का उत्तरदायित्व । डॉ० मुकुन्द स्वरूप वर्मा तथा श्रीमती इन्दिरा वर्मा ४०–००

५५०५ मुख-कण्ठ चिकित्सा विज्ञान (सचित्र) । डॉ० रवीन्द्रचन्द्र चौधरी ८–००

५५०६ सचित्र माडर्न इन्जेक्शन (आधुनिक सूचीवेध)।डॉ० प्रियकुमार चौबे २२–००

५५०७ सचित्र मानसिक एवं तन्त्रिका रोग चिकित्सा । डॉ० प्रियकुमार चौबे १५–००

५५०८ मिर्च । श्री रमेश बेदी १–००

5409 Methods of Surgical Research. Edited by Dr. K. N. Udupa and L. Sinha. 24–00

५५१० मूत्र के रोग । डा० घाणेकर २५–००

५५११ यकृत् के रोग और उनकी चिकित्सा । वैद्य रमाकान्त झा ५–००

५५१२ यूनानी द्रव्यगुणादर्श । मूलभूत सिद्धान्त, परिभाषा, भेषज कल्पनादि । वैद्यराज हकीम दलजीत सिंह । १-३ भाग १००–००

५५१३ योग का वैज्ञानिक रहस्य एवं यौगिक चिकित्सा । (सचित्र) रमणदास महात्यागी योगाचार्य ५०–००

५५१४ योग-चिकित्सा । अत्रिदेवगुप्त विद्यालंकार १०–००

५५१५ योगतरंगिणी संहिता । विद्योतिनी हिन्दी व्याख्या सहित यन्त्रस्थ

५५१६ योगरत्नमाला । सटीक । सम्पा०—पी० वी० शर्मा १०–००

५५१७ योगरत्नाकरः । मूल गुटका संस्करण ५०–००

५५१८ योगरत्नाकरः । 'विद्योतिनी' हिन्दी टीका सहित २००–००

५५१९ रक्त के रोग । डॉ० घाणेकर । नवीन आवृत्ति ४५–००

५५२० रतिज रोगशास्त्र । शिवकुमार वैद्य १५—००

५५२१ रतिमञ्जरी । गद्य-पद्यात्मक हिन्दी अनुवाद सहित १—५०

५५२२ रत्नविज्ञान । डॉ० राधाकृष्ण पाराशर २५—००

५५२३ रसकौमुदी । ज्ञानचन्द्र शर्मा विरचित । हिन्दी टीका सहित ६—००

५५२४ रसचिकित्सा । कविरत्न प्रभाकर चट्टोपाध्याय १२—००

५५२५ रसजलनिधिः । (संस्कृत) मूल तथा अंग्रेजी अनुवाद सहित । भूदेव मुखर्जी । १—५ भाग ३७५—००

५५२६ रसप्रकाशसुधाकर । 'सिद्धिप्रदा' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्या०—सिद्धिनन्दन मिश्र ६०—००

५५२७ रसयोगसागरः । सटिप्पण हिन्दी टीका सहित । वैद्य हरिप्रपन्न शर्मा कृत । १—२ भाग ४००—००

५५२८ रसरत्नसमुच्चयः । मूल टिप्पणी सहित १०—००

५५२९ रसरत्नसमुच्चयः । नवीन सुरत्नोज्ज्वला-विस्तृत हिन्दी टीका, परिशिष्ट सहित । टीकाकार—आचार्य श्री अम्बिकादत्त शास्त्री ५०—००

५५३० रससङ्केत-कलिका । कायस्थचामुण्डकृत । सटिप्पण 'रसचन्द्रिका' हिन्दी व्याख्या सहित । व्या०—डॉ० इन्द्रदेव त्रिपाठी १५—००

५५३१ रसादि परिज्ञान । पं० जगन्नाथप्रसाद शुक्ल ८—००

५५३२ रसाध्याय । संस्कृत हिन्दी टीका सहित १२—००

५५३३ रसरत्नाकर-रसायनखण्ड । नित्यनाथसिद्ध विरचित । 'रसचन्द्रिका' हिन्दी व्याख्या । डॉ० इन्द्रदेव त्रिपाठी २०—००

५५३४ रसायनतन्त्र । श्री पक्षधर झा १०—००

५५३५ रसार्णव नाम रसतन्त्रम् । सविवरण हिन्दी टीका सहित ४०—००

५५३६ रसेन्द्रचूड़ामणिः । सोमदेव विरचित । 'सिद्धिप्रदा' हिन्दी व्याख्या सहित । सिद्धिनन्दन मिश्र ६०—००

५५३७ रसेन्द्र विज्ञान । कविराज श्रीरामादर्श सिंह ७—५०

५५३८ रसेन्द्रसारसंग्रहः । (सचित्र) गूढार्थसंदीपिका संस्कृत टीका सहित । टीकाकार—आयुर्वेदाचार्य अम्बिकादत्त शास्त्री २५—००

५५३९ रसेन्द्रसारसंग्रहः । (सचित्र) नवीन वैज्ञानिक 'रसचन्द्रिका' हिन्दी टीका विमर्श परिशिष्ट सहित । टीकाकार—गिरिजादयालु शुक्ल २५—००

५५४० राजकीय ओषधियोग संग्रह । श्री रघुवीरप्रसाद त्रिवेदी यन्त्रस्थ

५५४१ राजनिघण्टु । नरहरि विरचित । 'द्रव्यप्रकाशिका' हिन्दी व्याख्या सहित । डा० इन्द्रदेव त्रिपाठी । सम्पूर्ण ९०—००

५५४२ राजमार्तण्ड । भोजराज विरचित । विद्योतिनी हिन्दी टीका सहित १०—००

५५४३ राष्ट्रीय चिकित्सा सिद्धयोगसंग्रह । श्री रघुवीरप्रसाद त्रिवेदी ६—००

५५४४ रोगनामावली कोष । डॉ० दलजीत सिंह ४०—००

५५४५ रोगनिवारण । डा० शिवनाथ खन्ना ६०—००

५५४६ रोगपरिचय (Clinical Medicine)। डा० शिवनाथ खन्ना ७५—००

५५४७ रोगीपरिचर्या, कम्पाउन्डरी एवं एलोपैथिक चिकित्सा। (सचित्र) डा० शिवनाथ खन्ना ३५—००

५५४८ रोगी परीक्षाविधि। (सचित्र) आचार्य प्रियव्रत शर्मा २५—००

५५४९ रोगी रोग-विमर्श। डा० रमानाथ द्विवेदी ५—००

५५५० रोगीपरीक्षा। डा० शिवनाथ खन्ना। संशोधित, परिवर्धित संस्करण १०—००

५५५१ लङ्काभैषज्यमणिमाला। आयुर्वेद। कुमार सिंह वैद्य कृत। हिन्दी टीका सहित १०—००

५५५२ लहसुन प्याज। श्री रमेश बेदी २—५०

५५५३ लोहसर्वस्वम्। सुरेश्वर विरचित। हिन्दी टीका सहित ६—००

५५५४ वनौषधि चन्द्रोदय। विशाल निघण्टु ग्रन्थ। पृथक्-पृथक् प्रत्येक भाग का मूल्य २०—००, सम्पूर्ण ग्रन्थ १—१० भाग २००-००

५५५५ वनौषधि दर्शिका। प्रो० बलवन्त सिंह १०—००

५५५६ वाग्भट विवेचन। (वाग्भट: अध्ययन) आचार्य प्रियव्रत शर्मा ५०—००

५५५७ वानस्पतिक अनुसन्धान दर्शिका। (१९६६-१९६८) सम्पादक— डा० कृष्णचन्द्र चुनेकर १५—००

५५५८ विद्युत-हृद्लेख। (सचित्र डा० दिनकर गोविन्द थत्ते ७५—००

५५५९ विधिवैद्यक। (व्यवहारायुर्वेद विज्ञान) डा० शिवनाथ खन्ना तथा डा० इन्द्रदेव त्रिपाठी २०-००

५५६० विषविज्ञान और अगदतन्त्र। डा० युगलकिशोर एवं डा० रमानाथ द्विवेदी १०-००

५५६१ वैद्यक चमत्कारचिन्तामणि। लोलिम्बराज विरचित। 'विमला' सं० हि० व्याख्या सहित। सम्पा०—ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ६-००

५५६२ वैद्यक परिभाषाप्रदीप। प्रदीपिका हिन्दी टीका सहित। टीकाकार— श्री प्रयागदत्त जोशी। द्वितीय संस्करण ५—००

५५६३ वैद्यक-शब्दसिन्धु:। आयुर्वेदीय शब्दौषध-नाम निर्णयको बृहद्कोश ग्रन्थ:। (लैटिन-संस्कृत-हिन्दी-तैलङ्ग-तमिल-उत्कल-बङ्गादि-भाषा व्यवहृत-पर्यायगुणादि समलंकृत:, विविध-वैद्यक-ग्रन्थेभ्य समुद्धृतप्रमाण-प्रयोगादि समन्वितश्च) कविराज उमेशचन्द्र गुप्त कविरत्नेन सङ्कलित:। कविराज श्री नगेन्द्रनाथ सेन वैद्य शास्त्री ३००—००

५५६४ वैद्यकीय सुभाषितसाहित्यम्। डा० घाणेकर। हिन्दी टीका सहित ४०—००

५५६५ वैद्यकीय सुभाषितावली। डा० प्राणजीवन माणेकचन्द मेहता। मूल संस्कृत, अंग्रेजी अनुवाद सहित ५—००

५५६६ वैद्यविशारद-प्रश्नपञ्जिका। हिन्दी विश्वविद्यालय, प्रयाग के वैद्य विशारद की परीक्षोपयोगी प्रश्नोत्तरी, डा० इन्द्रदेव त्रिपाठी। प्रथम खण्ड १०—००

५५६७ वैद्यजीवनम् । अभिनव सुधा हिन्दी टीका । श्री कालिकाचरण शास्त्री ४-००
५५६८ व्यवहारायुर्वेद-विषविज्ञान-अगदतन्त्र । डॉ० युगलकिशोर गुप्त एवं डॉ० रमानाथ द्विवेदी २५-००
५५६९ शरीर क्रिया विज्ञान । (सचित्र) आचार्य प्रियव्रत शर्मा समाप्त
५५७० शल्यतन्त्र में रोगी परीक्षा । डॉ० पी० जे० देशपाण्डे ३०-००
५५७१ शल्यप्रदीपिका । (सचित्र)डॉ० मुकुन्दस्वरूप वर्मा । परिवर्द्धित संस्करण समाप्त
५५७२ शल्यतंत्रसमुच्चयः । (सचित्र) वामदेव मिश्र कृत । सं० डॉ० जनार्दन देशपाण्डेय ३०-००
५५७३ शहतूत । श्री रमेश बेदी ०-४०
५५७४ शार्ङ्गधरसंहिता । मूल सटिप्पण । सम्पा०—सिद्धिनन्दन मिश्र २५-००
5575 Sarngadhara Samhita. Text With English Translation by K. R. Srikanta Murthy. 175-00
५५७६ शार्ङ्गधरसंहिता । सुबोधिनी हिन्दी टीका, वैज्ञानिक विमर्श, लक्ष्मी नामक टिप्पणी तथा पथ्यापथ्यादि विविध परिशिष्ट सहित ४५-००
५५७७ शार्ङ्गधरसंहिता । भिषग्वर आढमल्ल विरचित 'दीपिका' पं० काशीरामप्रणीत 'गूढार्थदीपिका' टीका सहित । सं०—पं० परशुराम शास्त्री विद्यासागर ८०-००
५५७८ शालाक्यतन्त्र (निमितन्त्र)। डॉ०रमानाथ द्विवेदी । परिवर्द्धित संस्करण ५०-००
५५७९ शिलाजीत विज्ञान । डॉ० जाह्नवी प्रसाद जोशी ३-००
५५८० सन्ततिनिग्रह (गर्भनिरोध) । डॉ० शिवदयाल गुप्त ५-००
५५८१ संक्षिप्त शरीर रचना । (सचित्र) डॉ० प्रकाशचन्द्र गौड़ यन्त्रस्थ
5582 Surgical Ethics in Ayurveda. By Dr. G. D. Singhal and Pt. Damodar Sharma Gaur. (Chow. Sans. Studies Vol. XL) Shortly
5583. Some Controversial Drugs in Indian Medicine by Bapalal Vaidya. 150-00
५५८४ सरस दोष धातु मल विज्ञान । १५-००
५५८५ समाज चिकित्सा शास्त्र एवं स्वास्थ्यवृत्त । डॉ० शिवनाथ खन्ना ३५-००
५५८६ सामान्य रोगों की रोकथाम । डॉ० प्रियकुमार चौबे १०-००
५५८७ सिद्धभैषज्यसंग्रह । श्री युगलकिशोर गुप्त ३०-०० ३५-००
५५८८ सिद्धान्तनिदानम् । गणनाथसेन कृत । संस्कृत । १-२ भाग ४०-००
५५८९ सुश्रुत संहिता (सचित्र)। 'छात्रसुबोधिनी' हिन्दी टीका सहित । व्याख्याकार—वैद्य पं० शम्भूनाथ शास्त्री । साधारण संस्करण ९०-००
राज संस्करण १२०-००

५५९० सुश्रुतसंहिता । सुदामा मिश्र शास्त्री कृत सुधा संस्कृत टीका सहित समाप्त
५५९१ सुश्रुतसंहिता । 'आयुर्वेदतत्त्वसंदीपिका' हिन्दी व्याख्या वैज्ञानिक विमर्श सहित । डा० कविराज अम्बिकादत्त शास्त्री । १–२ भाग सम्पूर्ण १५०–००
5592 Susruta Samhita. English Translation and Different Readings, Introduction etc. with a Full and Comprehensive Notes and Plates by Kaviraja Kunjalal Bhishagratna, M.R.A.S. Vol. 1–3. Complete. 600–00
५५९३ सुश्रुतसंहिता-शारीरस्थान।नवीन वैज्ञानिक'प्रभा'–'दर्पण'हिन्दी टीका ८–००
५५९४ सुश्रुतसंहिता । 'निदान स्थान' मात्र की गयदासाचार्य कृत 'न्याय-चन्द्रिका' टीका आद्यन्त सम्पूर्ण ग्रंथ, डल्हणाचार्य कृत 'न्याय-संग्रह' टीका से विभूषित २५०–००
५५९५ सूचीवेध विज्ञान (Injection Therapy) । डा० राजकुमार द्विवेदी ४–००
५५९६ सौंफ चिकित्सा (सौंफ के एक सौ प्रयोग)। वैद्य पं०गङ्गाप्रसाद गांगेय ४–५०
५५९७ सौश्रुती । डा० रमानाथ द्विवेदी ४०–००
५५९८ स्टेथिस्कोप तथा नाड़ी परीक्षा । डा० जाह्नवीप्रसाद जोशी ५–००
५५९९ स्त्रीरोग विज्ञान (सचित्र) । डा० रमानाथ द्विवेदी २५–००
५६०० स्त्रीरोग चिकित्सा (सचित्र) । डा० शिवनाथ खन्ना १५–००
५६०१ स्त्रीरोग चिकित्सा (सचित्र) । डा० जहान सिंह चौहान ३५–००
५६०२ स्वस्थवृत्तसमुच्चयः । वैद्य राजेश्वरदत्त शास्त्रीकृत हिन्दी टीका सहित ३५–००
५६०३ स्वास्थ्य विज्ञान और सार्वजनिक आरोग्य । (सचित्र) डा० घाणेकर समाप्त
५६०४ स्वास्थ्य शिक्षण । (सचित्र) वासुदेव भास्कर घाणेकर ३०–००
५६०५ स्वास्थ्य शिक्षा पाठावलि । डा० गोविन्द घाणेकर ५–००
५६०६ स्वास्थ्यसंहिता । हिन्दी टीका सहित । रचयिता–कविराज नानकचन्द्र ८–००
५६०७ हृदय एवं वाहिकारोग चिकित्सा । विद्युत-हृल्लेखी तथा उद्धरण सहित । डा० प्रियकुमार चौबे १५०–००
५६०८ हृदयदीपकनिघण्टुः सिद्धमन्त्रप्रकाशश्च । भूमिका, परिशिष्ट सहित । सं० आचार्य प्रियव्रत शर्मा २५–००
५६०९ हाइड्रोसिल तथा हार्निया आपरेशन । सचित्र । डा० महेश्वर प्रसाद उमाशंकर १२–००
५६१० हैजा विसूचिका चिकित्सा । जाह्नवी प्रसाद २–००
५६११ होमियोपैथिक गाइड । डा० शान्ताराम वैश्य ४–००
५६१२ होमियोपैथिक सेलेक्टेड मेडिसिन्स । डा० शान्ताराम वैश्य एवं डा० मोती लाल १२–००

Banaras Hindu University Sanskrit Series
(Deptt. of Sanskrit and Pali)

Vol. No. 1. चम्पूरामायण का साहित्यिक परिशीलन :
डा० करुणा श्रीवास्तव १३–००

Vol. No. 2. Paninian Interpretation of the Sanskrit Language
—Dr. N. C. Nath 30-00

Vol. No. 3. A Critical Study of the Katyayana-Srautasutra
—Dr. K. P. Singh 21–00

Vol. No. 4. A Cultural Study of the Srimad Bhagavata
—Dr. K. S. Tripathi 40–00

Vol. No. 5. ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् (उव्वट भाष्यसहितम्)
(A Critical Edition with Translation and notes)
—डा० वीरेन्द्रकुमार वर्मा समाप्त

Vol. No. 6. Descriptive Catalogue of Sanskrit Manuscripts in Gaekwad Library. (Bharata-Kala-Bhavan and Sanskrit Mahavidyalaya Library. B. H. U.)
—Dr. Rama Sankar Tripathi 100–00

Vol. No. 7. ऋग्वेदप्रातिशाख्य (एक परिशीलन)
—डॉ० वीरेन्द्रकुमार वर्मा ४५–००

Vol. No. 8. मूल-यजुर्वेद संहिता —महर्षि देवरात ९५–००

Vol. No. 9. वेदान्तकौमुदी (With the Sanskrit Commentary of Sri Ramadvayacarya and Hindi Transliation.)
—डा० राधेश्याम चतुर्वेदी ८०–००

Vol. No. 10. व्याख्याकारों की दृष्टि से पातञ्जल योगसूत्र का समीक्षात्मक अध्ययन —डॉ० (कु०) विमला कर्णाटक ६५–००

Vol. No. 11. ध्वनिप्रस्थान में आचार्य मम्मट का अवदान
—डॉ० जगदीशचन्द्र शास्त्री ६४–००

Vol. No. 12. संस्कृत काव्य समीक्षा —डॉ० रामायण प्रसाद द्विवेदी ६८–००

Vol. No. 13. Evolution of Brahman Class
Dr. (Miss.) Padma Misra 68–00

Vol. No. 14. सरस्वतीकण्ठाभरणालङ्कार
सम्पादक - डॉ० विश्वनाथ भट्टाचार्य १००–००

Vol. No. 15. ऋक्सर्वानुक्रमणी —षड्गुरु शिष्य भाष्य और सरल हिन्दी टीका सहित। डॉ० सुधाकर मालवीय In Press

Vol. No. 16. तैत्तिरीय प्रातिशाख्य —भाष्य त्रय और हिन्दी व्याख्या सहित। डॉ० वीरेन्द्रकुमार वर्मा In Press

